gradeup

UPSC मासिक सामयिकी अक्तूबर २०२०

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co

कला और संस्कृति

सावंतवाड़ी खिलौना

ख़बरों में क्यों है?

- **भारत में पोस्टकार्ड** की **151 वीं वर्षगांठ के अवसर के रूप में, भारतीय डाक** का **महाराष्ट्र क्षेत्र 1 अक्टूबर को 'सावंतवाडी खिलौने'** पर तस्वीर पोस्टकार्ड जारी करेगा।

सावंतवाड़ी खिलौनों के बारे में

- यह **महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में सावंतवाड़ी** कस्बे में लकड़ी की बनी कलाकृतियों को दर्शाता है।
- इनमें से ज्यादातर खिलौने **सावंतवाड़ी तालुका के कोलगाँव गाँव** में बने हैं।
- ये खिलौने **भारतीय कोरल वृक्ष (एरीथ्रिना वेरिएगाटा)** की लकड़ी से बनाए गए हैं।
- इन खिलौनों को बनाने वाले **कारीगर चित्तारी समुदाय के हैं** जो **कारवार और गोवा से सावंतवाड़ी** आए थे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - कला और संस्कृति

स्रोत- PIB

पाकुड़ शहद

ख़बरों में क्यों है?

- **जनजातीय मामलों के मंत्री** ने **गांधी जयंती** के **अवसर** पर **पाकुड़ हनी** का शुभारंभ किया ।

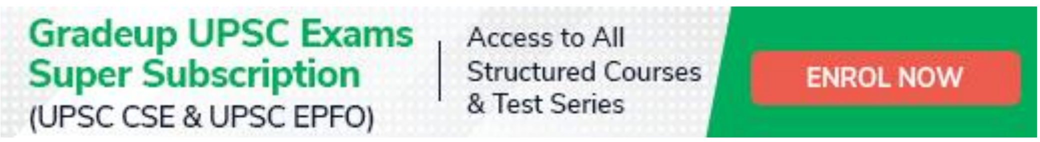

पाकुड़ हनी के बारे में

- यह एक **100% प्राकृतिक शहद है** जो **कई फूलों से बना और ताजा है।**
- यह **पाकुर, झारखंड** से **संथाल आदिवासी और कमजोर पहाड़िया जनजातियों** द्वारा इकट्ठा किया गया है।
- **इस शहद का संग्रह स्थानीय युवाओं** द्वारा **धारणीय आधार पर पर्यावरण अनुकूल तरीके** से किया जाता है।
- **शुद्ध मल्टीफ्लोरा शहद** को **विभिन्न प्रकार के फूलों** से इकट्ठा किया जाता है।
- प्राकृतिक मल्टीफ़्लोरा शहद **एंटीऑक्सिडेंट और एंटीसेप्टिक विटामिन, पोषक तत्व, एंजाइम** और अन्य हर्बल गुणों का एक **अच्छा स्रोत है** जो **कोई अन्य सुपर-फूड प्रदान नहीं कर सकता है।**
- यह **दो अलग-अलग स्वादों में उपलब्ध** होगा, **करंज और मल्टीफ़्लोरल (जंगली)।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - कला और संस्कृति

स्रोत - डीडी न्यूज़

संस्कृत

ख़बरों में क्यों है?

- **उत्तर प्रदेश सरकार** ने **महत्वपूर्ण प्रेस विज्ञप्तियों**, विशेष रूप से मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** के भाषणों को **अंग्रेजी, हिंदी** और **उर्दू के अलावा संस्कृत भाषा में प्रसारित करना शुरू कर दिया है।**

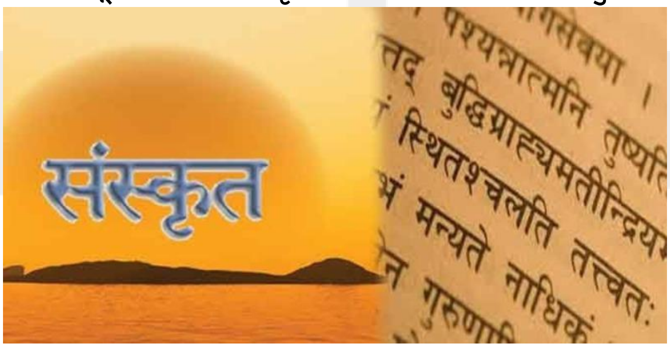

संस्कृत के बारे में

- संस्कृत एक **इंडो-आर्यन भाषा है।**
- यह **हिंदू धर्म** की **प्राथमिक साहित्यिक भाषा** है **और हिंदू दर्शन** के **अधिकांश कार्यों की प्रमुख भाषा** और साथ-साथ **बौद्ध एवं जैन धर्म के** कुछ प्रमुख ग्रंथों की भी भाषा है।
- एक अधिक **परिष्कृत और मानकीकृत व्याकरण** जिसे **शास्त्रीय संस्कृत कहा गया पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व** में **पाणिनी की अष्टाध्यायी पुस्तक** से उभरी है।
- यह **भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची** में सूचीबद्ध **22 भाषाओं** में से एक भाषा है।
- **2011 की जनगणना** में, कुल 1.21 अरब जनसंख्या में से 24,821 भारतीयों ने **संस्कृत को अपनी मातृभाषा स्वीकार किया है।**
- संस्कृत भाषा के कुछ **जाने-माने लेखकों में पाणिनी, पतंजलि, आदि शंकराचार्य, वेद व्यास, कालिदास** आदि शामिल थे।
- दुनिया में **एकमात्र संस्कृत अखबार 'सुधर्मा'** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- यह अखबार **कर्नाटक के मैसुरु से 1970** से **प्रकाशित हो रहा है** और इसका ऑनलाइन संस्करण भी उपलब्ध है।
- सन् **1786 में, अंग्रेजी भाषाविद विलियम जोन्स** ने अपनी पुस्तक **'संस्कृत लैंग्वेज' में यह सुझाव दिया था कि ग्रीक और लैटिन भाषा का संबंध संस्कृत से था।**

नोट:

- आधुनिक समय में, **पहला संस्कृत विश्वविद्यालय सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय था** , जिसे **1791 में भारतीय शहर वाराणसी में** स्थापित किया गया था।
- **संस्कृत दिवस 2020 3 अगस्त 2020** को मनाया गया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - कला और संस्कृति

स्रोत- PIB

कस्तूरी कपास

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने 7 अक्टूबर** को **2 वें विश्व कपास दिवस पर भारतीय कपास के** लिए **पहला ब्रांड और लोगो** जारी किया।
- अब, **भारत के उच्च श्रेणी के कपास** को **विश्व कपास व्यापार** में **'कस्तूरी कपास'** के नाम से जाना जाएगा।
- कस्तूरी कपास ब्रांड **सफेदी, कोमलता, शुद्धता, चमक, विशिष्टता और भारतीयता का प्रतिनिधित्व** करेगी।

KASTURI COTTON INDIA

संबंधित जानकारी

- **भारत चीन के बाद दुनिया का सबसे बड़ा कपास उत्पादक और उपभोक्ता देश है।**
- **भारत** दुनिया **के कुल जैविक कपास** उत्पादन का लगभग **51%** उत्पादन करता है, जो **स्थिरता के प्रति भारत के प्रयास को प्रदर्शित करता है** ।
- **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत APEDA के** माध्यम से **कपड़ा मंत्रालय** ने **कार्बनिक कपास के लिए** एक **प्रमाणन प्रणाली** निर्धारित की है जिसे **संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला** में चरणों में पेश किया जाएगा।
- इसी तरह, **गैर-कार्बनिक कपास के लिए** एक **प्रमाणन प्रणाली के** निर्धारण को **APEDA** के साथ लिया गया है **ताकि कपास के** उपयोग को उपयुक्त रूप से बढ़ाया जा सके।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

Cott-Ally

- हाल ही में **भारतीय कपास निगम (CCI)** द्वारा एक मोबाइल एप्लिकेशन, **"Cott-Ally"** विकसित की गयी है जो **मौसम हालत के बारे में ताजा खबर**, फसल स्थिति और सबसे बेहतर खेती की पद्धतियों के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।

विश्व कपास दिवस के बारे में

- **दूसरा विश्व कपास दिवस 7 अक्टूबर 2020 को मनाया गया।**

पृष्ठभूमि

- यह **कपास-4** (बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली) देशों की **पहल है**।
- **विश्व व्यापार संगठन ने 7 अक्तूबर 2019 को संयुक्त राष्ट्र FAO, UNCTAD , अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (ITC)** और **अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (ICAC)** के साथ मिलकर **पहले विश्व कपास दिवस की मेजबानी की थी।**

उद्देश्य

- **इसका उद्देश्य पांच महाद्वीपों में 75** से अधिक **देशों** में विकसित **वैश्विक वस्तु के** रूप **में कपास के महत्व** को **पहचानने के लिए** और कई **कम-विकसित देशों में रोजगार सृजन** और **आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में** इसकी **केंद्रीय भूमिका** को उजागर करना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - कला और संस्कृति

स्रोत- PIB

कामधेनु दीपावली अभियान

ख़बर में क्यों?

- राष्ट्रीय कामधेनु आयोग (आरकेए) ने इस वर्ष दीपावली त्योहार पर राष्ट्रीय स्तर पर कामधेनु दीपावली अभियान शुरू किया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

कामधेनु दीपावली अभियान के बारे में

- इस अभियान के द्वारा, आरकेए विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है जिसके लिए वेबीनार की श्रृंखला की जा रही है जिससे इस वर्ष दीपावली में गाय के गोबर से बनी वस्तुओं के निर्माण को प्रोत्साहित किया जा सके।

- आरकेए ने इस अभियान के लिए सभी राज्यों के प्रत्येक जिले में अपने प्रतिनिधियों के द्वारा अपनी उपस्थिति को बढ़ाया है, जिससे देश की सभी गौशालाओं में कामधेनु दीपावली से संबंधित वस्तुओं के उत्पादन को प्रोत्साहित और बढ़ावा दिया जा सके। साथ ही राष्ट्रव्यापी विपणन योजना भी इसमें शामिल है।
- हितधारकों के विभिन्न समूह जैसे किसान, विनिर्माणकर्ता, उद्यमी, गौशालाएं और अन्य संबंधित लोग इसमें शामिल हैं जिससे कामधेनु दीपावली अभियान को बड़े रूप में सफल बनाया जा सके।

संबंधित सूचना

राष्ट्रीय कामधेनु आयोग

- राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना गायों और उनके बच्चों के संरक्षण, सुरक्षा और विकास के लिए की गई है। साथ ही यह पशुपालन विकास कार्यक्रमों को दिशा भी प्रदान करता है।
- आरकेए एक उच्च शक्ति वाली स्थाई निकाय है जिसका कार्य पशुओं से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए दिशा देना और नीति बनाना है और जीवनयापन पीढ़ी पर ज्यादा जोर देना है।

नोटः

- हाल में, आरकेए ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर प्रधानमंत्री की अपील पर इस वर्ष के गणेश महोत्सव के लिए भगवान गणेश की प्रतिमाओं के निर्माण में पर्यावरण हितैषी पदार्थ के प्रयोग के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया।
- इसने विभिन्न हितधारकों में काफी दिलचस्पी पैदा की जिसमें डेयरी किसान/बेरोजगार युवा/महिलाएं और युवा उद्यमी/गौशालाएं/गोपालक/स्वयं सहायता समूह इत्यादि शामिल हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला और संस्कृति, स्रोत- PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

पेरू की विख्यात नज्का रेखाएं

समाचार में क्यों हैं?

- हाल में **पेरू की विख्यात नज्का रेखाएं**, जोकि UNESCO **की विश्व विरासत स्थल** में शामिल हैं, जिन्हें **अपने आकार से बड़े जानवरों,** वनस्पति और काल्पनिक चीजों के **निरुपण** के लिए जाना जाता है, ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया जब अभी तक अनजान विशालकाय नक्काशी की खोज की गई- यह यह एक ढलानदार पहाड़ी पर आराम कर रही बिल्ली का चित्र है।

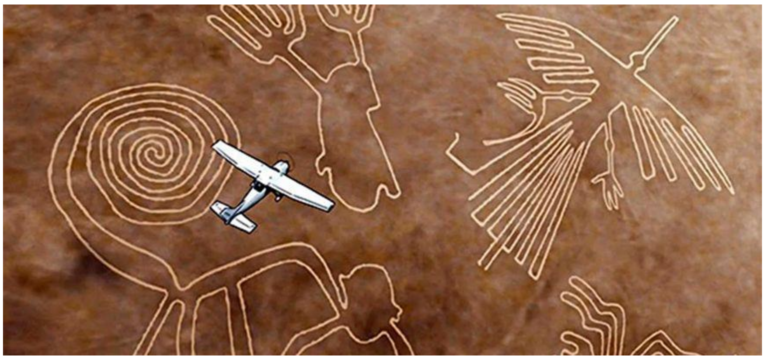

नज्का रेखाएं क्या हैं?

- **नज्का रेखाएं भू-चित्रों के समूह** हैं अथवा बड़ी डिजाइनें हैं जिन्हें सृजनकर्ताओं द्वारा भूमि पर बनाया गया है जिसके लिए पत्थरों, बजरी, गंदगी अथवा लकड़ी जैसे तत्वों का सहारा लिया गया है।
- इन्हें अभी तक का सबसे बड़ा **पुरातात्विक रहस्य** माना जाता है जिसकी वजह इनका आकार, सततता, प्रकृति और गुणवत्ता है।
- भूमि पर बने चित्र इतने बड़े आकार के हैं कि इनको पूरे तरह से देखने के लिए ऊपर उड़ना पड़ता है।
- इन्हें 2 हजार वर्ष पूर्व दक्षिणी पेरू के बंजर पंपा कोलोराडो **(स्पेनी भाषा में लाल समतल भूमि)** पर बनाया गया था, हालांकि **भू चित्रों में विभिन्न विषय हैं लेकिन मुख्य रूप से पौधे और जानवर हैं**।
- चित्रों में पेलीकन (सबसे बड़े का आकार 935 फीट है), एंडियन कॉन्डर्स (443 फीट), बंदर (360 फीट) हमिंग बर्ड (165 फीट) और मकड़े (150 फीट) शामिल हैं।
- ज्यामितीय आकार भी हैं जैसे त्रिभुज, समलंब और सर्पिल और कुछ खगोलीय कार्यों से भी संबंधित हैं।

पृष्ठभूमि

- इन रेखाओं को **सबसे पहले 1927 में खोजा** गया था और **1994 में** UNESCO द्वारा इन्हें विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया गया।
- यह स्थल **राजधानी लीमा** से लगभग 450 किमी. दूर स्थित है जोकि **दक्षिण पैन अमेरिकी हाइवे के साथ दक्षिण** में है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I-कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

"लाइफ इन मिनीएचर" परियोजना

समाचार में क्यों है?

- **केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री** ने हाल में वर्चुअल तरीके से **"लाइफ इन मिनीएचर" परियोजना** की शुरूआत की है। इसके लिए **राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली, संस्कृति मंत्रालय और गूगल आर्ट्स एंड कल्चर** के बीच में सहयोग हुआ है।
- यह **प्रधानमंत्री की 'डिजीटल इंडिया' पहल** और **भारतीय विरासत के संरक्षण में तकनीक की भूमिका** का हिस्सा है।

संबंधित सूचना

"लाइफ इन मिनीएचर" परियोजना के बारे में

- **परियोजना** के अंतर्गत **राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली** से **कई सौ लघु चित्र** हैं जिन्हें नई परियोजना जिसका विषय "लाइफ इन मिनिएचर" है, के द्वारा पूरी दुनिया में लोगों द्वारा **गूगल आर्ट्स एंड कल्चर** पर ऑनलाइन देखा जा सकता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह **परियोजना मशीन लर्निंग,** ऑग्मेंटेड रियल्टी और डिजीटाईजेशन जिसमें **हाई डेफीनिशन रोबोटिक कैमरे** लगे हैं, की तकनीक का प्रयोग करती है। जिससे यह **जादुई नये तरीके** से **कला के विशेष कार्यों** को दिखलाती है।
- **गूगल आर्ट्स एंड कल्चल एप** पर, ऑनलाइन दर्शक **प्रथम ऑगमेंटेड रियल्टी पावर्ड आर्ट गैलरी** को अनुभव कर सकते हैं जिसे **पारंपरिक भारतीय वास्तुकला** के साथ डिजाइन किया गया है और यह **जिंदगी के आकार के वर्चुअल स्थान** की खोज करता है जिसमें आप **लघु चित्रों के चुनाव** तक चल के जा सकते हैं।
- दिखाये जाने वाले कला के कार्य में मानव संबंध की पांच सार्वभौमिक थीम हैं **जो प्रकृति, प्रेम, उत्सव, विश्वास और शक्ति** हैं।

राष्ट्रीय संग्रहालय के बारे में

- **राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली** जोकि **संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार** के अंतर्गत है, **देश** का **सर्वोच्च सांस्कृतिक संस्थान** है।
- **राष्ट्रीय संग्रहालय,** में वर्तमान में **2,00,000 से ऊपर कला वस्तुओं और पुरानी वस्तुओं का संग्रह** है, जोकि **भारतीय व विदेशी** दोनों ही हैं जो **5,000 वर्षों का हमारी सांस्कृतिक विरासत** अपने आप में समेटे हुए है।

गूगल आर्ट और कल्चर के बारे में

- गूगल आर्ट एंड कल्चर के पास **2,000 संग्रहालयों के संग्रहों की सूचना** उपलब्ध है।
- यह **कला, इतिहास और विश्व के आश्चर्यों को खोजने** का लंबा तरीका है। गूगल आर्ट्स एंड कल्चर का **एप मुफ्त और ऑनलाइन उपलब्ध** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- PIB

सिंधु घाटी सभ्यता में डेयरी उत्पादन का प्रमाण

समाचार में क्यों है?

- हाल में **2020 में सिंधु घाटी सभ्यता की खोज के 100 वर्ष पूरे** हुए हैं, और **नवीनतम अध्ययन** यह बतलाता है कि **हड़प्पावासियों द्वारा 2500 ई. पू.** से ही **डेयरी उत्पादों का उत्पादन** किया जाता था।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

मुख्य खोजें

- **प्राचीन पात्रों** में मिले अवशेषों का विश्लेषण करने पर शोधकर्ता दर्शाते हैं कि यह **डेयरी उत्पाद प्रसंस्करण का प्रारंभिक प्रत्यक्ष साक्ष्य** है, इस तरह से **सभ्यता की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फिर से रोशनी पड़ती** है।
- यह अध्ययन **कोटाडा भाडली** से प्राप्त मृदभांड के 59 टुकड़ों पर किया गया, यह **वर्तमान गुजरात का एक छोटा पुरातात्विक स्थल** है।
- उन्होंने **पशुओं, जल भैंस, बकरी और भेड़** जो इस क्षेत्र में पाई जाती है, के **जीवाश्मों से दांत के इनामिल से यह अध्ययन** किया।
- पाया गया कि **गायें और जल भैंसें ज्वार**, खाती थीं जबकि **भेड़ और बकरियां** पास की घास और पत्तियां खाती थीं।

आधिक्य डेयरी उत्पादन का होना

- **हड़प्पावासी** अपने **घर के लिए डेयरी का प्रयोग** नहीं करते थे।
- **बड़े झुंड यह इंगित करते हैं कि दूध** का यहां आधिक्य उत्पादन होता था जिससे उसका विनिमय किया जा सके और बस्तियों के बीच में व्यापार हो सके।

प्रयोग की गई तकनीक

कार्बन आइसोटोप अध्ययन

- **टीम ने अणु विश्लेषण तकनीक** का प्रयोग किया जिससे **प्राचीन मृदभांड़** से अवशेषों का अध्ययन किया जा सके।
- क्योंकि **पात्र छिद्र** वाले होते हैं, जब भी हम **इनमें भोजन का द्रव रूप** डालते हैं, यह उसका अवशोषण कर लेगा।
- पात्र **भोजन के अणुओं को संरक्षित** कर लेते हैं जैसे कि **वसा एवं प्रोटीन**।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- इतिहास

स्रोत- द हिंदू

बूंदी

समाचार में क्यों है?

- **पर्यटन मंत्रालय की वेबीनार श्रृंखला देखो अपना देश जिसका शीर्षक "बूंदीः आर्किटेक्चरल हेरीटेज ऑफ एक फॉरगेटन राजपूत कैपीटल"** है, **24 अक्टूबर 2020** को जिसका जोर **बूंदी, राजस्थान** पर है।

बूंदी के बारे में

- यह **राजस्थान के हड़ोटी क्षेत्र** में एक जिला है।
- बूंदी **हड़ा राजपूत प्रांत की पूर्व राजधानी है जिसे हड़ोटी** कहते हैं जो कि **दक्षिण-पूर्वी राजस्थान** में स्थित है।
- **बूंदी** को **स्टेपवाल्स का शहर, ब्लू शहर** और साथ ही **छोटी काशी** भी कहते हैं।
- **बूंदी को छोटी काशी** इसलिए कहा जाता था क्योंकि हड़ा राजधानी के चारों ओर और इसके अंदर **सैकड़ों मंदिर** मौजूद हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

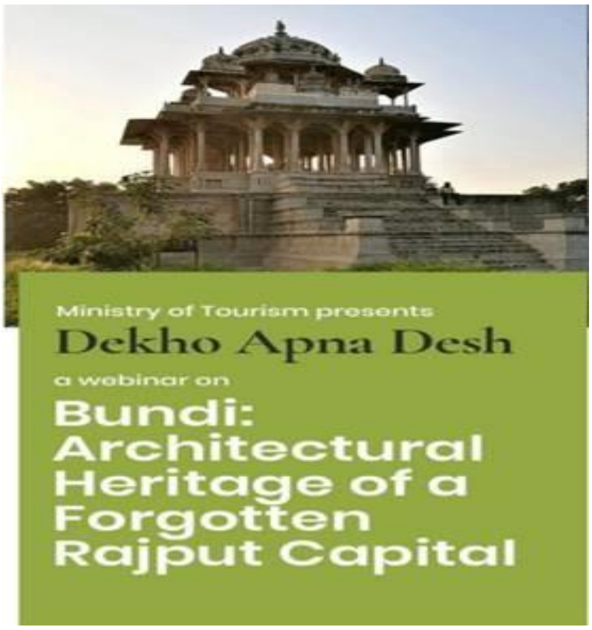

मंदिरों की शैली

- बूंदी के विकास के प्रारंभिक चरण में बनाए गये मंदिर **शास्त्रीय नागर शैली** में हैं, जबकि बाद के चरणों में **शास्त्रीय नागर शैली** के साथ **पारंपरिक हवेली के स्थापत्यीय रूप के संगम** से नया **मंदिर प्ररुप** उभरा।
- **जैन मंदिर तीसरे प्रकार के मंदिर** थे जिन्हें **अंतर्मुखी रूप में निर्मित** किया गया।
- **चौथा मंदिर प्रकार ऊंचे मंदिर के रूप** में उभरा।
- बूंदी के मंदिरों की **विशिष्ट विशेषता आकार में स्मारक** होने का अभाव है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- PIB

<u>परंपरा श्रृंखला</u>

समाचार में क्यों है?

- **भारत के उपराष्ट्रपति** ने हाल में **परंपरा श्रृंखला 2020 के उत्सव- संगीत एवं नृत्य के राष्ट्रीय उत्सव** की शुरुआत की है।

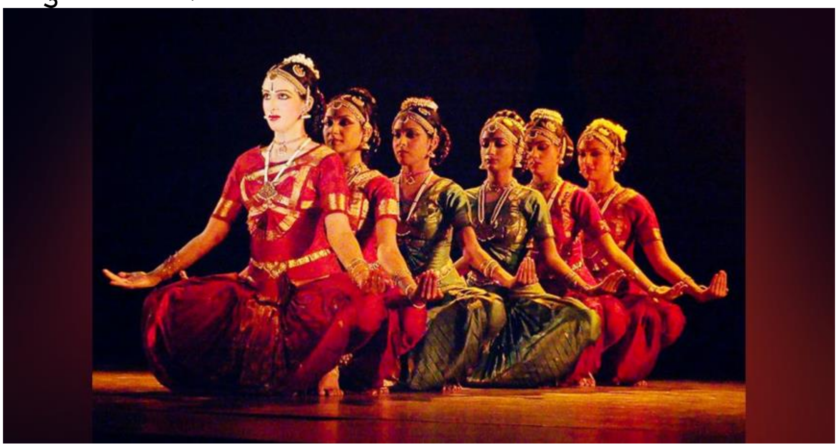

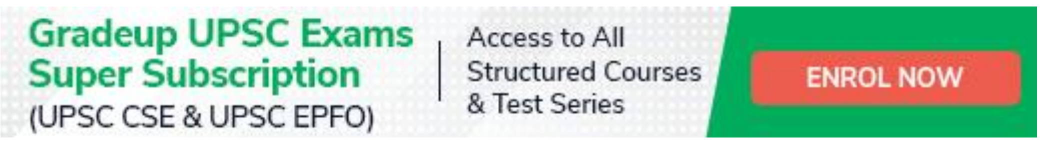

परंपरा श्रृंखला 2020 के बारे में

- इसे **नाट्य तरंगिणी** ने **संयुक्त राष्ट्र के साथ साझीदारी** में आयोजित किया था।
- **नाट्य तरंगिणी पिछले 23 वर्षों** से लगातार '**परंपरा श्रृंखला**' का आयोजन कर रही है।
- यह उत्सव **वर्ल्ड डे फॉर ऑडियो विजुअल हेरीटेज** के साथ एक ही समय होने के लिए आयोजित किया गया था।

संबंधित सूचना

नाट्य तरंगिणी के बारे में

- **नाट्य तरंगिणी परफॉर्मिंग आर्ट्स सेंटर** की स्थापना आरंभिक रूप से नई दिल्ली में **वर्ष 1976** में भारत की प्रसिद्ध नर्तक जोड़ी डॉ. राजा राधा और कौशल्या रेड्डी द्वारा **कुचीपुड़ी नृत्य संस्थान** के रूप में की गई थी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-I कला एवं संस्कृति

स्रोत- बिजीनेस स्टैंडर्ड

gradeup

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

राजव्यवस्था और शासन

किसानों के लिए अलग पहल

खबरों में क्यों ?

- **केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री** ने **आंध्र प्रदेश में** किसानों के लिए **POS 3.1 सॉफ्टवेयर**, **SMS गेटवे,** और **उर्वरकों की घर आपूर्ति सुविधा (RBK)** शुरू किया है।

इन पहल के बारे में

- **POS 3.1** संस्करण के **तहत, प्रचलित महामारी की स्थिति** को ध्यान में रखते हुए**,** संपर्क रहित ओटीपी आधारित **प्रमाणीकरण विकल्प पेश किया गया है।**
- किसान **फिंगरप्रिंट संसर को छुए बिना** उर्वरक खरीद सकेगा**।**
- **SMS गेटवे किसान को** समय-समय पर खुदरा आउटलेट पर **उर्वरक की** एक बाउट **उपलब्धता विवरण SMS के माध्यम से भेजेगा** जहां से उसने आखिरी बार **उर्वरक खरीदा था।**
- आध्रं प्रदेश में **उर्वरक होम आपूर्ति** के तहत के माध्यम से आंध्र प्रदेश में **रायतु भरोसा केंद्रालू परियोजना (RBK)** के माध्यम से **राज्य सरकार ने सभी ग्राम पंचायतों में किसानों को गुणवत्तापूर्ण निवेश और सहयोगी सेवाएं प्रदान करने के लिए 10,641 रायतु भरोसा केंद्रालू (RBK) की शुरुआत की है।**
- इस प्रणाली के तहत, **बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद किसान** अपने **गाँव** में **RBK (रयथु भारसा केंद्र)** से उर्वरकों का ऑर्डर दे सकते हैं **और** उनके **घर** पर **उर्वरक** पहुँचाया जाएगा**।**
- **आंध्र प्रदेश** एकमात्र राज्य है जिसने **इस तरह की अनूठी पहल शुरू की है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - प्रशासन

स्रोत- PIB

अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अपराधों में 2019 में 26% का इज़ाफा: NCRB रिपोर्ट

ख़बरों में क्यों है?

- **राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (NCRB)** ने **भारत में वार्षिक अपराध रिपोर्ट, 2019** जारी की।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

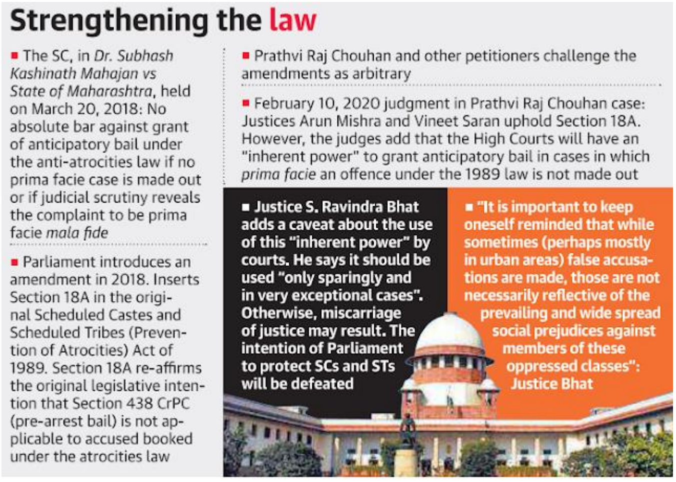

मुख्य बिंदु

- वर्ष 2019 में **अनुसूचित जाति (SC)** और **अनुसूचित जनजाति (ST)** वर्ग के लोगों के साथ हुए अपराधों में वर्ष 2018 के आंकड़ों की तुलना में क्रमशः **7% और 26%** की वृद्धि देखी गयी है।
- वर्ष 2019 में **उत्तर प्रदेश** में **SC** के खिलाफ **सबसे अधिक अपराध** दर्ज किए गए, इसके बाद **राजस्थान और बिहार का स्थान आता है।**
- SC समुदाय की **महिलाओं के बलात्कार के मामलों में**, राजस्थान सूची में शीर्ष पर है, जिसके बाद **उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का स्थान है।**
- **मध्य प्रदेश में ST समुदाय के खिलाफ सबसे अधिक आपराधिक मामले** दर्ज हुए, जिसके बाद **राजस्थान और ओडिशा का स्थान रहा।**

SC और ST के खिलाफ अपराधों में निम्नलिखित श्रेणियाँ हैं-

i. **अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम अधिनियम), 1989** के तहत गैर-SC/ST सदस्यों द्वारा किए गए अपराध
ii. भारतीय दंड संहिता
iii. नागरिक सुरक्षा अधिकार अधिनियम, 1955

महिलाओं के खिलाफ अपराध

- **2018 के बाद से महिलाओं के खिलाफ अपराधों** में **7.3% की** बढ़ोत्तरी हुई है।
- भारत में **2019 में हर दिन औसतन 87 बलात्कार के मामले** दर्ज किए हैं।
- **आदिवासी महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाओं की सबसे बड़ी संख्या मध्य प्रदेश** में दर्ज हुई है।
- **असम** में **महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक दर दर्ज की गयी है।**
- **POSCO अधिनियम के तहत, उत्तर प्रदेश में बालिकाओं के खिलाफ सबसे अधिक संख्या में मामलों को दर्ज किया गया है, जिसके बाद महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश का स्थान आता है।**
- रिपोर्ट के अनुसार, **पश्चिम बंगाल से 2019 के लिए आंकड़े नहीं मिल** पाने के कारण, राष्ट्रीय और शहर-वार आंकड़ों तक पहुँचने के लिए 2018 के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है।

अन्य संबंधित समाचार:

- **उच्चतम न्यायालय ने** हाल ही में **अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार रोकथाम) संशोधन अधिनियम, 2018** की वैधता को बरकरार रखा है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **इस संशोधन अधिनियम को मौलिक अधिकार समानता के उल्लंघन (अनुच्छेद 14)** और **व्यक्तिगत स्वतंत्रता (अनुच्छेद 21) के आधार पर चुनौती दी गयी थी।**
- संशोधन अधिनियम में **अनुच्छेद 18A** जोड़ा गया है जिसमें कहा गया है कि **किसी भी व्यक्ति के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR)** दर्ज कराने के लिए **प्रारंभिक जांच अनिवार्य नहीं होगी।**
- **1989 में, भारत सरकार ने अत्याचार निवारण अधिनियम (POA) पारित किया था**, जो **अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ विशिष्ट अपराधों** को **अत्याचार** के रूप में **मानता करता है** और इन कृत्यों का सामाना करने के लिए रणनीतियों का वर्णन एवं दंड के प्रावधान तय किया गया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB)

- **NCRB** की **स्थापना 1986 में की गई थी** और यह **गृह मंत्रालय के** अधीन कार्य करता है। यह **अपराध और अपराधियों पर जानकारी का संकलन करता** है ताकि **अपराधियों को अपराध** से **जोड़ने में जांचकर्ताओं की** सहायता की जा **सके।**
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- इसे **राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981)** और **MHA की टास्क फोर्स (1985)** की **सिफारिशों के** आधार पर स्थापित किया गया था।
- यह **गृह मंत्रालय (MHA)** का एक हिस्सा है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन

स्रोत- द हिंदू

ट्राइब्स इंडिया ई-मार्केटप्लेस

ख़बरों में क्यों है?

- **जनजातीय मामलों के मंत्री गांधी जयंती** के अवसर पर **भारत के सबसे बड़े हस्तशिल्प** और जैविक उत्पादों के बाज़ार - **ट्राइब्स इंडिया ई- मार्केटप्लेस** का शुभारंभ करेंगे।

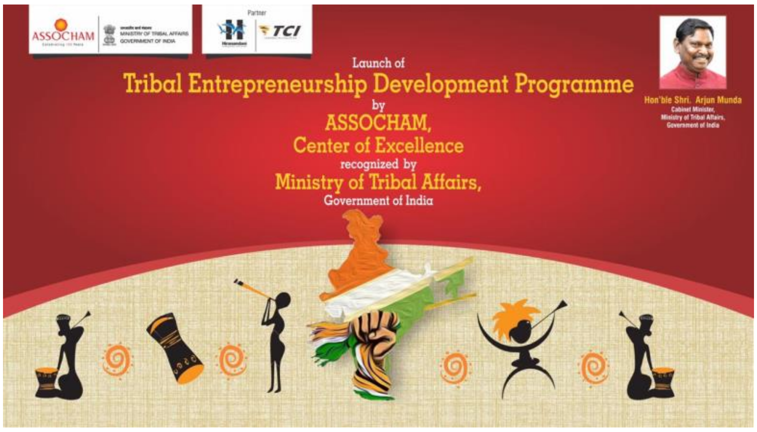

ट्राइब्स इंडिया ई-मार्केटप्लेस के बारे में

- यह एक **महत्वाकांक्षी पहल** है, जिसके माध्यम से **TRIFED का लक्ष्य** पूरे **देश** में **विभिन्न हस्तकला, हथकरघा, प्राकृतिक खाद्य उत्पादों** की खरीद के लिए **5 लाख आदिवासी उत्पादकों को शामिल करना है और आपके लिए सर्वश्रेष्ठ जनजातीय उत्पादों को प्रस्तुत करना है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **आपूर्तिकर्ताओं में आदिवासी कारीगरों**, आदिवासी स्वयं सहायता समूहों, आदिवासियों के साथ काम करने वाले संगठन/एजेंसियाँ/ गैर सरकारी संगठन शामिल हैं।
- **जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत TRIFED** की यह पहल **देश भर से आदिवासी उद्यमों के उत्पादों और वास्तुकला का प्रदर्शन करेगी।**
- यह उन्हें **अपने उत्पादों को सीधे बाजार में बेचने में** मदद करेगा।

सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदम

ट्राइब्स इंडिया ने अमेजन सेलर फ्लेक्स प्रोग्राम से हाथ मिलाया

- यह **अमेज़ॅन के साथ** एक **दीर्घकालिक साझेदारी है**, जिसने **विक्रेताओं और कारीगरों** को **भारत और दुनिया** भर में **आदिवासी भारत के उत्पादों** को बेचने में सक्षम बनाया है।
- यह **आदिवासी स्वामित्व वाले हस्तकला व्यवसायों को चलाने में तेजी लाने में मदद** करेगा, **TRIFED (ट्राइब्स इंडिया)** अब **अमेज़न के सेलर फ्लेक्स प्रोग्राम के साथ जुड़ेगा।**
- इस **कार्यक्रम का उद्देश्य विक्रेताओं के साथ वेयरहाउसिंग, इन्वेंट्री प्रबंधन** और **शिपिंग** में **अमेज़ॅन के सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को साझा करना है।**
- **अमेज़ॅन** की ओर से दिया जाने वाला **समर्थन और विशेषज्ञता उन हजारों कारीगरों** और **बुनकरों को सशक्त बनाने में मदद** करेगी **जो ट्राइब्स इंडिया का हिस्सा हैं।**

TRIFED के बारे में

- भारतीय **आदिवासी सहकारी विपणन विकास महासंघ का गठन 1987 में हुआ था।**
- यह **जनजातीय मामलों** के **मंत्रालय के** प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक **राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष संस्था है**।
- **TRIFED** का **मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है**।

उद्देश्य

- **TRIFED का मूल उद्देश्य आदिवासी उत्पादों** जैसे **धातु शिल्प, आदिवासी वस्त्र, मिट्टी के बर्तन बनाना, आदिवासी चित्रकारी जिसपर आदिवासियों की आय का प्रमुख हिस्सा निर्भर करता है, के बाजार का विकास करके देश में आदिवासी जनता का सामाजिक-आर्थिक विकास करना है।**
- **ट्राइफेड आदिवासियों को** अपने उत्पाद बेचने के लिए **जनजातियों के** लिए **सुविधा एवं सेवाप्रदाता के** रूप में कार्य करता है।
- **ट्राइफेड द्वारा किए गए प्रयास का** उद्देश्य आदिवासियों में **ज्ञान, साधन और सूचना के भंडार के साथ सशक्त बनाना है** जिससे वे अपने कार्य को अधिक व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक ढंग से पूरा कर सकें।
- इसमें आदिवासी समूहों को संवेदनशील बनाकर, **स्वयं-सहायता समूहों (SHG) का निर्माण करके और एक विशेष कार्य करने के लिए उन्हें जरूरी प्रशिक्षण प्रदान करके आदिवासी समुदाय का क्षमता निर्माण करना शामिल है।**

कार्य

- यह मुख्य रूप **से दो कार्य; गौण वन उपज (MFP) विकास** और **खुदरा विपणन विकास करता है।**

गौण वन उपज (MFP)

- **यह गैर-काष्ठीय वन उत्पाद है,** इसे आम तौर पर गौण वन उपज कहा जाता है।
- इसमें पौधे से बनी **सभी गैर-लकड़ी वन उपज** शामिल है जैसे बांस, बेंत, चारा, पत्ते, गोंद, मोम, रंग, रेजिन और कई प्रकार के खाद्य बीज, जंगली फल, शहद, लाख, टसर आदि शामिल हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- वे अपने भोजन, फल, दवाओं और अन्य उपभोग की वस्तुओं का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं और बिक्री के माध्यम से नकद आय प्रदान करते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन

स्रोत- डी. डी. न्यूज़

अखिल भारतीय समय-उपयोग सर्वेक्षण

ख़बरों में क्यों है?

- **सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय** द्वारा **भारत का पहला अखिल भारतीय समय उपयोग सर्वेक्षण** जारी हुआ।
- **"NSS की रिपोर्ट - भारत 2019 में समय उपयोग"** जिसके निष्कर्ष हाल ही में जारी किए गए थे, **इस तरह का आयोजित होने वाला पहला अखिल भारतीय सर्वेक्षण है।**
- यह **जनवरी और दिसंबर 2019 के** बीच आयोजित एक प्रतिदर्शी सर्वेक्षण है।

समय - उपयोग सर्वेक्षण क्या है?

- **समय उपयोग सर्वेक्षण लोगों द्वारा विभिन्न गतिविधियों**, जैसे मेहनताना कार्य, बच्चे की देखभाल, स्वैच्छिक सेवा, और समाजीकरण में **व्यतीत किए गए समय की मात्रा को मापता है।**
- **समय-उपयोग सर्वेक्षण (TUS)** करने के पीछे **प्राथमिक उद्देश्य पुरुषों और महिलाओं की** सशुल्क और निःशुल्क गतिविधियों में **भागीदारी को मापना है।**
- यह **घर के सदस्यों की निशुल्क देखभाल गतिविधियों, स्वैच्छिक कामों, अवैतनिक घरेलू सेवा उत्पादन गतिविधियों में बिताए** गए समय की जानकारी का एक **महत्वपूर्ण स्रोत** है।
- यह सीखने, समाजीकरण, आराम करने और अपने आप की देखभाल करने पर **खर्च किए गए समय की जानकारी** भी **प्रदान करता है।**
- **गरीबी, लिंग समानता** और **मानव विकास** पर **नीतियों बनाने के लिए** इन सर्वेक्षणों के निष्कर्षों को **मददगार** माना जाता है।

सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष

- **भुगतान योग्य रोजगार** जिसमें **नौकरी, खेती, मछली पकड़ना, खनन** इत्यादि सहित दूसरी **आर्थिक गतिविधियाँ** शामिल होती हैं, में **पुरुषों की भागीदारी 57.3% अधिक है,** जबकि महिलाओं की भागीदारी दर **केवल 18.4% है।**
- **भारतीय पुरुष भुगतान योग्य कार्य में अधिक समय लगभग 7 घंटे 39 मिनट व्यतीत करते हैं**, वहीं **महिलाओं एक दिन में 5 घंटे 33 मिनट** व्यतीत करती हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- लगभग **81.2% महिलाएं अवैतनिक घरेलू कार्यों में भाग लेती हैं,** जो हर दिन **औसतन 4 घंटे 59 मिनट** व्यतीत करती हैं।
- **घरेलू सेवाओं में पुरुषों** की **भागीदारी दर 26.1% पर** कम है जो **प्रत्येक दिन** औसतन **1 घंटा 37 मिनट खर्च करते हैं।**
- आम **धारणा के** विपरीत, **पुरुष महिलाओं की तुलना** में **समाजीकरण और बातचीत**, समुदाय भागीदारी और धार्मिक कार्यों में **अधिक भाग लेते हैं।**
- लगभग **91.4% पुरुषों ने सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया** और प्रत्येक दिन लगभग 2 घंटे 27 मिनट समय दिया।
- **यह भागीदारी दर महिलाओं के लिए** थोड़ा कम है **91.3% है** जिन्होंने प्रत्येक दिन **2 घंटे और 19 मिनट** का समय दिया।
- **भारतीयों को अवैतनिक स्वैच्छिक सेवाकार्यों में भाग लेना** पसंद नहीं है।
- **केवल 2.7% भारतीय पुरुषों ने** अवैतनिक स्वैच्छिक सेवाकार्यों या प्रशिक्षुओं के रूप में भाग लेते हैं या **अन्य अवैतनिक कार्यों** में भाग लेते **हैं।**
- **स्वैच्छिक सेवाकार्यों** में महिलाओं की भागीदारी **2% कम है।**

नोट:

- **भारत यह सर्वेक्षण करने वाला पहला देश** नहीं है; **संयुक्त राज्य अमेरिका** वर्ष **2003 के बाद से हर साल जबकि ऑस्ट्रेलिया** ने **1992 में** अपना **पहला पूर्ण पैमाने पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया था।**
- **कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रिया** और **इजरायल** ने भी यह सर्वेक्षण कर चुके हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - प्रशासन

स्रोत- PIB

बच्चे को मातृभाषा सीखनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

खबरों में क्यों ?

- **आंध्र प्रदेश सरकार** ने **अपने राज्य उच्च न्यायालय के नवम्बर 2019 के सरकारी आदेश** को रद्द करने के आदेश को चुनौती देने के लिए **उच्चतम न्यायालय ने** याचिका दायर की है। इस फैसले में वर्ष 2020-21 से सभी प्रबंधनों के विद्यालयों में कक्षा 1 से 6 तक प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, हाइस्कूलों में अंग्रेज़ी माध्यम में शिक्षा को अनिवार्य बनाया गया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

पृष्ठभूमि

- **आंध्र प्रदेश सरकार** ने **कक्षा I-VI तक स्कूलों में अंग्रेजी** को **माध्यम के** रूप में पेश किया है, जबकि छात्रों को **अनिवार्य विषयों के** रूप **में दो स्थानीय भाषाओं में से एक तेलुगु या उर्दू** को **चुनने की** स्वतंत्रता दी गई है।
- **अंग्रेजी भाषी शिक्षण केंद्र** और **जिला अंग्रेजी केंद्रों (DEC) को पुनर्जीवित करने के** लिए कार्यवाही की जाएगी और उन्हें **जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों (DIET) में खोजा जाएगा।**
- **राज्य सरकार** के अनुसार, **सवर्ण जाति के 82% छात्र अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में** अध्ययन करते हैं। जबकि **अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए यह केवल 2%** और **अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 49% है।**
- **अंग्रेजी को शिक्षा के** माध्यम के रूप में पेश करने के पीछे सरकार का उद्देश्य सभी छात्रों को बराबरी पर लाने और बच्चों को **'उद्यमी'** बनाने के **'कल्याणकारी उद्देश्य'** को पूरा करना है।
- राज्य सरकार ने व्यापक स्तर पर **भाषा विश्वविद्यालयों** और **शिक्षकों को प्रशिक्षित करने वाले संस्थानों के साथ** समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और इस **उद्देश्य के लिए शिक्षकों को भी नियुक्त किया है।**
- सरकार बाद में **इस कार्यक्रम** को कक्षा **7-10 की कक्षाओं** से आगे **बढ़ाना** चाहती है ।
- **सरकार राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाना चाहती है** और इसे **'विद्यांध प्रदेश' के रूप में उभरने में** सहायता कर रही है।

संबंधित जानकारी

भाषा नीति में स्वायत्तता

- **नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में**, बहुभाषावाद और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए, **तीन भाषा सूत्र** को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था।
- इसने **पूरे भारत** में **तीन भाषा सूत्रों** की उपयुक्तता पर बहस को दुबारा से शुरू किया है।
- यहाँ संदर्भित तीन भाषाओं में **हिंदी, अंग्रेजी और संबंधित राज्यों की कोई क्षेत्रीय भाषा शामिल हैं।**
- हालांकि **देश भर में हिंदी का शिक्षण** एक **लंबे समय से चली आ रही प्रणाली का हिस्सा था, इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968 में आधिकारिक दस्तावेज़ में एक नीति में शामिल किया गया था।**
- इस दस्तावेज़ में कहा गया कि **क्षेत्रीय भाषाएं** पहले से ही **प्राथमिक शिक्षा के माध्यम के रूप** में **उपयोग** में थीं।

कोठारी कमिशन, 1968

- **पहली भाषा** : यह **मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा होगी।**
- **दूसरी भाषा** : हिंदी भाषी राज्यों में, यह अन्य आधुनिक **भारतीय भाषाएँ या अंग्रेजी** होंगी **।**
    - में गैर हिंदी भाषी राज्यों में, यह हिंदी या अंग्रेजी हो जाएगा।
- **तीसरी भाषा** : हिंदी भाषी राज्यों में, यह अंग्रेजी या एक आधुनिक भारतीय भाषा होगी। गैर-हिंदी भाषी राज्य में, यह अंग्रेजी या एक आधुनिक भारतीय भाषा होगी ।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

नोट:

<u>शिक्षा से संबंधित सतत विकास लक्ष्य</u>

- SDG का लक्ष्य 4: **सभी के लिए शिक्षा - 2030 तक सभी के लिए** आजीवन सीखने के **अवसरों** को बढ़ावा देने के साथ समान, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - प्रशासन

स्रोत- द हिंदू

<u>केंद्र नदी बोर्डों के न्यायिक क्षेत्राधिकार को निर्धारित करेगा</u>

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्र कृष्णा एवं गोदावरी नदी प्रबंधन** बोर्ड (**KRMB और GRMB**) के न्यायाधिकरण क्षेत्र को निर्धारित करेगा।
- **केंद्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य** की उपस्थिति में **एक शीर्ष परिषद बैठक** आयोजित हुई जो मुख्य रूप से दोनों राज्यों के बीच **कृष्णा और गोदावरी नदियों** के बीच पानी के बंटवारे और **सिंचाई परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर संघर्ष का हल निकालने** के लिए बुलाई गयी थी।

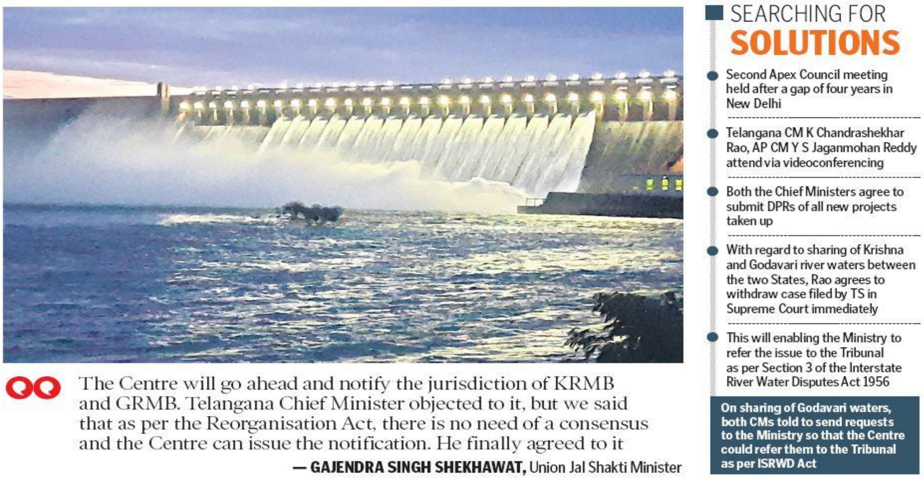

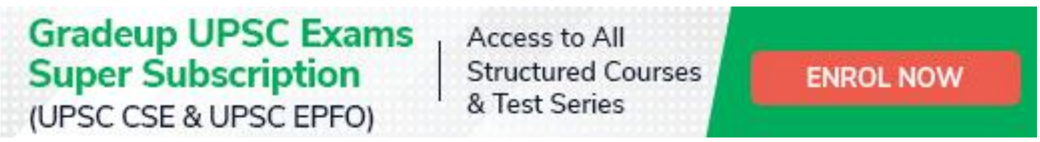

संबंधित जानकारी

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में जल विवाद

- **तेलंगाना और आंध्र प्रदेश** राज्य **कृष्णा** और **गोदावरी** और **उनकी सहायक नदियों का पानी** साझा करते हैं।
- **दोनों राज्यों ने नदी बोर्ड, केंद्रीय जल आयोग** और **शीर्ष परिषद** से **मंजूरी लिए बिना** कई **नई परियोजनाओं का प्रस्ताव** दिया है, जोकि **आंध्र प्रदेश पुनर्गठन** में एक अनिवार्य तत्त्व है।
- **आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड** और **कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड** के कामकाज पर नज़र रखने के लिए **एक शीर्ष परिषद् के गठन** को अनिवार्य बनाता है।
- **शीर्ष परिषद में केंद्र के जल संसाधन मंत्री** और **तेलंगाना** और **आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री शामिल हैं**।
- आंध्र प्रदेश सरकार के श्रीसलेम जलाशय के ऊपर नदी के एक भाग से कृष्णा नदी के जल के उपयोग को बढ़ाने के प्रस्ताव के कारण तेलंगाना सरकार को आंध्र प्रदेश के खिलाफ शिकायत दर्ज करनी पड़ी।
- **श्रीशैलम जलाशय** का निर्माण **आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी** पर किया गया है।
- यह **नल्लामाला पहाड़ियों** में स्थित है।

अंतर-राज्यीय जल विवाद

- **संविधान के अनुच्छेद 262** में **अंतर-राज्यीय जल विवादों के अधिनिर्णयन की व्यवस्था की गई है।**
- इसके तहत, **संसद** किसी भी **अंतर-राज्यीय नदी** और **नदी घाटी के जल** के **उपयोग, वितरण और नियंत्रण के** संबंध **में किसी भी विवाद या शिकायत** पर निर्णय लेने के लिए **कानून** बना **सकती है**।
- **संसद** यह भी निर्धारित कर सकती है कि इस तरह के किसी भी **विवाद या शिकायत के संबंध में न तो सर्वोच्च न्यायालय** और न ही **कोई अन्य न्यायालय** के **क्षेत्राधिकार** का **प्रयोग होगा।**

संसद ने दो कानून बनाए हैं,

a. नदी बोर्ड अधिनियम (1956)

b. अंतर-राज्यीय जल विवाद अधिनियम (1956)

नदी बोर्ड अधिनियम, 1956

- इसमें **अंतरराज्यीय नदी और नदी घाटियों** के **विनियमन और विकास के** लिए **नदी बोर्डों** की **स्थापना का प्रावधान है।**
- एक **नदी बोर्ड** की स्थापना **संबंधित राज्य सरकारों उन्हें सलाह देने के** अनुरोध पर **केंद्र सरकार** द्वारा गठित की जाती है।

अंतर-राज्यीय जल विवाद अधिनियम (1956) के बारे में

- अंतर-राज्यीय जल विवाद अधिनियम **केंद्र सरकार** को **एक अंतर-राज्यीय नदी या नदी घाटी** के **जल के** संबंध में **दो या दो से अधिक राज्यों के बीच जल विवाद का निपटारा करने के लिए** एक **तदर्थ न्यायाधिकरण** स्थापित करने का **अधिकार देता है।**
- **अधिकरण का निर्णय अंतिम** और विवादित पक्षों पर बाध्यकारी होता है।
- **किसी भी जल विवाद के संबंध में,** न तो **सर्वोच्च न्यायालय और न ही किसी अन्य अदालत** को **अधिकार क्षेत्र प्राप्त है,** और **इस अधिनियम के तहत** इस तरह के विवादों को इन **अधिकरणों के पास** भेजा जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन, स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams
Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All
Structured Courses
& Test Series
ENROL NOW

प्राकृतिक गैस विपणन सुधार

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, **प्रधान मंत्री** की अध्यक्षता में **आर्थिक मामलों** की **मंत्रिमंडलीय समिति ने 'प्राकृतिक गैस विपणन सुधार'** को मंज़ूरी दी है ।

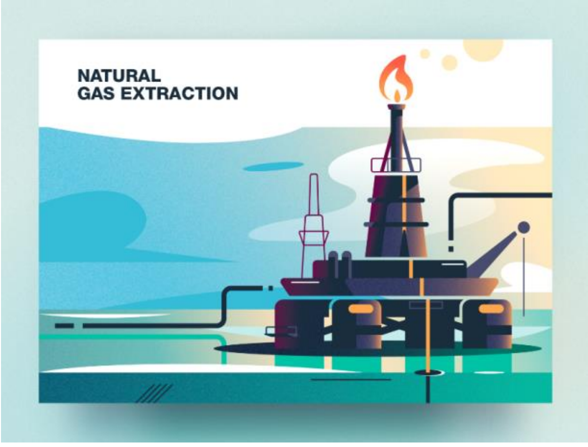

प्राकृतिक गैस विपणन सुधार के उद्देश्य

- **इस नीति** का **उद्देश्य गैस उत्पादकों द्वारा बाजार में बेची जाने वाली गैस के बाजार मूल्य की खोज करने के लिए मानक प्रक्रिया को बताना है।**
- इसका उद्देश्य **प्राकृतिक गैस बाजार** में **एक पारदर्शी** और **प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया विकसित करना है ।**
- नीति में **खुली, पारदर्शी और इलेक्ट्रॉनिक बोली** प्रक्रिया के मद्देनजर **संबद्ध कंपनियों** को बोली प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी गयी है।
- इसका उद्देश्य एक **पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक विधि से प्राकृतिक गैस की बिक्री** हेतु एक **मानक प्रक्रिया प्रदान करने के लिए ई-बिडिंग माध्यम से ठेकेदार द्वारा बिक्री के लिए दिशानिर्देश जारी कर बाजार मूल्य** का पता लगाना है।
- यह उन खंडों जहाँ उत्पादन साझा अनुबंध पहले से मूल्य निर्धारण स्वतंत्रता प्रदान कर रहे हैं, वहाँ क्षेत्र विकास योजनाओं (FDP) में बाजार स्वतंत्रता की अनुमति देगा।

प्राकृतिक गैस विपणन सुधारों का महत्व

- ये सुधार **प्राकृतिक गैस के घरेलू उत्पादन में निवेश को बढ़ावा देकर** और **आयात निर्भरता को कम करके आत्मनिर्भर भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण** साबित होंगे।
- यह **विभिन्न संविदात्मक क्षेत्रों में बोली प्रक्रिया में एकरूपता लाएगा और अस्पष्टता** और **व्यवसाय करने में आसानी की दिशा में** योगदान **देने के लिए नीतियाँ लाएगा।**
- **प्राकृतिक गैस के उत्पादन, बुनियादी ढाँचे और विपणन से** संबंधित **नीतियों** की **पूरी व्यवस्था को व्यापार करने में आसानी** पर **ध्यान केंद्रित** करने के साथ **और अधिक पारदर्शी** बनाया गया है।
- ये **सुधार निवेशों को प्रोत्साहित कर एक आधारित अर्थव्यवस्था** बनने की तरफ एक मील का पत्थर साबित होंगे।
- **बढ़ी हुई गैस के उत्पादन की खपत** से **पर्यावरण सुधार में** मदद मिलेगी।
- इन सुधारों से **MSME सहित गैस खपत वाले क्षेत्रों** में **रोजगार के अवसर पैदा करने** में **मदद मिलेगी।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

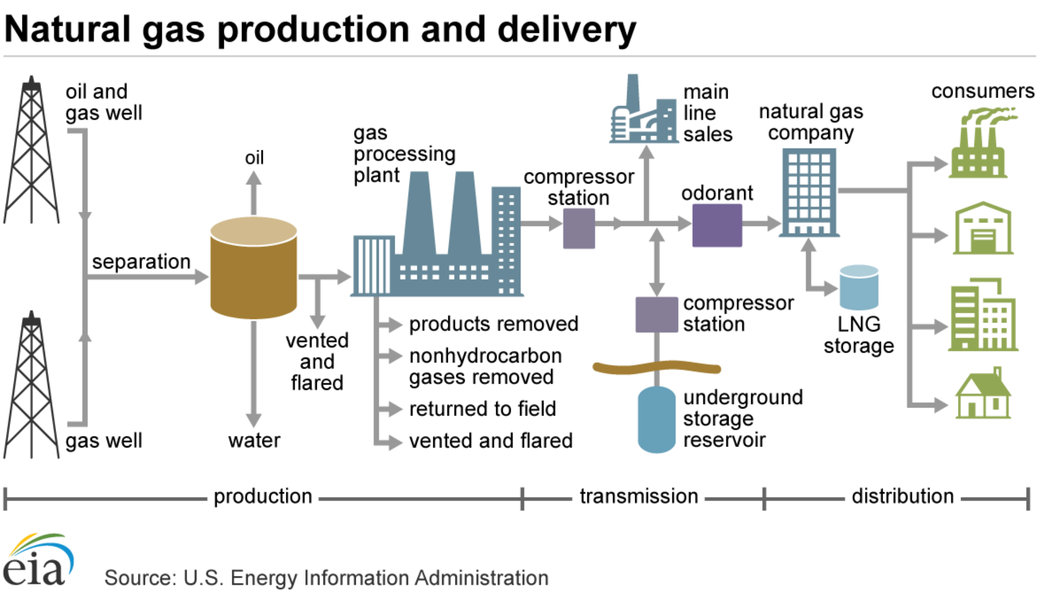

चित्र: अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन

संबंधित जानकारी

- **फरवरी 2019 में, सरकार ने अपस्ट्रीम क्षेत्र में प्रमुख सुधारों** को लागू किया और **उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करके महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आयी।**
- **ओपन एक्रेज लाइसेंस नीति (OALP) के तहत एकड़** चरणों को **कार्य कार्यक्रम** के आधार पर **केवल श्रेणी II और श्रेणी III बेसिन में आवंटित किया जा रहा है।**

ओपन एक्रेज लाइसेंस नीति के बारे में

- **केंद्र सरकार द्वारा जून 2017 में** OLAP की घोषणा की गयी थी।
- इसके तहत, **संभावित निवेशक अपनी रुचि वाले** क्षेत्रों का चयन करते हैं और, **सरकार को** अपनी **रुचि** व्यक्त करते हैं, जो **बोली लगाने के लिए** उन **खंडों को ऊपर रखती है।**
- **कंपनियों को उन क्षेत्रों को चुनने की अनुमति दी जाती है** जिनमें वे **OALP के तहत तेल और गैस का पता लगाना चाहते हैं।**
- क्षेत्र को चुनने के बाद, **कंपनियों द्वारा रुचि अभिव्यक्ति** रखी जाती है जिसे बाद में **सरकार द्वारा नीलामी** के लिए रखा जाता है।
- यह **प्रक्रिया** कम रॉयल्टी दरों, बिना तेल उपकर, विपणन और मूल्य स्वतंत्रता, वर्ष भर नीलामी, निवेशकों को अपनी रुचि के ब्लॉक चुनने की स्वतंत्रता, पारंपरिक और अपरंपरागत हाइड्रोकार्बन संसाधनों दोनों को शामिल करने वाली एक एकल लाइसेंस, संपूर्ण अनुबंध अवधि के दौरान अन्वेषण अनुमति, और एक आसान, पारदर्शी और तेजी से बोली लगाने और आवंटित करने की प्रक्रिया जैसे **आकर्षक एवं उदार शर्तें** प्रदान करती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II और III - शासन + पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

ज्ञान सर्किल वेंचर्स

खबरों में क्यों ?

- **केंद्रीय शिक्षा मंत्री** ने **ज्ञान सर्किल वेंचर्स का उद्घाटन किया, जो MeitY** द्वारा वित्त पोषित **भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी (चित्तूर), आंध्र प्रदेश का प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर (TBI)** है।

ज्ञान सर्किल वेंचर्स के बारे में

- यह **सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** द्वारा अनुमोदन के रूप **में उद्यमियों की प्रौद्योगिकी ऊष्मायन और विकास (TIDE 2.0) ऊष्मायन केंद्र के** रूप में **कार्य करेगा।**
- यह ऊष्मायन संस्थान की **बौद्धिक संपदा का इस्तेमाल** करके और **उभरती तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ब्लॉक-चेन, साइबर फिज़िकल सिस्टम (CPS), साइबर सिक्योरिटी, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (IoT), रोबोटिक्स** आदि के उपयोग में शामिल होकर संस्थान की **उद्यमिता भावना** का लाभ उठाएगा।
- यह **निवेश, बुनियादी ढांचे और सलाह के** माध्यम से विभिन्न चरणों में, सहायता प्रदान करके **नवाचार और स्टार्टअप के लिए** एक **केंद्र के** रूप में भी काम करेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन

स्रोत- द हिंदू

टेक फॉर ट्राइबल्स इनीशिएटिव

ख़बर में क्यों?

- हाल में आदिवासी मामले का मंत्रालय, टीआरआईएफईडी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ एमएफपी फेडरेशन और आईआईटी, कानपुर के साथ सहयोग में टेक फॉर ट्राइबल्स इनीशिएटिव की शुरुआत कर रहा है।

टेक फॉर ट्राइबल्स इनीशिएटिव के बारे में

- "टेक फॉर ट्राइबल्स" शीर्षक वाले कार्यक्रम का उद्देश्य वन धन केंद्रों (वीडीवीकेज) के द्वारा प्रचालित स्वयं सहायता समूहों द्वारा उद्यमिता विकास, सॉफ्ट कौशलों, सूचना तकनीकी और व्यवसाय विकास पर जोर के साथ आदिवासियों का संपूर्ण विकास करना है।
- भारत के आदिवासियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए टेक फॉर ट्राइबल्स एक अनूठा कार्यक्रम है, जिसका मुख्य जोर आदिवासी उद्यमियों और शहरी बाजारों के मध्य अंतराल को पाटना है।

TRIBAL COOPERATIVE MARKETING DEVELOPMENT FEDERATION OF INDIA LIMITED - TRIFED

Ministry of MSME, Govt. of India

IIT KANPUR | INCUBATION AND INNOVATION | STARTUP INCUBATION AND INNOVATION CENTRE IIT KANPUR

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- इस पहल के अंतर्गत, टीआरआईएफईडी ने आईआईटी, कानपुर, आर्ट ऑफ लिविंग, बंगलौर; टीआईएसएस, मुंबई; केआईएसएस, भुवनेश्वर; विवेकानंद केंद्र, तमिलनाडु और एसआरआईडेएन, राजस्थान जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता किया है।
- इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सतत उद्यमिता के लिए विकास के तीन पहलू शामिल होंगे जिन्हें तीन स्तंभ मान सकते हैं
    a. संलग्नता
    b. क्षमता निर्माण
    c. बाजार संपर्क
- यह आदिवासी उद्यमियों को व्यावसायिकता के पथ की ओर ले जाएगा।

संबंधित सूचना

ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया

- यह राष्ट्रीय स्तर का सर्वोच्च संगठन है जोकि आदिवासी मामले के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है।
- इसका जन्म 1987 में हुआ था।
- टीआरआईएफईडी का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है और इसका देश के विभिन्न स्थानों में स्थित 13 क्षेत्रीय कार्यालयों का नेटवर्क है।

उद्देश्य

- टीआरईएफईडी का सर्वोच्च उद्देश्य आदिवासी उत्पादों के विपणन विकास के द्वारा देश में आदिवासी लोगों का सामाजार्थिक विकास करना है। इन उत्पादों में धातु दस्तकारी, आदिवासी परिधान, मृदभांड, आदिवासी चित्रकारी शामिल है जिनपर आदिवासी अपनी आय के बड़े हिस्से के लिए निर्भर हैं।
- टीआरआईएफईडी आदिवासियों के लिए उनके उत्पादों को बेचने के वास्ते प्रोत्साहक और सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करता है।
- टीआरआईएफईडी द्वारा दृष्टिकोण का उद्देश्य ज्ञान, उपकरणों और सूचना के भंडार के साथ आदिवासी लोगों को सशक्त करना है जिससे वे अपने प्रचालनों को ज्यादा सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से चला सके।
- इसमें आदिवासी लोगों का क्षमता निर्माण भी शामिल है जिसके लिए संवेदीकरण, स्वयं सहायता समूहों का निर्माण और किसी विशेष गतिविधि को करने के लिए प्रशिक्षण जैसी चीजें शामिल हैं।

कार्य

- यह मुख्य रूप से दो कार्य करता है अर्थात छोटे वन उत्पाद (एमएफपी) विकास और खुदरा विपणन और विकास।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र **II-**प्रशासन

स्रोत- **PIB**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

भारत के चुनाव आयोग द्वारा राजनैतिक दलों के चिह्नों का आवंटन

ख़बरों में क्यों है?

- **आगामी बिहार विधानसभा** चुनाव में, कमल, तीर, पंजा और तूफानी लालटेन के निशानों के अलावा मतदाताओं को बैलेट पर बेलन, डोली, चूड़ियाँ, शिमला मिर्च जैसे कई अन्य चिह्न दिखाई दे सकते हैं।

चिह्न कितने प्रकार के हैं?

- **चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) (संशोधन) आदेश, 2017** के अनुसार, पार्टी चिह्न या तो **"आरक्षित"** या **"मुक्त"** होते हैं।
- वर्तमान में आठ राष्ट्रीय दलों और देश भर में 64 राज्य दलों के पास "**आरक्षित" चिह्न** हैं।
- चुनाव आयोग के पास भी लगभग **200 "मुक्त" प्रतीकों का एक समूह है जो गैर मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय दलों कि चुनाव से पहले कुकरमुत्तों की तरह बाहर आते हैं, उन्हें ये चिह्न आवंटित किए जाते हैं**।
- **उदाहरण के लिए** , यदि किसी विशेष राज्य में मान्यता प्राप्त पार्टी किसी अन्य राज्य में चुनाव लड़ती है, तो वह उसके द्वारा उपयोग किए जा रहे चिह्न को "आरक्षित" कर सकता है, बशर्ते कि उस चिह्न के समान किसी चिह्न का उपयोग किसी अन्य पार्टी द्वारा न किया जा रहा हो।

राजनीतिक दलों को चुनाव चिह्न कैसे आवंटित किए जाते हैं?

- **पहली बार, सन् 1968 में घोषित** आदेश में चुनाव आयोग "राजनीतिक दलों की मान्यता के लिए संसदीय और विधानसभा चुनावों में विनिर्देशन, आरक्षण, विकल्प और चुनाव चिन्ह आवंटित करने" के लिए कहा गया।
- **दिशानिर्देशों के अनुसार**, एक चिह्न आवंटित करने के लिए, एक दल/ उम्मीदवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के समय चुनाव आयोग के नि: शुल्क चिह्न सूची में से तीन चिह्नों की एक सूची प्रदान करनी होती है।
- उनमें से, **पहले आओ-पहले पाओ के आधार** पर **किसी एक चिह्न को** दल / उम्मीदवार को **आवंटित** किया जाता है।
- **विभाजन के मामले में:** जब एक **मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल विभाजित होता है** , चुनाव आयोग चिह्न सौंपने के बारे में निर्णय लेता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

चुनावों में चिह्नों का महत्व क्या है?

- **भारत जैसे एक विशाल और विविधतापूर्ण देश** है, जहां **कई गुमनाम** और **छोटे राजनीतिक दलों** में **विधानसभा चुनावों** में अपना भाग्य आजमाने के लिए अपने मतदाताओं के साथ जुड़ने के लिए चिह्न एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- सन् 1951-52 में प्रथम राष्ट्रीय चुनाव के बाद से ही प्रतीकों का अपना महत्व बढ़ता गया।
- चूँकि **उस समय लगभग 85 प्रतिशत मतदाता अनपढ़ थे, इसलिए दलों और उम्मीदवारों को अपने पसंद के दल की पहचान करने के लिए दृश्य चिह्न आवंटित किए गए थे।**

नोट:

- **चुनाव आयोग** के अनुसार, **भारत में कुल 2538 गैर मान्यता प्राप्त दल हैं।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (PSA) 1978

खबरों में क्यों है?

- **जम्मू एवं कश्मीर प्रशासन** ने **जन सुरक्षा अधिनियम (PSA)** के **पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (PDP)** की अध्यक्षा **महबूबा मुफ्ती** को गिरफ्तारी के **14 महीने के बाद** रिहा किया गया।

सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के बारे में

- **जम्मू और कश्मीर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (PSA), 1978** के तहत एक **निवारक निरोध कानून**, जिसके तहत किसी व्यक्ति को ऐसा कोई कार्य जो "राज्य की सुरक्षा अथवा जन शांति बनाए रखने" का खतरा पैदा करता हो, से रोकने के लिए हिरासत में लिया जाता है।
- यह **राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के** समान है जिसका उपयोग **निरोधात्मक निरोध के लिए अन्य राज्य सरकारों** द्वारा किया जाता है ।
- यह **संभागीय आयुक्त** या **जिला मजिस्ट्रेट** द्वारा पारित **एक प्रशासनिक आदेश** द्वारा लागू होता है , यह **विशिष्ट आरोपों या कानूनों के विशिष्ट उल्लंघन के आधार पर पुलिस के पारित आदेश द्वारा लागू नहीं होता है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू

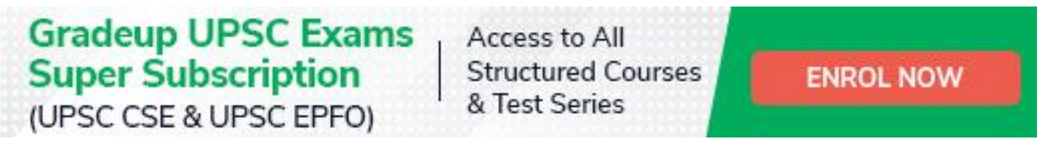

निर्बाध पहल

खबरों में क्यों है?

- **कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)** ने हाल ही में COVID-19 महामारी के दौरान ग्राहकों को **निर्बाध और बिना रुकावट सेवा वितरण सुनिश्चित करने के** उद्देश्य से **निर्बाध पहल की** अपनी **श्रृंखला के** तहत हाल ही में **व्हाट्सएप** आधारित **हेल्पलाइन-सह-शिकायत निवारण तंत्र** की शुरुआत की है।

निर्बाध पहल के बारे में

- **व्हाट्सएप** के उपयोग पर आधारित इस **नए शिकायत निवारण तंत्र ने EPFO के हितधारकों के** बीच **काफी लोकप्रियता हासिल की है**।
- इसने व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबरों को जारी करने के लिए बाद से फेसबुक/ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शिकायों/ प्रश्नों के पंजीकरण में 30% और EPFiGMS (EPFO की ऑनलाइन शिकायत समाधान पोर्टल) पर 16% की कमी आयी है।
- यह सुविधा EPFO **के कई** अन्य साधनों के **अलावा दी गई है** जिसमें **वेब आधारित EPFiGMS पोर्टल**, **CPGRAMS , सोशल मीडिया पेज** (फेसबुक और ट्विटर) और एक **समर्पित 24x7 कॉल सेंटर शामिल हैं।**

संबंधित जानकारी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के बारे में

- यह एक **सरकारी संगठन** है जो **सदस्य कर्मचारियों की भविष्य निधि** और **पेंशन खातों** का प्रबंधन करता है और **कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 को लागू करता है** जो जम्मू और कश्मीर के अतिरिक्त संपूर्ण भारत में लागू होता है।
- **कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में कर्मचारियों की भविष्य निधि के संस्थानों** के लिए लागू किया है।
- यह भारत सरकार के **श्रम एवं रोजगार मंत्रालय** द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- यह ग्राहकों और **वित्तीय लेनदेन** की मात्रा के मामले में **दुनिया के सबसे बड़े सामाजिक सुरक्षा संगठनों** में से एक है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दा

स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

कैबिनेट ने विश्व बैंक की सहायता प्राप्त परियोजना STARS को मंजूरी दी

खबरों में क्यों है?

- **केंद्रीय मंत्रिमंडल** ने **हाल ही में राज्यों के लिए सुदृढ़ीकरण अध्यापन-शिक्षा और परिणाम (STARS) परियोजना** को हाल ही में मंजूरी दी जिसका उद्देश्य **राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र** की स्थापना करना और **विद्यालयों अध्ययन और मूल्यांकन को सुधारने के लिए छह राज्यों की पायलट परियोजना** आधार पर मदद करना है।

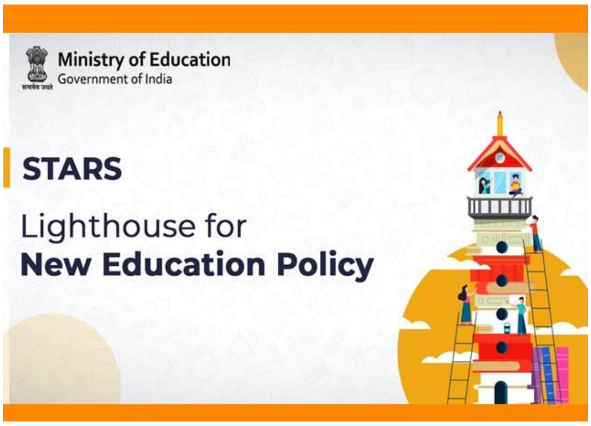

राज्यों के लिए सुदृढ़ीकरण अध्यापन-शिक्षा और परिणाम (STARS) परियोजना के बारे में

<u>कार्यान्वयन</u>

- **स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय (MOE) के** तहत **एक नई केंद्र प्रायोजित योजना** के **रूप में STARS परियोजना** को **लागू किया** जाएगा।
- **स्कूली शिक्षा प्रणाली को मजबूत** बनाने और **सभी को शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य का समर्थन** करने के **लिए वर्ष 1994 से भारत और विश्व बैंक के** बीच **साझेदारी पर STARS का निर्माण हुआ।**

<u>अनुदान</u>

- **यह परियोजना विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त है।**

<u>कवरेज</u>

- इस **परियोजना में 6 राज्यों को शामिल किया गया है,** जिनके नाम **हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल और ओडिशा हैं।**
- **छह परियोजना वाले राज्यों में सरकारी स्कूलों** में **52%** से अधिक **बच्चे कमजोर वर्गों, जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित हैं।**

STARS परियोजना के दो प्रमुख घटक हैं:

1) राष्ट्रीय स्तर पर, परियोजना में निम्नलिखित हस्तक्षेप की कल्पना की गई है जिससे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लाभ होगा:

- **विद्यार्थियों के बने रहने, किसी दूसरी जगह जाने और पढ़ाई पूरी करने की दरों पर** मजबूत और प्रमाणित आंकड़ें जमा करने के लिए **MoE की राष्ट्रीय आंकड़ा प्रणाली** को मजबूत बनाना
- SIG (राज्य प्रोत्साहन अनुदान) के माध्यम से राज्य प्रसाशन सुधार एजेंडे को प्रोत्साहित करते हुए राज्यों के **PGI स्कोर को सुधारने में MOE** की मदद करना।
- **अध्ययन मूल्यांकन प्रणाली को मजबूत** बनाने में सहायता करना।
- **राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र (PARAKH) की** स्थापना के लिए **MOE के प्रयासों का** समर्थन करना।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **स्टार्स परियोजना** में **राष्ट्रीय घटक** के तहत **आकस्मिकता आपातकालीन प्रतिक्रिया घटक** (CERC) शामिल है जो इसे **किसी भी प्राकृतिक, मानव निर्मित और स्वास्थ्य आपदा के प्रति अधिक प्रतिक्रियाशील बनाएगा**।
- यह **सरकार के लिए शिक्षा की हानि जैसे स्कूल बंद होने / बुनियादी ढांचे को नुकसान**, **अपर्याप्त सुविधाओं** और **रिमोट लर्निंग को आसान बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग** स्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया देने को आसान बनाएगा।
- CERC **घटक वित्तपोषण के शीघ्र पुनर्वर्गीकरण और सुव्यवस्थित वित्तपोषण अनुरोध प्रक्रियाओं के उपयोग** को आसान बनाएगा।

2) राज्य स्तर पर, परियोजना की परिकल्पना है:

- बाल शिक्षा और मूलभूत शिक्षा को मजबूत बनाना
- अध्ययन मूल्यांकन प्रणाली में सुधार
- शिक्षक विकास और स्कूल नेतृत्व के माध्यम से कक्षा अनुदेश और उपचार को मजबूत बनाना।
- स्कूल छोड़कर जाने वाले विद्यार्थियों को मुख्यधारा में लाकर, करियर मार्गदर्शन एवं परामर्श, इंटर्नशिप और समावेश करके स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत बनाना।

- STARS परियोजना का **उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान के** भाग के तौर पर **PM ई-विद्या**, **फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरिस मिशन** और **नेशनल करिकुलर एंड पेडागोगिकल फ्रेमवर्क फॉर अर्ली चाइल्डहुड केयर** एंड **एजुकेशन** पर **ध्यान केंद्रित करना है**।

परियोजना के मापने योग्य परिणाम

a) चयनित राज्यों में ग्रेड 3 भाषा में न्यूनतम दक्षता प्राप्त करने वाले छात्रों में वृद्धि,

b) माध्यमिक विद्यालय पूर्णता दर में सुधार

c) गवर्नेंस इंडेक्स स्कोर में सुधार

d) सुदृढ़ शिक्षण मूल्यांकन प्रणाली

e) बेहतर शिक्षा सेवा प्रदान करने के लिए प्रमुख शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण के द्वारा स्कूल प्रबंधन में सुधार।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

गुजरात का संशोधित अशांत क्षेत्र अधिनियम

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **राष्ट्रपति** ने **गुजरात विधानसभा द्वारा 2019** में पारित गुजरात अशांत क्षेत्र में अचल संपत्ति हस्तांतरण निषेध और घरों से किराएदारों के निष्काषन के प्रावधान को संशोधित करके हुए विधेयक को अपनी मंजूरी प्रदान की।

गुजरात के संशोधित अशांत क्षेत्र अधिनियम के बारे में

- अधिनियम के तहत, संबंधित जिला कलेक्टर की अनुमति के बिना अशांत क्षेत्रों में **किसी भी अचल संपत्ति का हस्तांतरण** नहीं किया जा सकता है।
- **अधिनियम अशांत क्षेत्र के रूप में घोषित** एक **धार्मिक समुदाय के सदस्यों द्वारा किसी दूसरे समुदाय को जिला कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना हस्तांतरण पर रोक** लगाता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **नया अधिनियम शांति लाएगा, ध्रुवीकरण को रोकेगा** और **जनसांख्यिकीय असंतुलन को** नियंत्रित रखने का प्रयास करेगा**।**

- यह अधिनियम **अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, हिम्मत नगर, गोधरा, कपडवंज और भरूच** सहित **राज्य के विभिन्न हिस्सों** में लागू है**।**

संशोधित अधिनियम में प्रमुख प्रावधान

- **संशोधन अधिनियम ने "संपत्ति के हस्तांतरण"** शब्द के दायरे बढ़ाए हैं और अशांत क्षेत्र में उपहार, विनिमय, पट्टा, या बिक्री के जरिए **संपत्ति के हस्तांतरण को** अपने दायरे में लाया है।
- **संशोधन राज्य सरकार** किसी अशांत क्षेत्र में किसी संपत्ति के हस्तांतरण को मंजूरी देने वाले जिला अधिकारी के निर्णय की समीक्षा करने की अनुमति देता है, भले ही **इस तरह के एक अनुमोदन के खिलाफ अपील दर्ज नहीं हुई हो।**
- **संशोधन अधिनियम के तहत प्रत्येक जिले और कमिश्नरी** क्षेत्रों से **एक समिति को** गठित किया जाएगा जिसमें **पुलिस आयुक्त / पुलिस अधीक्षक** , जिला कलेक्टर और क्षेत्रीय नगर निगम के आयुक्त शामिल होंगे।
- यह **राज्य सरकार** का किसी **क्षेत्र** को **अशांत क्षेत्र घोषित करने** में मार्गदर्शन करेगी**।**
- यही समिति **अधिनियम के प्रावधानों के तहत** गठित **राज्य स्तरीय निगरानी और सलाहकार समिति की** भी सहायता करेगी।
- **इन पहलुओं की जांच के** लिए **एक विशेष जांच दल (SIT)** या समिति के गठन का प्रावधान किया गया है**।**
- नगर निगम क्षेत्रों में, **SIT में संबंधित कलेक्टर, नगर आयुक्त** और **पुलिस आयुक्त शामिल होंगे** ।
- नगर निगमों के अलावा अन्य क्षेत्रों में, **SIT में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक**, और **क्षेत्रीय निगम आयुक्त** सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

नोट:

- **अधिनियम के प्रावधान** किसी अशांत क्षेत्र में **सरकार की पुनर्वास योजनाओं पर लागू नहीं होंगे,** जहाँ यह **विस्थापित लोगों का पुनर्वास कराती है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

गोरखालैंड मुद्दा

- इस महीने की शुरुआत में, गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार, गोरखा क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) और गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) को गोरखालैंड से संबंधित मुद्दे पर चर्चा के लिए त्रिस्तरीय बैठक के लिए आमंत्रित किया।

गोरखालैंड के बारे में

- **गोरखालैंड क्षेत्र** में **दार्जिलिंग, कलिंगपोंग, कुर्सियोंग और पश्चिम बंगाल के अन्य पहाड़ी जिलों के नेपाली बोलने वाले शामिल हैं।**
- **गोरखालैंड में समस्या कई दशकों** से चल रही है और **इसकी उत्पत्ति भाषा** से हुई है।
- **गोरखालैंड के लिए पहली मांग मोर्ले-मिंटो सुधार पैनल** द्वारा **1907 में रखी** गई थी।
- तब से समय समय पर क्षेत्र ने **अलग राज्य के निर्माण** के लिए **कई हिंसक प्रदर्शनों** को देखा है।

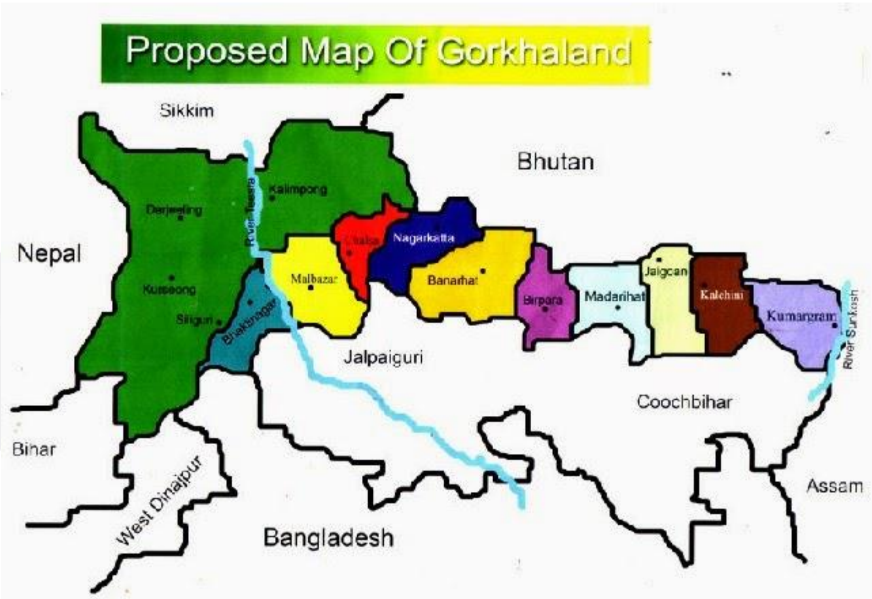

गोरखालैंड आंदोलन का इतिहास

- **1780 में**, **गोरखा लोगों ने सिक्किम और उत्तर-पूर्व के अधिकांश हिस्से** पर कब्जा जमा लिया था जिसमें **दार्जिलिंग, सिलिगुड़ी, शिमला, नैनीताल, गढ़वाल हिल्स, कुमायूँ और सतलुज** शामिल थे, **अर्थात तीस्ता से सतलुज तक पूरा क्षेत्र।**
- **35 वर्षों के शासन के बाद**, **1816 में गोरखा लोगों ने सेगोली संधि के द्वारा ब्रिटिश के सामने अपने क्षेत्र का समर्पण कर दिया**, जब **वे एंग्लो-नेपाल युद्ध** हार गये।
- हालांकि, **ब्रिटिश ने सिक्किम को दार्जिलिंग सौंप दिया**, इसे **राजनीतिक कारणों से 1835** में वापस ले लिया गया।
- **1905 के पहले**, जब **भारत के वायसराय, लॉर्ड कर्जन** ने **बंगाल का विभाजन** किया, **दार्जिलिंग राजशाही डिवीजन** का हिस्सा था, **जो अब बांग्लादेश में है।**
- **1905 से 1912 के संक्षिप्त काल के दौरान**, यह **भागलपुर डिवीजन** का भी हिस्सा था।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

संबंधित सूचना

गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए)

- यह भारत, पश्चिम बंगाल में **दार्जिलिंग और कलिंगपोंग पहाड़ियों** के लिए **अर्ध-स्वायत्त प्रशासनिक निकाय** है।
- इसे 2011 में विधेयक पारित करके **पश्चिम बंगाल विधानसभा** द्वारा सृजित किया गया था।

Topic- GS Paper II–Governance
Source- Indian Express

जिला विकास परिषदें

समाचार में क्यों हैं?

- **केंद्र** ने हाल में **जम्मू और कश्मीर पंचायती राज कानून, 1989 में संशोधन किया है** जिससे **जिला विकास परिषदों की स्थापना में तेजी लाई जा सके**। इसके सदस्य **केंद्र शासित क्षेत्र में मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष चुनावों से चुने जाएंगे**।

जिला विकास परिषदें क्या हैं और उनका प्रतिनिधित्व कैसे होगा?

- **जिला विकास परिषदें (डीडीसी) जम्मू और कश्मीर में शासन की नई इकाईयां** बनने जा रही हैं।
- इस संबंध में **विधान 16 अक्टूबर** को **केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा लाया गया** है जिसके लिए एक **संशोधन जम्मू और कश्मीर पंचायती राज कानून, 1989 पारित** किया गया है।
- इस **संरचना** में एक **जिला विकास परिषद और एक जिला नियोजन समिति (डीपीसी) शामिल होगी**।
- **जम्मू व कश्मीर प्रशासन** ने **जम्मू व कश्मीर पंचायती राज नियमों, 1996** को भी संशोधित किया है जिससे **जम्मू व कश्मीर में चुने हुए जिला विकास परिषदों की स्थापना की जा सके**।
- यह **प्रणाली प्रभावपूर्ण ढंग** से सभी जिलों में **जिला नियोजन और विकास बोर्डों** को विस्थापित कर रही है और **जिला नियोजनों और पूंजी खर्चों** को **तैयार और स्वीकृति देगी**।

विशेषताएं

- डीडीसीज में **प्रत्येक जिले से चुने हुए प्रतिनिधि होंगे**।
- इनकी संख्या को प्रत्येक जिले से **14 चुने हुए सदस्यों** के रूप में निर्धारित किया गया है जोकि इसके **ग्रामीण क्षेत्रों का प्रतिनिधि** करते हैं, इसी के साथ जिले के अंदर **सभी प्रखंड विकास परिषदों के विधानसभा अध्यक्ष** के सदस्य भी शामिल होंगे।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

कार्यकाल

- **डीडीसी का कार्यकाल पांच वर्षों** का होगा, और **चुनाव प्रक्रिया अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के लिए आरक्षण** की अनुमति देगी।
- जिले का **अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (अथवा अतिरिक्त डीसी) जिला विकास परिषद का मुख्य कार्यकारी अधिकारी** होगा।
- **परिषद, जैसा कि कानून में बताया गया है**, एक वर्ष में **कम से कम चार आम बैठकों** को करेगा, जिसमें **प्रत्येक तीन महीने** में होगी।

पृष्ठभूमि

- डीडीसीज जिला नियोजन और विकास बोर्डों (डीडीबीज) को विस्थापित कर रहे **हैं जिसका मुखिया पूर्व जम्मू व कश्मीर राज्य का कैबिनेट मंत्री हुआ करता था।**
- जम्मू व कश्मीर के जिलों के लिए, शरद व ग्रीष्म राजधानियों में **डीडीबीज का मुखिया मुख्यमंत्री होता था।**
- लेकिन, **लेह और कारगिल जिलों के लिए, स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदें डीडीबीज के लिए नामांकित कार्य को करती थीं।**
- **परिषदें हलका पंचायतों और प्रखंड विकास परिषदों के कार्यों** को **केंद्र शासित क्षेत्र के विभागों के साथ देखेंगी।**

Topic- GS Paper II- Governance
Source- PIB

सरकार ने CIC आवेदकों के बारे में जानकारी देने से इंकार किया

समाचार में क्यों है?

- **मुख्य सूचना आयुक्त** (CIC) का पद लगभग दो महीनों से रिक्त है और **कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग** (DoPT) ने CIC **के पद के लिए 139 आवेदन** प्राप्त किये हैं।
- अब, DoPT **सूचना के अधिकार** के आग्रह को मना कर दिया है जिसमें **अभ्यर्थियों के बारे में**, खोज समिति के सदस्यों और छांटने के मानदंड के बारे और भी जानकारी मांगी जा रही थी। हालांकि **सर्वोच्च न्यायालय** ने सरकार को इस तरह की **सूचना को सार्वजनिक** करने का निर्देश दिया था।

कारण

- **विभाग** का मानना है कि **आवेदकों से संबंधित सूचना** को **सूचना के अधिकार कानून, 2005** के लिए **अनुच्छेद 8(1)** (j) के अंतर्गत छूट दी गई है। जिसका उद्देश्य **निजता की सुरक्षा** करना है जबतक कोई **सार्वजनिक हित शामिल** न हो।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

संबंधित सूचना

मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) **के बारे में**

- **केंद्रीय सूचना आयोग** की स्थापना **केंद्र सरकार द्वारा 2005** में की गई थी।
- इसकी स्थापना **सूचना के अधिकार कानून (2005) के प्रावधानों** के अंतर्गत **आधिकारिक गजेट अधिसूचना** के द्वारा की गई थी।
- इसलिए यह **संवैधानिक निकाय** नहीं है।

संरचना

- आयोग में एक **मुख्य सूचना आयुक्त** और **दस से ज्यादा सूचना आयुक्त** नहीं होते हैं।
- आरंभ में जब आयोग का गठन किया गया था, तब **पांच आयुक्त थे जिसमें मुख्य सूचना आयुक्त** भी शामिल थे।
- **वर्तमान में (2019),** आयोग **में छह सूचना आयुक्त, मुख्य सूचना आयुक्त** के अतिरिक्त हैं।
- **मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) और सूचना आयुक्त (CI) राष्ट्रपति** द्वारा **समिति** की अनुशंसा पर नियुक्त किये जाएंगे **जिसमें शामिल होंगेः**
    - **प्रधानमंत्री**, जो **समिति के अध्यक्ष** होंगे।
    - **लोकसभा में विपक्ष के नेता।**
    - एक **केंद्रीय कैबिनेट मंत्री** जिनका **नामांकन प्रधानमंत्री** द्वारा किया जाएगा।

कार्यकाल और सेवा शर्तें

- मुख्य सूचना आयुक्त और **सूचना आयुक्त** उस समय तक अपने पद पर रहेंगे जैसा कि **केंद्र सरकार** द्वारा निर्धारित किया जाएगा अथवा जब वे **65 वर्ष की आयु** के हो जाएंगे, इनमें से जो भी पहले होगा।
- **उनकी पुनर्नियुक्ति नहीं** हो सकती है।
- **राष्ट्रपति मुख्य आयुक्त** अथवा **सूचना आयुक्तों** को अपने पद से निम्नलिखित परिस्थितियों में हटा सकता हैः
    - यदि वह दीवालिया घोषित हो जाए; अथवा
    - यदि वह ऐसे किसी अपराध के लिए दोषी सिद्ध हुआ हो जो (राष्ट्रपति के विचार में) नैतिक अपराध से संबंधित हो; अथवा
    - यदि वह अपने आधिकारिक कार्यकाल के दौरान अपने पद के कर्तव्य के अतिरिक्त किसी वैतनिक रोजगार में शामिल होता है; अथवा
    - यदि वह (राष्ट्रपति के विचार में) मानसिक अथवा शारीरिक अशक्तता की वजह से अपने पद पर रहने के योग्य नहीं है; अथवा
    - यदि उसके कोई ऐसे वित्तीय अथवा अन्य हित है जोकि उसके आधिकारिक कार्य को प्रभावित कर सकते हैं।
- इन चीजों के अतिरिक्त, **राष्ट्रपति मुख्य सूचना आयुक्त** अथवा अन्य सूचना आयुक्तों को गलत आचार अथवा अक्षमता के आधार पर हटा सकता है।
- हालांकि, ऐसे मामलों में **राष्ट्रपति** को **जांच के लिए मामला सर्वोच्च न्यायालय को देना होगा।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यदि **सर्वोच्च न्यायालय** जांच के बाद **हटाने के कारण को सही ठहराता** है और ऐसी सलाह देता है तब **राष्ट्रपति उन्हें हटा सकता** है।
- **मुख्य सूचना आयुक्त व अन्य सूचना आयुक्तों** के वेतन, भत्ते और सेवा की शर्तें **केंद्र सरकार** द्वारा निर्धारित की जाएंगी।
- यह आयोग उन **सूचना चाहने वालों** की अपीलों को सुनता है जो सार्वजनिक प्राधिकरणों से **संतुष्ट नहीं हैं** और आरटीआई कानून से संबंधित **बड़े मुद्दों को सुलझाता** है।
- **CIC**, **RTI कानून के प्रावधानों के क्रियान्वयन** पर **केंद्र सरकार को वार्षिक रिपोर्ट** प्रस्तुत करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू

आयुष्मान सहकार

समाचार में क्यों है?

- **केंद्रीय कृषि मंत्री** ने **आयुष्मान सहकार** की शुरुआत की है, यह एक अनूठी योजना है जो **सहकारी समितियों** को सहायता देती है जिससे वे **देश में स्वास्थ्य सेवाओं की अवसंरचना के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें**।

आयुष्यमान सहकार योजना के बारे में

- इस योजना को **राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम** (NCDC) **ने तैयार** किया है, जोकि **कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय** के अंतर्गत **सर्वोच्च स्वायत्त विकास वित्त संस्थान** है।
- NCDC **भावी सहकारी समितियों को अवधि लोन प्रदान** करेगा जोकि आने वाले वर्षों में **रु. 10,000 करोड़** के होंगे।

- NDNC **की योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017** के ऊपर जोर के साथ संरेखित होगी।
- यह **अपने सभी आयामों में स्वास्थ्य प्रणालियों** को शामिल करती है- **स्वास्थ्य में निवेश,** स्वास्थ्य सेवाओं का संगठन, तकनीक तक पहुँच, मानव संसाधन का विकास, चिकित्सा विविधता को प्रोत्साहन, किसानों को वहनीय योग्य स्वास्थ्य सेवा इत्यादि।
- इसकी **समग्र दृष्टि** है- **अस्पताल**, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा, पैरामेडिकल शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और संपूर्ण स्वास्थ्य प्रणालियां जैसे कि आयुष।
- **आयुष्यमान सहकार योजना कोष** सहकारी अस्पतालों को **चिकित्सा/आयुष शिक्षा** लेने के लिए भी सहायता प्रदान करेगा।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

योजना के उद्देश्य हैं:

a) सहकारी समितियों से अस्पतालों/स्वास्थ्य सेवा/शैक्षिक सुविधाओं के द्वारा वहन योग्य और संपूर्ण स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान को सहायता,

b) सहकारी समितियों के द्वारा आयुष सुविधाओं के प्रोत्साहन को सहायता,

c) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सहकारी समितियों को सहायता,

d) राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य अभियान में भागीदारी के लिए सहकारी समितियों को सहायता,

e) समग्र स्वास्थ्य सेवा जिसमें शिक्षा, सेवाएं, बीमा और इनसे संबंधित गतिविधियां शामिल हैं, को प्रदान करने के लिए सहकारी समितियों को सहायता।

संबंधित सूचना

राष्ट्रीय सहकारी सहकारी विकास निगम के बारे में

- इसकी **स्थापना 1963 में संसद के एक कानून** के द्वारा सहकारिता के प्रोत्साहन और विकास के लिए की गई थी।
- **यह कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय** के अंतर्गत कार्य करता है।
- हाल की पहलों में शामिल हैं **सहकार कूपट्यूब** NCDC **चैनल** (युवाओं पर केंद्रित), सहकार मित्र (प्रशिक्षु कार्यक्रम), इत्यादि।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ll- शासन

स्रोत- पीआईबी

भारतीय चुनाव आयोग ने खर्च सीमा से संबंधित मामलों की जांच के लिए समिति का गठन किया

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **चुनाव आयोग** ने **एक समिति का गठन** किया है जिसमें श्री **हरीश कुमार, पूर्व आईआरएस और महानिदेशक (जांच), श्री उमेश सिन्हा, महासचिव और महानिदेशक (खर्च)** शामिल किये गये हैं। यह समिति **मतदाताओं की बढ़ती हुई संख्या** और **लागत मुद्रास्फीति सूचकांक** व अन्य कारकों को दृष्टि में रखते हुए उम्मीदवार की खर्च सीमा से संबंधित मुद्दों की जांच करेगी।

समिति के बारे में

समिति की निम्नलिखित संदर्भ की शर्तें हैं:

- पूरे राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों में मतदाताओं के संख्या में परिवर्तन और इसके खर्च पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना।
- लागत मुद्रास्फीति सूचकांक में परिवर्तन का आकलन करना और हाल के चुनावों में उम्मीदवारों द्वारा उठाए गए खर्च के अनुक्रम पर इसके प्रभाव को देखना।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- ○ राजनीतिक पार्टियों और अन्य हितधारकों से विचार हासिल करना।
- ○ अन्य कारकों की जांच करना जिनका खर्च पर प्रभाव है।
- ○ किसी अन्य संबंधित मुद्दों की जांच करना।
- समिति अपने गठन के **120 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट** सौंप देगी।

समीक्षा का कारण

- पिछले **छह वर्षों में सीमा नहीं बढ़ाई** गई है, इसके बावजूद कि **2019 में मतदाताओं की संख्या पूर्व के 834 मिलियन से बढ़कर 910 मिलियन** हो गई थी जोकि अब 921 मिलियन है।
- इसके अतिरिक्त, इस काल के दौरान **लागत मुद्रास्फीति सूचकांक 2019 में 220 से बढ़कर 280 हो गया था, जोकि अब 301 है।**

हाल के विकास

- **कानून एवं न्याय मंत्रालय** ने चुनाव करवाने के **नियमों, 1961 के नियम 90 में एक संशोधन को भी अधिसूचित** किया है जिसमें **वर्तमान खर्च सीमा को** 10% बढ़ा दिया गया है।
- **10% की यह बढ़त** आने वाले चुनावों में **तत्कालिक प्रभाव से लागू** होगी।
- उम्मीदवारों के लिए **खर्च की सीमा आखिरी बार 2014 में संशोधित** की गई थी जिसके लिए **28.02.2014 को अधिसूचना जारी** की गई थी, **जबकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना** के विषय में इसे **10.10.2018 को जारी अधिसूचना** के द्वारा संशोधित किया गया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ll-शासन

स्रोत- PIB

घर तक फाइबर

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **भारत के प्रधानमंत्री** ने **बिहार** में **'घर तक फाइबर' योजना** का उद्घाटन किया।

घर तक फाइबर योजना के बारे में

- इसका उद्देश्य **बिहार के सभी 45,945 गांवों** को **31 मार्च, 2021** तक **उच्च गति के ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट** से जोड़ने का है।
- **घर तक फाइबर योजना** के अंतर्गत, **बिहार** को **प्रति गांव कम से कम पांच फाइबर-टू-द-होम कनेक्शनों** को उपलब्ध कराना होगा, जबकि प्रति गांव **कम से कम एक वाईफाई हॉटस्पॉट** होना चाहिए।
- **इसका उद्देश्य** सभी गांवों को **उच्च गति के इंटरनेट** से जोड़ने का है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **इस योजना का मुख्य उद्देश्य देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में ब्रॉडबैंड सेवाओं** को उपलब्ध कराना है।

क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी

- इस योजना का क्रियान्वयन **इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक मंत्रालय** द्वारा किया जाएगा।
- योजना में निम्नलिखित शामिल होंगे
  - ई-शिक्षा सहित डिजिटल सेवाएं
  - ई-कृषि
  - टेली-मेडिसिन
  - टेली-कानून और बिहरा में अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाएं जिनकी पहुँच राज्य के सभी निवासियों तक होगी।
- इसके **स्थानीय रोजगार सृजन** को भी बढ़ावा देनी की संभावना है जिसके लिए **भारत नेट पहल का क्रियान्वयन** किया जा रहा है। इसके लिए **स्थानीय कामगारों को रोजगार** दिया जाएगा।

भारतनेट परियोजना के बारे में

- भारतनेट परियोजना **दुनिया का सबसे बड़ी ग्रामीण ब्रॉडबैंड कनेक्टीविटी कार्यक्रम** है जिसमें ऑप्टिकल फाइबर का प्रयोग किया जा रहा है।
- इसका **क्रियान्वयन भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड** (BBNL) द्वारा किया जा रहा है- यह **दूरसंचार मंत्रालय** के अंतर्गत विशेष उद्देश्य का वाहन है और **भारत की सरकार का महत्वाकांक्षी ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टीविटी कार्यक्रम** है।
- **भारतनेट परियोजना**, जिसकी **शुरुआत आरंभिक रूप से अक्टूबर 2011 को राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क** के रूप में की गई थी जिसका 2015 में **नाम बदलकर भारतनेट परियोजना** किया गया।

उद्देश्य

- **देश** की सभी **2,50,000 ग्राम पंचायतों** को जोड़ना और **सभी ग्राम पंचायतों को 100 मेगाबाइट प्रति सेकेंड** की कनेक्टीविटी प्रदान करना।
- ग्रामीण भारत में **ई-प्रशासन**, ई-स्वास्थ्य, ई-शिक्षा, ई-बैंकिंग, इंटरनेट और अन्य सेवाओं के **वितरण** को सुगम बनाना।
- इसे हासिल करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र के **उपक्रमों** (PSUs) (BSNL, Railtel और पावर ग्रिड) के **वर्तमान गैर प्रयुक्त (डार्क फाइबर)** का उपयोग किया गया और भी फाइबर बिछाया गया जिससे जहां जरूरी हो ग्राम पंचायतों को जोड़ा जा सके।

क्रियान्वयन

- यह परियोजना **केंद्र-राज्य सहयोगी परियोजना** है, जिसमें राज्य **ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क** को बिछाने के लिए **फ्री राइट्स ऑफ वे** के रूप में योगदान देंगे।

भारतनेट परियोजना का तीन चरणों का क्रियान्वयन निम्न है:

- **प्रथम चरण:** दिसंबर 2017 तक भूमिगत ऑप्टिक फाइबर केबिल (OFC) लाइनों को बिछाकर ब्रॉडबैंड कनेक्टीविटी को एक लाख ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराना।
- **द्वितीय चरण:** भूमिगत फाइबर, **फाइबर ओवरपावर लाइनों**, रेडियो और उपग्रह मीडिया के अनुकूलतम मिश्रण का प्रयोग करके देश की सभी ग्राम पंचायतों को कनेक्टीविटी उपलब्ध कराना।
- **तृतीय चरण: 2019 से 2023** तक, एक **स्टेट ऑफ द आर्ट**, फ्यूटर प्रूफ नेटवर्क, जिसमें **जिलों और प्रखंडों के बीच में फाइबर** शामिल है, रिंग टोपोलॉजी के साथ का सृजन किया जाएगा।

विषय- सामान्य अध्ययन ||- शासन, स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

'मेरी सहेली' पहल

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा (पहले रेलवे सुरक्षा बल नाम था)** के स्टाफ ने विजयवाड़ा डिवीजन में **'मेरी सहेली'** पहल की शुरुआत की है।

मेरी सहेली पहल के बारे में

- **'मेरी सहेली'** पहल का मुख्य उद्देश्य पूरी यात्रा के दौरान ट्रेनों में **यात्रा कर रही महिला यात्रियों** को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है।

- इस पहल का क्रियान्वयन एक **भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा** की महिला सब इंस्पेक्टर और कुछ कांस्टेबुलों के नेतृत्व वाली टीम द्वारा किया जाएगा।
- इस पहल को **भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा** द्वारा इसलिए शुरू किया गया है जिससे **शुरू के स्टेशन से लेकर गंतव्य के स्टेशन** तक **महिला यात्रियों की सुरक्षा की लगातार निगरानी** की जा सके।

संबंधित सूचना

ऑपरेशन शक्ति

- **इसे भी भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा** द्वारा **मई 2018** में शुरू किया गया था जिससे महिला यात्रियों के लिए **सुरक्षित ट्रेन यात्रा** को सुनिश्चित किया जा सके।
- यह **बड़े सुरक्षा ऑपरेशन** में भी मदद देता है जिसको **दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन के आरपार अपराध की संभावना वाली ट्रेनों** और रेलवे स्टेशनों पर **आंकड़ों के गहन विश्लेषण** से सहायता मिलती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- AIR

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (IFSCA)

समाचार में क्यों है?

- हाल में **अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण** (IFSCA) **ने** IFSC में **रियल इस्टेट निवेश न्यास** (REITs) और **अवसंरचना निवेश न्यास** (InvITs) के लिए विनिमयन ढांचे का निर्धारण किया है।

समाचार में और भी

- IFSCA ने **वैश्विक भागीदारों को अनुमति** दी है अर्थात **REITs** और **InvITs** जिन्हें **FATF** मानने वाले न्यायाधिकार में शामिल किया गया है जिससे उन्हें GIFT IFSC **में स्टॉक एक्सचेंजों** में अधिसूचित किया जा सके।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसके अतिरिक्त, **InvITs** को **निजी प्लेसमेंट के द्वारा भी कोष** एकत्रित करने की अनुमति दे दी गई है।

- **अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों** में पंजीकृत **REITs** और **InvITs** को रियल इस्टेट परिसंपत्तियों और अवसंरचना परियोजनाओं में निवेश करने की अनुमति दे दी गई है। ये क्रमशः **IFSC, भारत** और अन्य विदेशी न्यायाधिकार हैं।
- IFSC **में** REITs और InvITs के अधिसूचित होना **IFSC में स्टॉक एक्सचेंज** की जरूरतों के अनुसार है।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के बारे में

- इसकी स्थापना **27 अप्रैल, 2020** को **गांधीनगर में मुख्यालय** के साथ हुई थी।

उद्देश्य

- **गुजरात अंतरराष्ट्रीय वित्त टेक सिटी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र** (GIFTIFSC) में **वित्तीय उत्पाद और सेवाओं** को विकसित करना।

कार्य

- प्राधिकरण प्रतिभूतियों, जमाओं अथवा बीमा के करारों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों जैसे **वित्तीय उत्पादों का विनियमन** करेगी जिन्हें पूर्व में किसी **उपयुक्त विनियामक** द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है जैसे **कि भारतीय रिजर्व बैंक** (RBI), **भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड** (SEBI) इत्यादि द्वारा किसी IFSC में।
- यह किसी **IFSC** में किसी अन्य **वित्तीय उत्पाद**, वित्तीय सेवाओं अथवा वित्तीय संस्थानों का विनियमन भी करेगा, जिनकी अधिसूचना केंद्रीय सरकार द्वारा दी जा सकती है।
- यह **केंद्र सरकार** को किसी अन्य **वित्तीय उत्पाद, वित्तीय सेवाओं, अथवा वित्तीय संस्थानों** की अनुशंसा भी कर सकता है जिसे IFSC में अनुमति दी गई है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन

स्रोत- द हिंदू

कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ESI)

समाचार में क्यों है?

- हाल में **भारत सरकार** ने पहली **अरुणाचल प्रदेश** के लिए **कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ESI)** का विस्तार किया है, जिसके लागू होने की तिथि **1 नवंबर 2020** है।
- **केंद्रीय सरकार ESI योजना** के अंतर्गत **पापुम पारे** जिले को अधिसूचित कर रही है।

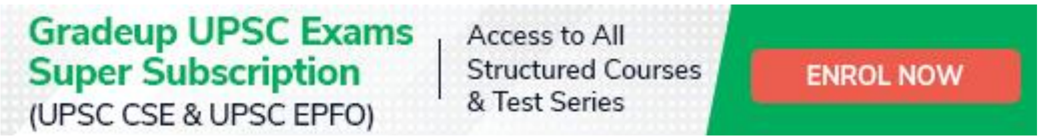

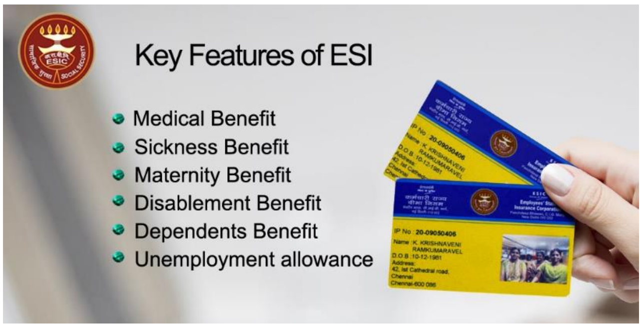

संबंधित सूचना

भारत में कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ESI)

- यह **स्व- वित्तपोषित समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना** है जो **श्रम व नियोजन मंत्रालय** के अंतर्गत कार्य करती है।
- यह **कर्मचारियों को वित्तीय परेशानियों** से बचाती है जो **बीमारी, अपंगता अथवा रोजगार चोटों की वजह से मृत्यु** से उपजी हों।
- **कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) ESI योजना के प्रशासन के लिए जिम्मेदार** है।
- **ESIC के वैधानिक कार्पोरेट निकाय** है जिसे **ESI कानून, 1948** के तहत स्थापित किया गया है।

योजना का आच्छादन

- **ESI योजना फैक्ट्रियों** और अन्य **संगठनों** में लागू होती है अर्थात **सड़क परिवहन, होटलों, रेस्ट्रां, सिनेमा, समाचारपत्र, दुकानों और शैक्षिक/चिकित्सा संस्थानों** में जहां दस या ज्यादा लोग कार्यरत हैं।
- लेकिन कुछ **राज्यों** में संगठनों के आच्छादन की **न्यूनतम सीमा 20** है।
- उपर्युक्त श्रेणी के बताए गए फैक्ट्रियों और संगठनों के **कर्मचारी**, जिन्हें **रु. 15,000 प्रतिमाह** वेतनमान मिलता है, **ESI कानून के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा कवर** के अंतर्गत पात्र हैं।
- हालांकि, ESI निगम ने ESI कानून के अंतर्गत कर्मचारियों के कवरेज के वेतन सीलिंग को बढ़ाने का रु. 15,000 से रु. 21,000 निर्णय लिया है।
- **चिकित्सा लाभ-** बीमित व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों की पूरी तरह से चिकित्सकीय देखभाल जिसमें चिकित्सा में खर्च की सीमा नहीं है।
- **बीमारी लाभ-** वेतन के 70 प्रतिशत की दर पर नकद क्षतिपूर्ति के रूप में।
- मातृत्व लाभ- प्रसूति/गर्भावस्था के लिए 26 महीनों का वेतनमान दिया जाता है जिसे एक महीने के लिए चिकित्सकीय परामर्श पर बढ़ाया जा सकता है।

अशक्तता लाभ-

a. अस्थाई अशक्तता लाभ (TDB)
b. स्थाई अशक्तता लाभ (PDB)

आश्रितों को लाभ

- आश्रितों को मासिक भुगतान के रूप में दिया जाता है। यह उन मामलों में दिया जाता है जहां मृत्यु रोजगार के दौरान चोट अथवा व्यवसाय के खतरों की वजह से हुई है।

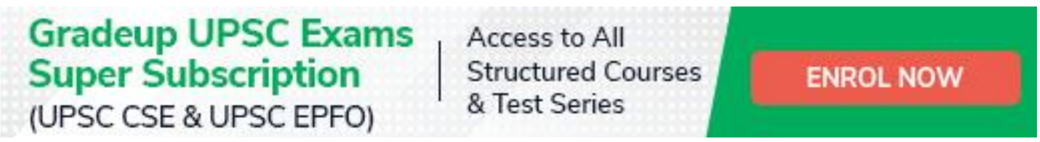

अन्य लाभ-

- **अंतिम संस्कार का खर्च**
- **वृद्धावस्था चिकित्सा देखभाल**
- **प्रसूति खर्च**
- **व्यावसायिक पुर्नवास**
- **भौतिक पुर्नवास**

- **विभिन्न लाभों** के अतिरिक्त, **ESI योजना के अंतर्गत कवर किये गए कर्मचारी बेरोजगारी भत्तों के लिए भी पात्र** होते हैं।
- **दो बेरोजगारी भत्ता योजनाएं** होती हैं जिनका नाम है **अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना (ABVKY) और राजीव गांधी श्रमिक कल्याण योजना (RGSKY)।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र- सामाजिक सुरक्षा, स्रोत- बिजीनेस स्टैंडर्ड

सीबीएससी ने डिजीटल प्रलेख को पाने के लिए चेहरा पहचानने वाली प्रणाली की शुरुआत की

समाचार में क्यों है?

- **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड** (CBSE) ने **चेहरा पहचानने वाली प्रणाली की शुरुआत** की है जोकि छात्रों को उनके **कक्षा 10, 12 के डिजीटल अकादमिक प्रलेखों** को डाउनलोड करने में सक्षम बनाएगी।

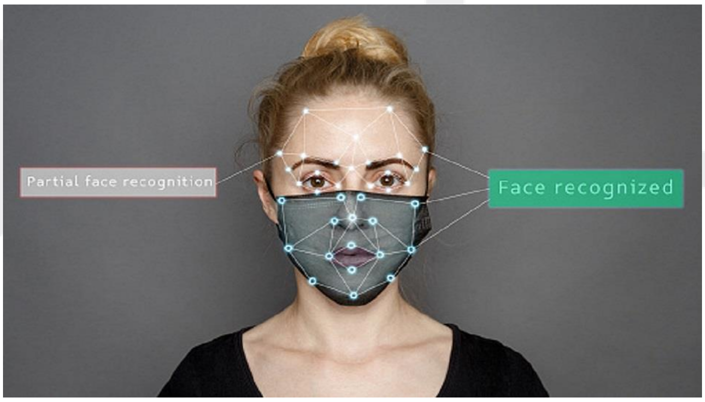

चेहरा पहचानने वाली प्रणाली के बारे में ज्यादा जानकारी

- यह **कम्प्यूटर अनुप्रयोग डाटाबेस में पहले से ही भंडारित डिजीटल छवि से मानव चेहरे** का सुमेलन करती है।
- **कम्प्यूटर और मानव परस्पर आदान-प्रदान चेहरे की संरेखाओं के मानचित्रण के लिए करते हैं।**
- इसके आगे, **छात्र की जीवित छवि CBSE प्रवेशपत्र पर चित्र के साथ सुमेलित** की जाती है जिसे पहले से ही **रिपोजटरी में भंडारित** किया गया होता है, और एक बार सफलता मिलने पर बोर्ड के अनुसार छात्र को **प्रमाणपत्र ई-मेल** कर दिया जाता है।
- अब आवेदन पत्र **परियाम मंजूषा** और **डिजी लॉकर** पर उपलब्ध होता है। डिजी लॉकर का लिंक **digilocker.gov.in/cbse-certificate.html** सभी **2020 के रिकॉर्डों** के लिए होता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **CBSE** ने अभी तक कुल **12 करोड़ डिजीटल अकादमिक प्रलेखों** को **डिजी लॉकर** में डाला है जिन्हें **छात्र द्वारा अंकपत्र, उत्तीर्ण व प्रवसन प्रमाणपत्रों** को पाने के लिए खोला जा सकता है।

लाभ

- **चेहरा सुमेलन की नवीनतम सुविधा विदेशी छात्रों** का काफी ज्यादा लाभ देगी और उन्हें भी जो किसी कारण से **डिजी लॉकर खाते को खोलने में सक्षम** नहीं हैं जिसका कोई भी कारण हो सकता है जैसे कि **आधार कार्ड अथवा गलत मोबाइल नं.**।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र **II-** शासन

स्रोत- **PIB**

लीबिया युद्धविराम समझौता

समाचार में क्यों है?

- हाल में **लीबिया में विरोधी पार्टियों** ने **ऐतिहासिक युद्धविराम** की घोषणा की जिसके बाद **जिनेवा में पांच दिनों का 5+5 लीबियाई संयुक्त सैन्य आयोग (JMC)** की बातचीत हुई, जिससे यह संभावना प्रबल हो गई है कि **लंबे समय से चला आ रहा संघर्ष समाप्ति की ओर अग्रसर** है।

पृष्ठभूमि

- **अक्टूबर 2011** में **विद्रोही नागरिक सेना के हाथों मारे जाने** और **नाटो समर्थित शक्तियों** द्वारा **मुअम्मार गद्दाफी** के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही **लीबिया** में **विरोधी नागरिक सेनाओं** के मध्य शक्ति संघर्ष चल रहा है।

- **गद्दाफी की मौत** के साथ पूर्व सेना अधिकारी द्वारा **42 वर्ष के घटनापूर्ण शासन** का अंत हो गया जिन्होंने **1969 में एक सैन्य विद्रोह में किंग इदरीस** से सत्ता अपने हाथों की की थी।
- **गद्दाफी के सत्ता से बाहर** होने के बाद **दर्जनों नागरिक सेनाएं** जिनका नेतृत्व लड़ाके कर रहे थे, ने **शक्ति शून्य को भरने का प्रयास** किया।
- इसके फलस्वरूप, **लीबिया युद्ध के क्षेत्र में तब्दील** हो गया जिसमें **विभिन्न सैन्य नेता** इस **उत्तरी अफ्रीकी देश** पर अपना दावा ठोंकने लगे।

नया युद्धविराम समझौता क्या है?

- **संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में हुए नये समझौते** के अनुसार सभी **विदेशी भाड़े के सैनिक** और **सैन्य बलों** को **90 दिनों के भीतर पीछे हटना होगा** और पार्टियां इस बात पर भी सहमत

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

हो गईं कि **युद्धविराम में किसी तरह के उल्लंघन** से **संयुक्त सैन्य बल द्वारा निपटा जाएगा** जोकि एक एकीकृति कमांड के अंतर्गत होगी।

- हालांकि, **युद्धविराम संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित किये गए आतंकवादी समूहों** पर लागू नहीं होगा। समझौते ने एक **संयुक्त पुलिस ऑपरेशंस रूम्स** की भी स्थापना की है जो **विशेष प्रबंधों को क्रियान्वित और प्रस्तावित करेगा** जिससे **सैन्य ईकाईयों और सैन्य समूहों द्वारा खाली** किये गए क्षेत्रों को कब्जे में लिया जा सके।
- इसी के साथ, **5+5 भूमि और वायु मार्गों को खोलने पर भी सहमत** हो गया जो **लीबिया के शहरों और क्षेत्रों को आपस में जोड़ते** हैं।

लीबिया के बारे में

- **लीबिया,** जोकि आधिकारिक रूप से **लीबिया राज्य** है, **उत्तर अफ्रीका के माघरेब क्षेत्र** में एक देश है।

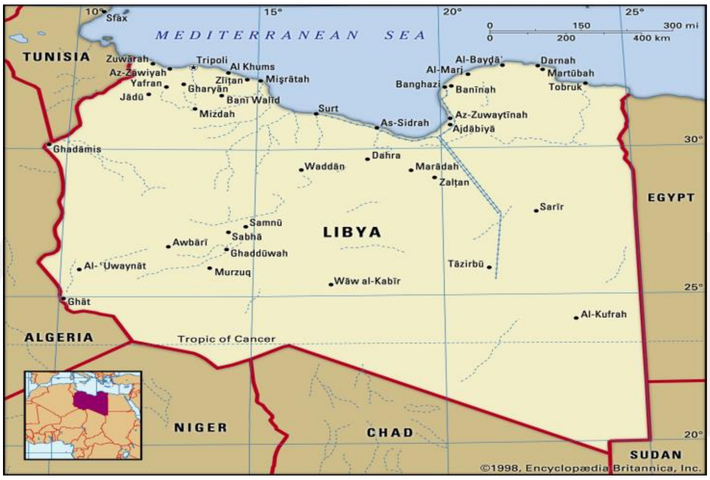

- इसके उत्तर में **भूमध्य सागर** है, पूर्व में **मिस्र** है, दक्षिण-पूर्व में **सूडान** है, दक्षिण में **चाड** है, दक्षिण-पश्चिम में **नाइजर** है, पश्चिम में **अल्जीरिया** है और उत्तर-पश्चिम में **ट्यूनीशिया** है।
- **सम्प्रभु देश** तीन ऐतिहासिक क्षेत्रों से मिलकर बना है: **त्रिपोलीतानिया, फेज्जान और क्रेनाइका।**
- **लीबिया** अफ्रीका का **चौथा सबसे बड़ा देश** और **दुनिया का 16वां सबसे बड़ा देश** है।
- इसके पास दुनिया का **10वां सबसे बड़ा तेल रिजर्व** है।
- इसका सबसे बड़ा शहर और **राजधानी त्रिपोली पश्चिमी लीबिया** में है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

एकल पालक के रूप में पुरुष सरकारी कर्मचारी बाल देखभाल छुट्टी के लिए पात्र

समाचार में क्यों है?

- **केंद्रीय कार्मिक, सार्वजनिक शिकायत और पेंशन मंत्री** ने कहा है कि अब **सरकार के पुरुष कर्मचारी** भी **बाल देखभाल छुट्टी के लिए पात्र** हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

कौन पात्र है?

- **बाल देखभाल छुट्टी (CCL) के प्रावधान** केवल उन पुरुष कर्मचारियों को ही उपलब्ध होंगे जोकि **"एकल पुरुष पालक"** हैं।
- **एकल पुरुष पालक** में शामिल हैं **गैरविवाहित कर्मचारी, विदुर और तलाकशुदा**, जो **बच्चे के देखभाल की जिम्मेदारी अपने कंधों पर अकेले ले सकते** हैं।

अवधि एवं भत्ते

- **बाल देखभाल छुट्टी** पहले **365 दिनों के लिए छुट्टी वेतन के 100 प्रतिशत** के साथ और **अगले 365 दिनों के लिए छुट्टी वेतन के 80 प्रतिशत** के साथ दी जा सकती है।
- **बाल देखभाल छुट्टी पर एक कर्मचारी उपयुक्त प्राधिकरण के पूर्व की स्वीकृति के साथ मुख्यालय को छोड़** सकता है।
- इसके अतिरिक्त, **छुट्टी यात्रा छूट (LTC)** को **कर्मचारी ले सकता** है यद्यपि वह **बाल देखभाल छुट्टी** पर हो सकता है।
- इस बारे में एक अन्य **कल्याणकारी उपाय** किया गया है जिसके अनुसार अशक्त बच्चे के मामले में कि केवल बच्चे के **22 वर्ष की अवस्था होने तक** ही पालकों द्वारा **बाल देखभाल छुट्टी** को लिया जा सकता है, अब हटा दिया गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक सुरक्षा

स्रोत- द हिंदू

आदिवासी कल्याण के लिए उत्कृष्टता केंद्र

समाचार में क्यों है?

- हाल में **आदिवासी मामलों के केंद्रीय मंत्री** ने वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा **आदिवासी मामले के मंत्रालय और आर्ट ऑफ लिविंग** के बीच में सहयोग में **दो आदिवासी कल्याण उत्कृष्टता केंद्रों** की शुरुआत करने की घोषणा की।

संबंधित सूचना

- प्रथम पहल **'पंचायती राज संस्थानों (PRIs)को मजबूत करना'** को **5 जिलों** में शुरू किया जाएगा जिसमें **30 ग्राम पंचायतें और झारखंड के 150 गांव** होंगे। इससे विभिन्न **आदिवासी कानूनों** के बारे में चुने हुए **पंचायती राज संस्थानों के प्रतिनिधियों** के मध्य जागरुकता पैदा की जाएगी।

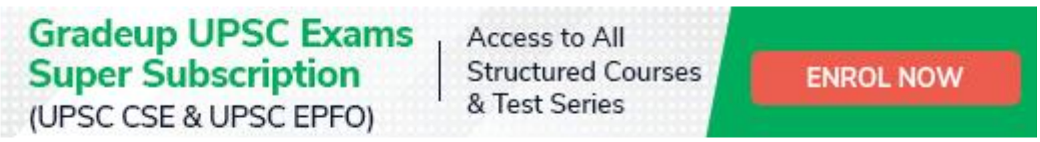

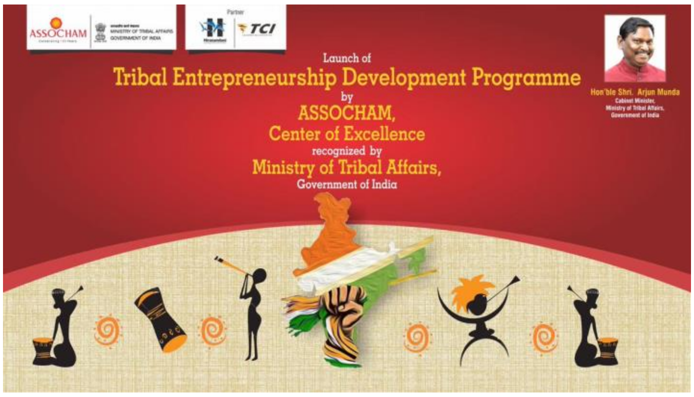

- इस **मॉडल से आदिवासी कार्यकर्ताओं के मध्य से युवा कार्यकर्ताओं** को तैयार किया जाएगा जिसके लिए उन्हें **व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण** दिया जाएगा, उनके अंदर **सामाजिक जिम्मेदारी** की भावना को भरा जाएगा और इस प्रकार से **आदिवासी नेताओं को तैयार** किया जाएगा जोकि अपने **समुदाय में जागरुकता** पैदा करने के लिए कार्य करेंगे।
- **दूसरी पहल** में **महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में 10000 आदिवासी किसानों को प्रशिक्षण** दिया जाएगा जिसका उद्देश्य **गो-आधारित खेती तकनीक** पर सतत प्राकृतिक खेती करना होगा।
- **किसानों** को **ऑग्रेनिक प्रमाणीकरण** प्राप्त करने में सहायता दी जाएगी और उनके लिए विपणन अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे उनमें से प्रत्येक **आत्मनिर्भर आदिवासी किसान** बन सके।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना

समाचार में क्यों है?

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** ने हाल में वीडियो कांफ्रेसिंग के द्वारा **उत्तर प्रदेश** के **प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभकर्ताओं के साथ बातचीत** की।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के बारे में

- **प्रधानमंत्री की फेरीवाले की आत्मनिर्भर निधि (प्रधानमंत्री स्वनिधि)** की शुरुआत **1 जून, 2020** को **आवास एवं शहरी मामले के मंत्रालय** ने की थी जिससे **फेरीवालों को वहनीय कार्यकारी पूंजी ऋण मिल** जाए जो उनके **जीवनयापन को सुचारू रूप से चालू** कर सके। इस वर्ग का जीवनयापन **कोविड-19 लॉकडाउन की वजह से बुरी तरह से प्रभावित** हुआ है।
- इसकी घोषणा **आर्थिक प्रोत्साहन II के हिस्से के रूप में आत्मनिर्भर भारत अभियान** के अंतर्गत की गई थी।

अवधि

- इस योजना की अवधि **मार्च 2022 तक** है।

लक्षित लाभकर्ता

- इस योजना का लक्ष्य **50 लाख से ऊपर फेरीवालों** को लाभ पहुँचाना है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

क्रियान्वयन एजेंसी

- इस योजना की क्रियान्वयन एजेंसी **भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)** है।

इस योजना के अंतर्गत कौन से फेरीवाले हैं?

- **योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार**, एक फेरीवाला वह व्यक्ति होता है वस्तुओं, चीजों, भोजन की चीजों अथवा दिन प्रतिदिन के प्रयोग के माल को बेच रहा है अथवा लोगों को सड़क, फुटपाथ इत्यादि में अपनी सेवाएं दे रहा है, जोकि एक अस्थाई बनी हुई जगह है अथवा वह एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमता है।
- उनके द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं में सब्जियां, फल, खाने के लिए तैयार सड़क के भोजन, चाय, पकौड़ा, ब्रेड, अंडे, वस्त्र, परिधान, दस्तकारी उत्पाद, कापियां/स्टेशनरी इत्यादि शामिल हैं और सेवाओं में नाई की दुकान, मोची, पान की दुकान, कपड़े धुलाई की दुकान इत्यादि शामिल हैं।

योजना के फायदे

- **फेरीवाले रु. 10,000 तक की कार्यशील पूंजी ऋण** को ले सकते हैं जोकि **एक वर्ष की अवधि में मासिक किस्तों** में देय है।
- **ऋण के समय पर/जल्दी चुकाने जाने** पर, **लाभकर्ताओं के बैंक खातों में 7% प्रतिवर्ष की दर** से **ऋण सब्सिडी** जमा कर दी जाएगी। इसके लिए **तिमाही आधार** पर **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण** की मदद ली जाएगी।
- **ऋण के जल्दी चुकता किये जाने पर कोई भी दंड नहीं** लगाया जाएगा।
- यह **योजना डिजीटल लेनदेन को प्रोत्साहित** करती है जिसके लिए **रु. 100 प्रतिमाह** की **राशि कैश बैक इंसेंटिव** के रूप में प्रदान किया जाएगा।
- फेरीवाले समय पर/ऋण को **जल्दी चुकाने पर क्रेडिट सीमा की बढ़त की सुविधा को प्राप्त कर सकते** हैं।

हाल का घटनाक्रम

- **आवास एवं शहरी मामले (MoHUA)** के मंत्रालय ने हाल में अपने ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर सड़क पर भोजन फेरी लगाने वाले के लिए **स्विगी** के साथ **सहमति पत्र** पर हस्ताक्षर किये हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

जहाजरानी मंत्रालय ने प्रारूप तटीय जहाजरानी विधेयक, 2020 को जारी किया

ख़बरों में क्यों है?

- **जहाजरानी मंत्रालय** ने प्रारूप **'तटीय जहाजरानी विधेयक, 2020'** को **सार्वजनिक परामर्श** के लिए जारी किया है। यह शासन में **पारदर्शिता** और **जन भागीदारी को बढ़ाने** के **प्रधानमंत्री** के स्वप्न एक अनुसार है।
- **जहाजरानी मंत्रालय** ने **व्यापारिक जहाजरानी कानून, 1958** के **भाग 16** के एवज में **तटीय जहाजरानी विधेयक, 2020** का प्रारूप जारी किया है।

विधेयक की कुछ खास बातें निम्न हैं:

- **तटीय जहाजरानी** और **तटीय जलों** की परिभाषा का **विस्तार** किया गया है।
- इसे **तटीय व्यापार** के लिए **भारतीय फ्लैग जहाजों के लिए व्यापारिक लाइसेंस** की जरूरत को समाप्त करने के लिए प्रस्तावित किया गया है।
- इस **विधेयक का उद्देश्य प्रतियोगी पर्यावरण** पैदा करना और **परिवहन लागतों** को घटाना है जबकि **तटीय जहाजरानी में उनकी साझीदारी** को बढ़ाकर **भारतीय जहाजों को प्रोत्साहित** करना है।
- यह विधेयक **अंतरदेशीय जलमार्गों** के साथ **तटीय समुद्री परिवहन के एकीकरण** को भी प्रस्तावित करता है।
- **राष्ट्रीय तटीय** और **अंतरदेशीय जहाजरानी रणनीतिक योजना** का प्रावधान भी है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-II- शासन

स्रोत- PIB

SERB- POWER (अन्वेषी शोध में महिलाओं के लिए अवसरों का प्रोत्साहन)

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्रीय मंत्री विज्ञान एवं तकनीक, पृथ्वी विज्ञान** और **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** ने योजना जिसका **शीर्षक "SERB-POWER** (अन्वेषी शोध में महिलाओं के लिए अवसरों का प्रोत्साहन)" है, की शुरुआत की है। इसे **पूरी तरह से महिला वैज्ञानिकों** के लिए डिजाइन किया गया है।

SERB-POWER योजना के बारे में

योजना में दो घटक होंगे जिनके नाम हैं-

- SERB-POWER फेलोशिप
- SERB-POWER शोध अनुदान

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

इनमें से प्रत्येक की खास बातें निम्न हैं:

SERB-POWER फेलोशिप की खास बातें-

- **लक्ष्यः 35-55 आयुवर्ग** की महिला शोधार्थी। **प्रतिवर्ष 25 तक फेलोशिप** और किसी समयकाल में **75 से ज्यादा नहीं**।
- **समर्थन के घटकः प्रति महीने रु. 15,000** की फेलोशिप, यह नियमित आय के अतिरिक्त है; प्रतिवर्ष **रु. 10 लाख का शोध अनुदान** और प्रतिवर्ष रु. 90,000 का ओवरहेड।
- **अवधिः** तीन वर्ष बिना विस्तार की संभावना के। कॅरियर में एक बार।

B. SERB की खास विशेषताएं- POWER शोध अनुदानः

- POWER अनुदान निम्नलिखित दो श्रेणियों के अंतर्गत महिला शोधार्थियों को वित्त पोषित करके सशक्त करेंगीः
  - **लेवल** I (आईआईटी, आईआईएसईआर, आईआईएस, एनआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और केंद्रीय सरकार के संस्थानों की केंद्रीय प्रयोगशालाएं से आवेदक)
  - वित पोषण का स्केल तीन वर्षों के लिए 60 लाख तक है।
- POWER अनुदान **संदर्भ की शर्तों के द्वारा विनियमित** किये जाएंगे जोकि **SERB-CRG (**विज्ञान एवं इंजीनियरिंग शोध बोर्ड-मूल शोध अनुदान) दिशा-निर्देशों के अनुसार होगी।
- यह **25 POWER फेलोशिपों** को वार्षिक रूप से स्थापित करेगी।
- **लेवल I और लेवल II में प्रतिवर्ष कुल प्रत्येक 50 POWER अनुदानों** को जारी किया जाएगा।

महत्व

- **सरकार की यह योजनाएं निश्चित रूप से महिला वैज्ञानिकों को सशक्त** करेंगी और हमारे अकादमिक और **शोध संस्थानों** में **महिला हितैषी संस्कृति** का पोषण करेगी एवं निर्णय लेने वाले निकायों में **महिलाओं के नेतृत्व** ग्रहण करने को सुनिश्चित करेगी।

संबंधित सूचना

विज्ञान एवं तकनीक (FIST) कार्यक्रम में सुधार के लिए कोष

- हाल में, **विज्ञान एवं तकनीक विभाग** ने **विज्ञान एवं तकनीक** (FIST) **कार्यक्रम के सुधार के लिए कोष** की पुनर्संरचना के लिए आहवान किया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

विज्ञान एवं तकनीक (FIST) कार्यक्रम में सुधार के लिए कोष के बारे में

- **विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षिक संस्थानों में अवसंरचना के लिए FIST कार्यक्रम** का उद्देश्य **स्टार्टअप्स और उद्योगों के उच्च-अंत जरूरतों** को पूरा करना है और सरकार के **आत्मनिर्भर भारत अभियान** से सुमेलित करना है।
- **FIST कार्यक्रम** को अब **FIST 2.0 के रूप में पुनः आविष्कारित** किया जाएगा जिससे यह **आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य** की ओर उन्मुख हो सके। इसका उद्देश्य **शोध और विकास अवसंरचना** का सृजन करना है।
- यह **विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षिक संस्थानों** में **शोध और शिक्षण के लिए अवसंरचनात्मक सुविधाओं** के नेटवर्क के उन्नयन का समर्थन करता है।
- **FIST 2.0 FIST, सोफेस्टिकेटेड एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंट फैसीलिटीज** (SAIF), **और सोफेस्टिकेटेड एलानिटिकल एंड टेक्नीकल हेल्प इंस्टीट्यूट्स** (SATHI) जैसे कार्यक्रमों से भी जुड़ेगा, जो सभी विभाग, **विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान एवं तकनीक अवसंरचना केंद्रों** की स्थापना करने के बनाए गये हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- महिला सशक्तिकरण और शिक्षा

स्रोत- दि हिंदू

बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना- चरण I और चरण III

ख़बरों में क्यों है?

- **आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति** ने **विश्व बैंक** (WB) और **एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक** (AIIB) के **वित्तीय सहायता** से **बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना** (DRIP) **चरण I और चरण III को स्वीकृति** दे दी है।

परियोजना के बारे में

उद्देश्य

- पूरे देश में कुछ चुने हुए **बांधों की सुरक्षा और प्रचालन प्रदर्शन में सुधार** करना, साथ ही प्रणाली आधारित प्रबंधक दृष्टिकोण के साथ **संस्थागत मजबूती** करना।

- **यह योजना पूरे देश में स्थित 736 वर्तमान बांधों के समग्र पुनर्वास** की बात कहती है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

कार्यकाल

- यह **परियोजना 10 वर्ष की अवधिकाल** में **दो चरणों** में क्रियान्वित की जाएगी, इनमें से प्रत्येक **छह वर्षों की अवधि** का होगा जिसमें **अप्रैल 2021 से मार्च 2031** से दो वर्ष मिले हुए होंगे।

उद्देश्य की प्राप्ति के लिए, DRIP चरण II और चरण III में निम्नलिखित घटक हैं:

- बांधों का पुनर्वास और सुधार और सहयोगी साज-सामान,
- भागीदारी राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों में बांध सुरक्षा संस्थागत मजबूती,
- कुछ चुने हुए बांधों में वैकल्पिक आकस्मिक माध्यमों की खोज जिससे बांधों के सतत प्रचालन और रखरखाव के लिए आकस्मिक राजस्व की उत्पत्ति की जा सके, और
- परियोजना प्रबंधन।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे

चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड)

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में अमेरिकी **विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ** ने **कोरोनोवायरस संकट के** साथ-साथ **भारत-प्रशांत क्षेत्र** में चीन के कार्यों के लिए **उसक** सीधे तौर पर **आलोचना की है**, और उन्होंने **चीन का मुकाबला** करने में **"सहयोग"** करने के लिए **चतुर्भुज वार्ता, या "क्वाड"** की भी मांग की है।

चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) के बारे में

- यह **भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के** बीच एक **अनौपचारिक रणनीतिक संवाद है,** जो एक **"मुक्त, खुले और समृद्ध" भारत-प्रशांत क्षेत्र** को सुनिश्चित करने और समर्थन करने के लिए एक **साझा उद्देश्य के** साथ **है।**
- **मंत्रीस्तरीय बैठक हमारी साझा प्रतिबद्धताओं को साझा करने और आतंकवाद रोधक घटनाओं,** आपदा राहत, एयरटाइम सुरक्षा, सहयोग, विकास, वित्त और साइबर सुरक्षा के प्रयासों में, सलाह, सहायता पर घनिष्ठ सहयोग पर भी चर्चा की गयी।
- **क्वाड का विचार** सर्वप्रथम **जापानी प्रधानमंत्री शिंजो अबे** में **2007 में रखा था** हालांकि, संभवतः चीनी दवाब के कारण आस्ट्रेलिया द्वारा पीछे हटने से यह विचार आगे नहीं बढ़ पाया था।
- दिसंबर 2012 में, **शिंजो आबे** ने **हिंद महासागर** से **पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र** में **समुद्री देशों की** सुरक्षा के लिए **ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका को शामिल करते हुए** फिर से एशिया के **"लोकतांत्रिक सुरक्षा डायमंड"** की अवधारणा को रखा**।**
- **नवंबर 2017** में**, भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया** और **जापान** ने **हिन्द-प्रशांत में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी प्रभाव (खासकर चीनी प्रभाव) से मुक्त रखने के लिए एक रणनीति विकसित करने हेतु** बहुत समय से लंबित **"क्वाड"** को अंतिम रूप प्रदान किया।
- **चीन** द्वारा **क्वाड को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) का एशियाई संस्करण के रूप** में आलोचना की जाती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - अंतर्राष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

खाद्य और कृषि संगठन

खबरों में क्यों है?

- **खाद्य और कृषि संगठन (FAO) 16 अक्टूबर 2020 को 75 वीं वर्षगांठ** पर, **भारत के प्रधानमंत्री FAO के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंधों की प्रतीक के रूप में 75 रुपए मूल्यवर्ग का** एक स्मारक सिक्का जारी करेंगे।

खाद्य और कृषि संगठन के बारे में

- यह **संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी** है जो **भूखमरी हराने और पोषण तथा खाद्य सुरक्षा बेहतर बनाने** के लिए **अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व** करती है।

- इसकी **स्थापना सन् 1945 में कृषि उत्पादकता** को **बढ़ाकर भूखमरी खत्म करने** और **पोषण और जीवन स्तर में सुधार लाने** के उद्देश्य से की गई थी।
- इसका सचिवालय **रोम, इटली** में है।

FAO के कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं -

a) खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम

b) कोडेक्स एलिमेंटेरियस

c) अंतर्राष्ट्रीय पौधा संरक्षण सम्मेलन (IPPC)

कोडेक्स एलेमेंटेरियस आयोग के बारे में

- यह **WHO और FAO द्वारा स्थापित** एक **अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक पीठासीन निकाय है।**
- भारत के **वैश्विक मसाला व्यापार को बेंचमार्क प्रदान** के अपने प्रयासों के कारण इसने **हाल ही में काली, सफेद और हरी कालीमिर्च, जीरा और अजवायन** के लिए **तीन कोडेक्स मानकों को अपनाया** है।
- **कोडेक्स मानकों** को **अपनाने के** साथ, मसालों को **पहली बार उन वस्तुओं के रूप** में शामिल किया गया है जिनके **सार्वभौमिक मानक होंगे।**

अंतर्राष्ट्रीय पादप संरक्षण सम्मेलन (IPPC)

- इसका उद्देश्य **कीटों** के **प्रवेश और प्रसार को** रोककर **खेती योग्य तथा जंगली पौधों** की **रक्षा** करना है।

भारत और FAO

- **FAO परिषद ने वर्ष** 2020 और 2021 के लिए **विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) के कार्यकारी बोर्ड** में भारत की सदस्यता को मंजूरी दी है।
- **भारत सरकार** के अनुरोध पर इसने **वर्ष 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष"** के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **भारत ने वर्ष 2018 को "राष्ट्रीय बाजार वर्ष"** के रूप में मनाया था और बाजारा को पोषित-अनाज के रूप में अधिसूचित किया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) में बाजरा ka शामिल किए जाने की अनुमति दी।
- **WFP दुनिया में सबसे बड़ी मानवीय एजेंसी है जो भोजन सहायता**, स्कूली भोजन, नकदी आधारित हस्तांतरण आदि प्रदान करके भूखमरी के खिलाफ लड़ती है।
- भारत में, WFP सीधे खाद्य सहायता प्रदान करने से आगे बढ़कर तकनीकी सहायता एवं क्षमता निर्माण सेवाएं प्रदा कर रही है।
- **कृषि मंत्रालय इसकी नोडल एजेंसी है।**

नोट:

- **भारतीय सिविल सेवा अधिकारी डॉ. बिनय रंजन सेन 1956-1967 के** दौरान **FAO** के महानिदेशक **थे ।**
- **विश्व खाद्य कार्यक्रम** है, जिसने **नोबेल शांति पुरस्कार 2020 जीता है,** इनके कार्यकाल के दौरान स्थापित किया गया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- PIB

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** की **तीसरी बैठक में ISA के 34 मंत्रियों** ने भाग लिया।

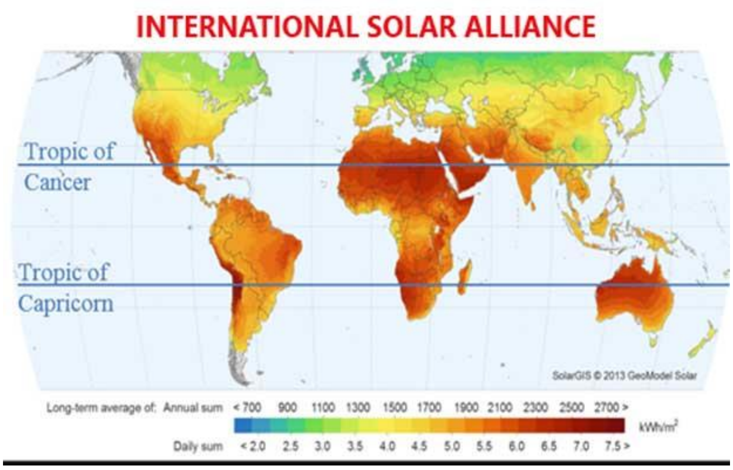

मुख्य बिंदु

- **भारत** को **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** के **अध्यक्ष** और **फ्रांस** को **उपाध्यक्ष** के रूप में **दो साल के** कार्यकाल के लिए एकबार फिर चुना गया है।
- सभा ने **धारणीय जलवायु कार्यविधि (CSCA) के लिए गठबंधन** के माध्यम से **निजी और सार्वजनिक सहयोग क्षेत्र** के साथ **संस्थागत ISA सहभागिता में ISA सचिवालय की पहलों को अनुमति** भी दी है।
- **सदन ने विश्वेश्वरैया पुरस्कार भी प्राप्त किया** जो **ISA के चार क्षेत्रों में प्रत्येक में अधिकतम तैरते सोलर क्षमता वाले देशों की** पहचान करता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- जापान ने **एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए पुरस्कार** जीता और नीदरलैण्ड ने **यूरोप और अन्य क्षेत्रों** के लिए यह पुरस्कार जीता।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के बारे में

- यह एक **भारतीय पहल** है, जिसे **पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन COP-21 के अवसर पर** संयुक्त रूप से **फ्रांस और भारत द्वारा शुरू किया गया।**
- **इसका मुख्यालय गुड़गांव, भारत में है।**
- यह **स्वच्छ ऊर्जा के लिए वैश्विक मेगा फंड के** तहत **अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए 10 वर्षों** में **$300 बिलियन का चैनल बनाने का लक्ष्य रखता है।**

सदस्यता

- **ISA के 121 भावी सदस्य देश** (वे देश जो कर्क और मकर उष्णकटिबंधीय रेखा के बीच आते हैं) **और जो संयुक्त राष्ट्र** के भी सदस्य हैं, **वे फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर और पुष्टि करके गठबंधन का सदस्य बनने के लिए अपनी स्वीकृति या अनुमोदन दे सकते हैं।**
- **संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश** जो **ऊष्ण कटिबंधों के बाहर स्थित हैं, ISA में भागीदार देशों के रूप में** शामिल हो सकते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र के अपने अंग **ISA के "रणनीतिक साझेदार" के रूप में शामिल** हो सकते हैं।

हाल ही हुए बदलाव

- **वैश्विक सौर बैंक** - आईएसए ने **150 बिलियन डॉलर की बिजली परियोजनाओं के वित्तपोषण** के लिए **वैश्विक सौर बैंक की स्थापना** की योजना बनाई है।
- ISA एक **विशेष प्रयोजन वाहन (SPV)** बनाने के लिए **बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDB)** से **संपर्क** करेगा।
- यह SPV **एक वैश्विक सौर बैंक** बन जाएगा।

सदन

- **ISA** की **पहली बैठक अक्टूबर 2018** में **ग्रेटर नोएडा, भारत** में आयोजित की गई थी।
- **ISA** की **दूसरी बैठक 2019 में नई दिल्ली** में आयोजित हुई थी।
- **ISA की तीसरी बैठक आभासी माध्यम में 14 से 16 अक्टूबर 2020** के बीच आयोजित की जाएगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में **भारत** ने **पूर्व में फिलीस्तीन शरणार्थियों** के लिए समर्पित **संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA) को एक मिलियन डॉलर का अनुदान** देने की पेशकश की है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA) के बारे में

- **इसे वर्ष 1948 में अरब-इज़राइल संघर्ष के** बाद वर्ष **1949** में **संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव** के तहत स्थापित किया गया था।
- इसे **फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए सीधे राहत एवं** कार्य कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के लिए बनाया गया था।
- यह **फिलिस्तीनी शरणार्थियों** को ऐसे व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करता है जिनकी **1 जून 1946 के से 15 मई 1948 के दौरान निवास स्थान** फिलिस्तीन थी और जिन्होंने **1948 संघर्ष** की वजह से अपने घर और रोजी-रोटी के साधन दोनों को खो दिया।
- इसने फिलिस्तीनी शरणार्थियों **की चार पीढ़ियों** के **कल्याण** एवं **मानव विकास** में योगदान दिया है।
- **एजेंसी की सेवाओं में** शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, राहत और सामाजिक सेवाएं, शिविर के बुनियादी ढांचे और सुधार, सूक्ष्म वित्त, और आपातकालीन सहायता (सशस्त्र संघर्ष के समय में भी) शामिल है।

इसके अंतर्गत शामिल क्षेत्र हैं

- **इसमें परिचालन के पांच क्षेत्रों** में सहायता प्रदान की जाती है**, ये क्षेत्र**: जॉर्डन, लेबनान, सीरिया, गाजा पट्टी, और **पूर्वी जेरूसलम** सहित पश्चिमी किनारा हैं, जबकि सहायता इन **पांच क्षेत्रों** के बाहर फिलीस्तीनी शरणार्थियों को **UNHCR** द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

अनुदान

- यह पूरी तरह से संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के **स्वैच्छिक योगदान से वित्त पोषित** होती है।
- यह **संयुक्त राष्ट्र** के **नियमित बजट** से भी कुछ धन भी प्राप्त करती है **,** जिसका उपयोग **ज्यादातर अंतर्राष्ट्रीय कर्मचारी** लागत के लिए किया जाता है।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA) बनाम संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR)

- **UNRWA संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त कार्यालय (UNHCR)** से अलग है, जो कि एक **मुख्य संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी है**, जिसे वर्ष **1950 में** स्थापित किया गया था।

शामिल किए गए क्षेत्र

- **UNRWA** एक **विशिष्ट क्षेत्र** से आने वाले **शरणार्थियों की मदद करने के लिए समर्पित संयुक्त राष्ट्र** की एकमात्र **एजेंसी है, जबकि UNHCR** दुनिया भर में अन्य शरणार्थियों की सहायता के लिए जिम्मेदार है।

शरणार्थी का दर्जा

- **UNRWA** कुछ वंशजों द्वारा अपनाई गई **शरणार्थी स्थिति की अनुमति देता है** लेकिन UNHCR मौजूदा देश में स्थानीय एकीकरण, किसी तीसरे देश में पुनर्वास एवं पुनःनागरिकता के माध्यम से इनके शरणार्थी दर्जे को समाप्त करने में शरणार्थियों की विशेष सहायता करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र II - अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत - द हिन्दू + unrw.org

सभ्यताओं के लिए संयुक्त राष्ट्र गठबंधन

समाचार में क्यों है?

- हाल में सभ्यताओं के संयुक्त राष्ट्र गठबंधन ने (यूएनएओसी) ने फ्रांस में पेरिस के उत्तर-पश्चिमी अर्ध-शहरी क्षेत्र में एक अध्यापक के सर कलम करने की निंदा की है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- फ्रांसीसी अध्यापक को उस वक्त मारा गया जब वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पढ़ा रहा था और अपने छात्रों को इस्लामी पैगम्बर मोहम्मद को निरुपित करने वाले चित्र को दिखला रहा था।

सभ्यताओं पर संयुक्त राष्ट्र गठबंधन (यूएनएओसी) के बारे में

- सभ्यताओं के संयुक्त राष्ट्र गठबंधन (यूएनएओसी) की स्थापना **पूर्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान की राजनीतिक पहल** पर 2005 में हुई थी, इसे **स्पेन और तुर्की की सरकारों** ने सह-प्रायोजित किया था।
- **कोफी अन्नान ने एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समूह का** गठन किया था जिससे वर्तमान में **समाजों और संस्कृतियों** के बीच में **ध्रुवीकरण की जड़ों** का खोजा जा सके और इस मामले को संबोधित करने के लिए **व्यावहारिक कार्यक्रम के कार्य की संस्तुति** की जा सके।
- **उच्च स्तरीय समूह की रिपोर्ट** ने विश्लेषण प्रस्तुत किया और **व्यावहारिक संस्तुतियों को आगे रखा** जोकि **सभ्यताओं के संयुक्त राष्ट्र गठबंधन के लिए क्रियान्वयन योजना का आधार** बना।
- **सभ्यताओं पर संयुक्त राष्ट्र गठबंधन के प्रतिनिधि और सचिवालय न्यूयॉर्क** आधारित और वहीं से **संचालित** हो रहा है।

<u>कार्य</u>

- यह गठबंधन साझीदारों के वैश्विक नेटवर्क को बनाए रखता है जिसमें राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठन, नागरिक समाज समूह, फाउंडेशन और निजी क्षेत्र शामिल हैं जिससे विविध देशों और समुदायों के मध्य अंतर-सांस्कृतिक संबंधों को सुधारा जा सके।
- 2006 की रिपोर्ट में, उच्चस्तरीय समूह ने कार्य के लिए चार प्राथमिकता के क्षेत्रों की पहचान की थी:
  a. शिक्षा
  b. युवा
  c. प्रवसन
  d. मीडिया
- **यूएनएओसी की परियोजना गतिविधियां** इन्हीं **चार क्षेत्रों के इर्द-गिर्द** सीमित हैं जोकि **अंतर-सांस्कृतिक तनावों को कम करने** में मदद देने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और **समुदायों के मध्य सेतु बनाने** का कार्य कर सकते हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **2019 में, मि. मोराटिनोज** ने घोषणा की कि **यूएनएओसी** के अतिरिक्त स्तंभ के रूप में वे **महिलाओं को शांति मध्यस्थों** के रूप में जोड़ने का **प्रस्ताव रखने की मंशा** रखते हैं।

Topic- GS Paper II–International Organization
Source- The Hindu

एससीओ स्टार्टअप मंच

समाचार में क्यों है?

- हाल में **प्रथम एससीओ स्टार्टअप मंच** की शुरुआत **28 अक्टूबर 2020** को **शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)** के वाणिज्य मंत्रियों की बैठक के पूर्व **27 अक्टूबर 2020** को की जाएगी।
- यह मंच **एससीओ सदस्य देशों** के मध्य **बहुपक्षीय सहयोग** और बातचीत के लिए और सामूहिक रूप से उनके **स्टार्टअप पारिस्थितिकीतंत्रों को विकसित करने और तैयार** की आधारशिला रखेगा।

मुख्य ध्यान वाले क्षेत्र

- **30 नवंबर 2020** को भारत की मेजबानी में आयोजित होने वाले **एससीओ देशों के मुखियों** का मुख्य ध्यान वाला क्षेत्र **नवाचार और स्टार्टअप** होंगे।

भारत और स्टार्टअप

- वर्तमान में **भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकीतंत्र** वाला क्षेत्र है जहां कुल **35,000 स्टार्टअप** हैं, जिनमें से 25% **कोर तकनीक वाले स्टार्टअप हैं जोकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, आईओटी, डिजीटल स्वास्थ्य, वित्तीय और शिक्षा तकनीक** के क्षेत्र में संचालित हैं।
- **'स्टार्टअप इंडिया'** ने अपने जन्म से **10 द्विपक्षीय सेतुओं** की शुरुआत की है और कई **तकनीक आधारित स्टार्टअप्स** को **वैश्विक बाजारों में अपने व्यवसायों** को फैलाने में मदद दी है।

संबंधित सूचना

शंघाई सहयोग संगठन के बारे में

- **यह यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन** है जिसकी स्थापना **चीन, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं** ने की थी।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

वर्तमान सदस्य

- **शंघाई सहयोग संगठन में कुल आठ देश** शामिल हैं- **भारत, कजाखस्तान, चीन, किर्गिजिस्तान, पाकिस्तान, रूसी गणराज्य, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान।**

पर्यवेक्षक देश

- **एससीओ में चार पर्यवेक्षक देश** शामिल हैं जिनके नाम हैं **अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया।**

बातचीत साझीदार

- **एससीओ में कुल छह बातचीत साझीदार** हैं जिनके नाम हैं- **अजरबेजान, आर्मेनिया, कम्बोडिया, नेपाल, तुर्की और श्रीलंका।**
- **शंघाई सहयोग संगठन** की **आधिकारिक कार्यकारी भाषाएं चीनी और रूसी** हैं।
- **एससीओ सचिवालय बीजिंग** में हैं जोकि एससीओ की **मुख्य स्थाई कार्यकारी निकाय** है।

<u>भारत और एससीओ</u>

- **भारत** ने **शहरी आपदा संभालने** पर एससीओ की बैठक का आयोजन किया था।
- इसमें **राष्ट्रीय आपदा प्रतियुत्तर बल (एनडीआरएफ)** द्वारा **शहरी भूकंप खोज** और बचाव पर एक **संयुक्त नकली अभ्यास** शामिल था।
- **शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंत्रायलों के मुखियों और विज्ञान एवं तकनीक विभाग** की पांचवीं बैठक **रूस** में हुई थी।
- इस बैठक में, **सदस्य भारत के उस प्रस्ताव पर सहमत हो गए** कि **2020 में प्रधानमंत्रियों की बैठक** का आयोजन किया जाए।
- भारत 2020 में **युवा वैज्ञानिकों** और **नवाचारों के एससीओ मंच** की मेजबानी भी करेगा।

क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक संरचना के बारे में

- **क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक संरचना (आरएटीएस)** जिसका मुख्यालय **ताशकंद, उज्बेकिस्तान** में है, **एससीओ का स्थाई अंग** है जो **आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ सदस्य देशों में सहयोग को प्रोत्साहित करने में मदद प्रदान करता है।**
- **एससीओ महासचिव और एससीओ आरएटीएस की कार्यकारी समिति के निदेशक की नियुक्ति तीन वर्षों के लिए देशों के मुखियों की परिषद द्वारा की जाती है।**

Topic- GS Paper II– International Organization
Source- The Hindu

<u>वित्तीय कार्यवाही कार्य बल **(FATF)**</u>

समाचार में क्यों है?

- हाल में वैश्विक आतंकी वित्तीयन वाचडॉग- **वित्तीय कार्यवाही कार्य बल** (FATF) ने **पाकिस्तान** को **फरवरी 2021** तक **'ग्रे सूची'** में रखने का निर्णय लिया है, यह इसके बावजूद है कि **अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक वित्तीय नियमों** को पूरा करने में **इस्लामाबाद ने प्रगति** की है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

वित्तीय कार्यवाही कार्य बल

- यह एक **वैश्विक वाचडॉग** है जो कि **आरंभ में काले धन को वैध करने से निपटने** के लिए गठित किया गया था, लेकिन **9/11 के आतंकवादी हमले** के बाद इसकी **भूमिका काफी अहम** हो गई।
- इसकी स्थापना 1989 में जी-7 देशों के द्वारा की गई थी, जिसका मुख्यालय पेरिस में है।

उद्देश्य

- इसके उद्देश्यों में **मानक तय करना** और **कानूनी, विनिमयन और प्रचालन उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करना** है जिससे **काले धन को वैध करने, आतंक के वित्तीयन और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली** की निष्ठा से संबंधित खतरों से निपटा जा सके।
- यह इसलिए **नीति निर्माता निकाय** है जो **आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति को उत्पन्न** करने के लिए कार्य करता है जिससे **इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय वैधानिक और विनियमन सुधारों** को लागू किया जा सके।
- यह **संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी समूहों** के **वित्तीयन को समाप्त** करने के लिए सशक्त है।
- **FATF देशों की निगरानी** करता है जिससे यह **सुनिश्चित** हो सके कि वे पूरी तरह से और प्रभावी रूप से **FATF मानकों का क्रियान्वयन करें** और उन देशों पर कार्यवाही करें जो बात नहीं मानते हैं।

सदस्य

- वर्तमान में FATF में कुल **37 सदस्य और 2 क्षेत्रीय संगठन** शामिल हैं, जो विश्व के सभी भागों के **अधिकांश प्रमुख वित्तीय केंद्रों** का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **दो क्षेत्रीय संगठन** हैं- **खाड़ी सहयोग परिषद** और **यूरोपीय आयोग**।
- **भारत** इसका **2010 में पूर्ण सदस्य** बना था।

वित्तीय कार्यवाही कार्य बल की दो सूचियां होती हैं:

ग्रे सूची

- उन देशों को जिन्हें **आतंकी फंडिंग और काला धन वैध करने** के लिए **स्वर्ग** माना जाता है, को **ग्रे सूची में रखा** जाता है।
- यह शामिल करना देश के लिए **चेतावनी के रूप में कार्य** करता है कि वह **काली सूची में डाला जा सकता** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

FATF ग्रे सूची में होने के परिणामः

ग्रे सूची में होने वाले को निम्न परिणाम झेलने पड़ सकते हैं

1. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक के द्वारा आर्थिक प्रतिबंध
2. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और अन्य देशों से ऋण मिलने में समस्या
3. अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कटौती
4. अंतरराष्ट्रीय बायकाट

काली सूची

- वे **देश** जो **असहयोगी देश अथवा क्षेत्र (NCCTs)** कहलाते हैं, को **काली सूची में डाला** जाता है।
- ये देश **आतंकी फंडिंग** और **काला धन सफेद करने की गतिविधियों** का समर्थन करते हैं।
- **FATF काली सूची की नियमित तौर पर समीक्षा** करता है, जिसमें या तो देश जोड़े जाते हैं अथवा हटाये जाते हैं।

नोटः

- **2019 तक**, **FATF** ने आतंकी वित्तीयन को लेकर **उत्तरी कोरिया और ईरान** को **काली सूची में डाला** है।
- **बारह देश ग्रे सूची** में हैं, जिनके नाम हैं: **बहामाज, बोत्स्वाना, कंबोडिया, इथियोपिया, घाना, पाकिस्तान, पनामा, श्रीलंका, सीरिया, त्रिनीडाड और टुबैगो, ट्यूनीशिया** और **यमन**।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

संयुक्त राज्य अमेरिका की 'राज्य आंतकवाद प्रायोजक' सूची

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **संयुक्त राज्य अमेरिका ने सूडान को राज्य आतंकवाद प्रायोजक सूची से हटा** दिया, यह **उत्तर अफ्रीकी देश पिछले 27 वर्षों** से इस सूची का हिस्सा था।

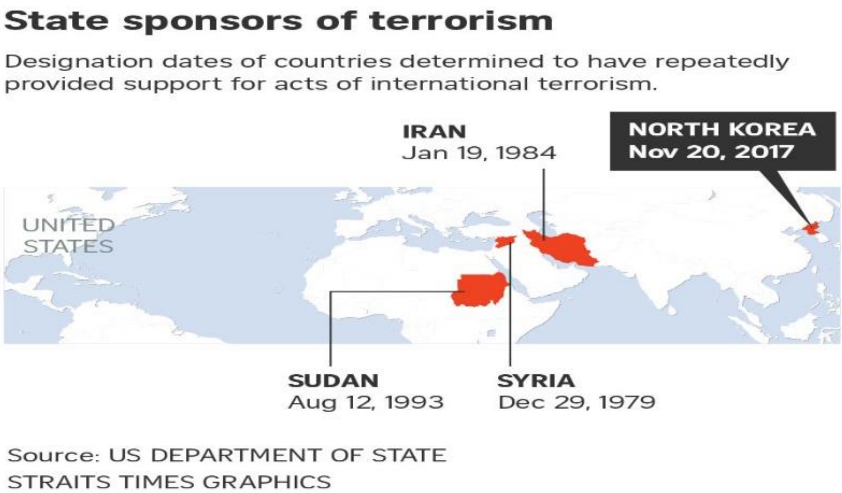

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

संयुक्त राज्य राज्य आंतकवाद प्रायोजक सूची क्या है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट (वह मंत्री जो मूलतः विदेशी मामलों को देखता है) को यह शक्ति दी गई है कि वह **अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के कार्यों को लगातार समर्थन देने** वाले देशों को **"राज्य आतंकवाद प्रायोजक"** के रूप में नामांकित करे।
- **स्टेट डिपार्टमेंट वेबसाइट** के अनुसार, जो देश इस सूची में शामिल हैं उनपर संयुक्त राज्य अमेरिका **चार श्रेणियों के प्रतिबंध** लगा सकता है-

a. संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेशी सहायता पर रोक
b. रक्षा निर्यात और बिक्री पर रोक
c. द्विप्रयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर कुछ नियंत्रण
d. मिलेजुले वित्तीय और अन्य रोक

- ये **प्रतिबंध नामांकित देशों** के साथ **कुछ व्यापार करने वाले देशों और लोगों पर भी लगाये** जा सकते हैं।
- **सूडान के सूची से हटने के बाद**, तीन देश अभी भी सूची में शामिल हैं: **सीरिया (1979 में सूची में शामिल), ईरान (1984) और उत्तर कोरिया (2017)।**
- **सूडान** के अतिरिक्त, अन्य देश जो सूची के हिस्से थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया उनमें **ईराक** (पहले 1982 में हटाया गया, फिर से 1990 में सूची में शामिल किया गया और बाद में 2004 में सूची से हटाया गया), **दक्षिणी यमन** (1990 में जब इसका विलय उत्तरी यमन में हो गया), लीबिया (2006) और **क्यूबा** (2015) शामिल हैं।

कब और कैसे सूडान को इस सूची में डाला गया था?

- **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने **1993 में सूडान को आतंकवाद की सूची** में डाला था, जब उस पर **हिजबुल्लाह और फिलीस्तीनी आतंकवादी संगठनों** जैसे समूहों को पनाह देने का आरोप लगा जिन्हें **वाशिंगटन आतंकवादी मानता** है।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका की आतंकवाद सूची में डाले जाने के बाद सूडान वैश्विक अर्थव्यवस्था** से कट गया और उसके पास पूरी तरह से **विदेशी निवेश की कमी** हो गई।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

सूडान के बारे में

- **सूडान** जिसे आधिकारिक तौर पर **सूडान गणराज्य** कहा जाता है, **उत्तर-पूर्व अफ्रीका** में एक देश है।
- इसके **उत्तर में मिस्र, उत्तर-पश्चिम में लीबिया, पश्चिम में चाड, दक्षिण पश्चिम में केंद्रीय अफ्रीकी गणराज्य, दक्षिण में दक्षिण सूडान, दक्षिण पूर्व में इथियोपिया, पूर्व में इरीट्रिया और उत्तरपूर्व में लाल सागर** है।
- यह **अफ्रीका का तीसरा सबसे बड़ा देश** और अरब दुनिया में **तीसरा सबसे बड़ा देश** है।
- यह **2011 में दक्षिण सूडान के अलग** होने के पूर्व क्षेत्रफल के अनुसार **अफ्रीका** और **अरब दुनिया** का सबसे बड़ा देश था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ऐतिहासिक रक्षा समझौते BECA पर हस्ताक्षर

समाचार में क्यों है?

- **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका** ने हाल में **भू-स्थानिक सहयोग के लिए बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट (BECA) पर हस्ताक्षर** किये हैं।

BECA के बारे में

- **BECA चौथी एवं अंतिम मूलभूत समझ है जो संयुक्त राज्य अमेरिका का भारत के साथ** है।
- यह **संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग की राष्ट्रीय भू-स्थानिक खुफिया एजेंसी और भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के बीच में संचार समझौता** है।
- यह **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका को यह अनुमति देता** है कि वे **सैन्य सूचना जिसमें उन्नत उपग्रह और स्थलाकृतिक आंकड़े** जैसे **मानचित्र, समुद्री और वैमानिकी चार्टों और भूगणितीय, भूभौतिक, भूचुम्बकीय और गुरुत्वाकर्षण आंकड़े** शामिल हैं, को साझा करें।

महत्व

इससे **भारत क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों** जैसे **स्वचालित हार्डवेयर प्रणालियों और हथियारों के सैन्य सटीकता** को उन्नत करने के लिए **संयुक्त राज्य भू-स्थानिक मानचित्रों** का प्रयोग करने में समर्थ हो जाता है।

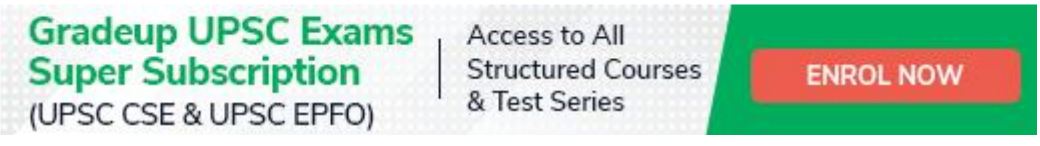

संबंधित सूचना

दोनों देशों ने हस्ताक्षरित किये हैं-

a. जनरल सिक्योरिटी ऑफ मिलेट्री इन्फॉर्मेशन एग्रीमेंट (2002)
b. लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (2016)
c. कम्युनिकेशन कम्पेटीबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट (2018) टू एक्सचेंज मिलेट्री लॉजिस्टिक्स एंड एनेबल सिक्योर कम्युनिकेशंस

जनरल सिक्योरिटी ऑफ मिलेट्री इन्फॉर्मेशन एग्रीमेंट (GSOMIA)

- इसपर **2002 में हस्ताक्षर** हुए थे।
- यह सैन्य बलों को उनके द्वारा **इकठ्ठा की गई खुफिया सूचना** को साझा करने की अनुमति देता है।
- **GSOMIA** के विस्तार के रूप में, **द इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी एनेक्स (ISA)** पर **2019 में 2+2 बातचीत के द्वारा हस्ताक्षर** किये गए थे।

लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (LEMOA)

- इसपर **2016 में हस्ताक्षर** हुए थे।
- इसका उद्देश्य **ईंधन भरने और पुनः पूर्ति करने के** लिए एक दूसरे की **निर्दिष्ट सैन्य सुविधाओं** तक दोनों देशों की पहुँच का है।

कम्युनिकेशन कम्पेटीबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट (COMCASA) के बारे में

- इसपर **2018 में हस्ताक्षर** किये गये थे।
- इसका उद्देश्य **संयुक्त राज्य अमेरिका से भारत** को **उच्च संवेदनशील संचार सुरक्षा उपकरणों** के हस्तांतरण के लिए **एक कानूनी ढांचे को स्थापित** करने का है, जो उनके **सैन्य बलों के बीच में पारस्पारिकता को प्रोत्साहित और सुचारू** बना देगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र- ||- अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

उत्पाद आंकड़े के इलेक्ट्रॉनिक विनिमय के लिए भारतीय डाक, संयुक्त राज्य अमेरिका की डाक सेवा के बीच में समझौते पर हस्ताक्षर

समाचार में क्यों है?

- हाल में **भारतीय डाक विभाग** और **संयुक्त राज्य अमेरिका की डाक सेवा, USPS** के **मध्य दोनों देशों के बीच में उत्पाद आंकड़े के इलेक्ट्रॉनिक विनिमय के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर** किये गये। यह डाक शिपमेंट विनिमय से संबंधित है।

पृष्ठभूमि

- **संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के लिए निर्यात का गंतव्य स्थान** है जिसका **परिलक्षण डाक चैनल के द्वारा वस्तुओं के विनिमय** में होता है।
- **2019 में, बाहर जाने वाले EMS का 20 फीसदी** और भारतीय डाक द्वारा **संप्रेषित किये जाने वाले 30 फीसदी पत्र** और छोटे पैकेट संयुक्त राज्य अमेरिका ही गए हैं जबकि **भारतीय डाक द्वारा प्राप्त किये गए 60 फीसदी पार्सल संयुक्त राज्य अमेरिका** से आए।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

उत्पाद आंकड़े के इलेक्ट्रॉनिक विनिमय के बारे में समझौता

- इस समझौता से **गंतव्य पर किसी अंतरराष्ट्रीय डाक वस्तु के भौतिक रूप से पहुँचने के पूर्व ही इलेक्ट्रॉनिक आंकड़े के संप्रेषण और प्राप्त करना संभव** हो जाएगा और विकसित हो रहे **वैश्विक डाक ढांचे** के अनुसार अग्रिम में **डाक वस्तुओं की उत्पाद क्लीयरेंस** संभव हो जाएगी।
- **विश्वसनीयता, दिखाई देने और सुरक्षा** के संदर्भ में **डाक सेवाओं के प्रदर्शन** में सुधार होगा।

उद्देश्य

- **प्राथमिक उद्देश्य** जो कि इस **समझौते के द्वारा पूरा होगा, देश के विभिन्न हिस्सों से डाक चैनलों के द्वारा छोटे और बड़े निर्यातकों के निर्यातों की आसानी** को बढ़ाना है। इससे विश्व के लिए भारत को **निर्यात केंद्र** बनने में मदद मिलेगी।

महत्व

- समझौते के अनुसार **इलेक्ट्रॉनिक एडवांस आंकड़े का विनिमय** आपसी **वाणिज्य को प्रोत्साहित करने की ओर मुख्य भूमिका निभाएगा** जिसका जोर डाक चैनल के द्वारा **भारत के विभिन्न हिस्सों से संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात** करना होगा।
- संयुक्त राज्य अमेरिका **मध्यम, लघु और सूक्ष्म उत्पादों** का बड़ा गंतव्य स्थल है, जिसमें भारत से **रत्न एवं आभूषण, फार्मास्युटिकल्स और अन्य स्थानीय उत्पाद** शामिल हैं।
- यह **निर्यात उद्योग की बड़ा मांग** को पूरा करेगा जिससे **निर्यात वस्तुओं में उत्पाद क्लीयरेंसेज** में तेजी आएगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I-अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- AIR

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

आर्थिक गतिविधियाँ

गूगल इंडिया ने मेक स्मॉल स्ट्रांग अभियान शुरू किया

ख़बरों में क्यों हैं?

- **गूगल इंडिया** ने **छोटे व्यवसायों का समर्थन** करने और **ग्राहक सहायता** के माध्यम से **मांग** में वृद्धि करने के लिए हाल ही में अपने **देशव्यापी अभियान "मेक स्मॉल स्ट्रांग"** चलाने की घोषणा की है।

गूगल अभियान के बारे में

- **तकनीक दिग्गज गूगल के 'मेक स्मॉल स्ट्रांग'** का उद्देश्य **छोटे व्यवसायों** के लिए **नागरिकों की तरफ से स्थानीय रूप से खरीदकर, प्रतिक्रिया देकर और उनके व्यवसायों के लिए मांग का सृजन करने में सहायता करने के लिए सोशल मीडिया पर अपने पंसदीदा दुकानदारों को प्रोत्साहन देकर सहयोग प्रदान करना है।**
- **यह नई पहल छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों (SMB) की प्रतिक्रिया पर आधारित है।**
- इसकी घोषणा कंतार के सहयोग में गूगल द्वारा एक शोध के हिस्से के रूप में की गयी थी।
- रिपोर्ट के अनुसार, **10 में से 5 व्यवसाय डिजिटल चैनलों के माध्यम से ग्राहकों के साथ जुड़े हुए हैं।**
- हालांकि, **92% व्यवसायों को ग्राहक संबंधित चुनौतियों, कम मांग और निश्चित लागत के भुगतान के** कारण **राजस्व हानि का सामना करना पड़ रहा है।**
- इसलिए, **डिजिटल** जाने की आवश्यकता **अनिवार्य है और** मौजूदा संकट के दौरान **व्यापार वसूली का समर्थन करने के** लिए **SMB** को **तेजी से डिजिटल** बनाने की आवश्यकता है ।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

भारत का विदेशी ऋण

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, **जून 2020 तक भारत का विदेशी ऋण** घटकर **554.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो **गया,** जो **मार्च 2020 के अंत** में अपने स्तर पर **3.9 बिलियन अमरीकी डॉलर की कमी** दर्ज करता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

भारत के विदेशी ऋण में गिरावट के लिए जिम्मेदार कारक

दीर्घकालिक ऋण में कमी

- **दीर्घावधि के ऋण** (एक वर्ष से मूल वास्तविक परिपक्वता) **449.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर था**, जो **मार्च 2020 में** अपने स्तर से **2.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर की गिरावट** को दर्ज करता है।

अल्पकालिक ऋण में कमी

- **अल्पकालिक ऋण** (एक वर्ष तक की मूल परिपक्वता के साथ) का **कुल विदेशी ऋण में हिस्सा जून 2020 में 18.9% तक रह गया है जो मार्च 2020 में 19.1% था।**
- अल्पकालिक ऋण (मूल परिपक्वता) का **विदेशी विनिमय भंडार** से अनुपात **जून 2020 में 20.8% रह गया जो मार्च 2020 में 22.4% था।**

सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के बकाया ऋण में कमी

- **उधारियों के अनुसार वर्गीकरण** से पता चलता है कि **सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों** के बकाया ऋण में **जून 2020 में कमी आयी है।**

भारत के विदेशी ऋण के घटक

- **जून 2020 की समाप्ति तक, अमेरिकी डॉलर प्रभुत्व वाले ऋण का भारत के विदेशी ऋण में सबसे बड़ा भाग था,** जिसके बाद **भारतीय रुपया, येन, SDR और यूरो का स्थान आता है।**
- **कुल विदेशी ऋण में गैर-वित्तीय संगठनों** का **बकाया ऋण में हिस्सा सबसे अधिक** था, जिसके बाद **जमा स्वीकार करने वाले संगठन** (केंद्रीय बैंक को छोड़कर), **सामान्य सरकार और दूसरे वित्तीय संगठन** थे।
- **इंस्ट्रूमेंट के अनुसार वर्गीकरण** से पता चलता है कि **विदेशी कर्ज का सबसे बड़ा घटक ऋण थे जिसके बाद मुद्रा और जमा**, **व्यापार क्रेडिट** और **अग्रिम और ऋण प्रतिभूतियाँ थीं।**
- **वाणिज्यिक उधारियाँ विदेशी ऋण का सबसे बड़ा घटक बनी रहीं** जिसके बाद अप्रवासी **जमा** और **अल्पकालिक व्यापार ऋण थे।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - अर्थशास्त्र

स्रोत: बिज़नेस स्टैण्डर्ड

सरकार ने RBI के मौद्रिक पैनल में 3 नए सदस्यों के नाम जारी किए

ख़बरों में क्यों है?

- **सरकार ने ब्याज दरों** पर निर्णय लेने के लिए RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) के नए सदस्यों के रूप में, **तीन अर्थशास्त्रियों - PMEAC सदस्य आशिमा गोयल**, **NCAER के शशांक भिड़े** और **IIM-अहमदाबाद के प्रोफेसर जयंत वर्मा** को नियुक्त किया है।
- **सरकार द्वारा नामित नए सदस्यों का कार्यकाल चार साल का होगा।**
- MPC के अन्य **तीन पदेन सदस्य रिज़र्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर** (मौद्रिक नीति प्रभारी) **माइकल पत्र** और **कार्यकारी निदेशक जनक राज हैं।**
- पैनल की अध्यक्षता **RBI गवर्नर शक्तिकांत दास कर रहे हैं।**
- **छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति** का उद्देश्य **मुद्रास्फीति** को **4 प्रतिशत वार्षिक रखने के साथ, ऊपरी सीमा को 6%** और **निचली सीमा** को **2 प्रतिशत पर बनाए रखना है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **समिति** की **आखिरी बैठक अगस्त** में **हुई थी, जिसमें समिति** ने **मुद्रास्फीति को कम करने के लिए ब्याज दरों को** अपरिवर्तित **रखने का फैसला किया** था।

संबंधित जानकारी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (PMEAC)

- यह एक **गैर-संवैधानिक और गैर-सांविधिक**, **गैर-स्थायी** और **स्वतंत्र निकाय है।**
- यह **प्रधानमंत्री द्वारा संज्ञान में** लाए गए **और उस पर सलाह देने के लिए सभी महत्वपूर्ण मुद्दों** आर्थिक या अन्य विषयों **का विश्लेषण करने के एकमात्र उद्देश्य के** साथ गठित की जाती है।
- यह महंगाई, जीडीपी परिवर्तन, निर्यात-आयात परिवर्तन, व्यापार एवं वाणिज्य के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने जैसे **आर्थिक मामलों** पर **प्रधानमंत्री को सलाह देती है।**

कार्य

- वे व्यापक आर्थिक विकास और मुद्दों जिसका आर्थिक नीति के साथ संबंध होगा, पर प्रधानमंत्री को एक आवधिक रिपोर्ट सौंपती है।
- यह प्रधानमंत्री द्वारा सौंपे गए किसी भी मुद्दों का विश्लेषण करके उन्हें सलाह प्रदान करती है।
- यह उच्च महत्व वाले **व्यापक आर्थिक मुद्दों का विश्लेषण करके** उसके संबंध में प्रधानमंत्री को अपनी राय देती है तथा प्रधानमंत्री द्वारा सौंपे गए किसी अन्य विषय पर विचार अपनी राय रखती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - अर्थशास्त्र

स्रोत- TOI

अर्थव्यवस्था में मांग को मजबूत करने के लिए वित्त मंत्री की घोषणा

ख़बर में क्यों है?

- उपभोग मांग को पैदा करने और अर्थव्यवस्था में पूंजी खर्च को मजबूत करने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री ने दो प्रकार के उपायों की घोषणा की है।

उपभोक्ता खर्च को बढ़ाने के लिए प्रस्ताव के दो घटक हैं

- एलटीसी कैश बाउटर य़ोजना
- स्पेशल फेस्टिवल एडवांस योजना

एलटीसी कैश बाउचर योजना के बारे में

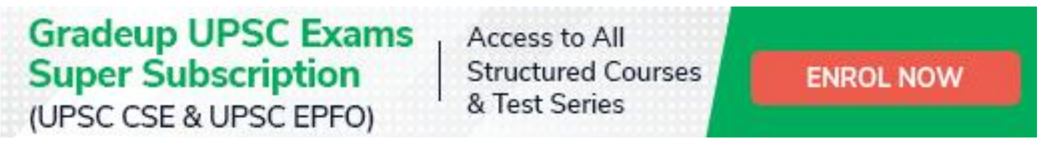

- एलटीसी कैश बाउचर योजना के अंतर्गत, सरकार ने फैसला लिया है कि 2018-21 के दौरान एक एलटीसी के एवज में कर्मचारियों को नकदी भुगतान किया जाएगा, जिसमें 3 फ्लैट दर स्लैब्स में एलटीसी किराये के करमुक्त भुगतान और छुट्टी नकदीकरण पर पूरा भुगतान किया जाएगा। यह भुगतान कर्मचारी के वर्ग पर निर्भर करेगा।

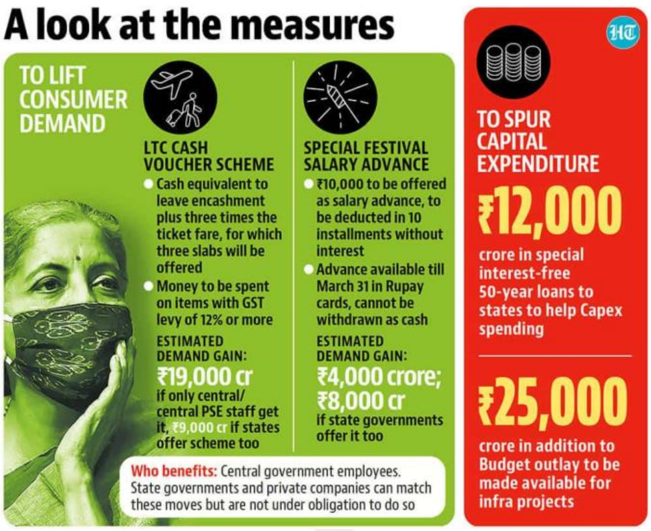

- कोई कर्मचारी जो इस योजना को लेता है, को 31 मार्च 2021 के पूर्व किराये की तीन गुना और छुट्टी नकदीकरण का एक गुना वस्तुएं अथवा सेवाएं खरीदनी होंगी।
- जो भी वस्तुएं खरीदी जाएंगी वे 12% या ज्यादा जीएसटी स्लैब की होंगी। इसमें केवल डिजिटल भुगतान की ही अनुमति ही होगी, इसमें जीएसटी एनवायस को देना होगा।
- एलटीसी कैश बाउचर योजना को पाने के लिए कर्मचारियों के लिए सबसे बड़ा प्रोत्साहन 2021 में अंत होने वाला चार वर्ष का ब्लॉक है।

विशेष फेस्टिवल एडवांस योजना के बारे में

- विशेष फेस्टिवल एडवांस योजना जोकि गैर-राजपत्रित सरकारी कर्मचारियों के लिए है, एक बार के उपाय के रूप में राजपत्रित कर्मचारियों के लिए भी लागू किया जा रहा है।
- सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारी प्रीपेड रुपे कार्ड के रूप में 10,000 रु. का ऋणमुक्त एडवांस प्राप्त कर सकते हैं जिसे 31 मार्च, 2021 तक खर्च करना होगा।

राज्यों के पूंजी खर्च को बढ़ावा

- राज्यों को एक विशेष ऋण मुक्त 50 वर्ष का लोन जारी किया जा रहा है, जोकि कुल रु. 12,000 करोड़ का पूंजी खर्च है (राज्यों को दिए गए ऋणमुक्त लोनों को मार्च 31, 2021 तक खर्च करना होगा)
  - प्रत्येक 8 उत्तर पूर्व के राज्यों के लिए रु. 200 करोड़
  - उत्तराखंड व हिमाचल प्रत्येक के लिए रु. 450 करोड़
  - बाकी राज्यों के लिए रु. 7,500 करोड़, जोकि वित्त आयोग द्वारा विभाजन के साझे के आधार पर होगा

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- राज्यों को एक विशेष ऋण मुक्त 50 वर्ष का लोन जारी किया जा रहा है, जोकि कुल रु. 12,000 करोड़ का पूंजी खर्च है।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र III-अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिन्दू + द हिन्दुस्तान टाइम्स

राज्यों के मुआवजे पर GST परिषद अभी भी अलग-अलग मत बनाए हुए है

खबरों में क्यों है?

- **वस्तु और सेवा कर (GST) परिषद** एकबार फिर **अप्रत्यक्ष कर लागू करने से हुई राज्यों को हुए राजस्व घाटों की क्षतिपूर्ति के लिए उपयोग होने वाले उपकर में गिरावट की पूर्ति करने लिए उधारियों के गर्म मुद्दे पर किसी समझौते तक पहुँचने में असफल रही।**
- **वित्त मंत्री ने**, हालांकि, कहा **केंद्र राज्यों की मदद करने के लिए तैयार है** , जिन्होंने **उपकर कमी को पाटने के लिए उधार लेने का फैसला किया है।**

पृष्ठभूमि

- **वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम एक सौ एक वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2016 लागू होने के बाद 1 जुलाई 2017 से लागू हो गया।**
- GST के साथ, कई **केंद्रीय और राज्य अप्रत्यक्ष कर** एक **ही कर** में विलीन हो गए।
- **केंद्र** ने **पांच साल की अवधि के लिए GST क्रियान्वयन के कारण कर राजस्व** में किसी भी कमी के लिए **राज्यों को मुआवजा देने का** वादा किया।
- इस वादे ने कई अनिच्छुक **राज्यों को नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं हुए।**

GST मुआवजा क्या है?

- **GST (राज्यों को मुआवजा) अधिनियम, 2017** के तहत, राज्यों को **GST के कार्यान्वयन के कारण पांच साल (2017-22) के संक्रमण काल के दौरान राजस्व हानि** के लिए मुआवजे की गारंटी है।
- **मुआवजे की गणना राज्यों के वर्तमान GST राजस्व** और **आधार वर्ष 2015-16** से **सालाना 14% की वृद्धि दर का** आकलन करने के बाद संरक्षित राजस्व के बीच अंतर के आधार पर होती है।
- सरकार द्वारा **GST क्षतिपूर्ति उपकर या GST उपकर** ऐसे **विनिर्माण राज्यों** को **संभावित राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए** पेश किया गया था।
- **क्षतिपूर्ति उपकर पाँच उत्पादों पर लागू किया गया है जिन्हें 'पाप' या विलासी वस्तुओं के** रूप में **वर्गीकृत किया गया है,** जिसका उल्लेख **GST (राज्यों का मुआवजा) अधिनियम, 2017** में उल्लिखित है और इसमें शामिल वस्तुएं हैं - **पान मसाला, तंबाकू और ऑटोमोबाइल** इत्यादि।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **राज्यों को देय मुआवजा उपकर** की गणना **GST कार्यप्रणाली में निर्दिष्ट अधिनियम, 2017 (राज्यों को मुआवजा)** के आधार पर तय की जाती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

राज्य विकास ऋण

समाचार में क्यों हैं?

- **भारतीय रिजर्व बैंक 22 अक्टूबर, 2020** को **राज्य विकास ऋणों (एसडीएल)** की खरीद से संबंधित **प्रथम खुला बाजार (ओएमओ) प्रचालन का आयोजन करेगा।**

समाचार में और भी

- **10 हजार करोड़ रु. मूल्य के ओएमओ** का आयोजन **वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान विशेष मामले** के रूप में किया जाएगा जिसका **उद्देश्य तरलता में सुधार करना** और **सक्षम मूल्यन को प्रोत्साहित** करना है।
- **नीलामी के आकार** को बाद में **बढ़ाया जा सकता** है जो कि **बाजार के प्रतियुत्तर** पर निर्भर करेगा।
- **भारतीय रिजर्व बैंक एसडीएल की खरीद बहु सुरक्षा नीलामी** के द्वारा करेगी जिसके **लिए बहु मूल्य विधि** का प्रयोग किया जाएगा।
- वर्तमान में, **एसडीएल, तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ)** के लिए **पात्र आनुषंगिक** हैं। इसमें **टी-बिल, डेटेड सरकारी प्रतिभूतियां और तेल बांड** भी शामिल हैं।
- ओएमओ का आयोजन एसडीएल की बास्केट के लिए किया जाएगा जिसमें राज्यों द्वारा जारी की गईं प्रतिभूतियां शामिल हैं।

राज्य विकास ऋणों (एसडीएल) के बारे में

- राज्य विकास ऋण राज्यों द्वारा जारी की गईं **डेटेड प्रतिभूतियां** हैं जिन्हें राज्यों द्वारा जारी किया जाता है जिससे **बाजार उधारी जरूरतों** को पूरा किया जा सके।
- प्रभाव में, एसडीएल केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए **डेटेड प्रतिभूतियों के** समान ही होती हैं।

उद्देश्य

- **राज्य विकास ऋणों को जारी करने का उद्देश्य** राज्य सरकारों की बजट जरूरतों को पूरा करना है। प्रत्येक राज्य राज्य विकास ऋणों के द्वारा तय सीमा तक उधारी ले सकता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

एसडीएल प्रतिभूतियां रिजर्व बैंक के एसएलआर और एलएएफ के लिए पाक्ष प्रतिभूतियां हैं

- राज्यों द्वारा जारी की गई **एसडीएल प्रतिभूतियां** बैंकों की **एसएलआर जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वसनीय आनुषंगिक** हैं। साथ ही **आरबीआई के एलएएफ जिसमें रेपो दर भी शामिल** है के अंतर्गत **तरलता को हासिल** करने के लिए आनुषंगिक हैं।

राज्यों के बाजार आधारित उधारी व्यवस्था के रूप में एसडीएल

- **एसडीएल की खास विशेषता** यह है कि यह राज्यों के लिए **बाजारोन्मुखी उपकरण** है जिससे खुले बाजार से पैसे को प्राप्त किया जा सकता है।
- **राज्य की राजकोषीय स्थिति जितनी ऊंची होती है**, उसे **एसडीएल उधारियों** के लिए उतना ही कम **ऋण दर** का भुगतान करना होगा।

Topic- GS Paper III–Economics
Source- The Hindu

भारत की प्रथम सीप्लेन परियोजना

समाचार में क्यों है?

- गुजरात में **पांच सीप्लेन** में से **पहला** जोकि **अहमदाबाद में साबरमती नदी को नर्मदा जिले में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी से जोड़ेगा**, का उद्घाटन **31 अक्टूबर** को किया जाएगा, जोकि **सरदार बल्लभभाई पटेल की जन्म वर्षगांठ** है।

भारत की पहली सीप्लेन परियोजना क्या है?

- **देश की पहली सीप्लेन परियोजना केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रायल के निर्देश** का एक हिस्सा है।
- निर्देश के अनुसार, **भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई)** ने **गुजरात, असम, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना और अंडमान और निकोबार** की राज्य सरकारों से निवेदन किया कि पर्यटन क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए **वाटर एयरोड्रम की स्थापना के लिए संभावित स्थानों को प्रस्तावित करे**।
- **सीप्लेन एक स्थिर पंखों वाला जहाज** होता है जिसे **जल से उड़ने और उतरने के लिए** डिजाइन किया जाता है। यह **लोगों को जहाज की गति** उपलब्ध कराता है लेकिन एक **बोट की तरह से कार्य** करता है।

दो मुख्य प्रकार के सीप्लेन होते हैः

a. उड़ने वाली बोट (अक्सर इन्हें हल सीप्लेन कहते हैं)

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

b. फ्लोटप्लेन्स

इसका पर्यावरण पर क्या प्रभाव होगा?

- पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन सूचीकरण, 2006 की अनुसूची और उसके **संशोधन** में **जल एयरोड्रम अधिसूचित परियोजना/गतिविधि** नहीं है।
- लेकिन, **विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति** इस विचार की थी कि **जल एयरोड्रम परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों** का विमानपत्तन के समान ही प्रभाव होगा।
- नर्मदा में, **शूलपानेश्वर वन्यजीव सेन्चुअरी** प्रस्तावित परियोजना स्थल से **लगभग 2.1 किमी. के आकाशीय दूरी** पर स्थित है जिसका **दिशा दक्षिण-पश्चिम** है जबकि सबसे **करीबी रिजर्व वन पूर्वी दिशा में 4.7 मीटर की दूरी** पर स्थित है जहां **वन्यजीवों की संवेदनशील प्रजातियां** स्थित हैं।

Topic- GS Paper III–Infrastructure
Source- AIR

भारतीय चार्टर्ड अकाउंट्स संस्थान

समाचार में क्यों है?

- हाल में **केंद्रीय कैबिनेट** ने **भारतीय चार्टर्ड अकाउंट्स संस्थान** (ICAI) और **मलेशियाई सर्टीफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स संस्थान** (MICPA) के बीच में **आपसी मान्यता समझौते** को स्वीकृति प्रदान की है जिससे दोनों ही संस्थान के **उपयुक्त योग्य सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) सदस्य** दूसरे **संस्थान से आसानी से जुड़** सकें। इसके लिए उन्हें **वर्तमान अकाउंटेंसी योग्यता** के लिए उपयुक्त श्रेय प्राप्त होगा।

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (ICAI) **के बारे में**

- भारतीय चार्टर्ड अकाउंट्स संस्थान एक **वैधानिक निकाय** है।
- इसकी स्थापना **"चार्टर्ड अकाउंटेंट्स कानून, 1949"** के अंतर्गत की गई थी जिससे भारत में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के **पेशे का विनियमन** किया जा सके।
- यह **कार्पोरेट मामले के मंत्रालय के अंतर्गत संचालित** होती है।
- यह दुनिया में **चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की दूसरी सबसे बड़ी पेशेवर निकाय** है, जिसका **सार्वजनिक हित में भारतीय अर्थव्यवस्था** की सेवा की **एक मजबूत परंपरा** रही है।
- **ICAI के मामले** का **प्रबंधन एक परिषद** द्वारा **चार्टर्ड अकाउंटेंट्स कानून,1949** और **चार्टर्ड अकाउंटेंट्स विनियमन, 1988** के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **संस्थान के 40 सदस्यों** में से **8 का नामांकन केंद्रीय सरकार** द्वारा किया जाता है जोकि सामान्यतया **भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, कार्पोरेट मामले के मंत्रालय, वित्त मंत्रालय** और अन्य हितधारकों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

2016 को औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार वर्ष बनाया गया

समाचार में क्यों है?

- हाल में **श्रम और रोजगार मंत्रालय** ने **औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य संचकांक (CPIIW)** के आधार वर्ष को संशोधन करके **2001 से 2016** कर दिया।
- **श्रम और रोजगार मंत्रालय** ने यह भी कहा कि भविष्य में, **ब्यूरो प्रत्येक पांच वर्षों में सूचकांक के संशोधन** का कार्य करेगा।

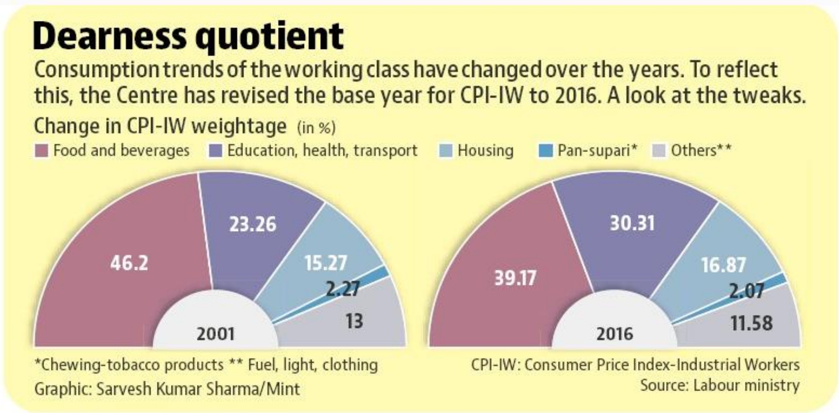

संशोधित CPIIW की मुख्य बातें

- मंत्रालय ने **पहला सूचकांक भी जारी** किया है जिसमें **आधार वर्ष 2016** है।
- सितंबर के लिए सूचकांक, पहले के **78 केंद्रों** की तुलना में **88 केंद्रों** के लिए गणना किया गया और यह **118** था।
- सूचकांक बास्केट में सीधे बनाए रखी गई **वस्तुओं की संख्या 2001 की श्रृंखला के 392 वस्तुओं** की तुलना में बढ़कर **463** हो गई।
- सैंपल आकार **41,040 परिवारों** से बढ़कर **48,384** हो गया और **खुदरा मूल्य को एकत्रित** करने के लिए चुने हुए बाजारों की संख्या **289 से 317** हो गई।
- **भोजन और पेयपदार्थ का वजन 46.2% से घटकर 39%** हो गया, जबकि आवास पर खर्च **15.2% से बढ़कर 17%** हो गया।
- **श्रम और रोजगार मंत्री** ने कहा कि ब्यूरो के **कृषीय कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक** की नई श्रृंखला को जारी करने की संभावना है, जिसका वर्तमान में आधार वर्ष 1986-87 है।
- **अक्टूबर के लिए सूचकांक** को **नवंबर 27 को जारी किया जाएगा।**

इस कदम के पीछे तर्क

- नया आधार वर्ष **बदलती हुए उपभोक्ता अनुक्रम को परिलक्षित** करेगा।
- यह **स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरंजन और अन्य मिश्रित खर्चों पर खर्च को ज्यादा भार** देगा जबकि **भोजन** और **पेयपदार्थों** पर **भार** को घटायेगा।

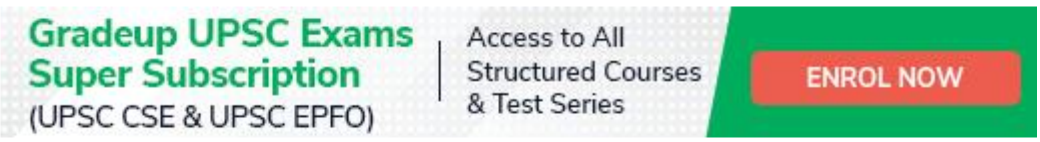

- समय के साथ **भोजन और पेयपदार्थों पर भार** घट गया है जबकि **मिश्रित समूहों का भार 2016 की श्रृंखला** के अंतर्गत काफी ज्यादा बढ़ गया है। यह पूर्व की श्रृंखला के सापेक्ष है।

CPI-IW का महत्व

- **औद्योगिक मजदूरों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक** का प्रयोग **सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते की गणना के बेंचमार्क** के रूप में किया जाता है। इसका प्रयोग पेंशनरों के महंगाई राहत और कुछ क्षेत्रों में औद्योगिक मजदूरों के वेतन के लिए भी किया जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

सीबीएससी ने डिजीटल प्रलेख को पाने के लिए चेहरा पहचानने वाली प्रणाली की शुरुआत की

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **पृथ्वी विज्ञान के मंत्रालय** ने **अचानक बाढ़ मार्ग निर्देशन सेवाओं** को समर्पित किया, जो कि **भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और श्रीलंका जैसे दक्षिण एशियाई देशों** में अपने प्रकार की पहली सेवा है।

दक्षिण एशियाई अचानक बाढ़ मार्ग निर्देशक प्रणाली (FFGS) के बारे में

- इसे **भारतीय मौसम विभाग** द्वारा विकसित किया गया है।
- इस प्रणाली में **भारतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण** और **केंद्रीय जल आयोग** ने भी साझेदारी की है।
- इसका उद्देश्य **आपदा प्रबंधन टीमों को सहायता** देना और बाढ़ की वास्तविक घटना में सरकारों द्वारा की जाने वाले **निकासी योजनाओं** में सहायता देना है।
- **FFGS केंद्र** की **स्थापना नई दिल्ली** में की जाएगी, जहां **सदस्य देशों** से **मौसम मॉडलिंग और वर्षा आंकड़े पर्यवेक्षण के विश्लेषण** को किया जाएगा।
- इसके अंतर्गत, **प्रसार के स्वचालित तरीके** की स्थापना की जाएगी जिसके लिए **हितधारकों** की सहायता ली जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया का भी प्रयोग किया जाएगा, जिससे **उचित समय** पर **आपदा प्राधिकरणों** के पास सूचना पहुँच सके।
- **चेतावनी के रूप में (6 घंटे अग्रिम)** अचानक **बाढ़ का दिशा निर्देशन** और **जोखिम (अग्रिम 24 घंटे)** को **क्षेत्रीय केंद्र द्वारा राष्ट्रीय मौसम एवं जल विज्ञान सेवाओं, राष्ट्रीय एवं राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों** को उपलब्ध कराई जाएगी जिससे वे **दक्षिण एशियाई क्षेत्र के देशों** में ऐसे उपाय कर सके जिससे **जन-धन की हानि को कम** किया जा सके।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र- III- आपदा प्रबंधन

स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

ऋण योजना पर ब्याज माफी

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **रिजर्व बैंक** ने **1 मार्च, 2020** से शुरू होने वाली **छह महीने की छूट अवधि के लिए दो करोड़ रु. तक के ऋण पर ब्याज माफी को क्रेडिट करने के लिए सभी ऋणदाता संस्थानों** से कहा।

ऋण योजना पर ब्याज माफी के बारे में

- **सरकार** ने विशेष ऋण खातों में लेने वालों को छह महीनों के लिए **चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के बीच में अंतर** के **एकमुश्त भुगतान** के लिए **योजना की घोषणा** की।
- योजना के अंतर्गत, **ऋणदाता संस्थानों** को ऋण लेने वालों की कुछ श्रेणियों को **एकमुश्त भुगतान देने का अनुदेश** दिया गया है। इसे **मार्च 1-अगस्त 31, 2020** के बीच के काल के लिए **साधारण ब्याज और चक्रवृद्धि ब्याज के अंतर** से क्रेडिट किया जाएगा।
- सरकार ने **5 नवंबर, 2020** तक ऋण लेने वालों को राशि को **बैंकों द्वारा क्रेडिट करने** के लिए कहा है।
- योजना के अनुसार, **ऋणदाता संस्थान चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के बीच के अंतर** को क्रेडिट करेंगे। इसका संबंध कालावधि के लिए पात्र ऋण लेने के विभिन्न खातों से होगा। हालांकि इसका इससे कोई संबंध नहीं है कि ऋण लेने वाले ने ऋण के **पुनर्भुगतान पर ऋण स्थगन का फायदा उठाया है या नहीं।**
- भुगतान के बाद में ऋणदाता **केंद्र सरकार** से राशि को ले सकता है।

योजना के अंतर्गत क्या कवर किया गया है?

- यह योजना **शिक्षा, आवास, आटोमोबाइल ऋण, मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्यम के ऋण**, पेशेवरों को व्यक्तिगत ऋण, क्रेडिट कार्ड के बकाया, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के ऋण और उपभोग ऋणों को कवर करेगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- AIR

प्राकृतिक गैस जीएसटी के अंतर्गत आएगी

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **वैश्विक ऊर्जा प्रमुख** भारत में **प्राकृतिक गैस के प्रयोग के प्रति काफी आशान्वित** हैं और इस सप्ताह हुए भारत ऊर्जा मंच में **सरकार से प्राकृतिक गैस को जीएसटी कानून के अंतर्गत लाने** का आह्वान किया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

वर्तमान परिदृश्य

- वर्तमान में पेट्रोल, डीजल, उड्डयन टर्बाइन ईंधन, प्राकृतिक गैस और कच्चा तेल **भारत के वस्तु एवं सेवा कर (GST) कानून** के दायरे से बाहर है।
- सरकारी अधिकारियों ने भी **इंगित किया है कि सरकार प्राकृतिक गैस को** GST **कानून के दायरे** में लाने के बारे में सोच रही है।

प्राकृतिक गैस को GST कानून के अंतर्गत लाना क्यों महत्वपूर्ण है?

- **प्राकृतिक गैस को GST के अंतर्गत लाने** से उद्योगों जैसे ऊर्जा एवं इस्पात जो निवेश के रूप में प्राकृतिक गैस का प्रयोग करते हैं, पर **करों के व्यापक प्रभाव में कमी** आएगी।
- **GST कानून** के अंतर्गत **प्राकृतिक गैस के शामिल होने** से **केंद्रीय उत्पाद शुल्क** और राज्यों द्वारा लगाये जाने वाले **विभिन्न मूल्य वर्धित करों** से मुक्ति मिलेगी।
- इससे **प्राकृतिक गैस को अपनाने में वृद्धि** होगी। वैसी भी **सरकार का घोषित लक्ष्य देश के ऊर्जा बास्केट में प्राकृतिक गैस की साझेदारी 6.3% से बढ़ाकर 15%** करने का है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र- अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

पेटेंट (संशोधन) नियम, 2020

समाचार में क्यों है?

- **केंद्र सरकार** ने हाल में **पेटेंट नियमों को संशोधित** किया है जिससे भारत में व्यावसायिक स्तर पर पेटेंट प्राप्त आविष्कार के कार्य के संबंध में **निवेदन जरूरतों को सरल बनाया जा** सके। यह कदम **व्यवसाय को सुगम बनाने की दिशा में एक कदम** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

मुख्य विशेषताएं

- **पेटेंट (संशोधन) नियम, 2020** जो **19 अक्टूबर, 2020 को प्रभाव में आया**, ने प्राथमिकता प्रलेखों के सत्यापित अंग्रेजी अनुवाद के निवेदन और **फार्म 27 के जमा करने** से संबंधित जरूरतों को और सरल बना दिया है।
- नियमों में संशोधन **अप्रैल 2018** में **दिल्ली हाईकोर्ट के एक आदेश** के बाद हुआ।
- **नये नियमों के अनुसार**, पेटेंट कराने वाला **एकल या बहु संबंधित पेटेंट** के संदर्भ में **एक फार्म-27** को दायर करने में लचीलापन हासिल करता है।
- जहां पेटेंट एक या ज्यादा लोगों को दिया जाता है, ऐसे व्यक्ति **संयुक्त फार्म-27 दायर** कर सकते हैं।
- इसके अतिरिक्त, **पेटेंट लेने वालों को** अब **लगभग राजस्व/मूल्य अर्जन** को उपलब्ध कराने की जरूरत है, जबकि प्राधिकृत एजेंट **पेटेंट लेने वालों की तरफ से फार्म-27 को जमा** कर सकते हैं।

बढ़ाया गया समय

- **फार्म-27 को दायर करने के लिए पेटेंट लेने वाले के पास उपलब्ध समय** को भी **छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया** है, जबकि **वर्तमान में यह तीन महीने था**, जो कि **वित्तीय वर्ष के समाप्त होने पर** लागू होता है।
- **पेटेंट लेने वालों को अब फार्म-27 दायर** करने की जरूरत **वित्तीय वर्ष के हिस्से के संदर्भ** में नहीं है।

प्राथमिकता प्रलेख

- प्राथमिकता प्रलेखों को जमा करने पर **नियम 21 के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन** किये गये हैं। यदि **प्राथमिकता प्रलेख WIPO's** (विश्व बौद्धिक संपत्ति संगठन) के **डिजिटल पुस्तकालय** में उपलब्ध है तो आवेदक को इसे **भारतीय पेटेंट कार्यालय** में जमा करने की जरूरत नहीं होगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-III- अर्थशास्त्र

स्रोत- दि हिंदू बिजीनेस लाइन

राष्ट्रीय कार्यक्रम और परियोजना प्रबंधन नीति ढांचा

समाचार में क्यों है?

- **नीति आयोग और भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI)** ने **हाल में 'राष्ट्रीय कार्यक्रम और परियोजना प्रबंधन नीति ढांचा' (NPMPF)** की शुरुआत की है जिसका उद्देश्य जिस तरह से भारत में **अवसंरचना परियोजनाओं** का क्रियान्वयन किया जाता है उनमें **क्रांतिकारी सुधार** लाना है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम और परियोजना प्रबंधन नीति ढांचा के बारे में

- इसे **नीति आयोग और भारतीय गुणवत्ता परिषद** द्वारा विकसित किया गया है जिसने परियोजना मापन से जुड़े परियोजना प्रबंधकों के लिए **चार स्तरीय प्रमाणीकरण प्रणाली प्रस्तावित** किया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- इसका उद्देश्य भारत में जिस तरह से **अवसंरचना परियोजनाओं** को तैयार किया जाता है उसमें **क्रांतिकारी सुधार** करना है।
- **NPMPF प्रधानमंत्री के स्वप्न आत्मनिर्भर भारत** को पूरा करने में मदद देगा जिसके द्वारा **मजबूत भारत का निर्माण** होगा, जिसमें हमें **अच्छी गुणवत्ता की अवसंरचना** की जरूरत है।
- इस **ढांचे का उद्देश्य जिस तरह से भारत में विशाल अवसंरचना परियोजनाओं का प्रबंधन** किया जाता है, उसमें क्रांतिकारी सुधार करने का है, जिसकी कार्य योजना हैः

1. अवसंरचना विकास के लिए कार्यक्रम और परियोजना प्रबंधन दृष्टिकोण को अपनाना
2. कार्यक्रम और परियोजना प्रबंधन के पेशे को संस्थागत बनाना और प्रोत्साहित करना और ऐसे पेशेवरों की कार्यशक्ति का निर्माण करना
3. पेशेवरों की संस्थागत क्षमता और सामर्थ्य का उन्नयन करना

संबंधित सूचना

भारतीय गुणवत्ता परिषद के बारे में

- भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) की **स्थापना 1997 में भारत सरकार ने भारतीय उद्योग** के साथ मिलकर की थी। यह एक **स्वायत्त निकाय है जो औद्योगिक नीति और प्रोत्साहन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय से जुड़ा** हुआ है।

अध्यक्ष

- **QCI का अध्यक्ष** सरकार को **उद्योग की संस्तुति** पर **प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त** किया जाता है।
- इसका शासनादेश **अनुरूपता आकलन निकायों** के लिए **राष्ट्रीय प्रत्यायन संरचना** (NAS) को स्थापित और प्रचालित करने का है। साथ ही यह **स्वास्थ्य, शिक्षा और गुणवत्ता प्रोत्साहन में प्रमाणन** भी उपलब्ध कराती है।
- **प्रमाणीकरण निकायों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (NABCB) और परीक्षण एवं मापांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (NABL) राष्ट्रीय गुणवत्ता परिषद के लिए दो प्रत्यायन बोर्ड** हैं।
- ये **दो निकाय** आपस में करीब से काम करके **सरकार और विनिमायकों का समर्थन** करते हैं जिससे यह सुनिश्चित होता है कि **प्रत्यायित अनुरूपता आकलन निकायों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े** निर्णय लेने, अनुपालन परीक्षण और मानकों को तय करने के संदर्भ में **मजबूत, विश्वसनीय और विश्वासयोग्य** हों ।

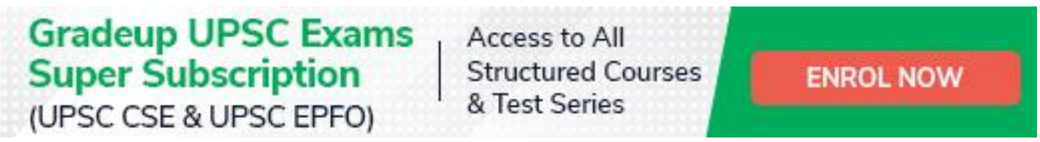

- **भारतीय गुणवत्ता परिषद** में भारतीय उद्योग का प्रतिनिधित्व **तीन प्रमुख उद्योग संघों** द्वारा किया जाता है जो निम्न हैं:

a. भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (ASSOCHAM)
b. भारतीय उद्योग परिसंघ (CII)
c. भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल संघ (FICCI)

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अवसंरचना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

gradeup

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

विज्ञानं एवं तकनीकि

स्वदेशी बूस्टर के साथ ब्रहमोस मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **भारत ने सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल ब्रहमोस का सफलतापूर्वक** परीक्षण किया जिसमें स्वदेशी बूस्टर और एयरफ्रेम भाग के साथ कई अन्य "मेक इन इंडिया" उप-प्रणालियों शामिल हैं।
- **यह मिसाइल परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, DRDO द्वारा ओडिशा के बालासोर** से किया गया है।
- **ब्रहमोस थल आक्रमण क्रूज़ मिसाइल ने 2.8 मैक की शीर्ष गति** प्राप्त की।
- यह स्वदेशी वस्तुओं में सुधार करने का एक और प्रमुख कदम है।

ब्रहमोस के बारे में

- **ब्रहमोस मिसाइल को** भारत के **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन** (**DRDO**) और **रूस** के **फेडरल स्टेट एंटरप्राइज़ PO माशिनोस्ट्रोइनिया (NPOM)** के संयुक्त उद्यम **ब्रहमोस एयरोस्पेस** एक के माध्यम से **अंतर-सरकारी समझौते द्वारा की गई है।**
- **ब्रहमोस नाम भारत की ब्रहमपुत्र और रूस की** मोसकवा नदी पर रखा गया है।
- यह एक दो चरणीय (पहले चरण में ठोस प्रणोदन इंजन और दूसरे चरण में द्रव रामजेट इंजन) **वायु से सतह मिसाइल है जिसकी उड़ान सीमा 300 किलोमीटर है।**
- हालांकि, भारत के **मिसाइल तकनीक नियंत्रण सीमा (MTCR)** में **प्रवेश** ने **ब्रहमोस** मिसाइल की सीमा को, इसकी **वर्तमान MTCR** छायांकित **सीमा 300 किलोमीटर से बढ़ाकर 450 किमी -600 किमी तक** बढ़ा दिया है।
- ब्रहमोस **2.5 टन के वजन के** साथ **Su-30 MKI लड़ाकू विमान पर तैनात** होने वाला **सबसे भारी हथियार** है।
- **ब्रहमोस** एक **मल्टीप्लायर है** अर्थात इसे **भूमि, वायु और समुद्री** और **बहु क्षमता वाली मिसाइल** से लॉन्च किया जा सकता है, जो **पिनपॉइंट** सटीकता के साथ है जो **किसी भी मौसम में** दिन और **रात** दोनों में दागी जा सकती है**।**
- यह **"दागो और भूल जाओ"** के सिद्धांत पर कार्य करती है यानि इसे **छोड़ने के बाद आगे दिशा देने की** आवश्यकता नहीं है**।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- ब्रह्मोस अभी तक की सबसे तेजी वाली क्रूज मिसाइलों में से एक है, जो वर्तमान **में मैक 2.8 की गति के साथ चलती है**, जो **ध्वनि की गति से 3 गुना अधिक है**।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

इसरो ने 2025 में अपना शुक्र (वीनस) मिशन शुरू किया

ख़बरों में क्यों है?

- **फ्रेंच अंतरिक्ष एजेंसी CNES** ने हाल ही में घोषणा की कि वह में **इसरो के वीनस मिशन 'शुक्रयान'** में भाग लेने जा रही है।
- मिशन **2025 में शुरू** होने जा रहा है।

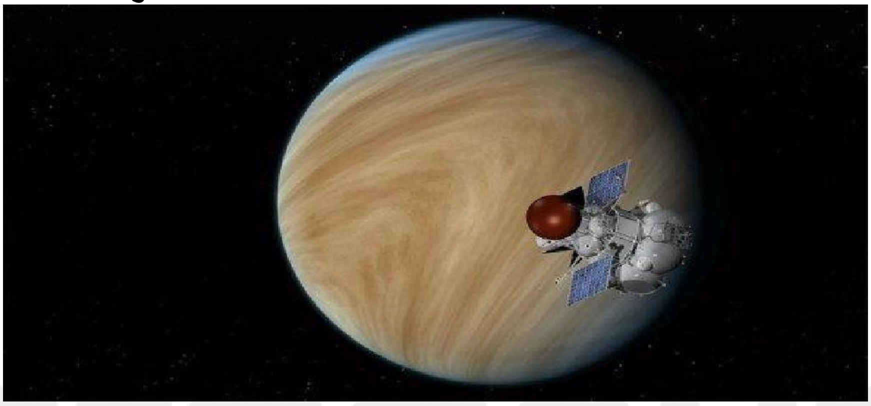

शुक्रयान -1 के बारे में

- **शुक्रयान-1 मिशन** शुक्र पर **सक्रिय ज्वालामुखियों की उपस्थिति की पुष्टि करेगा।**
- शुक्रयान-1 **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** का एक प्रस्तावित मिशन है।
- मिशन को वर्ष **2023 में लॉन्च किया** जाएगा।

मिशन का उद्देश्य

- **शुक्र** की **सतह** और **वातावरण का** अध्ययन करना।

संबंधित जानकारी

- **इसरो** ने **VIRAL (वीनस इन्फ्रारेड एटमॉसफेरिक गैस लिंकर)** उपकरण का भी चयन किया है, **जिसे रूसी संघीय अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस** और **फ्रांसीसी राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र CNRS** से जुड़ी **LATMOS वायुमंडल**, पर्यावरण और अंतरिक्ष अवलोकन प्रयोगशाला द्वारा सह-विकसित किया गया है।

अकात्सुकी मिशन

- **जापान का अकात्सुकी** जिसे **वीनस क्लाइमेट ऑर्बिटर और प्लैनेट- C के** नाम से भी जाना जाता **है**, वर्तमान में **शुक्र के चारों ओर घूम रहा है।**
- **इसे शुक्र** के **वातावरण का** अध्ययन करने का काम सौंपा गया है ।
- **अकात्सुकी, जापानी वीनस जलवायु ऑर्बिटर** है जिसे **वीनस की जलवायु प्रणाली की जांच** करने के लिए डिजाइन किया गया था।
- **ऑर्बिटर 21 मई 2010 को छोड़ा गया था** और वह **7 दिसंबर 2010 को शुक्र ग्रह तक पहुँच गया था।**

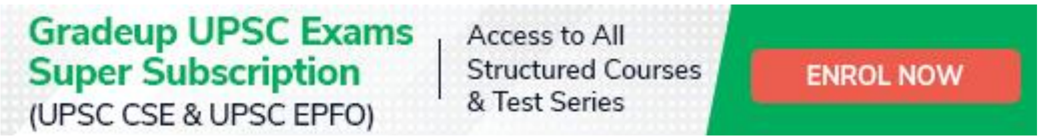

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **शुक्र ग्रह के चारो ओर 30 घंटे की कक्षीय अवधि** बनाए रखने के लिए **अकात्सुकी को पश्चिम की तरफ भूमध्यरेखीय कक्षा में पहुँचाने के लिए** कक्षीय **गतीय इंजन द्वारा थ्रस्ट** डाला जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

सामाजिक सशक्तिकरण के लिए जिम्मेदार AI (RAISE), 2020

ख़बरों में क्यों है?

- **इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** और **NITI आयोग 5-9 अक्टूबर, 2020** से **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पर एक वैश्विक वर्चुअल शिखर सम्मेलन, RAISE 2020- 'रिस्पॉन्सिबल AI फॉर सोशल इम्पावरमेंट, 2020' का** आयोजन कर रहे हैं।

RAISE 2020 के बारे में

- **RAISE 2020 कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित अपनी तरह का पहला** वैश्विक सम्मेलन है जो **जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता** के माध्यम से **सामाजिक रूपांतरण के लिए भारत की सोच को आगे ले जाएगा।**
- यह **विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए विशेषज्ञों की एक वैश्विक बैठक आयोजित करेगा और** इसमें **सामाजिक रूपांतरण, समावेशन** और **अन्य क्षेत्रों के साथ स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, शिक्षा और स्मार्ट मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में सशक्तिकरण** के लिए AI उपयोग हेतु एक मार्ग तैयार करता है।
- यह कार्यक्रम **वैश्विक उद्योग नेताओं,** प्रमुख राय निर्माताओं, **सरकार के प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों से मजबूत भागीदारी का गवाह** बनेगा।
- **औद्योगिक विश्लेषकों का** अनुमान है कि **कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष 2035 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में 957 बिलियन अमरीकी डॉलर** की वृद्धि कर सकती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

ब्रेथप्रिंट बायोमार्कर

ख़बरों में क्यों है?

- वैज्ञानिकों ने **सांस में पाए जाने वाले बायोमार्कर "ब्रेथप्रिंट"** की मदद से, **पेप्टिक अल्सर** के वाहक **जीवाणु की शुरुआती निदान के लिए हाल में एक तरीके** की खोज की है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

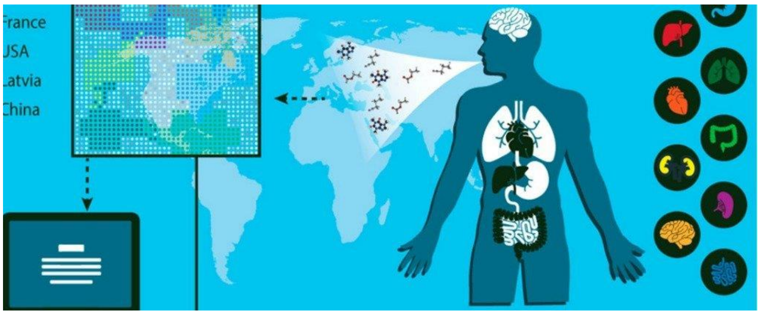

'ब्रेथप्रिंट ' बायोमार्कर के बारे में

- **नया बायोमार्कर 'ब्रेथप्रिंट'** के मनुष्य द्वारा छोड़ी गई सांस के अर्ध-भारी जल में **"हेलिकोबैक्टर पायलोरी"** के निदान में पाया गया है।
- **बायोमार्कर** का इस्तेमाल **जीवाणु के शीघ्र निदान के लिए किया** जाएगा जिससे **पेप्टिक अल्सर होता है।**
- ***हेलिकोबैक्टर पाइलोरी*** को आमतौर पर **पारंपरिक और दर्दनाक एंडोस्कोपी और बायोप्सी परीक्षण** द्वारा जांच की जाती **है** जो प्रारंभिक निदान और फॉलो-अप के लिए उपयुक्त नहीं हैं।
- टीम ने पहले से ही **विभिन्न गैस्ट्रिक विकारों** और ***हेलिकोबैक्टर पाइलोरी* संक्रमण के निदान के** लिए **पेटेंट किया हुआ 'पायरो-ब्रीथ' उपकरण विकसित किया है** ।

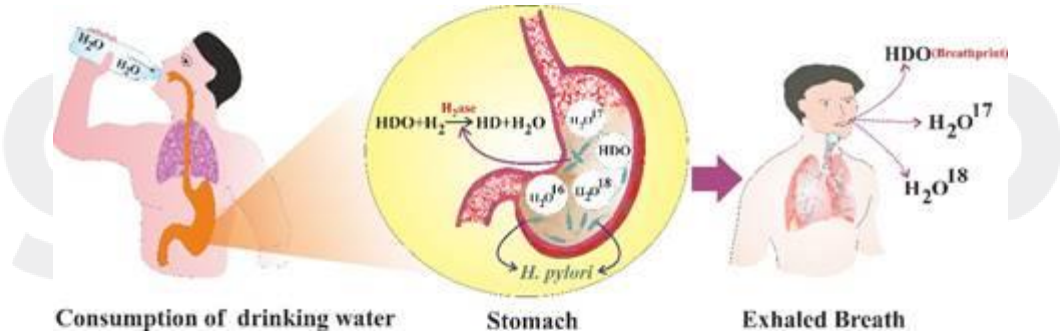

हेलिकोबैक्टर पाइलोरी के बारे में

- यह एक **सामान्य प्रकार का जीवाणु है** जो **पाचन क्रिया** में बढ़ता **है** और **पेट की परत** पर **हमला करता है**।
- ***एच. पाइलोरी*** संक्रमण आमतौर पर **नुकसानदेह** नहीं होते हैं, लेकिन ये अधिकांशतः **पेट** और **छोटी आंत में अल्सर** के लिए जिम्मेदार होते हैं।
- **"हेलिको" शब्द का अर्थ है कुंडलीनुमा** है, जो **इंगित करता है कि जीवाणु का आकार कुंडलीनुमा** है।
- ***हेलिकोबैक्टर पाइलोरी* पेट के कठोर, अम्लीय वातावरण** में रहने के लिए अनुकूलित है।
- ***एच. पाइलोरी*** का **सर्पिलकार रूप** उन्हें **पेट के अस्तर में प्रवेश** करने की अनुमति देता है, जहां वे **बलगम द्वारा संरक्षित** होते हैं और **मानव शरीर की प्रतिरक्षा कोशिकाएं उन तक पहुंचने में सक्षम** नहीं **होती** हैं।

नोट:

- **'ब्रेथोमिक्स' मानव श्वांस में विभिन्न जल अणु प्रजातियों का अध्ययन है, अर्थात् यह मानव द्वारा छोड़ी गई सांस में विभिन्न जल समस्थानिकों की खोज करता है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्रोत- PIB

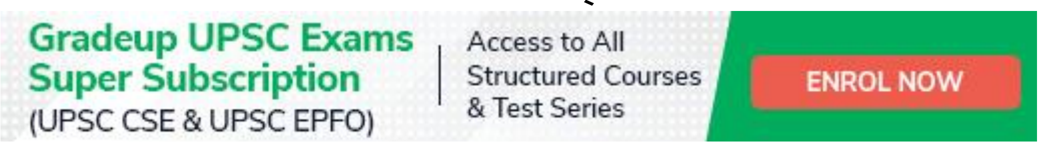

भौतिकी में 2020 का नोबेल पुरस्कार तीन ब्लैक होल शोधकर्ताओं को मिला

खबरों में क्यों हैं?

- हाल ही में **ब्रिटेन के रोजर पेनरोस**, **जर्मनी के रेनहार्ड गेंजेल** और **अमेरिका के एंड्रिया गेज़** को नोबेल समिति द्वारा "ब्रह्मांड में सबसे अधिक आकर्षित घटनाओं में से एक**, ब्लैक होल"** पर अपने शोध के लिए **नोबेल भौतिकी पुरस्कार** दिया गया है।

Making a mark: (From left) Reinhard Genzel, Andrea Ghez and Roger Penrose were awarded the Nobel Prize for Physics on Tuesday. •AP & AFP

- **पेनरोज़ को "सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत से ब्लैक होल के निर्माण के जन्म"** दिखाने के लिए सम्मानित किया गया, जबकि **गेंजेल और गेंज को उनकी "हमारी आकाशगंगा के केंद्र में एक बहुत भारी और अदृश्य वस्तु तारों की कक्षा को नियंत्रित करती है"** बताने के लिए संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया है।
- **गेज़ सन् 1901 से जब पहली बार नोबेल पुरस्कार दिए गए थे, तब से भौतिक के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने वाली मात्र चौथी महिला हैं।**
- **भौतिकी में पहला नोबेल पुरस्कार जीतने वाली महिला मैडम क्यूरी (1903) थीं, जो दो नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली इसांन थी, जब इन्होंने सन् 1903 में रसायन के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जीता था।**

संबंधित जानकारी

ब्लैक होल के बारे में

- यह **अंतरिक्ष में** एक **बिंदु** है जहां **द्रव्य इतना संकुचित होता है** कि एक **गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र बन जाता है जिससे प्रकाश भी आगे नहीं निकल सकता है।**
- इस अवधारणा को **1915 में अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा प्रतिपादित किया** गया था और **'ब्लैक होल'** शब्द **अमेरिकी भौतिक विज्ञानी जॉन आर्चीबाल्ड व्हीलर द्वारा 1960 के दशक** के मध्य में गढ़ा गया था।
- इससे पहले देखे गए ब्लैक होल को दो श्रेणियों में बांटा गया था लेकिन बाद में एक और ब्लैक होल की खोज हुई जिसे **इंटरमीडिएट मास ब्लैक होल के** नाम से जाना जाता है।

अन्य दो हैं

a. स्टेलर ब्लैक होल

b. सुपरमैसिव ब्लैक होल

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

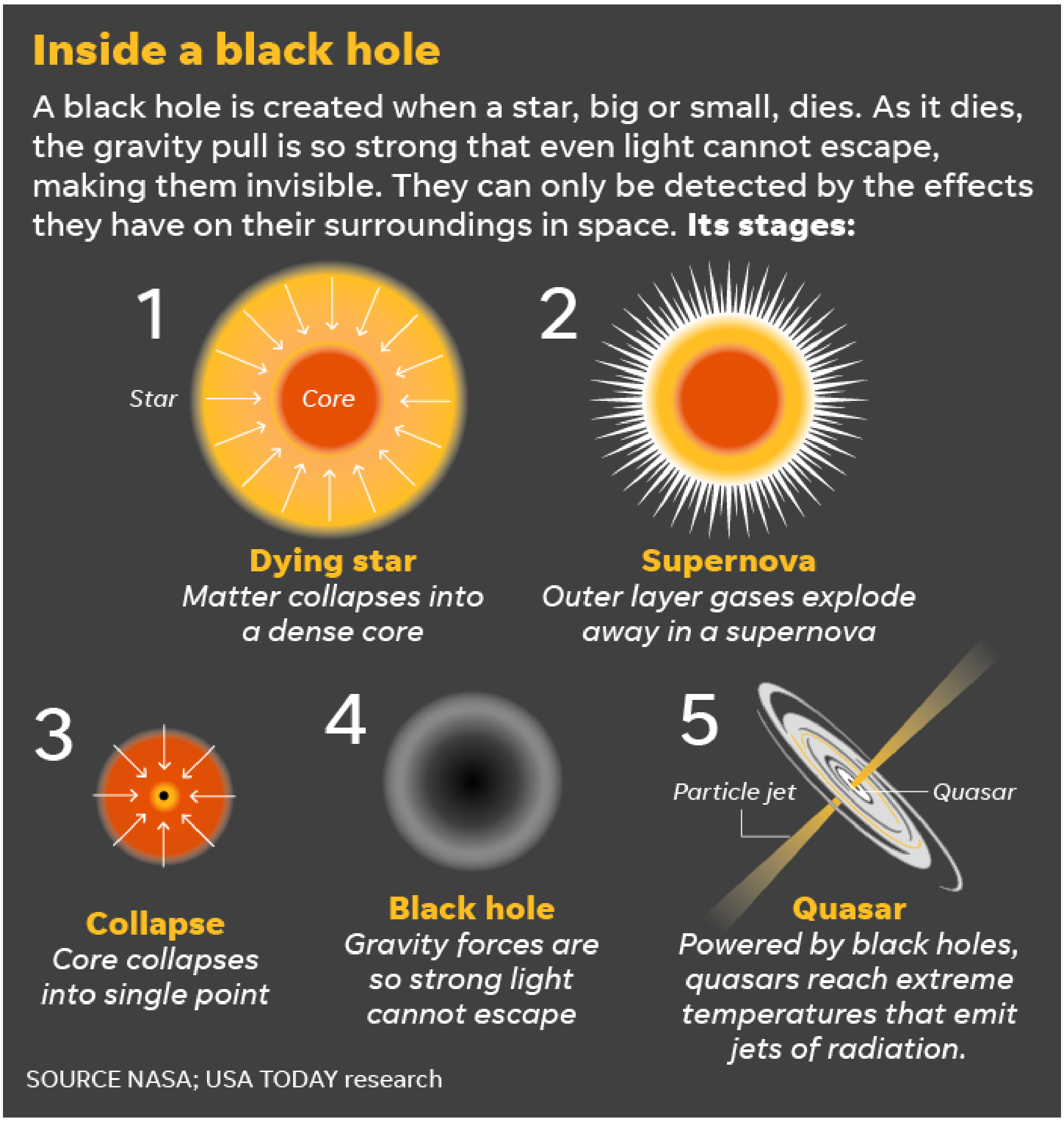

स्टेलर ब्लैक होल के बारे में

- इसका निर्माण किसी विशालकाय तारे की विस्फोटक मौत से गुजरने पर होता है, जिसे सुपरनोवा कहा जाता है।
- यह विस्फोट, जो लगभग एक सप्ताह तक **तारों की एक पूरी आकाशगंगा को अंधकारमय बना** सकती है, **तारे** की **छोटे, भारी कोर** पीछे छोड़ देती है।
- यदि यह कोर **पर्याप्त रूप** से **विशाल होती है**, तो यह अपने आप में **गिर** जाएगी और एक **ब्लैक होल का निर्माण करेगी**। (हमारा सूर्य का ईंधन समाप्त हो जाने पर, एक ब्लैक होल का निर्माण करने के लिए यह बहुत छोटा और पर्याप्त रूप से विशालकाय नहीं है।)
- एक **सामान्य तारकीय वर्ग के ब्लैक होल में लगभग 3 से 10 गुना सौर द्रव्यमान होता है।**

सुपरमासिव ब्लैक होल के बारे में

- यह हमारी **आकाशगंगा मिल्की-वे** सहित **अधिकांश आकाशगंगाओं** के **केंद्र** में मौजूद है।
- वे **आश्चर्यजनक रूप से भारी हैं, जिनमें लाखों से लेकर अरबों सौर द्रव्यमान है।**

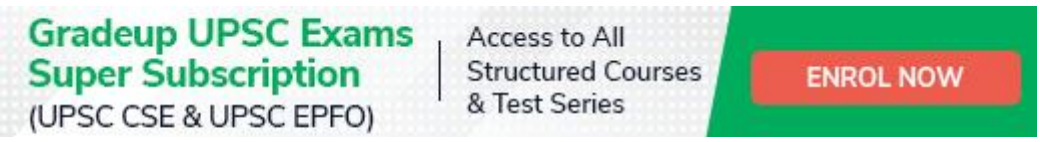

मध्यवर्ती द्रव्यमान वाले ब्लैक होल

- **मध्यवर्ती द्रब्यमान वाले ब्लैक होल** में **100 और 1000 सौर द्रव्यमान के बीच द्रव्यमान होने का अनुमान है।**
- कोई भी एक **तारा कभी भी** इतना **भारी ब्लैक होल नहीं बना सका है।**
- **अप्रैल 2019** में, **इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप परियोजना में वैज्ञानिकों ने** पहली बार **ब्लैक होल की तस्वीर** (यथार्थ रूप में इसकी परछाई की तस्वीर) जारी की थी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

जीन 'कैंची' के निर्माताओं को 2020 का रसायन विज्ञान नोबेल पुरस्कार

ख़बरों में क्यों हैं?

- **फ्रांस की इमैनुएल कार्पेंटियर** और **अमेरिका** की **जेनिफर डूडना** ने हाल ही में **CRISPR-Cas9 डीएनए स्निपिंग "कैंची" के** रूप में ज्ञात **गुणसूत्र-संपादन तकनीक** को **विकसित करने के** लिए **रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल सम्मान** जीता है।
- यह पहली बार है जब **नोबेल विज्ञान पुरस्कार** किसी **महिला टीम में ही गया है** ।

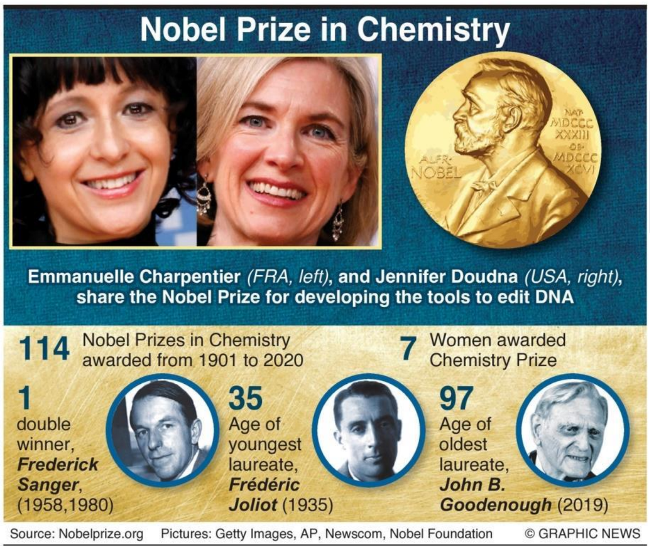

CRISPR-Cas9 डीएनए के बारे में,

- CRISPR-Cas9 प्रणाली में **दो अणु** होते हैं **जो डीएनए में** एक **संपादन करते हैं।**

a. Cas9

- यह एक **एंजाइम है जो 'आणविक कैंची** की एक जोड़ी के रूप में कार्य करता है।
- यह **जीनोम में एक विशिष्ट स्थान पर डीएनए के दो कड़ियों** (संवेदी और प्रति-संवेदी) **को काटने** की **क्षमता रखता है।**

b. गाइड आरएनए (gRNA)

- यह एक **लंबे आरएनए संरचना** के भीतर स्थित **पूर्व-निर्मित किए गए RNA अनुक्रम** का एक **छोटा (20 क्षार) टुकड़ा** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **gRNA गाइड Cas9** को **जीनोम के नियोजित भाग की तरफ दिशा देता है और काटने के सही स्थान को सुनिश्चित करता है।**
- gRNA में क्षार होते हैं जोकि **DNA में एक बहुत विशिष्ट लीगो टुकड़े में** लक्षित अनुक्रम का पूरक होता है।
- यह **सिद्धांत यह सुनिश्चित करता है कि gRNA** केवल **वांछित अनुक्रम** से **बंधा होता है** और **कहीं भी लक्ष्य से अलग नहीं।**
- **Cas9 कैंची एंजाइम** को एक **वांछित स्थान पर** निर्देशित किया जाता है **और DNA के दोनों कड़ियों में काटा जाता है।**

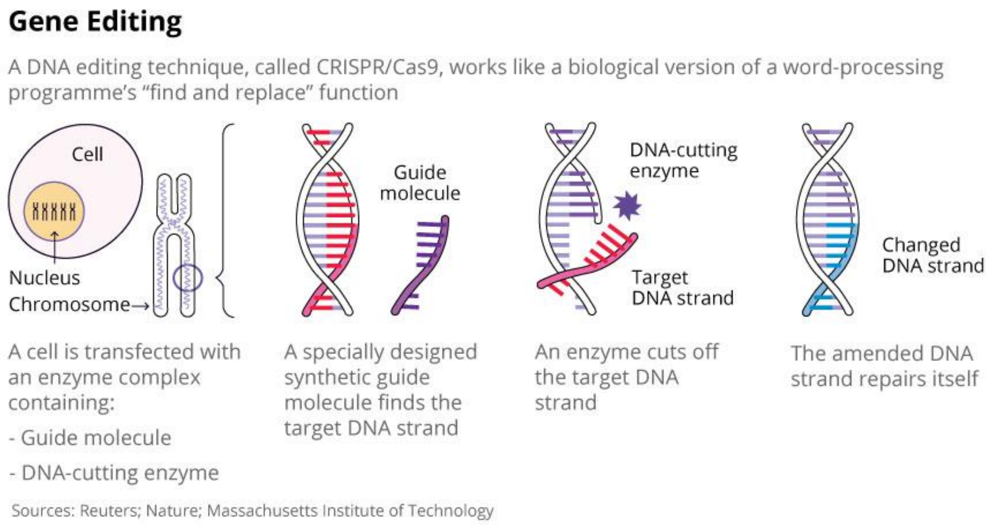

- **एलिकांटे विश्वविद्यालय के फ्रांसिस्को मोजिका 1993 में CRIPR लोकस** की पहचान करने वाले पहले व्यक्ति थे।
- इससे पहले **जापानी शोधकर्ता योशिज़ुमी इशीनो** में सन् **1987 में इसके एक हिस्से के बारे में बताया था, लेकिन यह मोजिका थे** जो अनुक्रम और उसके कार्य का पूरी तरह से अध्ययन करने में समर्थ थे।

महत्व

- इनका उपयोग करके, **शोधकर्ता जानवरों, पौधों और सूक्ष्मजीवों के DNA** को **अत्यधिक उच्च परिशुद्धता के** साथ **बदल सकते हैं ।**
- इस **तकनीक** ने **जीवन विज्ञान पर** एक **क्रांतिकारी प्रभाव डाला है**, यह **नए कैंसर उपचारों में योगदान दे रही है** और **वंशानुगत बीमारियों का इलाज** भी कर रही है।

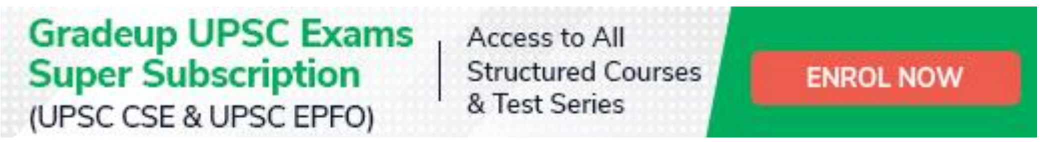

- **वर्ष 2018 में चीन** में, वैज्ञानिक ही **जैनकुई ने एक अंतर्राष्ट्रीय घोटाला किया** जब उन्होंने **CRISPR का** इस्तेमाल करके **पहला गुणसूत्र संशोधित मनुष्य** बनाया।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट (TRP)

ख़बरों में क्यों है?

- **मुंबई पुलिस** हाल ही में **टेलीविजन रेटिंग प्वांइट (TRP) के हेरफेर** से जुड़े एक घोटाले की छानबीन कर रही है जिसमें **ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (BARC), भारत** द्वार इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस में हेरफेर की जाती है, जिसके पास भारत में टेलीविज़न दर्शकों को मापने का पैमाना होता है।

टेलीविजन रेटिंग पॉइंट्स के बारे में

- TRP यह दर्शाता है कि कितने लोगों ने, किस **सामाजिक-आर्थिक श्रेणियों से, एक** विशेष अवधि के दौरान कितने समय तक किस चैनल को देखा है।

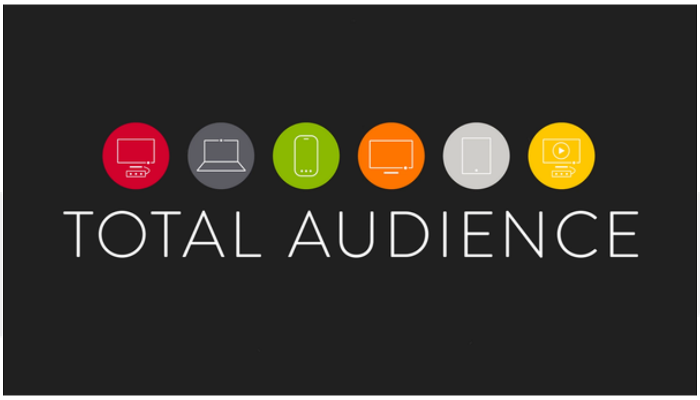

विधि:

- यह **एक घंटे**, एक **दिन या एक सप्ताह के लिए भी हो सकता है**।
- भारत **एक मिनट** के **अंतरराष्ट्रीय मानक का** पालन करता है।
- **डेटा आमतौर पर हर हफ्ते सार्वजनिक किया जाता है।**
- **TRP की गणना करने के** लिए, **BARC 45,000 से अधिक घरों में "BAR-O-meter"** स्थापित किया है।
- इन घरों को **नई उपभोक्ता वर्गीकरण प्रणाली के तहत 12 श्रेणियों** में **वर्गीकृत किया गया है**

ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (BARC) के बारे में

- यह एक **उद्योग निकाय है, जिसका स्वामित्व विज्ञापनदाताओं**, विज्ञापन एजेंसियों और प्रसारण कंपनियों के पास होता है और जिसका प्रतिनिधित्व **द इंडियन सोसाइटी ऑफ एडवरटाइजर्स, इंडियन ब्रॉडकास्टिंग फाउंडेशन** और **एडवरटाइजिंग एजेंसी एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा किया जाता है।**
- यद्यपि इसे **2010** में स्थापित किया गया था, **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय** ने **2014 में भारत में टेलिविज़न रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति दिशानिर्देशों को** अधिसूचित किया और इन **दिशानिर्देशों के** तहत **जुलाई 2015 में BARC को** पंजीकृत किया, **जिससे भारत में टेलीविज़न रेटिंग को आगे बढ़ाया जा सके।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

उत्तर प्रदेश में INOX ऑक्सीजन संयंत्र का उद्घाटन हुआ

ख़बरों में क्यों है?

- **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री** द्वारा **एक नए क्रायोजेनिक ऑक्सीजन संयंत्र का उद्घाटन किया गया** है जिसे **INOX एयर प्रॉडक्ट (INOX AP)** द्वारा शामिल किया गया है।
- यह राज्य का **सबसे बड़ा ऑक्सीजन संयंत्र** है जो **अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति में** मदद करेगा।

INOX ऑक्सीजन संयंत्र के बारे में

- यह एक **अति उच्च शुद्धता वायु पृथक्करण संयंत्र है।**
- इसकी **क्षमता 150 टन प्रति दिन** (TPD) है।
- यह संयंत्र **द्रवित ऑक्सीजन, द्रवित नाइट्रोजन और द्रवित आर्गन का** उत्पादन करेगा।

महत्व

- यह सुविधा **राज्य को कोरोनावायरस से बेहतर तरीके से लड़ने में** मदद करेगी।
- यह संयंत्र **चिकित्सा ऑक्सीजन की मांग और आवश्यकता** को पूरा करेगा। यह **औद्योगिक गैसों की आपूर्ति** करके **राज्य के औद्योगिक विकास** को भी बढ़ावा देगा।
- यह संयंत्र **राज्य** में **निवेश लाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- AIR

राष्ट्रीय सुपर कम्प्यूटिंग मिशन

ख़बर में क्यों है?

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली ने हाल ही में सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डेक), पुणे के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं जिसके तहत भारत सरकार के नेशनल सुपर कम्प्यूटिंग मिशन के भाग बनने की प्रक्रिया में नवीनतम सुपर कम्प्यूटर को लगाया जाएगा।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

नेशनल सुपर कम्प्यूटिंग मिशन के बारे में

- नेशनल सुपर कम्प्यूटिंग मिशन (एनएसएम) में कुल 10 केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों को शामिल किया गया है जिसमें आईआईएस, बंगलौर और सात आईआईटी व साथ में एनआईटी, त्रिची शामिल हैं।
- एनएसएम का उद्देश्य उच्च प्रदर्शन वाली कम्प्यूटिंग क्षमताओं के साथ तकनीकी संस्थानों को सशक्त करना है जिनका प्रयोग सामाजिक रूप से प्रासंगिक, कम्प्यूटर के दृष्टिकोण से सघन समस्याओं को सुलझाने के लिए किया जा सकता है।
- यह सरकार के स्वप्न 'डिजिटल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' पहलों का समर्थन करता है।
- इस मिशन को विज्ञान और तकनीकी विभाग (विज्ञान और तकनीक मंत्रालय) और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक मंत्रालय द्वारा सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सी-डेक), पूणे और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएस), बंगलुरु के सहयोग से क्रियान्वित किया जा रहा है।
- एनएसएम के अंतर्गत दीर्घावधि योजना है कि अगले पांच वर्षों के दौरान 20,000 कौशलयुक्त व्यक्तियों का एक मजबूत आधार तैयार किया जाए जोकि सुपरकम्प्यूटर की जटिलताओं से निपटने के लिए तैयार होंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान और प्रोद्योगिकी

स्रोत- द हिन्दू

MACS -6478

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में एक **नई गेहूं किस्म** MACS- 6478 को **अगरकर अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों** ने विकसित किया है, जोकि **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का** एक **स्वायत्त संस्थान** है।

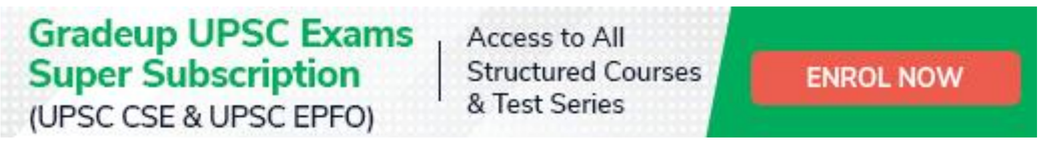

MACS-6478 के बारे में

- **महाराष्ट्र** में **सतारा जिले के कोरेगांव तहसील में** गांव के किसान नई किस्म के साथ **45 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त कर रहे हैं** जो पहले की तुलना **औसत 25 से 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज से काफी अधिक है।**

- **नव विकसित साधारण गेहूं या रोटी गेहूं**, जिसे **उच्च उपज एस्टीवम** भी कहा जाता है, **110 दिनों** में परिपक्व होती है और बहुत से पत्ती एवं तना अंगमारी रोगों के खिलाफ रक्षा करती है।
- यह **महाराष्ट्र के किसानों की आय** को **दोगुनी** करने में मदद करेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

न्यू शेफर्ड : ब्लू ओरिजिन द्वारा निर्मित एक रॉकेट प्रणाली

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, **'न्यू शेफर्ड '** नामक एक रॉकेट प्रणाली ने **टेक्सास से परीक्षण केंद्र से** अपने **सातवें उड़ान परीक्षण** को पूरा किया।

न्यू शेफर्ड के बारे में

- इसका यह नाम **अंतरिक्ष में** जाने वाले **पहले अमेरिकी मरकरी अंतरिक्ष यात्री एलन शेफर्ड के** नाम पर रखा गया है।

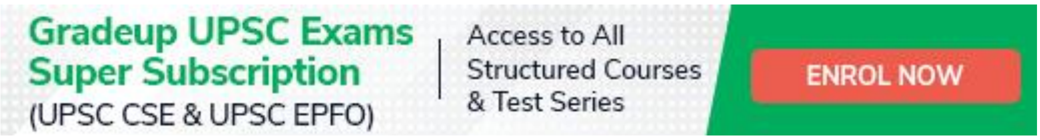

- यह एक **पुन: प्रयोज्य उप-कक्षीय रॉकेट प्रणाली है** जिसे **अंतरिक्ष यात्री और शोध पेलोड** को **क्रेमन लाइन** के पिछले हिस्से में ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है ।
- **रॉकेट प्रणाली में दो हिस्से होते हैं**, केबिन या कैप्सूल और **रॉकेट या बूस्टर।**
- **नए शेफर्ड का विचार** अंतरिक्ष में शैक्षणिक अनुसंधान, व्यावसायिक तकनीकी विकास और उद्यमशीलता उद्यमों के उद्देश्य हेतु अंतरिक्ष में **आसान और अधिक सस्ती पहुँच प्रदान करना है।**

नोट:

- **क्रेमन रेखा अंतरिक्ष** की **अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सीमा है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज क्लाउड इनोवेशन सेंटर

समाचार में क्यों है?

- डिजिटल नवाचार के द्वारा **सामाजिक चुनौतियों के हल** के लिए, **नीति आयोग** ने **अमेजन वेब सर्विसेज के साथ मिलकर फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज क्लाउड इनोवेशन सेंटर, सीआईसी की स्थापना की घोषणा** की है।
- **यह भारत में अपने प्रकार की पहली पहल है।**

क्लाउड इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) के बारे में

- यह **सीआईसी एडब्ल्यूएस सीआईसी ग्लोबल कार्यक्रम** का हिस्सा है जोकि **सरकारी एजेंसियों, गैरलाभकारी और शैक्षिक संस्थानों** को अवसर उपलब्ध कराता है कि वे पेश आ रही चुनौतियों, डिजाइन विचार पर लागू करने, नए विचारों के परीक्षण के लिए साथ आएं और **एडब्ल्यूएस की तकनीकी विशेषज्ञता तक पहुँच बनाएं।**
- **नीति आयोग का फ्रंटियर टेक्नोलाजीज सीआईसी** उभरते हुए **नवाचारों और स्टार्ट अप के लिए काफी सहायक साबित होगा** और **नवीनतम, क्लाउड केंद्रित डिजिटल नवाचारों** को मदद देगा जिसके लिए **उभरती हुई तकनीकों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आईओटी और रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन का सहारा लिया जाएगा।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **क्लाउड इनोवेशन सेंटर्स प्रोग्राम** को इस तरह से तैयार किया गया है कि **यह सार्वजनिक क्षेत्र में नवाचार के लिए उत्प्रेरक** का कार्य कर सके जिसके लिए **तकनीकी विशेषज्ञों को आपस में मिलाया जाएगा जिससे चुनौतियों का सामना किया जा सके।**
- यह **प्रधानमंत्री के स्वप्न आत्मनिर्भर भारत से भी संरेखित** है, साथ ही **नीति आयोग और अटल नवाचार अभियान** से भी।

Topic- GS Paper III– Science and Technology
Source- PIB

भारतीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी (आईएएचई)

समाचार में क्यों है?

- हाल ही में **केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री की अध्यक्षता** के अंतर्गत **भारतीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी (आईएएचई) की पांचवीं आम परिषद बैठक** सम्पन्न हुई।

भारतीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी (आईएएचई) के बारे में

- **इसकी स्थापना 1983** में हुई थी; **आईएएचई राजमार्ग इंजीनियर्स और पेशेवरों को प्रशिक्षण** प्रदान करता है।
- इसी तरह से, **मंत्रालय** ने **सड़क परिवहन और राजमार्ग के पूर्व सचिव श्री वाई, एस. मलिक की अध्यक्षता** में एक समिति का गठन किया है जिसे **आईएएचई** को **राजमार्ग क्षेत्र** में एक **विश्वस्तरीय प्रमुख संस्थान** के रूप में रूपांतरित करने के लिए संस्तुतियां देनी हैं।
- **परिषद ने समिति की संस्तुतियों पर विचार विमर्श किया** जिससे **आईएएचई के क्षेत्र का उन्नयन तीन विशिष्ट कार्यों** में किया जा सके, जिनके नाम हैं-
  (i) प्रशिक्षण
  (ii) राजमार्ग और सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में अनुप्रयोग शोध और विकास और
  (iii) सड़क सुरक्षा और विनिमयन और आईएएचई को राजमार्ग क्षेत्र में विश्वस्तरीय प्रमुख संस्थान के रूप में रूपांतरित करने के लिए और जरूरी कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया।

Topic- GS Paper III- Infrastructure
Source- PIB

कोविड-19 पर पुनरुद्देशित औषधि पर CUReD' वेबसाइट

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** ने **कोविड-19 के लिए पुनरुद्देशित औषधि** पर CUReD' **वेबसाइट** की शुरुआत की है।
- पांच शामिल क्लीनिकल परीक्षण हैं विथानिया सोमनीफेरा, टिनोसपोरा कॉर्डिफोलिया प्लस पाइपर लोंगम (साथ में), ग्लाइसीरिहज़ा ग्लाब्रा, टिनोसपोरा कॉर्डिफोलिया और अधाटोडा

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

वेसिका (अकेले व साथ में) और आयुष-64 फॉर्मुलेशन सुरक्षा और सामर्थ्य परीक्षणों से गुजर रहे हैं।

संबंधित सूचना

औषधि पुनरुद्देशिता के बारे में

- इसे **औषधि की पुनःस्थिति** भी कहा जाता है, यह एक औषधि विकास रणनीति है जिसका उपयोग नई औषधि के विकास के लिए वर्तमान लाइसेंस वाली औषधियों के प्रयोग के द्वारा किया जाता है।
- इसमें **नये चिकित्सकीय उद्देश्यों** के लिए **वर्तमान औषधियों की जांच** शामिल है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- PIB

ट्यूबेरियल लार ग्रंथियां

समाचार में क्यों है?

- हाल में **नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों** ने एक संभावित नए अंग की खोज की है जिसे **ट्यूबेरियल लार ग्रंथियों** का नाम दिया गया है जोकि **मानव गले** में स्थित है। यह खोज अचानक **प्रोस्टेट कैंसर पर शोध** के दौरान हुई।

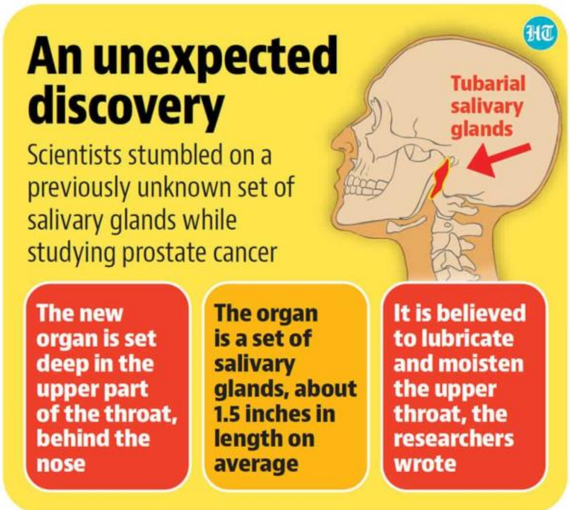

ट्यूबेरियल लार ग्रंथियों के बारे में

- **ट्यूबेरियल लार ग्रंथियों** की खोज उस समय की गई जब **PSMA PET-CT तकनीक** का प्रयोग कर वैज्ञानिकों ने पौरुष ग्रंथि के कैंसर की कोशिकाओं का अध्ययन किया।
- यह अध्ययन **कैंसर उपचार** के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

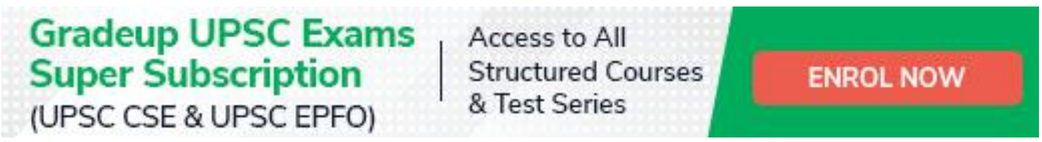

- अभी तक, यह **नेसोफैरिन्क्स क्षेत्र-** जोकि नाक के पीछे होता है- के बारे में माना जाता था कि इसमें केवल **सूक्ष्म और फैली हुई लार ग्रंथियां** हैं।
- नई खोजे गई ग्रंथियां लंबाई में औसतन लगभग **1.5 इंच की है (3.9 सेमी.)** और एक **उपास्थि** जिसे **टोरस ट्यूबेरियस** कहते के टुकड़े के ऊपर स्थित है। इसके बारे में **लाइवसाइंस से रिपोर्ट** दी है।
- शोधकर्ताओं के अनुसार, **ग्रंथियां** संभवतः **नाक और मुख के पीछे ऊपरी गले को चिकना व गीला** करती हैं।
- अभी तक, मानवों में **तीन ज्ञात बड़ी लार ग्रंथियां** थीं; एक **जीभ** के नीचे, एक जबड़े के नीचे और एक जबड़े के पीछे, गाल के पीछे।

संबंधित सूचना

PSMA PET-CT तकनीक के बारे में

- यह **सीटी स्कैन और पॉजीट्रॉन इमीजन टोमोग्राफी (PET) का संयुक्त रूप** है- जोकि **लार ग्रंथि ऊतकों की पहचान** करने में अच्छा है।
- इस तकनीक में, एक **रेडियोधर्मी ट्रेसर** को रोगी में डाला जाता है जोकि **प्रोटीन PSMA** से बंधित हो जाता है जोकि **पौरुष ग्रंथि कैंसर कोशिकाओं में चढ़** जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

अदिति ऊर्जा संच

समाचार में क्यों है?

- **केंद्रीय मंत्री विज्ञान एवं तकनीक एवं पृथ्वी विज्ञान** ने **'अदिति ऊर्जा संच' इकाई** का **DME-LPG मिलाये गये** ईंधन सिलेंडरों के साथ उद्घाटन किया और उन्हें परीक्षण के आधार पर कैंटीन के प्रयोग के लिए **CSIR-NCL (राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला)** को हस्तगत कर दिया।

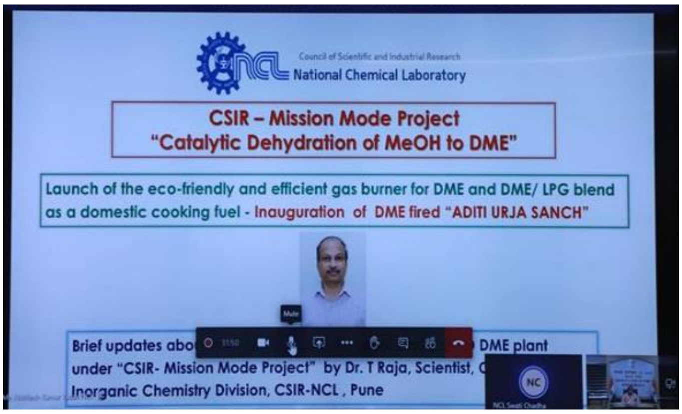

डिमिथाइल ईथर (DME)

- यह **अत्यंत स्वच्छ ईंधन** है।
- **CSIR-NCL** ने देश के पहले **DME पाइलट संयंत्र** का विकास किया है जिसकी **क्षमता 20-24 किग्रा. प्रतिदिन** की है।
- **पारंपरिक LPG बर्नर DME ज्वलन** के लिए उपयुक्त नहीं हैं क्योंकि **DME का घनत्व LPG** से अलग होता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इस मामले को हल करने के लिए, **CSIR-NCL की "अदिति ऊर्जा संच"** ने एक **सहायक, नवाचार सेटअप** का विकास किया।
- **नया बर्नर** पूरी तरह **से DME के लिए NCL द्वारा डिजाइन** व बनाया गया है, DME-LPG मिला हुआ मिश्रण और LPG ज्वलन।

नई डिजाइन किये गए बर्नर की खास विशेषताएं

- नई डिजाइन **दोनों DME और DME व LPG मिश्रण** के लिए सक्षम है।
- **विशिष्ट डिजाइन** और **लोचनीय वायु प्रवेश**।
- **नई नोजल डिजाइन** ज्वलन के लिए **अनुकूलतम ऑक्सीजन प्रवेश** की अनुमति देता है।
- **जिन कोणों पर नोजलों** को रखा जाता है वह **बर्तन के पार ऊष्मा हस्तांतरण क्षेत्र को अधिकतम करता** है।
- **अनुकूलतम ज्वाला वेग** को प्राप्त किया जा सकता है।
- **ज्वाला की लंबाई** (ऊंची, निम्न और मध्यम) को **ऑक्सीजन प्रवेश में बदलाव करके समायोजित** किया जा सकता है।
- **परीक्षण दर्शाता** है कि यह **ऊष्मा हस्तांतरण दर** को भी बढ़ाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण/विज्ञान-तकनीक

स्रोत- PIB

चंद्रमा पर जल

समाचार में क्यों है?

- हाल में **नेचर एस्ट्रोनॉमी** में **दो अलग अध्ययनों में** वैज्ञानिकों ने जो खोज की है वह **भविष्य में चंद्रमा** पर मानवों के जिंदा रहने की संभावना पैदा करता है।

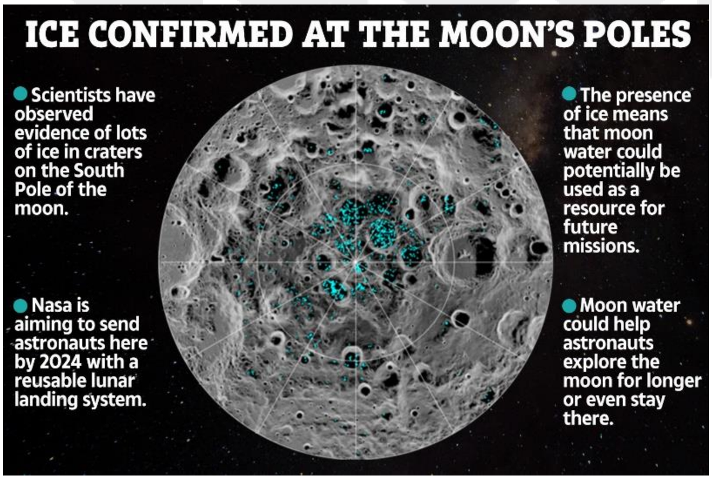

- एक अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार **प्रथम बार चंद्रमा के सूर्य प्रकाशित हिस्से में जल की पहचान** की गई है।
- अन्य रिपोर्ट के आकलन के अनुसार **चंद्रमा का काला, छायादार क्षेत्र** जिसमें **बर्फ** की संभावना है, जैसा सोचा जाता था उससे बड़े हैं।
- पहले के विश्वास के विपरीत **चंद्रमा** में स्थान-स्थान पर जल है। यह उन क्षेत्रों में है जहां इसके होने की संभावना पहले ही व्यक्त की गई थी।

जल की खोज क्यों महत्वपूर्ण है?

- संभावित **जीवन के संकेतक** के अतिरिक्त, **दूर अंतरिक्ष में जल एक बहुमूल्य संसाधन** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **चंद्रमा पर जाने वाले अंतरिक्षयात्रियों** के लिए, जल न केवल जीवन को बनाए रखने के लिए जरूरी है बल्कि **रॉकेट ईंधन उत्पन्न** करने जैसे उद्देश्यों के लिए भी।
- **NASA के आर्टेमिस कार्यक्रम** की योजना 2024 में **पहली महिला** और **अगले मानव** को भेजने की है और यह दशक के अंत तक **सतत मानव उपस्थिति** को स्थापित करने के प्रति आशान्वित है।
- यदि अंतरिक्ष के खोजकर्ता **चंद्रमा के संसाधनों** का प्रयोग कर सकते हैं, इसका अर्थ है उन्हें **पृथ्वी से कम जल ले जाना पड़ेगा**।

पूर्व के अध्ययन

- पूर्व के चंद्रमा के अध्ययन, जिसमें **भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन** (ISRO) **का चंद्रयान-1 अभियान** भी शामिल है, ने **जल की उपस्थिति** के साक्ष्य प्रस्तुत किये हैं।
- 2009 में, **मून मिनिरेलॉजी मैपर** (M3) **उपकरण** जो कि **चंद्रयान-1** के साथ गया था, ने **ध्रुवीय क्षेत्रों** में **जल अणुओं की खोज** की।
- **अगस्त 2013** में **नेचर जियोसाइंस** में प्रकाशित एक पेपर ने **M3 आंकड़े का विश्लेषण** किया था जिसमें उसने **चंद्रमा की सतह** पर **मैग्मीय जल की पहचान (गहरी तहों से निकलने वाला जल)** के बारे में सूचना दी थी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7 नवंबर को ISRO करेगा पृथ्वी पर्यवेक्षण उपग्रह EOS-01 का प्रक्षेपण

समाचार में क्यों है?

- **भारत आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा के स्पेसपोर्ट** से अपने **ध्रुवीय रॉकेट PSLV-C49** के द्वारा अपने **नवीनतम पृथ्वी पर्यवेक्षण उपग्रह EOS-01** और **नौ अंतरराष्ट्रीय ग्राहक अंतरिक्षयान** का **प्रक्षेपण** करेगा।
- मार्च में कोविड-19 की वजह से लॉकडाउन लगने के बाद से **भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (ISRO) का यह पहला प्रक्षेपण** है।

EOS-01 के बारे में

- **EOS-01 का उद्देश्य कृषि, वानिकी और आपदा प्रबंधन समर्थन में अनुप्रयोग** करना है।
- **यह ISRO के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन का 51वां अभियान है।**

संबंधित सूचना

PSLV के बारे में

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **भारत का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (PSLV) तीसरी पीढ़ी का प्रक्षेपण वाहन** है।
- PSLV **पहला प्रक्षेपण वाहन** है जिसमें **द्रव चरण** लगे हुए हैं।
- PSLV का सबसे पहला सफलतापूर्ण प्रक्षेपण **अक्टूबर 1994** में किया गया था।
- PSLV का प्रयोग दो **सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण अभियानों** में किया गया था।

a. 2008 में चंद्रयान-1

b. 2013 में मार्स ऑर्बिटर अंतरिक्षयान

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- दि हिंदू

List of Earth Observation Satellites

	Launch Date	Launch Mass	Launch Vehicle	Orbit Type	Application
RISAT-2BR1	Dec 11, 2019	628 Kg	PSLV-C48/RISAT-2BR1	LEO	Disaster Management System, Earth Observation
Cartosat-3	Nov 27, 2019		PSLV-C47 / Cartosat-3 Mission	SSPO	Earth Observation
RISAT-2B	May 22, 2019	615 Kg	PSLV-C46 Mission	LEO	Disaster Management System, Earth Observation
HysIS	Nov 29, 2018		PSLV-C43 / HysIS Mission	SSPO	Earth Observation
Cartosat-2 Series Satellite	Jan 12, 2018	710 Kg	PSLV-C40/Cartosat-2 Series Satellite Mission	SSPO	Earth Observation
Cartosat-2 Series Satellite	Jun 23, 2017	712 kg	PSLV-C38 / Cartosat-2 Series Satellite	SSPO	Earth Observation
Cartosat -2 Series Satellite	Feb 15, 2017	714 kg	PSLV-C37 / Cartosat -2 Series Satellite	SSPO	Earth Observation
RESOURCESAT-2A	Dec 07, 2016	1235 kg	PSLV-C36 / RESOURCESAT-2A	SSPO	Earth Observation
SCATSAT-1	Sep 26, 2016	371 kg	PSLV-C35 / SCATSAT-1	SSPO	Climate & Environment
INSAT-3DR	Sep 08, 2016	2211 kg	GSLV-F05 / INSAT-3DR	GSO	Climate & Environment, Disaster Management System

Topic- GS Paper III–Science and Technology
Source-The Hindu

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दे

एनिग्माचन्निडे : केरल के धान के खेतों में दुर्लभ मछली परिवार खोजा गया

ख़बरों में क्यों है?

- **भारतीय विज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (IISER), पुणे** के शोधकर्ताओं ने **केरल के धान के खेतों में एक दुर्लभ मछली परिवार *एनिग्माचन्निडे* की खोज की।**

एनिग्माचन्निडा मछली के बारे में

- **इस मछली का एक लंबा और बढ़ा हुआ शरीर होता है।**
- ऐसा माना जाता है कि इस **मछली की वंशावली गोंडवानालैंड के समय की है और** लगभग **120 मिलियन साल पहले एशियाई और अफ्रीकी महाद्वीपों** के **अलग होने के** बाद भी यह बच **गया है।**

जीवित जीवाश्म

- इस प्रजाति के नमूने के विश्लेषण से वैज्ञानिक दल ने **आदिम विशेषताओं का पता लगाया है** जिससे यह निष्कर्ष निकला है कि यह मछली एक है **'जीवित जीवाश्म'** है।
- एक **लंबे और बड़े शरीर** वाली मछली को पिछले साल **उत्तर केरल** में **मल्लपुरम जिले** के **धान के खेतों में** सूर्यास्त के बाद देखा गया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

विकार्बनीकरण एवं ऊर्जा रूपांतरण एजेंडा

ख़बरों में क्यों है?

- **नीति आयोग और नीदरलैंड** के दूतावास ने **"विकार्बनीकरण एवं ऊर्जा रूपांतरण एजेंडा"** पर उद्देश्य प्रस्ताव (SOI) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य बिंदु

- **इस साझेदारी का ध्यान दो संस्थाओं की विशेषज्ञताओं का** लाभ उठाकर नवाचार तकनीकी समाधानों के **सह-सृजन पर है।**

SoI के प्रमुख तत्वों में शामिल हैं:

a) औद्योगिक और परिवहन क्षेत्रों में कुल कार्बन पदचिह्न को कम करना;

b) प्राकृतिक गैस की लक्ष्य क्षमता का अनुभव करना और जैव ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना;

c) वास्तविक प्रदूषक कणों को कम करने के लिए स्वच्छ वायु तकनीकों को अपनाना;

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

d) अगली पीढ़ी की तकनीकों, जैसे हाइड्रोजन, कार्बन कैप्चर उपयोग, और क्षेत्रीय ऊर्जा दक्षता के लिए भंडारण को अपनाएं; तथा
e) वित्तीय रूपरेखा और वित्तीय परिवर्तन को अपनाने के लिए वित्तीय सहायता।

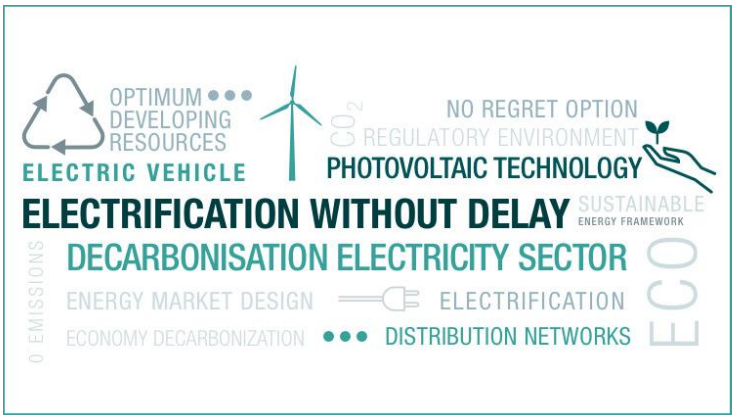

यह **संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों** को प्राप्त करने में मदद करेगा।

भारत के लिए नीदरलैंड का महत्व

- यह **भारत का छठा सबसे बड़ा यूरोपियन यूनियन ट्रेडिंग पार्टनर** है - जो कि **यूरोपीय महाद्वीप के लिए भारत के निर्यात का 20% नीदरलैंड के** माध्यम से जाता है**,** जो **भारत को यूरोप का प्रवेश द्वार बनाता है**।
- यह **शीर्ष पांच निवेशकों में से एक है** और **भारत के लिए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

ब्रांडेड रॉयल

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, ब्रांडेड रॉयल, जिसे 130 से अधिक वर्षों में नीलगिरी क्षेत्र में नहीं देखी गयी थी, कोटागिरी ढलानों में दर्ज किया गया है।

ब्रांडेड रॉयल के बारे में

- **ब्रांडेड रॉयल** की **लाइसीनिड प्रजाति की एक दुर्लभ तितली है**।
- ब्रांडेड रॉयल का वैज्ञानिक नाम **ताजुरिया मेलस्टिग्मा है**।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसे आखिरी बार सन् 1888 में जी. एफ. हैम्पसन द्वारा नीलगिरी में दर्ज किया गया था और तमिलनाडु में यह एकमात्र रिकॉर्ड है।

वितरण

- यह **भारत-मलयालयी क्षेत्रों अर्थात भारत, असम, बर्मा और थाईलैंड में पायी जाती है**।
- ब्रांडेड रॉयल भारत में बहुत कम ही देखी जाती है, जिसके अस्तित्व के केवल चार या पांच रिकॉर्ड नीलगिरी, डिंडीगुल, केरल में दो और कर्नाटक में एक रिकॉर्ड हैं।

संरक्षण स्तर

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची II के तहत संरक्षित है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

भारत PV EDGE 2020

ख़बरों में क्यों है?

- **नव एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय** हाल ही में **'इंडिया PV EDGE 2020'** का आयोजन करने जा रहा है।

भारत PV EDGE 2020 के बारे में

- यह एक **वैश्विक संगोष्ठी है** जो **नीति आयोग**, **नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय** और **इन्वेस्ट इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली है।**
- इसका उद्देश्य भारत में **अत्याधुनिक फोटोवोल्टिक (PV) विनिर्माण** को **उत्प्रेरित** करना है।
- **वैश्विक संगोष्ठी में फोटोवोल्टिक विनिर्माण पर 'निवेशकों का सम्मेलन' शामिल होगा।**

अत्याधुनिक गीगा-स्केल सौर विनिर्माण तीन स्तंभों पर खड़ा है:

a. परिवर्तनकारी प्रकाशवोल्टीय रसायन विज्ञान,
b. कस्टम-इंजीनियर्ड उन्नत उत्पादन उपकरण द्वारा विनिर्माण, और
c. विशेष BOM घटक जैसे विशेष चश्मे और कोटिंग्स का उपयोग।

संगोष्ठी में भाग लेने वाले राज्य

- **तमिलनाडु** , **महाराष्ट्र** और **आंध्र प्रदेश** इस संगोष्ठी में भाग लेंगे।

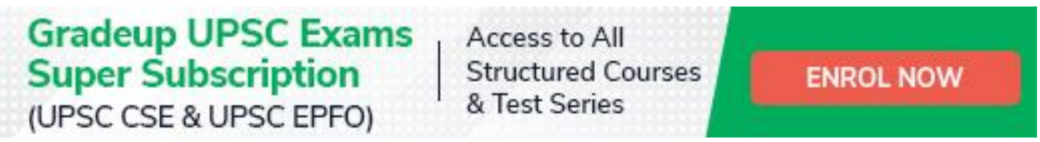

नोट:

- **2015, पेरिस समझौते के भारत के NDC दस्तावेज़** ने जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए असाधारण दृष्टि, नेतृत्व, करुणा और ज्ञान का आहवान किया ।
- भारत PV EDGE 2020 उस महत्वाकांक्षा की दिशा में एक छोटा कदम है।

भारत का INDC, मुख्य रूप से 2030 तक हासिल किया जाएगा

- **उत्सर्जन तीव्रता को सकल घरेलू उत्पाद के एक-तिहाई तक कम करना।**
- बिजली के लिए कुल स्थापित क्षमता में से 40% गैर-जीवाष्म ईंधन स्रोत से प्राप्त होगा।
- **भारत ने वर्ष 2030 तक अतिरिक्त वन एवं वृक्ष छाया के माध्यम से 2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने के समतुल्य** एक **अतिरिक्त कार्बन सिंक** (वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने के लिए एक उपाय) बनाने का वादा भी किया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

सुचिन्द्रम थेरूर पक्षी अभयारण्य

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, **सुचिन्द्रम थेरूर अभयारण्य पर संकट आ गया है क्योंकि कुछ दिग्गज रियल एस्टेट कंपनियाँ कुछ झीलों को आवासीय भूभाग में बदलने की प्रक्रिया में हैं।**

सुचिन्द्रम थेरूर पक्षी अभयारण्य

- **सुचिन्द्रम थेरूर पक्षी अभयारण्य** एक संरक्षित क्षेत्र है **जो सुचिन्द्रम कुलम झील** और **थेरूर कुलम झील से मिलकर बना है।**
- **यह पक्षी अभयारण्य तमिलनाडु में कन्याकुमारी जिले में सुचिन्द्रम कस्बे** के पास **स्थित है।**
- यह **राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 47** पर **नागरकोइल और कन्याकुमारी के** बीच स्थित है।
- **इस अभयारण्य क्षेत्र में मध्य एशियाई फ्लाइवे का दक्षिणतम महाद्वीपीय दूरी तक जाती है।**
- यह भारत का **महत्वपूर्ण पक्षी और जैव विविधता क्षेत्र (IBA)** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

स्ट्रोबिलांथेस कुंथियाना

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, **विशेषज्ञों की तरफ से चेतावनी** जारी हुई है कि कि **नीलगिरी की अतिसुंदर पुष्प समूह**, **स्ट्रोबिलैंथेस की 30** से **अधिक प्रजातियों** पर **देशी**, **आक्रामणकारी पुष्प समूह जैसे केस्टरम एनरिएंटिकम और लैंटाना कैमारा** से **विस्थापित होने का खतरा** हो सकता है।

स्ट्रोबिलांथेस कुंथियाना के बारे में

- यह **दक्षिण भारत में पश्चिमी घाट के शोला जंगलों में पायी जाने वाली एक झाड़ी है।**
- **बड़े पैमाने पर खिलने वाले बैंगनी-नीले रंग में स्ट्रॉबिलैन्थेस कुन्थियाना या नीलकुरिंजी कहा जाता है,** जिसके कारण **इस पर्वत का नाम नीलगिरी पर्वत है।**
- ये **पौधे 12 साल के बाद खिलते हैं।**
- **नीलकुरिंजी पौधे** को पहली बार **कुंटी नदी** के **आसपास के क्षेत्र** में देखा गया था और इसलिए यही इसका वैज्ञानिक नाम है।
- **विशेष रूप से नीलकुरिंजी पौधों की रक्षा के लिए मन्नार में कुरिंजीमाला अभयारण्य बनाया गया था।**
- **ऊपरी नीलगिरी में** उगने वाले **स्ट्रोबिलैन्थेस पौधों का निवास *सेस्ट्रम ऑरेनटियाकम*** *द्वारा* ***खत्म किया जा रहा है*** और उन पर निचले ढलानों में **अन्य आक्रामक प्रजातियों जैसे लैंटाना कमारा का भी खतरा है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

स्टॉकहोम सम्मेलन

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्रीय मंत्रिमंडल** ने **सतत जैव प्रदूषक** (POP) पर **स्टॉकहोम सम्मेलन** के तहत सूचीबद्ध **सात रसायनों के अनुसमर्थन** को मंजूरी दी है।
- **POP के अनुसमर्थन के लिए कैबिनेट की मंजूरी पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के संरक्षण** के संबंध में **अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों** को पूरा करने की **भारत की** प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस ख़बर के बारे में अधिक जानकारी

- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन (MoEFCC) मंत्रालय'** ने **5 मार्च, 2018 को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986** के प्रावधानों के तहत **सतत जैव प्रदूषक नियमों के विनियमन** पर अधिसूचना जारी की थी।

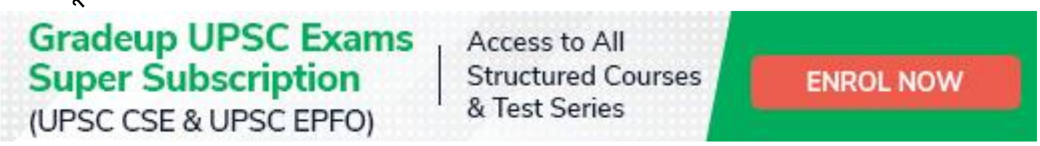

- **यह विनियमन अन्य बातों के साथ रसायनों के निर्माण, व्यापार, उपयोग, आयात और निर्यात पर प्रतिबंध** लगाता है, जिनके नाम क्रमशः हैं:

(i) क्लोर्डेकोन

(ii) हेक्साब्रोमोबिफेनिल

(iii) हेक्सब्रोमोडिफेनिल ईथर और हेप्टाब्रोमोडिफेनलेथर (वाणिज्यिक ऑक्टा-BDE)

(iv) टेट्राब्रोमोडिफेनिल ईथर और पेंटाब्रोमोडिफेनिल ईथर (वाणिज्यिक पेंटा- BDE)

(v) पेंटाक्लोरोबेंजीन

(vi) हेक्साब्रोमोसाइक्लोडोडेकेन

(vii) हेक्साक्लोरोब्युटाडीन

- **यह अनुसमर्थन प्रक्रिया भारत** को **राष्ट्रीय कार्यान्वयन योजना (NIP)** के अद्यतन में **वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) वित्तीय संसाधनों** को प्राप्त करने में समर्थ बनाएगी।
- **मंत्रिमंडल** ने प्रक्रिया को चरणबद्ध बनेने के लिए **घरेलू विनियमों** के अंतर्गत **पूर्व विनियमित POP** के संबंध में **केंद्रीय विदेश और पर्यावरण मंत्रियों** को **स्टॉकहोम सम्मेलन** के तहत **इन रसायनों को अनुसमर्थन करने की शक्ति सौंपी है।**

स्टॉकहोम सम्मेलन के बारे में

- यह **मानव स्वास्थ्य** और **पर्यावरण को POP से बचाने के लिए** एक **वैश्विक संधि है,** POP **ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं** जो **पर्यावरण** में बने **रहते हैं, जीवों में जैविक रूप से संचित रहते हैं, मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं** और **लंबी दूरी के पर्यावरणीय यात्रा का गुण रखते हैं।**
- **POP के संपर्क में आने** से कैंसर हो सकता है, केंद्रीय और परिधीय तंत्रिका तंत्र को नुकसान सकता है, प्रतिरक्षा प्रणाली का रोग सकता है, प्रजनन संबंधी विकार और सामान्य शिशु और बाल विकास में रुकावट आ सकती है।
- **भारत ने 13 जनवरी, 2006** को **अनुच्छेद 25 (4)** के अनुसार **स्टॉकहोम सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए थे,** जो इसे एक **डिफ़ॉल्ट "ऑप्ट-आउट" स्थिति में रहने के लिए सक्षम** बनाता है अर्थात् **सम्मेलन के विभिन्न अनुबंधों में किए गए संशोधन** इस पर तब तक लागू नहीं किए जा सकते हैं जब तक कि **अनुसमर्थन /स्वीकृति/ अनुमोदन** या परिग्रहण **समझौता स्पष्ट रूप से संयुक्त राष्ट्र निक्षेपागार के पास जमा नहीं किया जाता है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

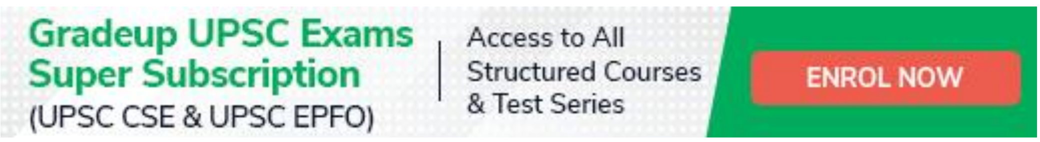

फिशिंग कैट चिल्का झील की राजदूत बनी

ख़बरों में क्यों है?

- **चिलका विकास प्राधिकरण (CDA)** ने **एशिया में सबसे बड़ी खारे पानी की झील** और **भारत का सबसे पुराना रामसर स्थल चिल्का झील की राजदूत के रूप में फिशिंग कैट (मछली पकड़ने वाली बिल्ली) को चुना है।**

चिल्का झील के बारे में

- यह **एशिया का सबसे बड़ी** और **दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लैगून है।**
- यह भारत के पूर्वी तट पर **ओडिशा के पुरी, खुर्दा और गंजम जिलों में**, **दया नदी** के मुहाने पर **स्थित है।**
- इसे **बंगाल** की **खाड़ी से रेत की एक छोटी पट्टी द्वारा** अलग **है।**
- यह **भारतीय उपमहाद्वीप** में **प्रवासी पक्षियों के** लिए **सबसे बड़ा शीतकालीन मैदान है।**

रामसर स्थल

- सन् **1981** में, इसे रामसर समझौते के तहत **अंतरराष्ट्रीय महत्व की पहली भारतीय आर्द्रभूमि नामित** किया गया था।
- **सतपड़ा**, समुद्री मुख पर स्थित **द्वीप जहाँ चिल्का झील** बंगाल की खाड़ी से मिलती है, **इरवाड्डी डॉल्फ़िन** का घर है**।**
- नालबाना पक्षी अभयारण्य या नालबाना द्वीप चिल्का झील का मुख्य क्षेत्र है।

फिशिंग कैट के बारे में

- **फिशिंग कैट भारत में जंगली बिल्ली की एक प्रजाति है** एक आर्द्रभूमि में निवास करती है, और संपूर्ण चिल्का झील में पायी जाती है।
- भारत में, फिशिंग कैट **मुख्य रूप से सुंदरवन** के **मैंग्रूव वनों** में**, हिमालय की तलहटी** के साथ **गंगा और ब्रहमपुत्र** नदी घाटियों और **पश्चिमी घाट में** पायी जाती है।

संरक्षण की स्थिति

- यह IUCN की **रेड लिस्ट** में **संकटग्रस्त श्रेणी** में आती है।
- यह **CITES के परिशिष्ट II में सूचीबद्ध है।**
- **भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** : अनुसूची I

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

संरक्षण के प्रयास

- हाल ही में **ओडिशा सरकार** ने **भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान** में **फिशिंग कैट के लिए दो साल की संरक्षण परियोजना** शुरू की है।
- **साल 2010 में** शुरू की **गई** फिशिंग कैट परियोजना **ने पश्चिम बंगाल में बिल्ली के** बारे में जागरूकता बढ़ाना शुरू **किया।**
- साल 2012 में, **पश्चिम बंगाल सरकार** ने आधिकारिक **रूप** से **फिशिंग कैट को राज्य पशु** घोषित किया और **कलकत्ता चिड़ियाघर** में दो बड़े बाड़े हैं, जो इसके लिए समर्पित हैं।
- **ओडिशा** में**, कई गैर सरकारी संगठनों और वन्य जीव संरक्षण संस्थाएं फिशिंग कैट अनुसंधान और संरक्षण** कार्य में संलग्न हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

जैन्थोमोनास ओरिज़े

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, **पादप आण्विक जीवविज्ञान केंद्र (CPMB), हैदराबाद के शोधकर्ता ने कुछ ऐसे अणुओं की पहचान करने और विकसित** करने की दिशा में काम कर रहे हैं, जो या तो **ज़ू जीवाणु से** या **संक्रमित चावल कोशिका की दीवारों** से प्राप्त किए गए हैं।
- टीम **नई रोग नियंत्रण उपायों** का **विकास** कर रही है, जिनका उपयोग वे **टीके के** रूप में कर सकते हैं **जो चावल की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय** करते हैं और **रोगाणुओं द्वारा चावल में बाद के** संक्रमण के लिए रुकावट पैदा करते हैं।

जैन्थोमोनास ओरिज़े के बारे में

- इसे आमतौर पर **ज़ू संक्रमण के** नाम से जाना जाता है जो दुनिया भर में **चावल की** खेती को **भारी नुकसान** पहुँचाता है।
- सेल्यूलेज़, ज़ू द्वार उत्सर्जित एंजाइम को कम करने वाली एक कोशिका भित्ती, के साथ चावल की क्रिया, चावल की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को प्रेरित करती है और **ज़ू द्वारा चावल में बाद में होने वाले संक्रमण को** रोकती है।
- **जैन्थोमोनास ओरिज़े** एक **जीवाणुवीय रोगाणु है** जो **चावल, अन्य घास और सेज के गंभीर दोष** का कारण बनता है**।**
- चावल की जीवाणुज़ अंगमारी में **उच्च महामारी क्षमता है** और **शीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय** दोनों **क्षेत्रों** में **उच्च उपज देने वाली खेती के लिए विनाशकारी है ।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

पादप आण्विक जीवविज्ञान केंद्र के बारे में

- यह **उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद** में स्थित है ।
- यह **जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार** से **प्रारंभिक वित्तीय सहायता के** साथ देश में निर्मित **7 उत्कृष्टता केंद्रों में** से एक **है।**
- वर्तमान में यह **प्लांट आणविक जीवविज्ञान** में देश **के प्रमुख केंद्रों में** से एक है।

मिशन

- **फसल पौधों की आनुवंशिक वृद्धि के** लिए आणविक तंत्र को समझने में उपकरणों का अनुप्रयोग।
- **आणविक जीवविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी** के प्रमुख क्षेत्रों में **मानव संसाधन का विकास।**
- **उत्पाद / प्रक्रिया विकास के लिए उद्योग लिंकेज** की स्थापना ।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- PIB

भांग का पौधा (कैनिबस प्लांट)

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में **नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की जांच** ने **"बॉलीवुड में नशा के अड्डों को उखाड़ने" के उद्देश्य से** एक **'पूछताछ'** शुरू की है, जोकि एक पौधा है जो कई नामों **- भांग, गांजा, मारिजुआना या पॉट** से जाता है।
- के रूप में शक्तिशाली रूप में **अपने शरीर रचना विज्ञान के विभिन्न भागों** हो सकता है, उन सभी को **अपराध करने के लिए राशि** के तहत **नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक पदार्थ (एनडीपीएस) एक्ट, 1985।**

भांग का पौधा क्या है ?

- **भांग की** अधिकांश प्रजातियाँ डियोसियस पौधा है जिसे नर अथवा मादा के रूप में पहचाना जा सकता है।
- **अपरागित मादा पौधे को चरस (Hashish)** के नाम से जानते हैं।
- **भांग का तेल (हैश ऑइल) कैनबिनोइड्स** यौगिकों का एक **सांद्र विलयन है** - जो **संरचनात्मक रूप में THC जैसे होते हैं** - जो **मूल पादप** सामग्री के **विलायक निष्कर्षण या** राल से प्राप्त किए जाते हैं।
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार,** कैनबिस **जेनेरिक शब्द है** जिसका इस्तेमाल ***कैनबिस सैटिवा*** के पौधे **की कई मनोवैज्ञानिक दवाओं** को **दर्शाने के** लिए किया जाता है।
- **भांग में प्रमुख मनोदैहिक घटक डेल्टा-9 टेट्राहाइड्रोकैनेबिनॉल (THC) है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- मैक्सिकन नाम **'मारिजुआना' का इस्तेमाल अक्सर कई देशों में भांग के पत्तों** या **अन्य कच्चे पौधों की सामग्री के संदर्भ में किया जाता है।**

संबंधित जानकारी

- साल **2018 में, कनाडा की संसद ने कैनबिस अधिनियम (या विधेयक C-45) पारित किया,** जो एक ऐतिहासिक कानून है जो **मारिजुआना के मनोरंजक इस्तेमाल** (कैनबिस पौधे से एक मनोदैहिक दवा चिकित्सा या मनोरंजक इस्तेमाल के लिए) **को राष्ट्रव्यापी कानूनी मान्यता देता है।**
- मादक पदार्थों के मनोरंजक उपयोग को कानूनी मान्यता देने वाला कनाडा प्रथम G7 देश है और उरग्वे (दिसम्बर 2013 में मंज़ूरी दी थी) के बाद एक राष्ट्रव्यापी, कानूनी मारिजुआना बाजार बनाने वाला विश्व में दूसरा देश है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

भारत के आठ समुद्री तटों को 'ब्लू फ्लैग' प्रमाणीकरण

ख़बर में क्यों है?

- हाल ही में भारत में आठ समुद्री तटों को जोकि पांच राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित हैं, को प्रतिष्ठित 'ब्लू फ्लैग' प्रमाणीकरण दिया गया है।

पृष्ठभूमि

- अंतरराष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस पर, पहली बार भारत के आठ समुद्री की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय इको लेबल, ब्लू फ्लैग प्रमाणीकरण के लिए सिफारिश की गई है।

मानदंड

- "ब्लू फ्लैग के लिए अर्हता के लिए, कड़े पर्यावरणीय, शैक्षिक, सुरक्षा और पहुँच के मानदंड की ऋंखला को पूरा और बनाए रखना होता है," आधिकारिक वेबसाइट उल्लेख करती है।
- इस प्रमाणीकरण को भारत को अंतरराष्ट्रीय ज्यूरी द्वारा प्रदान किया गया जिसमें संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी), प्रकृति संरक्षण के लिए संघ (आईयूसीएन), संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) और पर्यावरणीय शिक्षा पर फाउंडेशन (एफईई) शामिल हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

शामिल किये गए आठ समुद्री तट हैं-

- गुजरात में शिवराजपुर
- दमन व दीव में घोघला
- कर्नाटक में कासरकोड और पादुबिदरी
- केरल में कप्पड़
- आंध्र प्रदेश में रुशिकोंडा
- ओडिशा का गोल्डन बीच
- अंडमान व निकोबार में राधानगर

- ब्लू फ्लैग समुद्री तटों को दुनिया में सबसे स्वच्छ समुद्री तट माना जाता है।
- ओडिशा के कोणार्क तट पर चंद्रभागा समुद्री तट भारत में ब्लू फ्लैग प्रमाणीकरण पाने वाला पहला समुद्री तट है।

ब्लू फ्लैग प्रमाणीकरण के बारे में

- यह प्रमाणीकरण एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी द्वारा प्रदान किया जाता है "फाउंडेशन फॉर इन्वायरमेंट एजुकेशन" जिसका मुख्यालय कोपेनहेगन, डेनमार्क में है।
- यह प्रमाणीकरण 33 कड़े मानदंडों पर आधारित है जिसे चार प्रमुख विषयों में विभाजित किया गया है अर्थात
  a. पर्यावरणीय शिक्षा और सूचना
  b. नहाने के जल की गुणवत्ता
  c. पर्यावरण प्रबंधन और संरक्षण और
  d. समुद्री तटों पर सुरक्षा और सेवाएं

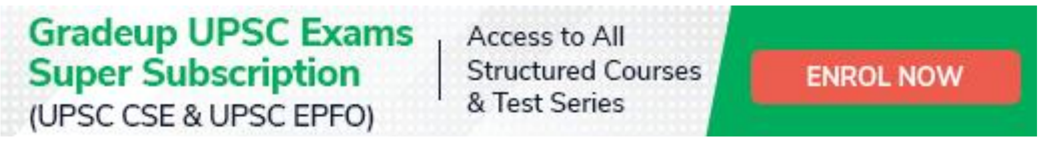

- इसे फ्रांस में 1985 में शुरू किया गया और 1987 से यूरोप में क्रियान्वित किया जा रहा है और यूरोप से बाहर के क्षेत्रों में 2001 से, जब दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हुआ था।
- दक्षिण और दक्षिणपूर्वी एशिया में जापान और दक्षिण कोरिया ही ऐसे देश हैं जिनके पास ब्लू फ्लैग समुद्री तट हैं।
- इस तरह के 566 समुद्री तटों के साथ स्पेन सबसे ऊपर है; इसके बाद क्रमशः 515 और 395 समुद्री तटों के साथ ग्रीस और फ्रांस का स्थान है।

चुनी हुई सूचना

बीईएएमएस (समुद्री तट पर्यावरण व सौंदर्य प्रबंधन सेवाएं)

- भारत ने हाल में अपना स्वयं के इको-लेबल "बीईएएमएस" (समुद्री तट पर्यावरण एवं सौंदर्य प्रबंधन सेवाएं) की एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन (आईसीजेडएम) परियोजना के अंतर्गत शुरुआत की है।
- यह आईसीजेडएम के अन्य परियोजनाओं में से एक है जोकि केंद्रीय सरकार तटीय क्षेत्रों के सतत विकास के लिए लागू कर रही है। केंद्र सकार वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त और प्रतिष्ठित इको लेबल ब्लू फ्लैग के लिए भी प्रयास कर रही है।

बीईएएमएस के बारे में

- इसे झंडे की ई-फहराने से शुरू किया गया जिसमें एक साथ आठ समुद्री तटों में "आईएमसेविंगमाईबीच" का संदेश दिया गया, जिसकी ब्लू फ्लैग के लिए इंडियन ज्यूरी फॉर कैंसीडरेशन द्वारा सिफारिश की गई।

उद्देश्य

i. तटीय जल में प्रदूषण की रोकथाम
ii. समुद्री तट सुविधाओं के सतत विकास को प्रोत्साहन
iii. तटीय पारिस्थितकीयतंत्र और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण
iv. स्थानीय प्राधिकरणों और हितधारकों को गंभीरता से चुनौती देना जिससे स्वच्छता उच्च मानदंडों के लिए प्रयास और रखरखाव किया जा सके

एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन योजना के बारे में

- यह तटों के प्रबंधन की एक प्रक्रिया है जिसमें तटीय क्षेत्र के सभी पहलुओं से संबंधित जिसमें सतटता को हासिल करने के लिए भौगोलिक और राजनीतिक सीमाएं भी शामिल हैं, के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का प्रयोग किया जाता है।
- आईसीजेडएम की संकल्पना का जन्म 1992 में रियो डि जेनेरो में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन के दौरान हुआ था।
- आईसीजेडएम के बारे में विशेष बिंदुओं को एजेंडा 21 के अंतर्गत शिखर सम्मेलन की कार्यवाहियों के दौरान तय किया गया।

क्रियान्वयन

- यह विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त परियोजना है और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- सतत तटीय प्रबंधन राष्ट्रीय केंद्र (एनसीएससीएम), चेन्नई इसको वैज्ञानिक और तकनीकी निवेश प्रदान कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस के बारे में

- प्रत्येक वर्ष यह दिवस सितंबर के तीसरे शनिवार को मनाया जाता है जोकि वाशिंगटन आधारित महासागर संरक्षण की एक पहल है। यह महासागर के स्वास्थ्य पर एक ऐच्छिक प्रयास है।
- पहला अंतरराष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस 1986 में मनाया गया था।
- 2020 में, यह दिवस 19 सितंबर को मनाया गया।
- इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस 2020 की थीमः "अचीविंग एक ट्रैश फ्री कोस्टलाइन" थी।
- इस दिवस का उद्देश्य महासागरों, तटीय रेखाओं पर और समुद्री तटों पर गंदगी के नकारात्मक प्रभावों और संग्रहण के बारे में लोगों को जागरूक करना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिन्दू

फर्री पुस इल्लियां और मर्डर बर्र

ख़बर में क्यों?

- हाल में, वर्जीनिया, वाशिंगटन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने राज्य को फर्री पुस इल्लियों और मर्डर बर्र के बारे में चेतावनी दी।

फर्री पुस इल्लियों के बारे में

- फर्री पुस इल्लियों का नामकरण कम घातक घर की बिल्ली के नाम पर किया गया है। यह अपने लार्वा चरण में दक्षिणी फ्लेन्नेल कीट है।
- विशेषज्ञों के अनुसार, बदलाव केबाद, कीट किसी तरह का खतरा नहीं है।
- बालों की टोपी से समानता रखने वाला यह इल्ली संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने प्रकार की सबसे जहरीली है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

आवास

- यह इल्ली जोकि मुख्य रूप से ओक और अन्य पत्तियों पर जिंदा रहती है, टैक्सास और मिस्सौरी जैसे दक्षिणी राज्यों में पार्कों और पास की संरचनाओं में सामान्य रूप से पाई जाती है।

मर्डर बर्र के बारे में

- यह दुनिया का सबसे बड़ा भिड़ है, जिसे एशियन जाइंट हॉर्नेट भी कहा जाता है।
- यह समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय पूर्वी एशिया, दक्षिण एशिया, मुख्य भूमि दक्षिणपूर्व एशिया और रूसी सुदूर पूर्व के भागों का रहने वाला है।
- यह मधुमक्खियों को निर्ममतापूर्वक फाड़ने और उनके छत्ते को बर्बाद करने के लिए कुख्यात है।
- हालांकि, यह मानवों के लिए भी खतरा है।
- इनके खतरनाक डंक ऐसा जहर शरीर में प्रवेश कराते हैं जिससे पूरी दुनिया में सैकड़ों लोग मर चुके हैं।
- नेशनल ज्योग्राफिक के अनुसार, अकेले चीनी प्रांत में 42 लोग 2013 में मरे थे जिसका कारण मर्डर बर्र की जनसंख्या में वृद्धि थी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

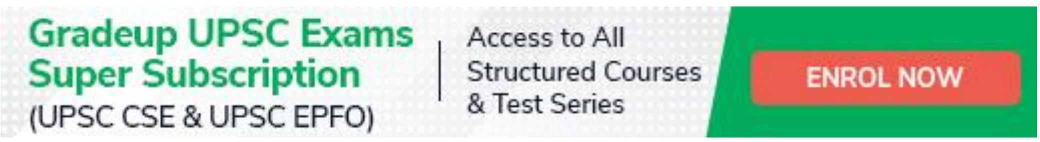

इंडिया एनर्जी मॉडलिंग फोरम

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **नीति आयोग** और **अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिकी एजेंसी (USAID)** द्वारा **अमेरिका-भारत रणनीतिक ऊर्जा भागीदारी** के तहत संयुक्त रूप से **इंडिया एनर्जी मॉडलिंग फोरम (IEMF)** की शुरुआत की गई है।

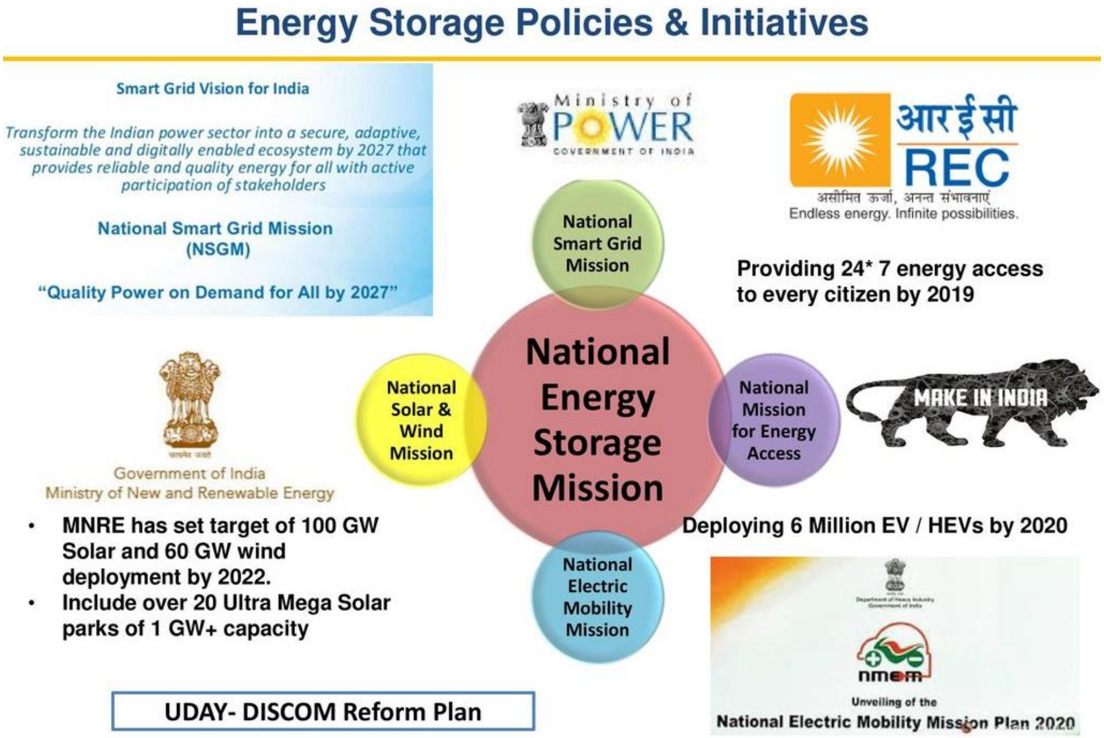

इंडिया एनर्जी मॉडलिंग फोरम के बारे में

- इंडिया एनर्जी मॉडलिंग फ़ोरम का **उद्देश्य भारतीय शोधकर्ताओं,** ज्ञान साझेदारों, **थिंक टैंकों और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरकारी** एजेंसियों और **विभागों को मॉडलिंग और दीर्घकालिक ऊर्जा नियोजन में शामिल करना है।**

IEMF की शासी संरचना में शामिल होगा

a) अंतर-मंत्रालयी

b) संचालन समिति

अंतर-मंत्रालयी समिति के बारे में

- यह **समिति अध्ययन / मॉडलिंग** गतिविधियों की **समीक्षा करेगी** और **दिशा और अनुसंधान के नए क्षेत्र** प्रदान करेगी।

संचालन समिति के बारे में

- यह समिति **अध्ययन के लिए उठाए** जाने वाले **नीतिगत मुद्दों** को **चिह्नित** करेगी **और विशिष्ट अध्ययनों** / मॉडलिंग अभ्यासों के **आधार पर** विभिन्न **कार्यक्षेत्रों का निर्माण** कर सकती है।
- इस समिति के संयोजक का चयन दो साल के लिए बारी-बारी से किया जाएगा और अंतर-मंत्रालयी और संचालन समितियों और कार्य समूहों / कार्यबल के बीच इंटरफेस के रूप में कार्य करेगा।
- **प्रयास समूह, पुणे** इस संयोजक समिति का पहला संयोजक होगा।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

इंडिया ऊर्जा मॉडलिंग फोरम के बारे में

- यह संयुक्त रूप से **नीति आयोग और अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिकी एजेंसी (USAID)** द्वारा अमेरिका-भारत रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी के तहत लॉन्च किया गया है ।

रचना

- फोरम में ज्ञान साझेदार, डेटा एजेंसियां और संबंधित सरकारी मंत्रालय शामिल होंगे।

लक्ष्य

- **इंडिया एनर्जी मॉडलिंग फोरम** इस प्रयास में तेजी लाएगा और **भारत सरकार** को **महत्वपूर्ण ऊर्जा और पर्यावरण** संबंधी मुद्दों की **जांच करने** और **निर्णय लेने की प्रक्रिया** को सूचित करने के लिए एक **मंच** प्रदान करने का लक्ष्य रखेगा।
- इसका **उद्देश्य** मॉडलिंग टीमों, सरकार, ज्ञान साझेदारों, फंडर्स **के** बीच **सहयोग में सुधार करना है** ; और विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा, उच्च गुणवत्ता वाले अध्ययनों का उत्पादन सुनिश्चित करना।
- यह मंच **सरकारी, औद्योगिक, विश्व विद्यालय और अन्य शोध संस्थानों में अंतराल की पहचान** में **विभिन्न स्तरों और विभिन्न क्षेत्रों में** ; और **भारतीय संस्थानों की क्षमता का निर्माण** ।

संबंधित जानकारी

एनर्जी मॉडलिंग फोरम (EMF) के बारे में

- **संयुक्त राज्य अमेरिका** में एनर्जी मॉडलिंग फ़ोरम (EMF) **की स्थापना 1976** में **स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में की** थी, जो सरकार, उद्योग, विश्वविद्यालयों और अन्य शोध संगठनों के प्रमुख मॉडलिंग विशेषज्ञों और निर्णय निर्माताओं **को जोड़ने के लिए किया गया था** ।
- **यह फोरम ऊर्जा और पर्यावरण के आसपास समकालीन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक निष्पक्ष मंच प्रदान करता है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू + आउटलुक

SILAM और ENFUSER: वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान मॉडल

खबरों में क्यों है?

- **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान मॉडल में विभिन्न परिवर्तनों जैसे **एकीकृत वायुमंडलीय संरचना मॉडलिंग प्रणाली (SILAM) और** पर्यावरण **जानकारी संलयन सेवा** (ENFUSER) को शामिल कर **वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली** को सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।
- **वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान मॉडल में ये परिवर्तन** बेहतर उत्सर्जन इनवेंट्री, भूमि उपयोग और भूमि आच्छादन और विभिन्न पर्यवेक्षण आंकड़ों के बेहतर समावेशन में सहायता करेंगे।
- **SILAM और ENFUSER को फिनिश मौसम विज्ञान संस्थान (FMI) के साथ तकनीकी सहयोग में विकसित किया गया है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

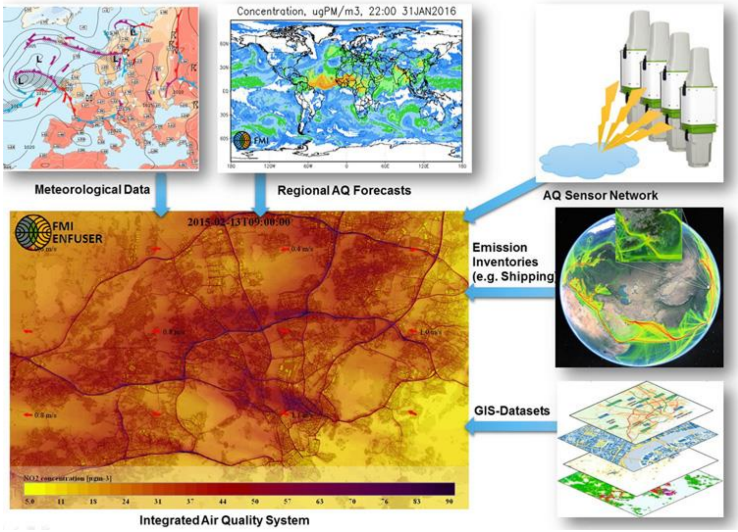

एकीकृत वायुमंडलीय संरचना मॉडलिंग प्रणाली के बारे में

- **भारत के लिए** वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान मॉडल **एकीकृत वायुमंडलीय संरचना मॉडलिंग प्रणाली (SILAM)** में **वैश्विक उत्सर्जन इन्वेंट्रीज़ CAMS-GLOB v2.1** के साथ **EDGAR v4.3.2 को 10 किमी रिज़ॉल्यूशन पर मोटे और महीन खनिज मानवजनित कणिक पदार्थ के लिए** भी क्रियान्वित किया गया है।

पर्यावरण सूचना संलयन सेवा (ENFUSER)

- यह **दिल्ली के लिए** एक बहुत उच्च रिज़ॉल्यूशन वाला शहरी पैमाना मॉडल **ENFUSER (पर्यावरण सूचना संलयन सेवा)** है जिसे **वायु प्रदूषण हॉटस्पॉट** और सड़क स्तर पर प्रदूषण की पहचान करने के लिए भी क्रियान्वित किया गया है।
- **ENFUSER की विशेषता मापन आंकड़ों** जैसे वायु गुणवत्ता पर्यवेक्षणों, सड़क नेटवर्क का विस्तृत विवरण, भवन, भूमि के उपयोग के बारे में जानकारी, उच्च रिज़ॉल्यूशन उपग्रह छवियों, जमीन से ऊंचाई और जनसंख्या आंकड़ों आदि का **इष्टतम उपयोग** है।
- ENFUSER मूल रूप **से संचालित IMD के क्षेत्रीय SILAM प्रवेश बिंदुओं को संभालता है।**
- ENFUSER के परिणामों का **मूल्यांकन उपग्रह माप और पर्यवेक्षणों के साथ किया** जा रहा है, इस मॉडल को **दिल्ली में हॉटस्पॉट पर** अच्छी तरह **से वायु प्रदूषण दर्ज करते हुए पाया गया है।**

नोट:

- वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान मॉडल **WRF-Chem** को भी वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान को बेहतर बनाने के लिए **उच्च-रिज़ॉल्यूशन भूमि उपयोग - भूमि आच्छादन जानकारी के साथ अद्यतन किया गया है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- पर्यावरण

स्रोत- PIB

जल संरक्षण का बुलढाना पैटर्न

समाचार में क्यों है?

- हाल में महाराष्ट्र के जल संरक्षण के **बुलढाना पैटर्न** ने राष्ट्रीय पहचान हासिल की और नीति आयोग इसी पर आधारित जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने जा रहा है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

जल संरक्षण के बुलढाना पैटर्न के बारे में

- यह राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण और जल संरक्षण की समतुल्यता पर आधारित है।
- **इसे सबसे पहले विदर्भ क्षेत्र के सूखाग्रस्त बुलढाना जिले** में हासिल किया गया। इसके लिए **जल निकायों, नालों और नदियों** से मिट्टी का प्रयोग किया गया।
- इससे **बुलढाना जिले के सभी जल निकायों** में जल भंडारण की क्षमता में वृद्धि हुई और इसे **बुलढाना पैटर्न** का नाम दिया गया।
- **राज्य जल ग्रिड के निर्माण** और इस पैटर्न के अंतर्गत **जल संरक्षणों को अपनाने** से **कृषि उत्पादन** में वृद्धि होगी और विदर्भ में किसानों के आर्थिक जीवन में समृद्धि पैदा होगी।

लाभ

- **महाराष्ट्र** में इस गतिविधि से, **225 लाख घन मीटर मिट्टी** का **राजमार्ग निर्माण में प्रयोग किया गया जिससे 22,500 हजार घन मीटर (टीएससी)** की जल भंडारण क्षमता की वृद्धि हुई जिसके लिए **राज्य सरकार का कोई खर्च** नहीं हुआ।
- यह उन क्षेत्रों में विशेष रूप से लाभदायक है जहां जल संकट है।

Topic- GS Paper III–Environment
Source- Indian Express

एशियाई किंग गिद्ध

समाचार में क्यों हैं?

- हाल में **सिगुर पठार** में **एशियाई किंग गिद्ध के जोड़े और बच्चे के दिखाई** देने को आशा का कारण माना जा रहा है कि इस **प्रजाति को एक बार फिर से क्षेत्र में पुनर्स्थापित किया जा सकता है।**

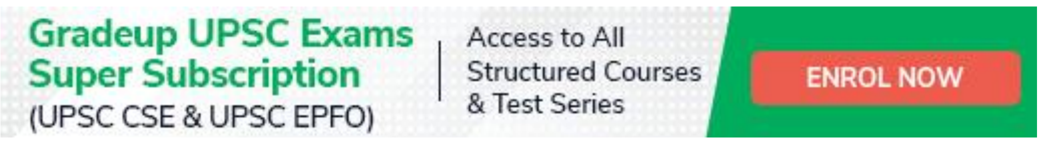

एशियाई किंग गिद्ध के बारे में

- इसे लाल सिर वाला गिद्ध, **भारतीय काला गिद्ध अथवा पांडिचेरी गिद्ध** भी कहा जाता है।
- यह **पुराने जमाने का गिद्ध** है जो मुख्य रूप से **भारतीय उपमहाद्वीप** में पाया जाता है, जिसकी **दक्षिणपूर्व एशिया** के कुछ हिस्सों में **छोटी जनसंख्या** भी पाई जाती है।

संरक्षण स्थिति

- **संकटग्रस्त प्रजातियों** की **आईयूसीएन लाल सूची में इसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त की सूची** में रखा गया है।
- यह एक **प्रवासी पक्षी** नहीं है बल्कि श्रीलंका को छोड़कर **भारतीय उपमहाद्वीप** की **निवासी प्रजाति** है।

भारत में संरक्षण के प्रयासः

- **2001 में पिंजोर, हरियाणा** में **गिद्ध देखभाल केंद्र (वीसीसी)** की स्थापना की गई।
- **पिंजोर में जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र** भारतीय गिद्ध प्रजातियों के प्रजनन और संरक्षण के लिए **राज्य की बीर शिखरगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य** में **दुनिया की सबसे बड़ी सुविधा** है।
- यह संयुक्त परियोजना है जिसे **हरियाणा सरकार** और **बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस)** द्वारा प्रबंधित किया जाता है।
- वर्तमान में, **भारत में कुल नौ गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्र** है, जिनमें से **तीन को बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी द्वारा सीधे प्रशासित** किया जाता है।
- **गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्रों (वीसीबीसी) का मुख्य उद्देश्य गिद्धों की देखभाल** करना और **बंद स्थान में उनका प्रजनन** कराना व **उन्हें जंगलों में छोड़ना है।**
- **भारत के संरक्षण प्रयास गिद्धों की तीन प्रजातियों** पर केंद्रित हैं जोकि **गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं- व्हाइट बैक्ड गिद्ध, स्लेंडर बिल्ड गिद्ध और लॉन्ग बिल्ड गिद्ध।**

Topic- GS Paper III– Environment
Source- The Hindu

पश्चिमी घाट से डायटम की सात प्रजातियों की खोज

समाचार में क्यों है?

- हाल में **भूपृष्ठीय डायटमों (ल्यूटीकोला पेगुआना) की सात नई प्रजातियों**, जो **एक प्रकार शैवाल** है, की **खोज पश्चिमी घाट के कुछ क्षेत्रों** से की गई है। यह खोज **अगारकर शोध संस्थान** (ARI) के **शहर आधारित वैज्ञानिकों** द्वारा की गई।
- यह **दो शताब्दियों में पहली बार** है कि **ल्यूटीकोला पेगुआना की खोज**, जो **1800 के आसपास बंगाल** में पाई गई थी, **पश्चिमी घाट** में की गई है।

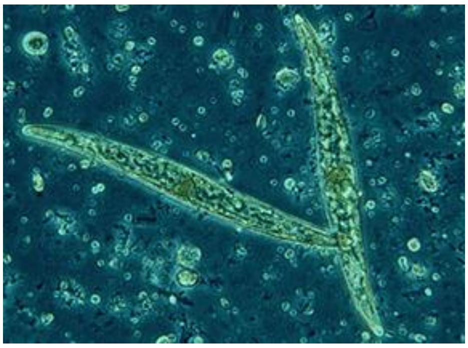

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

डायटमों के बारे में

- ये **एकल कोशिका वाले शैवाल** हैं जोकि **वैश्विक ऑक्सीजन का कुल 25%** उत्पन्न करते हैं।

वितरण

- डायटम काफी **फैले हुए समूह** हैं और **महासागरों** में, ताजे जल में, मिट्टी में और गीले तलों में पाये जा सकते हैं।
- **पोषक तत्वों से भरपूर तटीय जलों** और **महासागरीय बसंत ऋतु** में ये **पादप प्लवक के प्रमुख घटक** में से एक हैं, क्योंकि ये **पादप प्लवकों के अन्य समूहों** से **ज्यादा तीव्रता से विभाजित** हो सकते हैं।

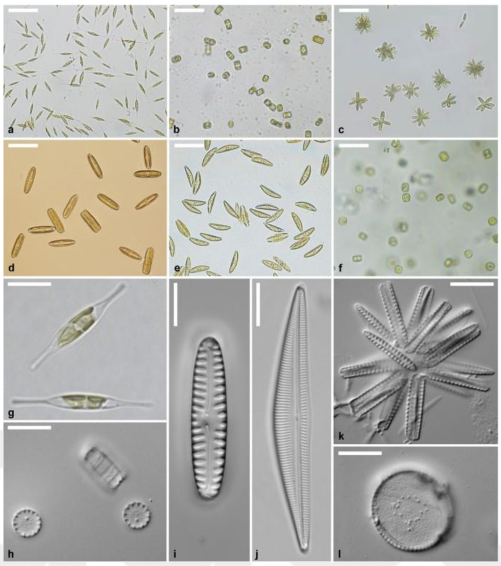

विशेषताएं

- ये इस **ग्रह के अकेले जीव** हैं जिनकी **कोशिका भित्तियां पारदर्शी, दूधिया सिलिका** की बनी होती है।
- डायटमों में **प्रकाश का अवशोषण करने वाले अणु (क्लोरोफिल** a **और** c) होते हैं जो **सूर्य** से ऊर्जा संचित करते हैं और प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के द्वारा इसे **रसायनिक ऊर्जा में परिवर्तित** कर देते हैं।

डायटम लंबी ऋंखला की वसीय अम्लों का उत्पादन करते हैं

- **डायटम** ऊर्जा से **भरपूर अणुओं के महत्वपूर्ण स्रोत** होते हैं जोकि **पूरी भोजन ऋंखला** के लिए भोजन होते हैं, जिनमें प्राणिप्लवक से लेकर जलीय कीड़े, मछली से व्हेल तक सभी शामिल होते हैं।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण

- **डायटम** हमारे द्वारा **अंदर ली गई 50% वायु** का उत्पादन करते हैं।
- डायटम वायुमंडल से **कार्बन डाईऑक्साइड को हटाते** हैं जिसके लिए वे **कार्बन स्थिरीकरण** का प्रयोग करते हैं।
- Co_2 कार्बनिक कार्बन में **शर्करा** के रूप में परिवर्तित हो जाती है और **ऑक्सीजन** निकलती है।
- डायटम जिस जल में रहते हैं उसके बारे में काफी **संवेदनशील** होते हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- उदाहरण के लिए, **प्रजातियों की पीएच** और **खारेपन** की विशिष्ट सीमाएं होती हैं जहां वे वृद्धि करती हैं।
- डायटमों के अंदर अन्य **पर्यावरणीय चरों** के लिए भी **सीमाएं और सहिष्णुताएं** होती हैं जिसमें पोषक सांद्रता, निलंबित तलछट, प्रवाह, ऊंचाई और अन्य प्रकार के मानव अशांति शामिल हैं।
- इसके परिणामस्वरूप, **डायटम जलों के आकलन** और **जैविक स्थिति की निगरानी** के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

नोटः

- डायटम का अध्ययन फाइकोलॉजी की एक शाखा है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

नीलगिरि हाथी गलियारा

समाचार में क्यों है?

- हाल में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **मद्रास उच्च न्यायालय के 2011 के नीलगिरि हाथी गलियारे** के बारे में उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें **जानवरों** के यहां से निकलने के अधिकार की पुष्टि की गई थी और क्षेत्र में **रिजॉर्ट को बंद करने का आदेश** दिया गया था।

संबंधित सूचना

- **मद्रास उच्च न्यायालय** ने **जुलाई 2011** में घोषणा की थी कि **तमिलनाडु सरकार केंद्र सरकार की** '**हाथी परियोजना**' और साथ ही **संविधान के अनुच्छेद** 51A (g) के अंतर्गत पूरी तरह से सशक्त है कि वह **राज्य के नीलगिरि जिले** में हाथी गलियारे को अधिसूचित करे।
- हाथी गलियारा नीलगिरि जिले के **मुडुमलाई राष्ट्रीय पार्क** के पास **मसिनागुड़ी क्षेत्र** में स्थित है।

हाथी परियोजना के बारे में

- **हाथी परियोजना** (PE) भारत सरकार द्वारा वर्ष **1992** में **केंद्रीय प्रायोजित योजना** के रूप में शुरू की गई थी।
- यह राज्यों द्वारा उनके **वन्य एशियाई हाथियों की खुली जनसंख्या** के **वन्यजीव प्रबंधन** प्रयासों को **वित्तीय और तकनीकी** समर्थन प्रदान करने में मदद देती है।
- इस परियोजना का उद्देश्य **प्राकृतिक आवासों** में **हाथियों** की जनसंख्याओं के **दीर्घावधि जीवन** को सुनिश्चित करना है जिसके लिए **हाथियों**, उनके **आवासों और प्रवसन गलियारों का संरक्षण** किया जाता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

उद्देश्य

- **हाथियों**, उनके **आवासों और गलियारों** का **संरक्षण** करना।
- **मानव-जानवर संघर्ष के मामले को सुलझाना**।
- बंधक हाथियों का कल्याण

हाथी गलियारे क्या हैं?

- हाथी गलियारे **भूमि के संकीर्ण टुकड़े** होते हैं जोकि **हाथियों के दो आवासों को जोड़ते हैं**।
- हाथी गलियारे **जानवरों की मौत को रोकने के लिए अहम** हैं जोकि दुर्घटनाओं और अन्य कारणों से होते हैं।
- इसलिए, **वनों को टुकड़ों में बांटने** से **प्रवसन गलियारों का संरक्षण** और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

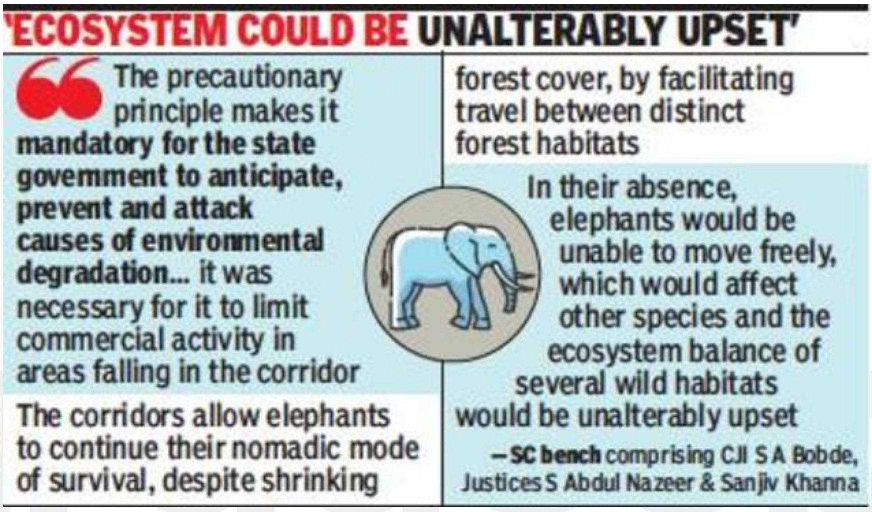

मुडुमलाई राष्ट्रीय पार्क के बारे में

- यह एक **घोषित बाघ रिजर्व** है जोकि **नीलगिरि पहाड़ी के उत्तरपूर्व** में अथवा **ब्लू पहाड़ी** में स्थित है।
- यह **नीलगिरि जिले** में है और **केरल और कर्नाटक के साथ सीमा** साझा करता है।
- इस पार्क में **कई संकटग्रस्त प्रजातियां** जैसे **बंगाल टाइगर**, लांग बिल्ड गिद्ध, व्हाइट रम्प्ड गिद्ध, भारतीय तेंदुआ, भारतीय हाथी और अन्य जानवर निवास करते हैं।
- पार्क के साथ का **पश्चिमी घाट क्षेत्र** को **यूनेस्को विरासत स्थल के रूप में मान्यता** देने के बारे में विचार कर रहा है।
- यह **पश्चिमी घाट को पूर्वी घाट** से जोड़ता है और यह **भूमि विविधता में धनी** है।
- **पार्क का उत्तरी हिस्सा** जोकि **कर्नाटक के शासन** के अंतर्गत है, को **बांदीपुर राष्ट्रीय अभ्यारण्य** कहते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

चौथा भारत ऊर्जा मंच

समाचार में क्यों है?

- हाल में **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** ने विडियो कांफ्रेंस के द्वारा **चौथे भारत ऊर्जा मंच सेरावीक** का उद्घाटन किया।
- इस संस्करण की थीम **"इंडीयाज इनर्जी फ्यूचर इन द वर्ल्ड ऑफ चेंज"** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

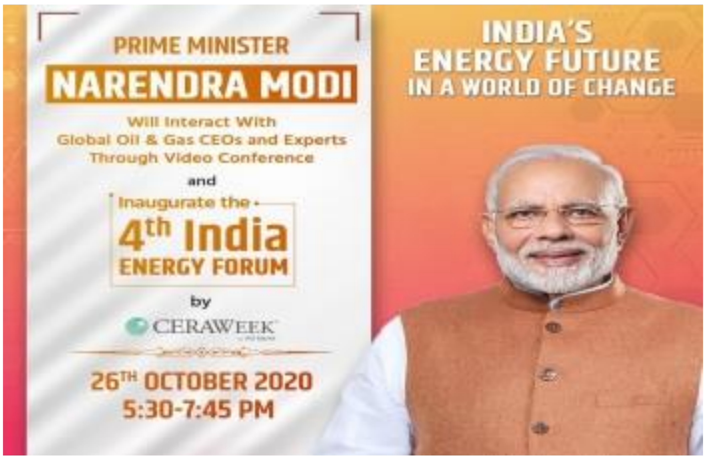

चौथे भारत ऊर्जा मंच के बारे में

- इसका **आयोजन नीति आयोग** और **पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय** द्वारा किया गया है।

उद्देश्य

- इस बैठक के **पीछे का उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं, सुधारों पर चर्चा करना** और **भारतीय तेल और गैस वैल्यू चेन** में **निवेश बढ़ाने** के लिए **रणनीतियों की सूचना** को समझने के लिए **वैश्विक प्लेटफॉर्म** प्रदान करना है।
- यह समारोह **वक्ताओं के एक अंतरराष्ट्रीय समूह** और **भारत** और **30 से ज्यादा देशों के हजारों प्रतिनिधियों के समुदाय** को बुलायेगा, जिसमें **क्षेत्रीय ऊर्जा कंपनियां**, ऊर्जा से संबंधित उद्योग, संस्थान और सरकारें शामिल होंगी।

संबंधित सूचना

भारत के ऊर्जा मानचित्र में सात प्रमुख संचालक होंगे

1. गैस आधारित अर्थव्यवस्था की उन्मुख होने के लिए हमारे प्रयासों को बढ़ाना।
2. जीवाश्मीय ईंधनों विशेष रूप से पेट्रोलियम और कोयले का स्वच्छ प्रयोग
3. जैव ईंधनों को चलाने के लिए घरेलू संसाधनों पर ज्यादा निर्भरता।
4. 2030 तक 450 गीगावाट के नवीकरणीय लक्ष्य को प्राप्त करना।
5. गतिशीलता को बिकार्बनन करने के लिए विद्युत के योगदान को बढ़ाना।
6. हाइड्रोजन सहित उभरते हुए ईंधनों को अपनाना
7. सभी ऊर्जा प्रणालियों पर डिजीटल नवाचार।

सेरावीक के बारे में

- **IHS Markit** द्वारा आयोजित **सेरावीक** विश्व का बड़ा ऊर्जा आयोजन बन गया है।
- **1983** में, **कैम्ब्रिज इनर्जी रिसर्च एसोसिएट्स (CERA)** की स्थापना **कैम्ब्रिज** में की गई थी।
- प्रत्येक वर्ष, **CERA के ग्राहक ह्यूसटन, टैक्सास** में जमा होते थे जहां वे **कार्यकारी सम्मेलन** में भाग लेते थे। इसमें अपने **समकक्षों के साथ जुड़कर ऊर्जा के भविष्य के बारे में अंतर्दृष्टि** प्राप्त होती थी।
- समय के साथ, **कार्यक्रम पांच दिनों के सूचनात्मक सत्रों** और **नेटवर्किंग अवसरों** में प्रसारित हो गया- और **सेरावीक** कहलाया।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

गिद्धों को बचाने के लिए कई विचारों के मध्य 5 राज्यों में संरक्षण केंद्र

समाचार में क्यों है?

- **वन्यजीव राष्ट्रीय बोर्ड** ने हाल में **पांच राज्यों में गिद्ध संरक्षण 2020-2025 के लिए कार्य योजना** को स्वीकृति दी है।

गिद्ध संरक्षण के लिए कार्य योजना

- **कार्य योजना** को **अक्टूबर 5, 2020 को वन्यजीव राष्ट्रीय बोर्ड (NBWL) ने स्वीकृति** दी है।
- इसके पूर्व की कार्य योजना को **तीन वर्षों के लिए 2006 में बनाया** गया था।

गिद्ध संरक्षण के लिए कार्य योजना की मुख्य बातें

- **पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु** में से प्रत्येक को एक-एक **गिद्ध संरक्षण** और प्रजनन केंद्र प्राप्त होगा।
- योजना में यह भी सुझाव दिया है कि गिद्धों पर **नई पशु चिकित्सा गैर-स्टेरॉयड एंटी इन्फ्लेमेटरी दवाओं (NSAIDS)** का परीक्षण उन्हें व्यावसायिक रूप से छोड़ने के पूर्व किया जाए।
- **NSAIDS** अक्सर **पशुओं को विषाक्त** कर देता है **जिनके शवों को पक्षी खाते** हैं।
- गिद्ध जनसंख्या विशेष रूप से **तीन जिप्स प्रजातियों** में गिरावट को रोकने के लिए **नई योजना** ने **रणनीतियों और कार्यवाहियों को तैयार** किया हैः

a. ओरिएंटल व्हाइट-बैक्ड वल्चर (जिप्स बेंगालेंसिस)
b. स्लेंडर बिल्ड वल्चर (जिप्स टेनूरोस्ट्रिस)
c. लॉन्ग बिल्ड वल्चर (जिप्स इंडीकस)

- इन **तीन गिद्ध प्रजातियों को IUCN** द्वारा **2000 में 'गंभीर रूप से संकटग्रस्त'** के रूप में अधिसूचित किया गया है, जोकि **संकटग्रस्त होने की सबसे ऊंची श्रेणी** है।
- इसे दोनों ही **एक्स सीटू** और **इन सीटू संरक्षण** के द्वारा किया जाएगा।
    - **विषाक्त दवा हटाने के लिएः** पशुचिकित्सा प्रयोग से किसी दवा का स्वतः प्रणाली से हटाने के लिए यदि यह गिद्धों के लिए विषाक्त पाई जाती है, इसके लिए भारत के औषधि नियंत्रक जनरल का सहारा लिया जाएगा।
    - **बचाव केंद्रः** चार बचाव केंद्रों की पिंजोर (हरियाणा), भोपाल (मध्य प्रदेश), गुवाहाटी (असम) और हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थापना।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- वर्तमान में गिद्धों के इलाज के लिए कोई समर्पित बचाव केंद्र नहीं है।
- **गिद्ध सुरक्षा क्षेत्र:** रेड हेडेड गिद्धों और इजिप्शियन गिद्धों के संरक्षण प्रजनन के लिए और प्रत्येक राज्य में कम से कम एक गिद्ध सुरक्षा क्षेत्र की स्थापना जिससे उस राज्य में बची हुई जनसंख्या का संरक्षण हो सके।
- **गिद्धों की जनगणना के लिए:** राष्ट्रव्यापी समन्वित गिद्धों की गिनती, जिसमें वन विभाग शामिल हो, द बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, शोध संस्थान, सार्वजनिक गैर लाभकारी और सदस्य शामिल हों।
- **इससे देश में गिद्धों की जनसंख्याओं के आकार के सटीक आकलन प्राप्त होंगे।**
- **गिद्धों को खतरे पर डाटाबेस:** गिद्ध संरक्षण को उभरते हुए खतरे पर एक डाटाबेस जिसमें टकराव और बिजली में चिपकना, बिना उद्देश्य के की गई विषाक्तता शामिल हैं।

संबंधित सूचना

भारत में गिद्धों के बारे में

विश्व की 23 गिद्ध प्रजातियों में से भारत में नौ पाई जाती हैं। इसमें शामिल हैं:

प्रजातियां	IUCN स्थिति
व्हाइट रम्प्ड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
स्लेंडर बिल्ड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
लॉन्ग बिल्ड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
रेड हेडेड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
इजिप्शियन गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
इजिप्शियन गिद्ध	संकटग्रस्त
हिमालयन ग्रिफॉन	लगभग खतरे में
सिनेरियस गिद्ध	लगभग खतरे में
बियर्डेड गिद्ध	लगभग खतरे में
ग्रिफॉन गिद्ध (जिप्स फल्वस)	सबसे कम चिंता में

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

यूरोपीय संघ के पर्यावरण मंत्रियों ने मौसम कानून पर समझौता किया, 2030 के लक्ष्य को छोड़ा

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **यूरोपीय संघ (EU) के पर्यावरण मंत्रियों** ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं जिसका उद्देश्य **यूरोपीय संघ के 2050 निवल शून्य उत्सर्जनों** के लक्ष्य को देशों के लिए **कानूनी रूप से बाध्यकारी** करना है।
- हालांकि, उन्होंने नेताओं के लिए **2030 उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य पर निर्णय को छोड़** दिया है जिसपर **पिछले वर्ष दिसंबर** में चर्चा की गई थी।
- **यूरोपीय संघ का उद्देश्य 2050 तक मौसम तटस्थ** होना है- एक अर्थव्यवस्था जो **निवल शून्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** की हो।

समझौता क्या उपलब्ध कराता है?

- यह समझौता **2050 तक निवल शून्य उत्सर्जनों तक पहुँचने** के **यूरोपीय संघ के लक्ष्य** को कानून के रूप में परिवर्तित करेगा। साथ ही मौसम लक्ष्यों की ओर **प्रगति की समीक्षा के नियमों** को व्याख्या भी करेगा।
- यह कानून यूरोपीय संघ को **कार्य करने की कानूनी संभावना** उपलब्ध कराएगा जब वे लोग जिन्होंने वादा किया और वे वादा नहीं निभा रहे हैं।

संबंधित सूचना

- हाल में **राष्ट्रपति शी जिनपिंग** ने घोषणा की है कि **चीन 2060 तक कार्बन निवल शून्य** हो जाएगा और उन्होंने **सर्वोच्च उत्सर्जनों तक पहुँचने की समयसीमा को अग्रिम** कर दिया है।

चीन के वादे का महत्वः

- **चीन दुनिया में ग्रीनहाउस गैसों का सबसे बड़ा उत्सर्जक** है।
- वह कुल **वैश्विक उतर्जन का लगभग 30%** करता है, जोकि **संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और भारत** के संयुक्त उत्सर्जनों से ज्यादा है, ये **तीनों चीन के बाद तीन सबसे बड़े उत्सर्जक** हैं।
- चीन का **निवल शून्य लक्ष्यों** का वादा एक बड़ी सफलता है, विशेष रूप से क्योंकि देश इस तरह के **दीर्घावधि के वादे** को करने में हिचकिचा रहे हैं।
- **क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर**, एक **वैश्विक समूह** के अनुसार, जो देशों द्वारा की गई **कार्यवाहियों पर वैज्ञानिक विश्लेषण** प्रस्तुत करती है, **चीनी लक्ष्य**, यदि पूरा होता है, **2100 तक वैश्विक**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

उष्णता संभावनाओं को 0.2^0 से 0.3^0 डिग्री तक नीचे करेगा, जोकि किसी भी देश द्वारा की गई **प्रभावपूर्ण एकल कार्यवाही** होगी।

नोटः

निवल शून्य उत्सर्जन

- इसका आशय उत्पादित ग्रीनहाउस गैसों और वायुमंडल से निकाली गई ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जनों के बीच में संपूर्ण संतुलन से है।

शून्य कार्बन कानून

- इसे न्यूजीलैंड द्वारा पारित किया गया था जिसका उद्देश्य 2050 तक लगभग सभी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए एक निवल शून्य लक्ष्यों को स्थापित करके मौसम परिवर्तन से निपटना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

एनिगमाचन्ना गोल्लम

समाचार में क्यों है?

- हाल में **केरल** में एक **100 मिलियन वर्ष पुरानी मछली** की खोज की गई है जिसका नामकरण **जेआरआर टॉल्किन की पौराणिक गाथा के काले और विरोधाभासी चरित्र पर आधारित मूवी 'लॉर्ड ऑफ रिंग'** पर किया गया है।

एनिगमाचन्ना गोल्लम के बारे में

- एनिगमाचन्ना गोल्लम **मछलियों की पुराने परिवार** से है, जिसे **ड्रैगन स्नेकहैड** कहा जाता है, जिसने लाखों वर्षों के बाद भी अपनी **पुरातन विशेषताओं** को बनाए रखा है।
- यह **ड्रैगन** की तरह से दिखाई देती है, और **ईल की तरह से तैरती** है और **हजारों मिलियन वर्षों** से छुपी रही है।
- **गोल्लम** के अतिरिक्त, **एक बहन प्रजाति** की भी खोज की गई है जिसे **'एनिगमाचन्ना महाबली'** नाम दिया गया है।
- **मछली के नये परिवार की खोज** काफी विरल है।
- **ड्रैगन स्नेकहैड्स** ने अभी तक वैज्ञानिकों से अपने को दूर रखा था क्योंकि वे **भूमिगत जलवाही स्तर** में रहती रही है और केवल **वर्षा से होने वाली भारी बाढ़ के बाद ही तल** पर आती हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **एनिमाचन्निडेई परिवार** की सबसे **करीबी संबंधी चान्निडेई** है, जिसमें से **लगभग 50 प्रजातियां एशिया और उष्णकटिबंधीय अफ्रीका की धाराओं और झीलों** में पाई जा सकती हैं।
- अणु विश्लेषण के अनुसार, दोनों परिवार लगभग **34 मिलियन से 109 मिलियन वर्ष पूर्व** आपस में अलग हुए थे।
- इस परिवार में आंखें होती हैं और **लाल-भूरा रंग** होता है जोकि काफी असाधारण है क्योंकि **ज्यादातर भूमिगत मछलियां** पीली और उनकी आंखें नहीं होती हैं।

भूवैज्ञानिक महत्व

- यह इंगित कर सकता है कि **एनिगमाचन्ना का गोंडवाना वंश** है, जिसने **सुपर महाद्वीप के टूटने के बावजूद अपने वजूद को बचाए** रखा है, यह वह काल था जब लगभग **120 मिलियन वर्ष पूर्व भारत अफ्रीका से अलग** हुआ था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

इचिनॉप्स साह्यड्रिकस

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **मुंबई के एक छात्र** ने **कामेरिनो विश्वविद्यालय, इटली के शोधकर्ताओं** और **बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS)** के साथ सहयोग करके **इचिनॉप्स साह्यड्रिकस** की एक नई प्रजाति की खोज की।

इचिनॉप्स साह्यड्रिकस के बारे में

- इसका सामान्य नाम **साह्यद्रि ग्लोब थिस्टेल** है।
- नई प्रजाति इचिनॉप्स साह्यड्रिकस की खोज और विवरण **साह्यद्रि पहाड़ियों** में **राजगढ़ किले** से किया गया।
- यह **महाराष्ट्र राज्य की स्थानिक** है और शायद **पश्चिमी महाराष्ट्र** में कुछ **ऊंचे पहाड़ी की चोटियों** तक ही सीमित है।

खास विशेषताएं

- नई प्रजाति अनूठी है क्योंकि इसके संयुक्त बढ़ाव का आकार जोकि व्यास में 9 सेमी. तक है, अन्य इचिनॉप्स प्रजातियों से तुलना में बड़ा होता है जोकि पूरी दुनिया में पाई जाती हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **टैक्सा की सबसे बड़ी संख्या (76) ईरानी पठार** में सीमित है और **महाराष्ट्र में दो** सहित **पांच प्रजातियां भारत में पाई जाती** हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

ग्रीन इनीशिएटिव

समाचार में क्यों है?

- हाल में **NTPC लि.** ने **जापानी सरकार के वित्तीय संस्थान** के साथ **विदेशी मुद्रा ऋण समझौता** किया है जोकि ग्रीन इनीशिएटिव के अंतर्गत **JPY 50 बिलियन** का है।
- इस **ऋण का उद्देश्य NTPC** को **सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाओं के लिए आवश्यक कोषों** को उपलब्ध कराना है, साथ ही **ग्रीन ऑपरेशंस के हिस्से के रूप** में भारत में **पर्यावरणीय उपकरण की स्थापना** करना भी है।

ग्रीन इनीशिएटिव के बारे में

- यह **अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए जापान बैंक (JBIC)** की पहल है।
- इसके अंतर्गत, **पहल को समर्थन** देने के लिए जिसे **GREEN (ग्लोबल एक्शन फॉर रिकन्साइलिंग इकोनॉमिक ग्रोथ एवं इन्वायरमेंटल प्रिजर्वेशन)** भी कहा जाता है; JBIC ने वैश्विक पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए परियोजनाओं का वित्त पोषण किया है।
- यह उन परियोजनाओं को सहायता देता है जो बड़ी मात्रा में **ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम** करती हैं- साथ ही यह पूरे विश्व में **जापान की एडवांस्ड पर्यावरणीय तकनीकों का प्रचार** भी करता है।
- यह **विभिन्न वित्तीय उपकरणों** को भी उपलब्ध करा रहा है जिससे **जापान की एडवांस्ड पर्यावरणीय तकनीकों को विदेशों में स्थापित** किया जा सके।
- **GREEN परियोजनाओं** में शामिल हैं एडवांस्ड पर्यावरणीय तकनीकों का प्रयोग करके **फोटोवोल्टिक उत्पादन सुविधाओं का विकास** करना। साथ ही **उच्च ऊर्जा सामर्थ्य वाले ऊर्जा संयंत्रों** का विकास करना भी है। साथ ही **वैश्विक पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद** देने के उद्देश्य से **ऊर्जा बचाने वाले उपकरणों की स्थापना** करना।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-III- पर्यावरण

स्रोत-PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

केंद्र ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रदूषण से निपटने के लिए आयोग की स्थापना की

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्र** ने हाल में एक **स्थाई निकाय- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और जुड़े हुए क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एक आयोग** की स्थापना की है। इसके लिए **22 वर्ष पुराने पर्यावरणीय प्रदूषण (बचाव एवं नियंत्रण) प्राधिकरण** को भंग कर दिया गया है जो अबतक **दिल्ली में वायु प्रदूषण** से निपटता था।
- सर्वशक्तिमान निकाय के कार्यक्षेत्र में **दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा** और **उत्तर प्रदेश** शामिल हैं जिसके पास **राज्यों के मध्य समन्वय** के लिए काफी शक्तियां हैं। जैसे वह **वायु प्रदूषण** से निपटने के लिए **रु. 1 करोड़ का अर्थदंड अथवा पांच वर्ष तक का कारावास** देने का अधिकारी है।

आयोग के बारे में

- आयोग के **प्रभावी होने के पूर्व** इसे **सर्वोच्च न्यायालय** के **औपचारिक अवलोकन** की प्रतीक्षा है।

सदस्य

- पैनल में **कम से कम छह स्थाई सदस्य** शामिल होंगे और इसका **मुखिया केंद्र सरकार का पूर्व या वर्तमान सचिव,** अथवा **राज्य सरकार का मुख्य सचिव** होगा।
- इसके **मंत्रालय से सदस्य** होंगे, साथ-साथ **राज्यों से प्रतिनिधि** भी होंगे।

उन्हें कहां से शक्ति मिलती है?

- **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड** और उसकी **राज्य शाखाओं** को **वायु, जल और भूमि प्रदूषण** के लिए **पर्यावरण (संरक्षण) कानून के प्रावधानों** के क्रियान्वयन का अधिकार है।
- **विवाद के मामले में या न्यायाधिकार पर विवाद** होने पर, आयोग का प्रादेश लागू होगा, विशेष रूप से **वायु प्रदूषण से संबंधित मामलों** में।

नियमों का प्रवर्तन

- आयोग को **कड़े क्रियान्वयन** के लिए **विशेष जांच समूहों के गठन का अधिकार** दिया जाएगा, लेकिन **अध्यादेश के पत्र में ऐसा कोई विवरण** नहीं है।
- EPCA के पास भी लगभग समान शक्तियां लेकिन **वायु को स्वच्छ रखने में बुरी तरह से असफल** रहा है जबकि यह **पिछले 20 वर्षों से ज्यादा से शक्ति** में है।

संबंधित सूचना

पर्यावरण प्रदूषण (बचाव एवं नियंत्रण) प्राधिकरण

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसका **गठन पर्यावरण (संरक्षण) कानून, 1986** के प्रावधानों के तहत **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र** में **पर्यावरण के संरक्षण और उसकी गुणवत्ता को सुधारने** के उद्देश्य से और **पर्यावरणीय प्रदूषण को रोकने** और नियंत्रित करने के लिए की गई थी।
- **EPCA** के पास **प्रदूषण स्तरों** के अनुसार शहर में **ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP)** को लागू करने का भी शासनादेश है।
- **EPCA क्यों प्राधिकरण** है, और केवल एक **परामर्शदात्री समिति** ही क्यों नहीं है, ऐसे इसलिए है क्योंकि इसके पास **केंद्र के समान शक्तियां** हैं।

शक्तियाँ

- **EPCA को स्वप्रेरणा** से साथ ही किसी **व्यक्ति**, **प्रतिनिधि निकाय** अथवा **पर्यावरणीय मामले के क्षेत्र** में कार्य कर रहे **संगठन द्वारा की गई शिकायत के आधार पर** कार्यवाही करने का अधिकार है।
- **EPCA की सबसे महत्वपूर्ण शक्तियों** में से एक **शिकायतों के द्वारा मामले का निपटारा** करना है।

पुनर्गठन

- EPCA के **पुराने कार्यकाल के 2018** में पूरे होने पर इसका **20 सदस्यों के साथ पुनर्गठन** किया गया था।
- इसके सदस्यों में **टाटा ऊर्जा शोध संस्थान (TERI) के महानिदेशक**; ऊर्जा, **पर्यावरण और जल केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी; AIIMS के सर्जरी के पूर्व प्रोफेसर** शामिल हैं।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार द्वारा लिये गये प्रमुख उपाय

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान

- इस **कार्ययोजना** की स्वीकृति **सर्वोच्च न्यायालय ने 2016** में दी थी और **दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के लिए इसे 2017 में अधिसूचित** किया गया था।
- इस **योजना** को **राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों** के साथ **पर्यावरण प्रदूषण (बचाव एवं नियंत्रण) प्राधिकरण (EPCA)** की कई बैठकों के बाद **तैयार किया गया** था।
- **GRAP** में वे उपाय शामिल हैं जिन्हें **विभिन्न सरकारी एजेंसियां दिल्ली-NCR में वायु गुणवत्ता के खराब होने से रोकेंगी** और **PM10 और PM2.5 स्तरों** को **मध्यम राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) श्रेणी** के बाहर जाने से रोकेंगी।
- यदि वायु गुणवत्ता **गंभीर+ चरण** तक पहुँच जाती है, **GRAP के अंतर्गत प्रतियुत्तर में चरम उपाय** जैसे **विद्यालयों को बंद करना** और **ऑड-ईवन रोड स्पेस राशनिंग योजना** शामिल हैं।
- यह योजना **दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों)** में **13 विभिन्न एजेंसियों** के मध्य **कार्यवाही और समन्वय की अपेक्षा** करता है।

टर्बो हैप्पी सीडर

- **किसानों को टर्बो हैप्पी सीडर (THS) खरीदने** के लिए **सब्सिडी दी जा रही** हैं, यह एक **मशीन है जिसे ट्रैक्टर पर चढ़ाया जाता** है जो **चारे को काटती है** जिससे **चारे को जलाने को कम** किया जा सके।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

BS-VI को लागू करना

- **BS-VI वाहनों के आने से इलेक्ट्रिक वाहनों** का रास्ता प्रशस्त हुआ है, **ऑड-ईवन आपातकालीन उपाय** लागू हुआ है और **पूर्वी और पश्चिमी पेरीफेरल एक्सप्रेसवे के निर्माण** से वाहनों का प्रदूषण कम हुआ है।

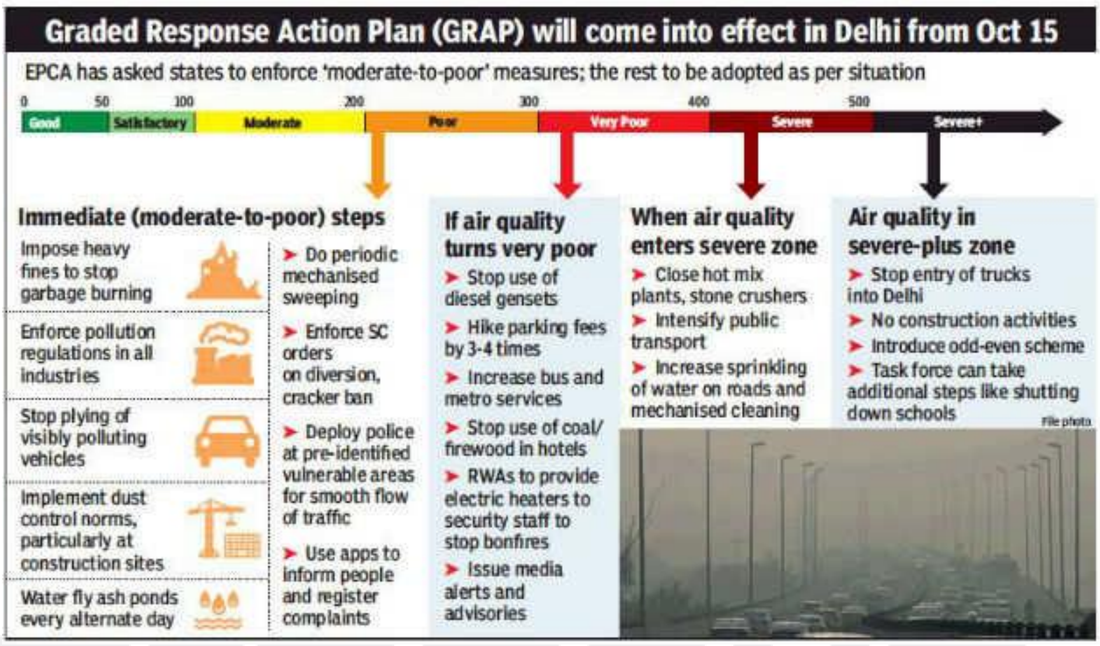

<u>राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का विकास</u>

- यह **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB)** के अंतर्गत **सूचना उपलब्ध** कराता है।
- **वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)** का **विकास आठ प्रदूषकों के** लिए किया गया है अर्थात **PM2.5, PM10, अमोनिया, लेड, नाइट्रोजन ऑक्साइड्स, सल्फर डाईऑक्साइड, ओजोन और कार्बन मोनोऑक्साइड।**

विषय- सामान्य अध्ययन III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

<u>ग्रीन दिल्ली एप</u>

ख़बरों में क्यों है?

- हाल में **दिल्ली के मुख्यमंत्री** ने **ग्रीन देहली नामक एप की शुरुआत** की है जो **नागरिकों की भागीदारी** सुनिश्चित करेगा और **प्रदूषण के खिलाफ सरकारी लड़ाई** में **समय पर कार्यवाही को सुनिश्चित** करेगा।

ग्रीन दिल्ली एप के बारे में

- यह **एप नागरिकों को शिकायत दर्ज कराने**, प्रदूषण स्रोतों और प्रतिप्रदूषण नियमों के उल्लंघन को रिपोर्ट करने में **सक्षम** बनाता है।
- नागरिक प्रदूषण के **स्थानीय कारणों** जैसे **कचरे को जलाने, औद्योगिक प्रदूषण** और अन्य के अतिरिक्त निर्माण धूल की **फोटो, वीडियो और ऑडियो** ले सकते हैं और एप में अपलोड कर सकते हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **शिकायतों की निगरानी करने** के लिए **ग्रीन मार्शलों** को तैनात किया गया है।

विभिन्न विभाग का समन्वय

- लगभग **21 विभाग** जिसमें **नागरिक निकाय, DDA, DJB, दिल्ली पुलिस, DSIDC, दिल्ली सरकार के विभाग** शामिल हैं, को एप से जोड़ा गया है और प्रत्येक विभाग का **वरिष्ठ अधिकारी** के अतिरिक्त एक **नोडल अधिकारी** भी है जो कि **विभाग** से संबंधित सभी **दर्ज शिकायतों** को देखेगा।

विशेषीकृत समयसीमा

- **सभी शिकायतों का निस्तारण** समयसीमा के आधार पर किया जाएगा, विशेष रूप से **48 घंटे की विशेषीकृत समयसीमा** पर।
- यदि **शिकायतों का निस्तारण 48 घंटे** के अंदर नहीं होता है, वे **विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय** करेंगे और **शिकायतों के निस्तारण के लिए कार्य** करेंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

इथेनॉल मिलाने का पेट्रोल कार्यक्रम

खबर में क्यों है?

- **आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति** ने आने वाले शर्करा सत्र 2020-21 के लिए **इथेनॉल मिले पेट्रोल (EBP) कार्यक्रम** के अंतर्गत विभिन्न गन्ना आधारित कच्चे माल से प्राप्त **उच्च इथेनॉल मूल्य को निर्धारित** करने को स्वीकृति दे दी है।

इथेनॉल मिला पेट्रोल कार्यकम के बारे में

- इसकी **शुरुआत जनवरी 2003** में **पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस (MoP&NG) मंत्रालय** ने की थी।
- यह कार्यक्रम **अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप केंद्र शासित क्षेत्रों** को छोड़कर **पूरे देश में 1 अप्रैल, 2019** से विस्तारित कर दिया गया है।

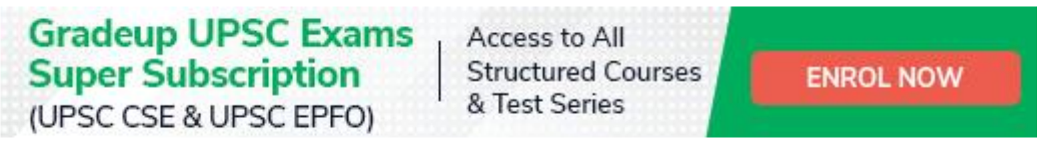

- इसका उद्देश्य मोटर स्पिरिट के साथ **इथेनॉल को मिलाना** है जिससे **प्रदूषण घट सके**, **विदेशी मुद्रा बच सके** और **शर्करा उद्योग में मूल्य वर्धन** हो सके जिससे वे **किसानों के पुराने गन्ना दामों** को निपटा सकें।

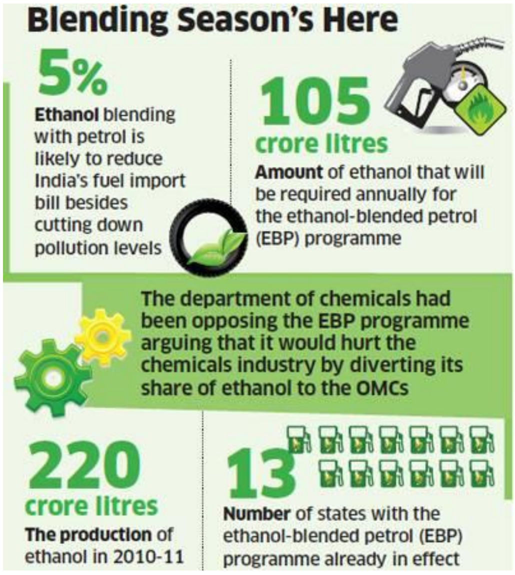

- इसका उद्देश्य **ऊर्जा जरूरतों** के लिए **आयात निर्भरता को घटाना** है और **कृषि क्षेत्र को बढ़ावा** देना है।
- **इथेनॉल को राज्य द्वारा संचालित तेल विपणन कंपनियां केंद्र के इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (EBP) कार्यक्रम** के अंतर्गत प्राप्त करती हैं और ऊंचे दामों से **शर्करा उद्योग गन्ना किसानों को भुगतान** करने में सक्षम होता है।

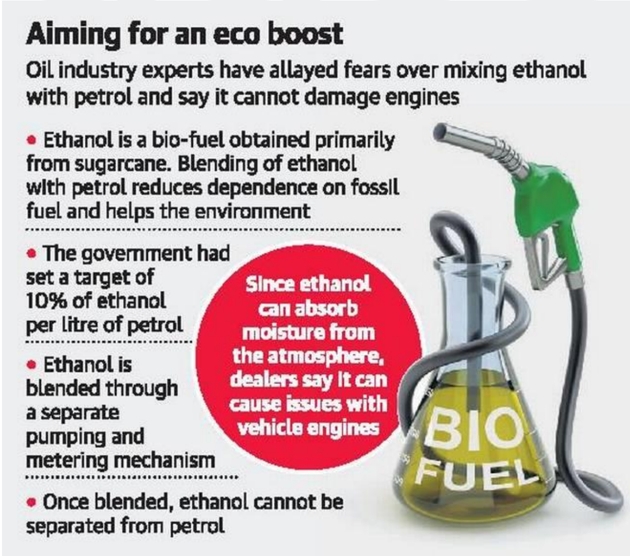

- EBP कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त इथेनॉल निम्नलिखित से प्राप्त किया जाता है-
  1) गन्ना रस/ शर्करा/ शर्करा सिरप
  2) B हैवी मोलेजेस
  3) C हैवी मोलेजेस
  4) क्षतिग्रस्त खाद्यान्न/अन्य स्रोत

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

नोटः

- सरकार का 2022 तक **इथेनॉल के साथ पेट्रोल मिश्रित** करने का **लक्ष्य 10%** और **2030** तक **लक्ष्य 20%** का है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- दि हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

भूगोल सम्बन्धी घटनाक्रम

धौलासिद्ध जल परियोजना

ख़बरों में क्यों है?

- **प्रधानमंत्री** ने **हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में 66 मेगावाट क्षमता के धौलासिद्ध जल परियोजना के निर्माण** की घोषणा की है।

धौलासिद्ध जल परियोजना के बारे में

- **यह परियोजना व्यास नदी की अश्वनाल वक्र पर प्रस्तावित है।**
- **धौलासिद्ध जल परियोजना** का यह नाम **स्थानीय देवता धौलासिद्ध पर है।**
- यह परियोजना **हमीरपुर जिले** के **नादौन उप-मंडल** में **अमली गांव** में **मंदिर के** पास **ब्यास प्रवाह पर बनाई गई है।**
- इसका **उद्देश्य** दोनों जिलों के **आसपास के क्षेत्रों** में **पनबिजली उत्पन्न करना** और **सिंचाई के लिए पानी का** उपयोग **करना है।**
- इस परियोजना की मुख्य विशेषता **इसका कंक्रीट गुरुत्व बांध होना है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - भूगोल

स्रोत- द हिंदू

नाटो प्रमुख ने नागोर्नो-करबाख युद्धविराम का आह्वाहन किया

ख़बरों में क्यों है?

- **नाटो महासचिव जेन्स स्टोलेनबर्ग** ने हाल ही में **नागोर्नो-कारबाख़ क्षेत्र में संघर्ष विराम करने के लिए कहा** क्योंकि **दक्षिण काकेशस में पृथक क्षेत्र में** संघर्ष से मरने वालों की संख्या में निरंतर इज़ाफा हो रहा है।
- इसी बीच, **तुर्की ने गठबंधन** से क्षेत्र से **अर्मेनियाई सेना की वापसी का आह्वान करने का आग्रह किया है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अजरबैजान से संबंधित है**, लेकिन **अर्मेनियाई मूल के लोगों द्वारा निवासित एवं प्रशासित है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

नागोर्नो-कारबाख़ के बारे में,

- **नार्गोनो-कारबाख़** जिसे **आर्टशाख़** के नाम से भी जाना जाता है, **दक्षिण काकेशस में, कारबाख़ पर्वत श्रेणी के मध्य** एक **भूआविष्ठ क्षेत्र है** जो **निचली कारबाख़ और जांगेज़ूर के बीच स्थित है।**
- नागोर्नो-कारबाख एक **विवादित क्षेत्र है, जिसे** अंतरराष्ट्रीय **स्तर पर अजरबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है।**
- **ज्यादातर यह आर्टशाख़ गणराज्य** (पूर्व में नागोर्नो-कारबाख़ गणराज्य [NKR] नामक) **द्वारा प्रशासित होता है**, एक **वास्तविक स्वतंत्र राज्य है जहाँ अज़रबैजान सोवियत समाजवादी गणराज्य** के **नागोर्नो-कारबाख़ स्वायत्त ओब्लास्ट** पर आधारित **अर्मेनियाई जातीय बहुमत निवास करता है।**
- **अज़रबैजान** ने सन् **1988 में कारबाख़ आंदोलन की शुरुआत से इस क्षेत्र में राजनीतिक अधिकार का प्रयोग नहीं** किया है**।**
- **1994 में नागोर्नो-कारबाख़ युद्ध** की समाप्ति के बाद से, **आर्मेनिया और अजरबैजान की सरकारों के** प्रतिनिधियों ने **क्षेत्र की विवादित स्थिति पर OSCE मिंस्क समूह** की **मध्यस्थता में** शांति वार्ता आयोजित की जा रही हैं।

संबंधित जानकारी

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन के बारे में

- यह एक **अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक और सैन्य गठबंधन है** जिसमें **उत्तरी अमेरिका और यूरोपीय देशों के 29 सदस्य देश हैं।**
- इसका मुख्यालय **ब्रुसेल्स, बेल्जियम में** स्थित है।
- **इसके प्रमुख सदस्य देश अमेरिका, कनाडा और यूरोप में अमेरिकी सहयोगी देश हैं।**
- **नाटो** इस सिद्धांत के लिए **प्रतिबद्ध** है कि **एक या उसके कई सदस्यों के खिलाफ किसी हमले को समूह पर हमला** माना जाएगा**।**
- यह **सामूहिक रक्षा** का **सिद्धांत है**, जो **वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5** में निहित है**।**

हाल में हुए परिवर्तन

- हाल ही **में नाटो सदस्य रक्षा गठबंधन की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए लंदन** में एकत्रित हुए हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

सितवे बंदरगाह

ख़बरों में क्यों है?

- **भारत और म्यांमार** ने वर्ष **2021 की पहली तिमाही में राखिने राज्य** में **सितवे बंदरगाह के संचालन** की दिशा में काम करने पर सहमति जताई है।

सितवे बंदरगाह के बारे में

- यह **भारत** द्वारा **म्यांमार में राखीन राज्य** की राजधानी **सिटवे में वर्ष 2016** में निर्मित एक **गहरे पानी वाला बंदरगाह है।**
- यह बंदरगाह **कलादान नदी के मुहाने** पर स्थित है और इसका **भारत** द्वारा **कलादान बहु-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना के एक भाग के रूप में** वित्तपोषण किया जा रहा है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

कालादान बहु-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना

- **कलादान परियोजना म्यांमार में सितवे बंदरगाह को भारत-म्यांमार सीमा से जोड़ती है।**
- यह परियोजना **भारत और म्यांमार द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य म्यांमार के पूर्वी बंदरगाहों से म्यांमार से होकर देश** के **उत्तर-पूर्वी भागों** तक **माल लदान के** लिए एक **बहु-मॉडल प्लेटफॉर्म** बनाना था।
- **म्यांमार** में, यह **सितवे बंदरगाह को कलादान नदी नावमार्ग** के माध्यम से **चिन राज्य में पेलेट्वा** को जोड़ेगा और फिर **पलेट्वा सड़क मार्ग से पूर्वोत्तर भारत में मिजोरम** राज्य को जोड़ेगा।

महत्व

- यह परियोजना **कोलकाता से सितवे तक की दूरी को** लगभग **1328 किमी कम कर** देगी।
- यह **संकरे सिलीगुड़ी गलियारे** से **माल के परिवहन** की **आवश्यकता** को भी कम करेगा जिसे **मुर्गे की गर्दन** के रूप में भी जाना जाता है।

नोट:

- भारत ने **चिन राज्य में ब्यानु/सार्सिचॉक में सीमा हाट पुल** के निर्माण के लिए दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुदान की भी घोषणा की है, जोकि मिज़रोम और म्यांमार के बीच आर्थिक संपर्कों को बढ़ाएगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - भूगोल

स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

कालेश्वरम परियोजना

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण, नई दिल्ली** ने फैसला दिया कि **दिसंबर 2017** में **कालेश्वरम परियोजना** को दी गई **पर्यावरणीय स्वीकृति** शून्य थी क्योंकि बाद में इसकी **क्षमता को बढ़ाने** के लिए तेलंगाना सरकार ने **परियोजना की डिजाइन** को बदल दिया।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना क्या है?

- **कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजनाओं** में से एक है।
- इसकी **डिजाइन तेलंगाना के 31 जिलों में से 20 जिलों** और साथ ही **हैदराबाद और सिकंदराबाद** के **45 लाख एकड़ क्षेत्र** को **सिंचाई** और **पेयजल उद्देश्यों** के लिए जल उपलब्ध कराने के लिए तैयार की गई है।
- यह **2020** के अंत तक **पूरी हो जाएगी।**

परियोजना क्यों अपरिहार्य है?

- यह **परियोजना विशिष्ट है** क्योंकि **तेलंगाना गोदावरी के साथ दो नदियों के संगम** पर जल का उपयोग करेगा जिसके लिए **जयशंकर भूपालपल्ली जिले** में **मेडिगड्डा** पर एक बैराज का निर्माण किया जाएगा और **मुख्य गोदावरी नदी** में जल को रिवर्स पंप किया जाएगा जिसे **जलाशयों, जल सुरंगों, पाइपलाइनों और नहरों की जटिल और विशाल प्रणाली में लिफ्ट और पंपों** के द्वारा मोड़ा जाएगा।
- इस परियोजना ने **विश्व की सबसे लंबी जल सुरंगों**, नहरों, भूमिगत सर्ज तालाबों और सबसे बड़े पंपों का साथ **कई रिकार्ड** स्थापित किये हैं।

संबंधित सूचना

अभियान भागीरथ

- **भागीरथ सुरक्षित पेयजल के लिए एक परियोजना** है जोकि तेलंगाना राज्य में प्रत्येक गांव और **शहरी परिवार** के लिए होगी।
- यह परियोजना **तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के मस्तिष्क की उत्पत्ति** है **जिसका उद्देश्य तेलंगाना** के शहरी और **ग्रामीण क्षेत्रों** में परिवारों को **नल के द्वारा जल** पहुँचाना है।
- यह परियोजना राज्य में सभी परिवारों को **स्वच्छ पेयजल** की आपूर्ति करेगी जिसके लिए **गोदावरी नदी और कृष्णा नदी** से जल का लाया जाएगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

थार रेगिस्तान की विलुप्त नदी

समाचार में क्यों है?

- हाल में शोधकर्ताओं ने एक **विलुप्त नदी** के साक्ष्य की खोज की है जो **बीकानेर** के निकट **केंद्रीय थार रेगिस्तान** में बहा करती थी। यह **172 हजार वर्ष पूर्व** थी, और **मानव जनसंख्या के लिए जीवन रेखा** कार्य करती रही होगी जिससे वे इस क्षेत्र में निवास के योग्य बने होंगे।

विधि का प्रयोग

- **शोधकर्ताओं ने एक विधि का प्रयोग किया जिसे संदीप्ति डेटिंग** कहते हैं। इसका प्रयोग यह समझने के लिए किया गया कि कब **क्वार्ट्ज के दाने नदी की बालू में गड़े** थे।

खोज के बारे में

- यह **खोज** केंद्रीय थार रेगिस्तान में **नाल क्वेरी** पर **नदी गतिविधि के सबसे पुराने प्रत्यक्ष** तरीके से डेटेड चरण का **प्रतिनिधि** करती है।
- अध्ययन इंगित करता है **पाषाणयुगीन जनसंख्या** पूरी तरह से अलग **थार रेगिस्तान परिदृश्य** में निवास करती थी जो आज से पूरी तरह से अलग था।
- **केंद्रीय थार रेगिस्तान** के द्वारा **बहती हुई नदी की उपस्थिति** ने **पाषाणकालीन जनसंख्या के लिए जीवन रेखा** कार्य किया होगा और साथ ही **प्रवसन के लिए एक संभावित महत्वपूर्ण गलियारे** का भी कार्य किया होगा।
- **प्रमाण** बताते हैं कि एक नदी गतिविधि के चरणों के साथ लगभग **172 हजार वर्ष पूर्व** बहती थी, जोकि **बीकानेर, राजस्थान** के पास थी, जो अब सबसे पास **आधुनिक नदी** से लगभग **200 किमी. दूर** है।
- ये खोजें **थार रेगिस्तान** के पार **आधुनिक नदी के रास्तों** में गतिविधि के प्रमाण के पूर्व की है, साथ ही **घग्गर-हकरा नदी** के सूखे हुए रास्ते भी इसमें शामिल हैं।
- ये परिणाम इंगित करते हैं कि **नाल गांव** पर सबसे **मजबूत नदी गतिविधि लगभग 172 से 140 हजार वर्ष पूर्व** हुई थी, यह वह समय था जब इस क्षेत्र में आज की तुलना में मानसून काफी कमजोर था। **नदी की गतिविधि** इस स्थल पर **95 से 78 हजार वर्ष पूर्व** तक जारी रही।

संबंधित सूचना

थार रेगिस्तान के बारे में

- **थार रेगिस्तान,** जिसे **महान भारतीय रेगिस्तान** भी कहा जाता है**, भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग** में एक विशाल बंजर क्षेत्र है और **भारत व पाकिस्तान** के मध्य एक प्राकृतिक सीमा का निर्माण करता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- थार रेगिस्तान **उत्तर-पूर्व में अरावली पहाड़ियों,** तट के साथ **ग्रेट कच्छ के रण** और **पश्चिम और उत्तर-पश्चिम** में **सिंधु नदी** के **कछारी मैदान** तक फैला है।

येलो डस्ट

समाचार में क्यों है?

- हाल में **उत्तर कोरियाई प्राधिकरणों** ने अपने **नागरिकों को घर के अंदर रहने** के लिए आगाह किया जिससे वे एक '**येलो डस्ट**' के **रहस्यमयी बादल** से **संपर्क से बच सकें**, जो **चीन से बह रही** है। यह चेतावनी भी दी गई कि यह अपने साथ **कोविड-19** भी ला सकती है।

येलो डस्ट के बारे में

- **येलो डस्ट चीन और मंगोलिया** के **रेगिस्तानों** की रेत है जिनकी **उच्च गति की सतह वायु पवन** होते हैं, जो प्रत्येक वर्ष विशेष कालों में **उत्तर और दक्षिण कोरिया दोनों** में बहती है।
- **रेत के कण** अन्य **विषाक्त पदार्थों** जैसे **औद्योगिक प्रदूषकों** से मिश्रित होने की प्रवृत्ति रखते हैं, जिसकी वजह से **'येलो डस्ट'** के बारे में कहा जाता है कि इससे कई **सांस की बीमारियां होती हैं।**
- साधारणतया, **जब धूल वायुमंडल में गैरस्वास्थ्यकारी स्तरों पर पहुँचती है, प्राधिकरण लोगों** को **घरों में रहने** और **भौतिक गतिविधि को सीमित** करने की अपील करते हैं, विशेष रूप से **भारी व्यायाम और खेलकूद**।
- कभी-कभी, जब **वायुमंडल में येलो डस्ट का जमाव** लगभग **800 माइक्रोग्राम/ घन मी. के स्तर को पार** कर जाता है, विद्यालयों को बंद कर दिया जाता है और प्रभावित क्षेत्रों में **बाहरी समारोहों को रद्द** कर दिया जाता है।

नोटः

- **संयुक्त राज्य रोग नियंत्रण केंद्रों** (CDC) का कहना है कि **कोविड-19 वायरस घंटों हवा** में रह सकता है, इसका यह भी मानना है कि **कोविड-19 संक्रमण** के लिए यह काफी असंभव है कि यह इस तरह से फैल सके, **विशेषरूप से बाहर** में।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल

स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

खादी ओआसाका

समाचार में क्यों है?

- हाल में **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** ने ओआसाका जो **मैक्सिको** में स्थित है जिसे (o-aa-ha-ka) के रूप में बोला जाता है, के बारे में संदर्भ दिया। जहां उन्होंने कहा कि **खादी का निर्माण किया जाता था** और एक कहानी बताई कि कैसे खादी **लातीन अमेरिकी देश** तक पहुँची जब एक **स्थानीय निवासी महात्मा गांधी पर** एक फिल्म से प्रभावित हुआ।

मैक्सिको की खादी ओआसाका क्या है?

- **खादी ओआसाका फार्म से गारमेंट कलेक्टिव** है जिसमें **लगभग 400 परिवार शामिल** हैं, जोकि **दक्षिणी मैक्सिको के ओआसाका क्षेत्र** में **पारंपरिक खेतों और इलाकों** में रहते और कार्य करते हैं।
- इसकी खोज मार्क **"मार्कोस" ब्राऊन एक अमेरिकी द्वारा** की गई थी जोकि **मैक्सिको** में अपनी पत्नी कालिंदी अत्तार के साथ रहता था।
- उन्होंने **उत्पादित कपास का प्रयोग** किया और उसकी **ओआसाका तट** पर खेती की। यह **रसायन मुक्त कपड़े** थे जो **स्थानीय तौर पर उगाये गये पौधे आधारित डाईयों** पर आश्रित थे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रथम प्रश्नपत्र I- भूगोल

स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams
Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All
Structured Courses
& Test Series
ENROL NOW

सुरक्षा सम्बन्धी घटनाक्रम

शौर्य मिसाइल

ख़बरों में क्यों है?

- **भारत** द्वारा **परमाणु सक्षम शौर्य मिसाइल** का **सफल परीक्षण** किया गया।

शौर्य मिसाइल के बारे में

- **शौर्य पनडुब्बी से छोड़ी जाने वाली K-15 मिसाइल के समकक्ष एक भूमि-आधारित मिसाइल है।**
- ये **बैलिस्टिक हथियार K मिसाइल परिवार** से संबंधित हैं - **जिसका नाम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पर रखा गया है, जोकि परमाणु पनडुब्बियों की अरिहंत श्रेणी से प्रक्षेपित की जाती हैं।**

मिसाइलों का K परिवार

- **मिसाइलों के K परिवार** में मुख्य रूप से **पनडुब्बी से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों (SLBMs)** आती हैं, जो **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा** स्वदेशी रूप से विकसित की गयी हैं।
- **इन नौसेना प्लेटफॉर्म से प्रक्षेपित मिसाइलों के विकास** की शुरुआत **1990 के दशक के आखिरी में हुई थी** जो **भारत के परमाणु त्रिशक्ति - भूमि, समुद्र, और हवा से परमाणु हमला करने में सक्षम - को पूरा करने की दिशा में एक कदम था।**
- क्योंकि इन **मिसाइलों को पनडुब्बियों से प्रक्षेपित किया जाता है**, इसलिए ये अपने स्थल आधारित समकक्षों; **अग्नि श्रृंखला** जो **मध्यम और अंतरमहाद्वीपीय दूरी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों** की तुलना में **हल्की, छोटी और स्टील्थ तकनीक से युक्त होती हैं।**
- यद्यपि **K परिवार मुख्य रूप से पनडुब्बी से दागी जाने वाली मिसाइल** हैं जिन्हें **भारत के अरिहंत श्रेणी के परमाणु संचालित प्लेटफार्मों** से दागा जाता है, इसके कुछ सदस्यों की स्थल और वायु संस्करण भी **DRDO द्वारा विकसित** किए गए हैं।

SLBM का सामरिक महत्व

- **पनडुब्बी** से **परमाणु हथियारों को दागे जाने में समर्थता का परमाणु त्रिशक्ति को प्राप्त करने के संदर्भ** में विशेष महत्व है, विशेषकर जब **भारत ने 'पहले प्रयोग नहीं की नीति' को अपनाया है।**
- **समुद्र आधारित परमाणु सक्षम पनडुब्बी किसी देश के दूसरे हमले की क्षमता को और बढ़ा देती है** और इस तरह **अपने परमाणु निवारण में वृद्धि करती है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- ये पनडुब्बियां न **केवल विपक्षी** द्वारा **पहले हमले** से **बच** सकती हैं, बल्कि **जवाबी हमला भी** कर सकती हैं, जिससे **विश्वसनीय परमाणु निरोध प्राप्त हो सके।**
- **2016 में शामिल हुई परमाणु संचालित अरिहंत पनडुब्बी** और उसके **वर्ग के सदस्यों, जो अभी निर्माणाधीन** हैं, **परमाणु हथियारों के साथ मिसाइल हमला करने में समर्थ हैं।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - रक्षा

स्रोत- द हिंदू

समुद्री निगरानी उपग्रहों का नक्षत्र

खबरों में क्यों ?

- हाल ही में, **हिंद महासागर क्षेत्र के** लिए **समुद्री निगरानी उपग्रहों** के **तारामंडल को भारत और फ्रांस** द्वारा **संयुक्त रूप से प्रक्षेपित** किया जाएगा।

यह समुद्री निगरानी में कैसे मदद करता है?

- ये **उपग्रह जहाजों द्वारा तेल के अवैध रिसाव का पता लगाने में** सक्षम होंगे।
- **इनका निगरानी केंद्र भारत में स्थित** होगा और **हिंद महासागर में जहाजों** की निगरानी करने के लिए **फ्रांस और भारत द्वारा संयुक्त रूप से संचालित** किया जाएगा।
- यह प्रणाली **विश्व भर में एक व्यापक क्षेत्र को शामिल करेगी**, जो फ्रांस के व्यापक आर्थिक हितों को लाभ पहुँचाएगी।
- **उपग्रहों के कुछ हिस्सों** का निर्माण **दोनों देशों से किया जाएगा** और इसका प्रक्षेपण भारत से होगा।
- **उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले प्राकृतिक संसाधन मूल्यांकन हेतु तापीय अवरक्त इमेजिंग उपग्रह (TRISHNA)** एक अत्यधिक सटीक तापीय अवरक्त पर्यवेक्षक है, भी भारत-फ्रांस उपग्रहों की टुकड़ी का एक भाग होगा।

पहली अंतरिक्ष-आधारित प्रणाली

- **2019** में, **CNES और ISRO** ने **दूरसंचार एवं रडार** तथा **प्रकाशिक दूरस्थ संवेदन उपकरणों को ले जाने के लिए उपग्रहों के समूह का विकास और निर्माण करने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई थी।**
- **भारत और फ्रांस के बीच यह समझौता दुनिया में जहाजों पर निरंतर निगरानी करने में सक्षम प्रथम अंतरिक्ष आधारित प्रणाली विकसित** करने के लिए किया गया है।

संबंधित जानकारी

उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले प्राकृतिक संसाधन मूल्यांकन हेतु तापीय अवरक्त इमेजिंग उपग्रह (TRISHNA) के बारे में,

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह **संयुक्त फ्रांस-भारत उपग्रह बेड़े** में **नवीनतम उपग्रह** होगा।
- यह **जलवायु निगरानी** और **परिचालन अनुप्रयोगों के लिए समर्पित है।**
- TRISHNA **प्रेक्षण जलचक्र की समझ** को **बढ़ाएगा** और **ग्रह के कीमती जल संसाधनों के प्रबंधन** में **सुधार लाएगा।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - रक्षा

स्रोत- द हिंदू

सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज़ ऑफ़ टॉरपीडो (SMART) तंत्र

ख़बरों में क्यों है?

- **भारत ने ओडिशा के तट से दूर व्हीलर द्वीप** से **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन** (DRDO) द्वारा विकसित एक **सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज़ ऑफ़ टॉरपीडो** (SMART) **तंत्र का उड़ान परीक्षण** सफलतापूर्वक किया।

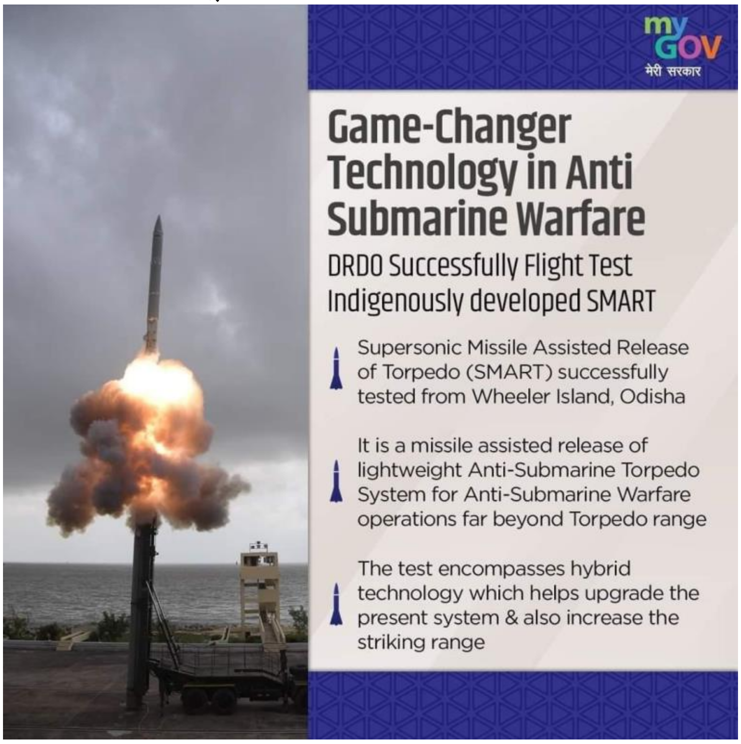

SMART प्रणाली क्या है?

- SMART **तंत्र** में एक तंत्र शामिल है जिसके द्वारा **टारपीडो को सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली** से संशोधनों के साथ **प्रक्षेपित किया** जाता है जो टारपीडो को **अपने से कहीं अधिक लंबी दूरी तक** ले जाएगा ।
- उदाहरण के लिए, **कुछ किलोमीटर की दूरी वाले** एक टारपीडो को **मिसाइल प्रणाली** द्वारा 1000 **किमी की** दूरी तक भेजा जा सकता है जहां से **टारपीडो लॉन्च किया जाता है।**
- इसे DRDL, RCI **हैदराबाद,** ADRDE **आगरा और** NSTL **विशाखापत्तनम** सहित कई DRDO **प्रयोगशालाओं** द्वारा विकसित किया गया है, जिन्होंने SMART के लिए आवश्यक तकनीकों का विकास किया है ।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **पानी के अंदर किसी लक्ष्य को भेदने के लिए चलने वाले टॉरपीडो, स्व-प्रणोदित हथियार** की सीमा सीमित होती है।
- यह प्रणाली **मिसाइल सिस्टम के प्रक्षेपण प्लेटफॉर्म के संदर्भ में** लचीलापन भी प्रदान करता है।

पृष्ठभूमि

- **वर्ष 2010** के **मध्य में, DRDO ने मिसाइलों द्वारा समर्थित टॉरपीडो प्रक्षेपित करने की क्षमता** बनाने के लिए एक परियोजना शुरू की थी।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- **SMART एंटी-सबमरीन युद्धकला** में एक युद्ध का रुख बदलने वाला तकनीकी प्रदर्शन है।
- **हिंद महासागर क्षेत्र** में **चीन के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए** भारत की **पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता का निर्माण** महत्वपूर्ण **है।**
- **पनडुब्बी प्लेटफार्मों** से **परमाणु हथियार लॉन्च करने** की **क्षमता का भारत के "पहले उपयोग नहीं करने की" नीति के** प्रकाश में **बहुत सामरिक महत्व** है।

संबंधित जानकारी

भारत द्वारा हाल ही में नौसेना की उपलब्धियाँ

शौर्य

- यह **देश में ही विकसित परमाणु सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइल है जिसकी लगभग 1,000 किमी की मारक दूरी का** सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।
- शौर्य पनडुब्बी-**प्रक्षेपित K-15 मिसाइल के समानांतर स्थल से छोड़ी जाने भूमि है ।**

K-4 मिसाइलें

- DRDO ने हाल ही में **K परिवार की K-4 मिसाइलों के दो सफल परीक्षण किए हैं।**
- **DRDO** द्वारा विकसित इस मिसाइल की **दूरी 3,500 किमी है।**
- मिसाइल को **भारत की अरिहंत श्रेणी की परमाणु पनडुब्बियों के** साथ **एकीकरण के लिए विकसित किया** जा रहा **है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

अपोज़ीशन: एक घटना जो मंगल को सबसे उज्ज्वल बना देगी

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **"अपोज़ीशन" के** रूप में संदर्भित एक घटना के कारण **, मंगल बृहस्पति** की चमक को फीका कर देगा**, और रात में आकाश** में **तीसरा सबसे चमकदार पिण्ड** (चंद्रमा और शुक्र के बाद) बन जाएगा**।**
- नासा के अनुसार, **अपोज़ीशन जो हर दो साल** और **दो महीने में घटित होती,** इस साल **13 अक्तूबर को घटित होगी,** जो कि इस ग्रह को अपना "2020 का सबसे बड़ा, आभासी आकार" प्रदान करेगी।
- **मंगल अगली** बार **8 दिसंबर 2022 को निकट आएगा।**
- **निकटतम आने का मतलब यह नहीं है कि मंगल ग्रह चंद्रमा के समान आकार का ही दिखाई देगा।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

अपोज़ीशन क्या है?

- अपोज़ीशन वह घटना है जब **सूर्य, पृथ्वी और एक बाहरी ग्रह** (इस संदर्भ में मंगल) एक पंक्ति में होते हैं, और **पृथ्वी उनके बीच में होती है।**
- **अपोज़ीशन का समय वह बिंदु है** जब कोई **बाहरी ग्रह** उस वर्ष के लिए **आम तौर पर पृथ्वी से अपनी निकटतम दूरी पर होता है** और क्योंकि यह **करीब होता है, इसलिए ग्रह आकाश में सबसे उज्जवल दिखाई देता है।**
- **यह अपोज़ीशन घटना मंगल** की कक्षा में कहीं भी हो सकती है , लेकिन जब ऐसा होता है जब ग्रह **सूर्य के सबसे करीब होता है**, तो यह **विशेष रूप से पृथ्वी के करीब** भी होता है।

अपोज़ीशन कब होता है?

- **पृथ्वी और मंगल अलग-अलग दूरी पर सूर्य की परिक्रमा** करते **हैं** (मंगल पृथ्वी की तुलना में सूर्य से अधिक दूर है और इसलिए सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा पूरी करने में अधिक समय लगाता है)।
- वास्तव में, **अपोज़ीशन** केवल उन ग्रहों के लिए हो सकता है जो पृथ्वी की तुलना में सूर्य से अधिक दूरी पर स्थित होते हैं।
- **मंगल के** मामले में**, लगभग हर दो साल में, पृथ्वी सूर्य और मंगल के बीच से गुजरती है** , यह तब होता है जब **तीनों एक सीधी रेखा में व्यवस्थित हो जाते हैं।**
- इसके अलावा, जब **पृथ्वी और मंगल सूर्य की परिक्रमा करते हैं**, तब एक बिंदु आता है, जब वे इसके **विपरीत सिरों** पर होते हैं और बहुत दूर होते हैं।
- मंगल ग्रह पृथ्वी से लगभग **400 मिलियन किमी** दूर स्थित है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

अभ्यास - सुरक्षा कवच

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **अग्निबाज़ डिवीजन ने लुलानगर, पुणे में भारतीय सेना और महाराष्ट्र पुलिस** दोनों के लिए एक **संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभ्यास सुरक्षा कवच का आयोजन किया।**

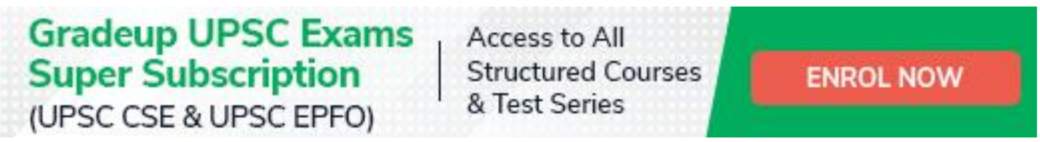

सुरक्षा कवच अभ्यास के बारे में

- **इस अभ्यास का उद्देश्य पुणे में किसी भी आतंकवादी हमलों** का सामना करने के लिए आंतकवाद रोधी त्वरित प्रतिक्रिया बल (QRT) को सक्रिय करने के लिए **दोनों सेना और पुलिस की प्रक्रियाओं को मिलाना** है।
- इस **अभ्यास में सेना की त्वरित प्रतिक्रिया टीमों, डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोजल टीमों के** साथ **आतंकवाद-रोधी दस्ते (ATS) और त्वरित प्रतिक्रिया बल की भागीदारी शामिल है।**
- इस अभ्यास ने **सेना और पुलिस दोनों के लिए सहयोग,** समन्वय, सह-संचालन और अपनी कवायद और प्रक्रियाओं को कारगर बनाने का अवसर प्रदान किया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- डीडी न्यूज़

INS सिंधुवीर

खबरों में क्यों है?

- **हाल ही में भारत म्यांमार नौसेना को रक्षा सहयोग के रूप में किलो वर्ग की पनडुब्बी INS सिंधुवीर** प्रदान करेगी।

किलो वर्ग पनडुब्बी आईएनएस सिंधुवीर के बारे में

- किलो वर्ग का तात्पर्य **डीजल-इलेक्ट्रिक हमले की पनडुब्बियों से** है जिन्हें **तत्कालीन सोवियत संघ** में डिजाइन और निर्मित किया गया था।
- यह **म्यांमार नौसेना** की **पहली पनडुब्बी** होगी।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

संबंधित जानकारी

भारत - म्यांमार रक्षा संबंध

- **समुद्री क्षेत्र** में **भारत** और **म्यांमार सहयोग म्यांमार के साथ भारत की बढ़ी हुई सहभागिता** का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है ।
- यह **भारत के SAGAR (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) दृष्टिकोण के** अनुसार है **और** सभी पड़ोसी देशों में **निर्माण क्षमताओं और आत्मनिर्भरता के** अनुरूप है।
- **म्यांमार भारत के सामरिक पड़ोसियों में से एक** है और **चरमपंथी प्रभावित नागालैंड और मणिपुर सहित कई पूर्वोत्तर सीमावर्ती राज्यों के साथ 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा** साझा करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - रक्षा

स्रोत- द हिंदू

मालाबार युद्धाभ्यास 2020

समाचार में क्यों है?

- **चीन के साथ चल रहे गतिरोध** के मध्य, **रक्षा मंत्रालय** ने हाल ही में घोषणा की कि **ऑस्ट्रेलिया मालाबार 2020 नौसैनिक अभ्यास में शामिल होगा।**
- इस वर्ष, युद्धाभ्यास को **'नॉन कॉन्टेक्ट-एट सी' प्रारूप** पर नियोजित किया गया है।
- यह युद्धाभ्यास **भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** की हमारे क्षेत्र में **शांति** और स्थिरता बनाए रखने के लिए **मिलजुलकर कार्य करने** की क्षमता को बढ़ाएगा।

मालाबार युद्धाभ्यास के बारे में

- यह **भारत, जापान** और **संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेनाओं** के मध्य **वार्षिक युद्धाभ्यास** है जो हिंद और प्रशांत महासागरों में होता है।
- **इसकी शुरुआत 1992** में **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य द्विपक्षीय युद्धाभ्यास** के रूप में हुई।
- बाद में यह **त्रिपक्षीय प्रारूप** में 2015 में **जापान के शामिल** होने के बाद **स्थाई रूप से प्रसारित** हो गई।
- **मालाबार 2019 भारत-जापान-संयुक्त राज्य अमेरिका नौसैनिक सहयोग** और **अंतर संक्रियता के उन्नयन** को और भी **मजबूत** करेगा जो साझा मूल्यों और सिद्धांतों पर आधारित है।

अन्य संबंधित युद्धाभ्यास

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

भारत और जापान के मध्य

- **भारत और जापान के सैन्य बल द्विपक्षीय युद्धाभ्यासों की श्रृंखला** का आयोजन करते हैं जिनके नाम हैं, **जिमेक्स, शिन्यू मैत्री और धर्मा गार्जियन**।

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका

- **भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यासों** का आयोजन करते हैं जिनका नाम है, **युद्ध अभ्यास**।

ऑस्ट्रेलिया और भारत के मध्य

- **भारत और ऑस्ट्रेलिया** के मध्य द्विपक्षीय युद्धाभ्यास **पिच ब्लैक और ऑउसिनडेक्स** हैं।

Topic- GS Paper III– Defence
Source- The Hindu

एंटी टैंक SANT मिसाइल

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **भारत** ने **देश में विकसित स्टैंड ऑफ एंटी टैंक** (SANT) मिसाइल का ओडीसा तट से भूमि आधारित प्लेटफार्म से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया।

एंटी टैंक मिसाइल SANT **के बारे में**

- यह **हवा से भूमि पर मार** करने वाली मिसाइल है जिसे DRDO **ने भारतीय वायुसेना के लिए विकसित** किया है।
- यह **भारत की हेलेना मिसाइल का उन्नयन** है जिसकी मार **7 से 8 किमी.** तक मानी जाती है।

- नये मिसाइल की **मार 15-20 किमी.** तक है और यह **नोज माउंटेड एक्टिव रडार सीकर से लैस** है जिससे **लांच प्लेटफार्म को सुरक्षित दूरी** पर रखा जा सके, जोकि लक्षित क्षेत्र से रक्षात्मक गोलाबारी से रक्षा करेगा।
- **SANT मिसाइल** में लांच के **पूर्व लॉक ऑन** और **लांच के बाद लॉक ऑन की क्षमता** है।
- इस मिसाइल को **लाइट** कॉम्बाट **हेलिकॉप्टर** और **एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टरों** पर बने **वास्तविक लांच प्लेटफार्म** से **परीक्षणों की श्रृंखलाओं** के बाद सेना में शामिल किया जाएगा

संबंधित सूचना

अन्य एंटी टैंक मिसाइलें

- DRDO ने **नाग रेंज** में कई **स्टेट ऑफ द आर्ट एंटी टैंक मिसाइलों** का विकास किया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इनमें शामिल हैं **प्रॉस्पिना**, जिसका प्रयोग **पैदल सेना** द्वारा किया जाता है और जिसकी **मारक क्षमता 4 किमी.** तक है।
- **मैन पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल** (MPATGM), को कंधे से छोड़ा जा सकता है।
- **हेलिना (हेलिकॉप्टर आधारित नाग) मिसाइलें**, जोकि दुश्मनों के टैंकों पर **हेलिकॉप्टर से आक्रमण** करने के लिए बनाई गई हैं।
- **नाग** भी **'फायर और फॉरगेट' मिसाइल** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

जलयान यातायात सेवाएं (VTS) और जलयान यातायात निगरानी प्रणालियां (VTMS)

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय** ने **जलयान यातायात सेवाओं** (VTS) और **जलयान यातायात निगरानी प्रणालियों** (VTMS) के लिए **डेवलपमेंट ऑफ इंडीजिनश सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन** की शुरुआत की है।

जलयान यातायात सेवाओं (VTS) **और जलयान यातायात निगरानी प्रणालियों** (VTMS) **के बारे में**

- **VTS और VTMS** ऐसे सॉफ्टवेयर हैं जोकि **जलयान की स्थिति**, अन्य **यातायात की स्थिति अथवा मौसमीय खतरों की चेतावनियों** को निर्धारित करते हैं। साथ ही **यातायात के भारी भरकम प्रबंधन** को किसी बंदरगाह अथवा जलक्षेत्र में संभालते हैं।

जलयान यातायात सेवाओं के बारे में

- **जलयान यातायात सेवाएं** (VTS) समुद्र में जीवन की सुरक्षा, नौवहन की सुरक्षा और सामर्थ्य और समुद्रीय पर्यावरण के संरक्षण में अपना योगदान देते हैं।
- VTS साथ में **लगे तटीय क्षेत्रों**, कार्य स्थलों और तट से दूर इंस्टालेशनों की **सुरक्षा समुद्रीय यातायात के संभावित गलत प्रभावों** से करते हैं।
- **जलयान यातायात प्रबंधन प्रणालियों** को दुनिया में सबसे व्यस्त जलों में स्थापित किया जाता है, और ये सुरक्षात्मक नौवहन, ज्यादा सक्षम यातायात प्रवाह और **पर्यावरण के संरक्षण** के क्षेत्र में मूल्यवान योगदान दे रहे हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- वर्तमान में, **भारत** के पास **लगभग 15** VTS **प्रणालियां** हैं जोकि **भारतीय तटों** पर कार्यरत हैं और VTS **सॉफ्टवेयर में कोई एकरूपता नहीं है क्योंकि प्रत्येक प्रणाली में अपना** VTS **सॉफ्टवेयर है।**
- VTS **सॉफ्टवेयर का देशी विकास** इस बारे में लाभ प्रदान करेगाः
    a. भारत में विभिन्न VTS के लिए विदेशी मुद्रा की बचत
    b. VTS सॉफ्टवेयर को भारत से मित्रवत व्यापारिक संबंध रखने वाले देशों को दिया जा सकता है अर्थात मालदीव्स, मॉरीशस, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश और खाड़ी के देश
    c. सॉफ्टवेयर के भविष्य में उन्नयन के लिए लाग में कमी।
    d. बंदरगाहों के MIS/ERP सॉफ्टवेयरों के साथ जोड़ना आसान होगा।
- **भारतीय VTS की उपलब्धता** भारतीय कंपनियों को वैश्विक नीलामी डालने में **व्यावसायिक रूप से प्रतियोगी** बना देगी।

जलयान यातायात निगरानी प्रणालियां (VTMS)

- VTMS **अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन** संधि SOLAS (समुद्र में जीवन की सुरक्षा) के अंतर्गत अनिवार्य है।
- VTMS **यातायात चित्र** का संकलन और **एकत्रित एक एडवांस्ड संसूचकों** जैसे रडार, AIS, दिशा खोज, CCTV और अति उच्च आवृत्ति (VHF) के द्वारा किया जाता है।
- आधुनिक VTMS सभी सूचनाओं को **एकल प्रचालक कार्यकारी पर्यावरण** में **एकीकृत** कर लेता है जिससे प्रयोग में आसानी हो और प्रभावी यातायात संगठन और संचार हो सके।

संबंधित सूचना

समुद्र में जीवन की सुरक्षा **(SOLAS)** के बारे में

- यह **अंतरराष्ट्रीय समुद्रीय संधि** है जो हस्ताक्षर करने वाले देशों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहती है कि **जलयान प्रचालन**, उपकर और निर्माण के **न्यूनतम सुरक्षा मानकों** को पूरा करें।
- इसका जन्म **1914 में** RMS **टाइटेनिक** के डूबने के बाद हुआ था।
- इस **संधि** के तीसरे प्रकार को **1960 में अपनाया** गया और यह **1965 में लागू** की गई।
- इसमें कई अध्याय हैं जोकि **जहाज निर्माण, सुरक्षा, माल परिवहन** और **अंतरराष्ट्रीय जहाज और बंदरगाह सुविध सुरक्षा संहिता** से संबंधित हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह **फ्लैग जलयानों के लिए अंतरराष्ट्रीय समुद्रीय सुरक्षा** उपलब्ध कराती है जिन्हें निर्माण, उपकरण और प्रचालन के संदर्भ में न्यूनतम सुरक्षा मानकों पर खरा उतरना होता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- PIB

आईएनएस कावारत्ती

समाचार में क्यों है?

- **स्वदेशी निर्मित एंटी-सबमरीन वारफेयर** (ASW) **स्टील्थ कोरवेट्स "आईएनएस कावारत्ती"** के **चार में से आखिरी** को 22 अक्टूबर 20 को भारतीय नौसेना में शामिल करने की योजना है। इसका निर्माण **परियोजना 28 (कामोर्ता क्लास)** के अंतर्गत किया गया है।

परियोजना 28 (कामोर्ता क्लास) के बारे में

- परियोजना 28 एक परियोजना है जिसके अंतर्गत **चार एंटी सबमरीन लड़ाकू जलपोतों** को **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स और इंजीनियर्स** (GRSE), **कोलकाता** के द्वारा **भारत में स्वदेशी रूप से निर्मित** किया जाना है।
- परियोजना 28 को **2003 में स्वीकृति** दी गई थी, मुख्य जहाज INS **कामोर्ता** का निर्माण कार्य **12 अगस्त 2005** को शुरू हो गया था।
- इस परियोजना के अंतर्गत अन्य **तीन लड़ाकू जलपोत** INS **कामोर्ता** (2014 में जलावतरण), INS **कादमत्त** (2016) और INS **किल्तन** (2017) हैं।

कावारत्ती के बारे में

- इसमें **स्टेट आफ द आर्ट हथियार** और **संवेदक स्यूट लगे हैं जो पनडुब्बियों को पहचानने** और **नष्ट करने में सक्षम** हैं।
- **एंटी सबमरीन वारफेयर क्षमता** के अतिरिक्त, **पोत में विश्वसनीय स्व-रक्षा क्षमता** और **लंबी दूरी की तैनाती के लिए अच्छी सहनशक्ति** भी है।
- कावारत्ती का नामकरण पूर्व के INS **कावारत्ती** के नाम पर किया गया है जोकि एक **अरनाला क्लास मिसाइल कोरवेट** था।
- **पुराने कावारत्ती** ने 1971 के **बांग्लादेश मुक्ति युद्ध** के दौरान अपनी क्षमता को साबित किया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- AIR

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

विविध गतिविद्‌जियाँ (योजनायें, रिपोर्ट एवं समितियां)

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (SUMAN) पहल

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** ने **मातृ, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य** (PMNCH) **के लिए 'जवाबदेही ब्रेकफास्ट'** में भाग लिया और **सुरक्षित मातृत्व आश्वासन** (SUMAN) **पहल** की सराहना की।

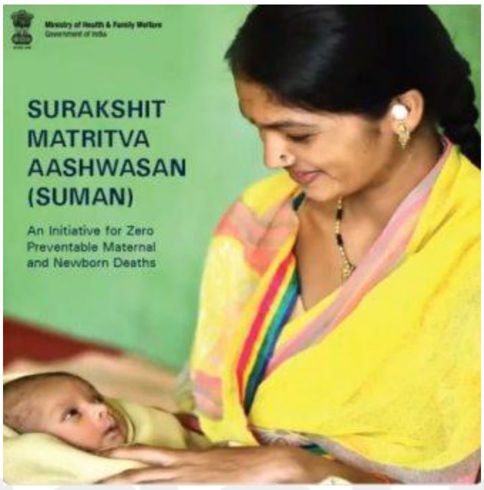

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (SUMAN) पहल के बारे में

- यह पहल **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** द्वारा **केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद के 13 वें सम्मेलन 2019** के दौरान शुरू की गयी थी।
- यह **मातृ और नवजात स्वास्थ्य सेवाओं की सुनिश्चित आपूर्ति** पर केंद्रित है जिसमें **मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की** व्यापक **पहुंच शामिल है।**
- यह **सेवाओं से इनकार** को **बिलकुल स्वीकार्य न करना**, **महिलाओं की स्वायत्तता** , गरिमा, भावनाओं, पसंद और प्राथमिकताओं आदि के लिए सम्मान के साथ **जटिलताओं के सुनिश्चित आश्वासन पर केंद्रित है**।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जाने वाली सभी **गर्भवती महिलाएं / नवजात शिशु SUMAN पहल के** तहत दी जाने वाली मुफ्त सेवाओं के हकदार हैं।
- इस कार्यक्रम के तहत **गर्भवती महिलाओं को**, **प्रसव के बाद 6 महीने तक**, और **सभी बीमार नवजात शिशुओं** को मुफ्त स्वास्थ्य लाभ दिया जा सकेगा।

इसमें शामिल है:

- कम से कम चार एंटिनैटल चेक-अप
- 1 तिमाही के दौरान एक ट्राइमेस्टर
- प्रधानमंत्री सुरक्षा अभियान के तहत कम से कम एक जांच
- आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंट
- टिटनेस डिप्थीरिया आयन और इंजेक्शन
- व्यापक ANC पैकेज और छह घर-आधारित नवजात शिशु देखभाल के अन्य घटक

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के केंद्रीय परिषद (CCHFW) के बारे में

- यह **संविधान** के **अनुच्छेद 263 के** तहत गठित एक **सर्वोच्च सलाहकार निकाय है** ।
- यह नीति निर्माण पर **स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को सहायता और सलाह** प्रदान **करता है और स्वास्थ्य से** संबंधित **मामलों के** बारे में नीति पर व्यापक संदर्भों पर विचार और अनुशंसा **करता है।**

परिषद की संगठनात्मक संरचना:

- **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री परिषद का अध्यक्ष होता है** और **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री परिषद के उपाध्यक्ष होते हैं।**

संविधान का अनुच्छेद 263

- अनुच्छेद 263 **केंद्र और राज्यों के** बीच समन्वय स्थापित करने के लिए एक **अंतर्राज्यीय परिषद्** की स्थापना पर विचार करता है।
- इस प्रकार, **राष्ट्रपति** इस तरह की **परिषद की** स्थापना कर सकते हैं **यदि किसी भी समय** उन्हें यह प्रतीत होता है कि **इसकी स्थापना** से **जनता के हित में काम किया** जाएगा ।
- इसलिए, **राष्ट्रपति** ने निम्नलिखित संबंधित विषयों में नीति और कार्रवाई **के बेहतर समन्वय** के **लिए निम्नलिखित काउंसिलों की सिफारिशें की** हैं:
  - केंद्रीय स्वास्थ्य परिषद।
  - केंद्रीय स्थानीय सरकार और शहरी विकास परिषद।
  - उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी एक दक्षिणी क्षेत्र के लिए बिक्री कर के लिए चार क्षेत्रीय परिषदें ।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - स्वास्थ्य मुद्दा

सोर्स- द हिंदू

अंबेडकर सोशल इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन मिशन

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री** ने **उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययन करने वाले** SC छात्रों के बीच **नवाचार और उद्यम** को **बढ़ावा देने के** उद्देश्य से, SC के लिए **वेंचर कैपिटल फंड के तहत अंबेडकर सामाजिक नवाचार और ऊष्मायन मिशन का** शुभारंभ किया।

अंबेडकर सोशल इनोवेशन इंक्यूबेशन मिशन के बारे में

- **अम्बेडकर सामाजिक नवाचार ऊष्मायन मिशन पहल** के तहत, विभिन्न **उच्च शिक्षण संस्थानों से अगले चार वर्षों में** एक हजार अनुसूचित जाति के युवाओं को **तकनीकी व्यापार इन्क्यूबेटरों के माध्यम से स्टार्ट-अप विचारों के साथ पहचान की जाएगी।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- उन्हें अपने **स्टार्ट-अप विचारों को वाणिज्यिक उद्यमों में** बदलने के लिए **इक्विटी फंडिंग के रूप** में **तीन साल** में **30 लाख रुपये** का **वित्त पोषण** किया जाएगा।
- सफल उद्यम आगे **अनुसूचित जाति के** लिए **वेंचर कैपिटल फंड** से **पांच करोड़ रुपये** तक के **वेंचर फंडिंग** के **लिए अर्हता प्राप्त** करेंगे।

अनुसूचित जाति के लिए वेंचर कैपिटल फंड के बारे में

- यह निधि **सामाजिक न्याय मंत्रालय** द्वारा **वर्ष 2014-15 में अनुसूचित जाति** एवं **दिव्यांग युवाओं** के बीच **उद्यमिता विकसित** करने और **उन्हें नौकरी प्रदाता बनने में समर्थन देने के उद्देश्य** से शुरू किया गया था।
- इस **कोष का** उद्देश्य **अनुसूचित जाति के उद्यमियों** की **संस्थाओं** को **रियायती वित्त प्रदान करना** है।
- इस कोष के तहत, **अनुसूचित जाति उद्यमियों द्वारा प्रवर्तित 117 कंपनियों** को **व्यावसायिक उद्यम स्थापित** करने के लिए **वित्तीय सहायता आवंटित** की गयी है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

वृद्ध व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने वृद्ध व्यक्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस** पर **भारत में सेहतमंद बुढ़ापे के लिए दशक (2020-2030)** शुरुआत **की।**

सेहतमंद बुढ़ापे के दशक (2020-2030) के बारे में

- **सेहतमंद आयुवृद्धि के दशक 2020-2030 में 10 वर्षों तक ठोस, उत्प्रेरक, सतत सहयोग शामिल होगा।**
- वृद्ध लोग स्वयं **इस योजना** के **केंद्र में** होंगे, जो **वृद्ध लोगों, उनके परिवारों और उनके समुदायों के जीवन** को **बेहतर बनाने के लिए सरकारों, नागरिक समाज, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी, पेशेवरों, शिक्षाविदों, मीडिया** और **निजी क्षेत्र** को एक साथ लाएगा।
- **सेहतमंद आयुवृद्धि के दशक** में **विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के भीतर अभिसरण विकसित करना और** दूसरे संबंधित विभागों/मंत्रालयों के साथ अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को प्रोत्साहित करना शामिल होगा।
- यह आयु वृद्धि एवं स्वास्थ्य पर विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक रणनीति की दूसरी कार्य-योजना है, जो आयुवृद्धि पर संयुक्त राष्ट्र मैड्रिड अंतर्राष्ट्रीय योजना पर निर्मित हुई है।
- इसे **सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र एजेंडा 2030 और सतत विकास लक्ष्यों (SDG)** की समय सीमा से जोड़ा गया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा** एक संतुलित विधि में धारणीय विकास को प्राप्त करने के लिए एक सार्वभौमिक कार्य योजना तैयार की है और यह **सभी लोगों के लिए मानव अधिकार के इस्तेमाल किए जाने का प्रयास करता है।**
- यह सभी को एकसाथ लेकर आगे बढ़ने का आह्वाहन करता है और यह सुनिश्चित करता है कि समाज के सभी वर्गों, सभी आयु पर, विशेषकर **सबसे कमजोर तबके के लोगों** - बुजुर्गों सहित, के लिए **सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त कराना है।**
- **सेहतमंद आयुवृद्धि कार्यात्मक क्षमता को विकसित करना और उसे बनाए रखना है जो वृद्ध आयु में सेहत को सक्षम बनाता है।**
- **फरवरी 2020 में संपन्न 146 वीं WHO कार्यकारी बोर्ड की सिफारिश** के बाद, 7वीं विश्व स्वास्थ्य सभा ने सेहतमंद **आयुवृद्धि (2020-2030) का** दशक मनाने का प्रस्ताव दिया है।

आयुवृद्धि के महत्वपूर्ण तथ्य

- **सेहतमंद आयुवृद्धि के दशक (2020-2030)** के अंत तक, **60 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग** के लोगों की संख्या में **34% इजाफा होकर**, **2019 में 1 बिलियन** से **1.4 बिलियन हो जाएगी।**
- **2050 तक**, **वृद्ध लोगों** की **वैश्विक आबादी दोगुनी** से अधिक, **2.1 बिलियन हो जाएगी।**
- **60 वर्ष** और उससे **अधिक आयु के व्यक्तियों** की **संख्या विकासशील देशों में सबसे तेजी** से **बढ़ेगी।**
- महिलाएं **पुरुषों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहती हैं।**
- **जनसंख्या आयुवृद्धि की दर तेजी से बढ़ रही है।**

वृद्ध व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के बारे में

- संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के अनुसार, हर साल **1 अक्टूबर** को **अंतर्राष्ट्रीय वृद्धि दिवस** मनाया जाता है।
- **संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस, 2020 का विषय** "Pandemics: Do They Change How We Address Age and Ageing?" है।
- यह दिन अपने **परिवारों, समुदायों और समाजों में** वृद्ध लोगों **के योगदान** को **पहचानने, सक्षम करने और विस्तार करने और** उम्र बढ़ने की समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता है।

भारत का देशांतरीय आयुवृद्धि अध्ययन (LASI)

- **बुजुर्गों के सामाजिक**, **आर्थिक और स्वास्थ्य स्थितियों पर व्यापक आंकड़े इकट्ठे** करने के लिए, सरकार ने **भारत का देशांतरीय आयुवृद्धि अध्ययन शुरू किया है।**
- यह **पहला देशव्यापी है और** बुजुर्गों पर **दुनिया का सबसे बड़ा अध्ययन** है जो **बुजुर्ग आबादी के** लिए **राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कार्यक्रमों** और नीतियों के लिए साक्ष्य आधार प्रदान करेगा।
- **LASI के के निष्कर्षों को मंत्रालय द्वारा अंतिम रूप** दिया जा रहा है और **शीघ्र ही इसे जारी किया जाएगा।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन

स्रोत- PIB

स्वच्छ भारत पुरस्कार

ख़बरों में क्यों है?

- **देश भर में** गांधी जयंती के अवसर पर **स्वच्छ भारत दिवस, 2020 मनाया** गया जिसमें **स्वच्छ जल शक्ति मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत पुरस्कार का वितरण किया गया।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

स्वच्छ भारत पुरस्कार 2020 के बारे में

- **स्वच्छ भारत मिशन (SBM)** शुरू होने की छहवीं वर्षगांठ पर **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों/संघशासित प्रदेशों, जिलों, खंडों, ग्राम पंचायतों** एवं अन्य को विभिन्न श्रेणियों में **स्वच्छ भारत 2020 पुरस्कार दिए गए**।

- **ये पुरस्कार पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS)** द्वारा दिया गया।

स्वच्छ सुंदर सामुदायिक शौचालय के बारे में

- **यह पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (DDWS)** द्वारा **15 जून 2020 से 15 सितम्बर 2020 तक चलाया गया एक अभियान है।**
- इसके तहत, **राज्यों, जिलों** और **ग्राम पंचायतों** को **सामुदायिक स्वच्छता परिसरों के निर्माण के** लिए प्रेरित किया गया जिससे ग्रामीण इलाकों में सभी के पास **सुरक्षित स्वच्छता सुविधाओं** तक पहुंच प्राप्त हो।
- ये पुरस्कार **शीर्ष राज्य, जिला और ग्राम पंचायत** को दिए गए।
- **शीर्ष पुरस्कार गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पंजाब और अन्य** को प्रदान किए गए ।
- राज्य श्रेणी में: **गुजरात - प्रथम पुरस्कार**।
- जिला श्रेणी में: **तिरुनेलवेली, तमिलनाडु**
- **खाचरौद, उज्जैन, मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ खंड का पुरस्कार मिला।**
- **चिन्नौर, (सलेम) को सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत के रूप में चुना गया।**

संबंधित जानकारी

स्वच्छ भारत मिशन के बारे में

- यह **भारत सरकार** द्वारा **2 अक्तूबर 2014** को शुरू किया गया एक **राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है।**

लक्ष्य

- इसने **2019** तक **महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि के** रूप में **एक स्वच्छ भारत बनाने की** मांग की थी।

मिशन के उद्देश्य

- खुले में शौच का उन्मूलन
- हाथ से कचरा उठाने का उन्मूलन

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- नगरीय ठोस अपशिष्ट का 100% संग्रहण एवं वैज्ञानिक प्रसंस्करण/निपटान पुनःउपयोग /पुनःचक्रण।
- स्वस्थ स्वच्छता पद्धतियों के बारे में लोगों में व्यवहार परिवर्तन लाना,
- नागरिकों को स्वच्छता और इसके सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंध के बारे में जागरूक बनाना।
- शहरी स्थानीय निकायों को इसके लिए तंत्र बनाने, क्रियान्वित करने और संचालित करने मजबूत करना,
- पूंजीगत व्यय एवं संचालन तथा रखरखाव (O&M) लागत में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए सक्षम वातावरण तैयार करना।
- पूंजीगत व्यय और परिचालन एवं रखरखाव व्यय में निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए सक्षम वातावरण बनाने हेतु शहरी स्थानीय निकाय के लिए क्षमता वर्धन

घटक:

- घरेलू शौचालयों का निर्माण
- सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) और सार्वजनिक जागरूकता,
- क्षमता निर्माण और प्रशासनिक और कार्यालय व्यय (A&OE)

उप-मिशन

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)

- इसका उद्देश्य ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर में सुधार लाना और गांवों को खुले में शौच से मुक्त और स्वच्छ बनाना है।
- यह मिशन पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)

- इसका उद्देश्य खुले में शौच को समाप्त करना, गंदे शौचालयों को फ्लश युक्त शौचालयो में बदलना, हाथ से कचरा उठाने की प्रथा को खत्म करना, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वस्थ स्वच्छता पद्धतियों के बारे में लोगों में एक व्यवहार परिवर्तन लाना है।
- यह मिशन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - प्रशासन

स्रोत- PIB

डेटा प्रशासन गुणवत्ता सूचकांक

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में **विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (DMEO), नीति आयोग** ने **डेटा प्रशासन गुणवत्ता सूचकांक (DGQI) जारी किया है।**

सर्वेक्षण के बारे में अधिक जानकारी

- **विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (DEMO), नीती आयोग** द्वारा **केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं (CS) और केंद्र प्रायोजित योजनाओं (CSS)** के **कार्यान्वयन** पर विभिन्न **मंत्रालयों / विभागों के प्रदर्शन** का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण किया गया था।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय** के अधीन **उर्वरक विभाग डेटा प्रशासन गुणवत्ता सूचकांक (DGQI) में 5 में से 4.11** अंक प्राप्त कर **15 आर्थिक मंत्रालयों/विभागों में दूसरे स्थान पर** और **65 मंत्रालयों/विभागों** में **तीसरे स्थान** पर रहा है।

डेटा प्रशासन गुणवत्ता सूचकांक (DGQI) के बारे में

- यह **विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (DMEO), नीतीयोग** द्वारा संचालित किया जाता है।

लक्ष्य

- **मंत्रालयों / विभागों** के बीच **एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जगाने और सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों से सहयोगी समकक्षी अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए एक मानक ढांचे पर मंत्रालयों/विभागों के आंकड़ों की तत्परता का मूल्यांकन करना।**

प्रमुख विषय

- सर्वेक्षण में, **DGQI के छह प्रमुख विषयों के तहत** एक **ऑनलाइन प्रश्नावली** तैयार की **गई** थी, ये प्रमुख विषय - आंकड़े (डेटा) तैयार करना; आँकड़ों की गुणवत्ता; प्रौद्योगिकी का उपयोग; आंकड़ों का विश्लेषण, उपयोग एवं प्रसार; आंकड़ों की सुरक्षा और मानव संसाधन क्षमता और मामले का अध्ययन हैं।

भार

- **प्रत्येक योजना के लिए 0 से 5** के बीच **अंतिम DGQI स्कोर तक पहुँचने के लिए हर विषय को कोई अंक दिया गया और हर विषय में से प्रत्येक प्रश्न को उप-अंक दिए गए।**
- **मंत्रालयों/विभागों की श्रेणियाँ** : प्रशासनिक, रणनीतिक, बुनियादी ढाँचा, सामाजिक, आर्थिक और वैज्ञानिक।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - अर्थशास्त्र

स्रोत- ET

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

चिकित्सा के क्षेत्र में, 2020 नोबेल पुरस्कार

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में वैज्ञानिक **हार्वे जे. ऑल्टर, चार्ल्स एम. राइस** (दोनों अमेरिका से) और **ब्रिटेन के माइकल ह्यूटन (यू.के.)** ने **हेपेटाइटिस सी वायरस** की पहचान करने के लिए **चिकित्सा के क्षेत्र में 2020 नोबेल पुरस्कार** जीता है।

- यह **चिकित्सा के क्षेत्र में हेपेटाइटिस शोध के लिए दिया गया दूसरा नोबेल पुरस्कार है,** इससे पहले वर्ष 1976 **में बरूच बल्मबर्ग** ने **रक्त-जनित हेपेटाइटिस** के एक रूप की पहचान की थी, जो कि एक **वायरस के कारण** हुआ था, इसे **हेपेटाइटिस-बी** के नाम से जाना गया था।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय कार्य योजना - वायरल हेपेटाइटिस

- इसका **शुभारंभ 2019 में** मुंबई से सरकार द्वारा **हेपेटाइटिस से मुकाबला करने** और **2030 तक देश से हेपेटाइटिस C को खत्म करने के लिए किया गया था।**
- **यह योजना एक रणनीतिक रूपरेखा प्रदान करती है,** जिसके आधार पर **राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम** तैयार किया गया तथा जुलाई 2018 में **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** द्वारा **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन** के तहत शुरू किया गया।
- यह कार्यक्रम **देश की SDG 3.3 प्राप्त करने की वैश्विक प्रतिबद्धता के अनुरूप है ।**

अन्य कार्यक्रम

- **स्वच्छ भारत अभियान** और **सुरक्षित पेय जल** भी **हेपेटाइटिस से निपटने में सहायक हैं।**
- **व्यापक यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम में हेपेटाइटिस बी टीकाकरण** को शामिल किया गया है।

हेपेटाइटिस के बारे में

- इसमें यकृत में सूजन आ जाती है।
- यह स्थिति स्व-सीमित हो सकती है अथवा खराब होकर फ़ाइब्रोसिस (निशान), सिरोसिस या यकृत कैंसर तक भी जा सकती है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

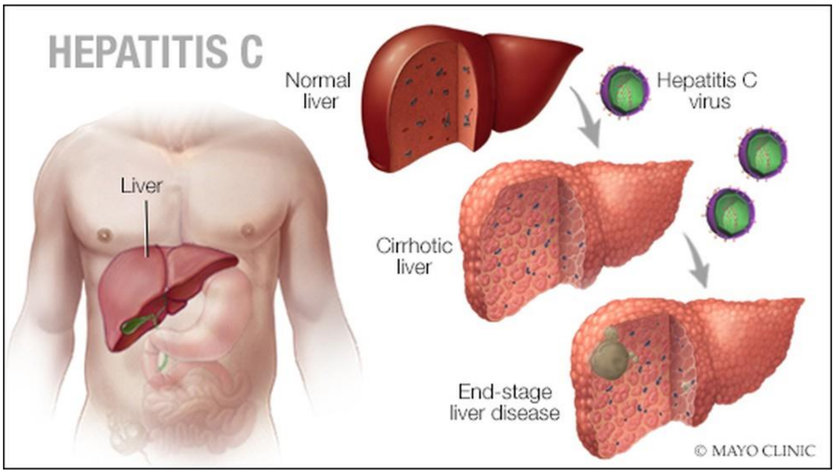

कारण

- **हेपेटाइटिस वायरस** प्रमुख कारण हैं, लेकिन अन्य **संक्रमण, विषाक्त पदार्थ (जैसे शराब, कुछ दवाएं)** और **स्वप्रतिरक्षी रोग** भी इसका कारण हो सकते हैं।
- हेपेटाइटिस विषाणु **पाँच प्रकार** के होते हैं:
- A, B, C, D और E से यकृत रोग हो सकते हैं जो प्रमुख तरीकों में भिन्नता रखते हैं।
- **हेपेटाइटिस A और E** आमतौर पर **दूषित भोजन या पानी** (मुंह-मल मार्ग के माध्यम से प्रवेश) के कारण होता है।
- **हेपेटाइटिस B, C और D असुरक्षित रक्त संक्रमण या दूषित सुई/सीरिंज** (विशेषकर नशीली दवाओं का सेवन करने वाले लोगों में), **यौन-संचरण** अथवा **मां से बच्चे में भी हो सकता है।**
- **हेपेटाइटिस C के लिए कोई टीका नहीं है।**

हेपेटाइटिस की वैश्विक स्थिति

- **WHO के अनुमानों के अनुसार, वायरल हेपेटाइटिस ने** वर्ष 2015 में वैश्विक स्तर पर **1.34 मिलियन लोगों की मृत्यु हुई**, जो दुनिया भर में **क्षय रोग से मरने वाले लोगों की तुलना में लगभग समान है।**
- **भारत** में, **4 करोड़ लोग हेपेटाइटिस B से पीड़ित हैं** और **0.6-1.2 करोड़ हेपेटाइटिस C** से पीड़ित हैं **जिससे हर साल 4,00,000 लोगों की मृत्यु हो रही है।**

नोट:

- **वर्ष 2030 तक SDG 3.3 - एड्स, तपेदिक, मलेरिया महामारी** और उपेक्षित **उष्णकटिबंधीय रोगों, जल जनित रोगों** और अन्य **संक्रमण रोगों को खत्म करना है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

CZA-प्राणि मित्र पुरस्कार

ख़बरों में क्यों है?

- **केंद्रीय पर्यावरण मंत्री** ने **चिड़ियाघर अधिकारियों** और कर्मचारियों को **बंदी पशु प्रबंधन और कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित** करने हेतु **CZA-प्राणि मित्र पुरस्कार** प्रदान किए।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

CZA-प्राणि मित्र पुरस्कार के बारे में

- यह पुरस्कार **चार श्रेणियों** में दिए गए - **उत्कृष्ट निदेशक / क्यूरेटर, उत्कृष्ट पशुचिकित्सक, उत्कृष्ट जीवविज्ञानी / शिक्षाविद, और उत्कृष्ट पशु रक्षक** ।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (CZA) के बारे में

- यह **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के** तहत एक **सांविधिक निकाय है**। इसका **गठन** **1992** में **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के** तहत किया गया था।

सदस्य

- इसकी अध्यक्षता **पर्यावरण मंत्री करते हैं** और इसमें **10 सदस्य और एक सदस्य-सचिव होता है।**

उद्देश्य

- **प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण में राष्ट्रीय प्रयास को मजबूती प्रदान करना और पूरक बनाना है।**

कार्यप्रणाली

- **यह प्राधिकरण चिड़ियाघरों को मान्यता प्रदान करता है** और देश भर में **चिड़ियाघरों को विनियमित करने का काम** करता है।
- यह **राष्ट्रीय** और **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिड़ियाघरों में जानवरों को स्थानांतरित** किए जा सकने के लिए दिशानिर्देश जारी करता है एवं नियम बनाता है।
- यह **चिड़ियाघर कर्मियों,** नियोजित **प्रजनन कार्यक्रमों और बाह्य-सेतु अनुसंधान क्षमता निर्माण** पर **कार्यक्रमों का समन्वय और कार्यान्वयन करता है**।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- PIB

वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (VAIBHAV) शिखर सम्मेलन

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही में, **प्रधानमंत्री ने गांधी जयंती** के अवसर पर **वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (VAIBHAV) शिखर सम्मेलन** का उद्घाटन किया।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (VAIBHAV) शिखर सम्मेलन के बारे में,

- यह **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** और **भारत के अकादमिक संगठन की** एक **सहयोगी पहल है।**
- इसका उद्देश्य **सुपरिभाषित उद्देश्यों के लिए समस्या-समाधान दृष्टिकोण** के साथ **प्रक्रिया, कार्य-पद्धतियों और शोध एवं विकास पर विचार-विमर्श को समर्थ बनाना है।**
- **VAIBHAV पहल** का उद्देश्य उभरती चुनौतियों को हल करने के लिए **वैश्विक भारतीय शोधकर्ता की विशेषज्ञता एवं ज्ञान का लाभ उठाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करना है।**
- **इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य** भारत में शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों के साथ **गहरे सहयोग को प्रतिबिंबित करना** है।
- यह **भारत में शिक्षा**, **अनुसंधान और उद्यमशीलता में विचार-विमर्श तंत्र** को अपने **संपूर्ण सतत विकास के आवश्यक तत्व** के रूप **में** भी सामने लाएगा ।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - शासन

स्रोत- PIB

उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना

ख़बरों में क्यों है?

- **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** ने **उत्पादन** संबद्ध **प्रोत्साहन योजना (PLI) योजना के** अंतर्गत 16 पात्र आवेदकों को मंज़ूरी दी है।

उत्पादन संबंद्ध प्रोत्साहन योजना के बारे में

- **बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के** लिए **उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना (PLI)** को **1 अप्रैल 2020** को अधिसूचित किया गया था।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसने पात्र कंपनियों को **आधार वर्ष (वित्त वर्ष 2019-20) से अगले पांच वर्षों की अवधि के लिए भारत में विनिर्मित लक्ष्य खंडों के तहत वस्तुओं की वर्धित बिक्री (आधार वर्ष के बाद से) पर 4 से 6% के लाभ को बढ़ाया है।**
- **अगले 5 वर्षों में, PLI योजना** के तहत **अनुमोदित कंपनियों से कुल उत्पादन को 10.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ाने की अपेक्षा है।**
- इस **योजना के** तहत **अनुमोदित कंपनियों से निर्यात को बढ़ावा देने की उम्मीद है। अगले 5 वर्षों** में, **10,50,000 करोड़** के **कुल उत्पादन** में से **लगभग 60% 6,50,000 करोड़ रुपए का** निर्यात द्वारा योगदान दिया जाएगा।
- इस योजना के तहत, **अनुमोदित कंपनियाँ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 11,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश लेकर आएंगी।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - अर्थशास्त्र

स्रोत- PIB

गरीबी और साझा समृद्धि 2020: समृद्धता की वापसी

ख़बरों में क्यों है?

- **विश्व बैंक ने अपनी द्विवार्षिक गरीबी और साझा समृद्धि रिपोर्ट में** रेखांकित किया है कि **कोविद-19 के विघटनकारी प्रभावों के कारण** 20 साल में **पहली बार के लिए वर्ष 2020 में वैश्विक अत्यधिक गरीबी** के बढ़ने की आशंका है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- **विश्व बैंक** की **गरीबी और साझा समृद्धि श्रृंखला रिपोर्ट वैश्विक गरीबी और साझा समृद्धि के** रुझानों पर **नवीनतम और सबसे सटीक अनुमान** प्रदान करती **है।**
- **दो दशकों से भी अधिक समय से**, अत्यधिक गरीबी का स्तर **घट रहा था।**
- अब, **पहली बार इस पीढ़ी में गरीबी खत्म करने** की **प्रयास को** अभी तक का **सबसे बड़ा झटका लगा है।**
- **'गरीबी और साझा समृद्धि 2020** : समृद्धता की वापसी इस वापसी के कारणों और परिणामों पर नए आंकड़े एवं विश्लेषण प्रदान करती है और इनका सामना करने के लिए निरंतर उपयोग किए जा सकने वाले नीतिगत सिद्धांतों की पहचान करती है।
- **रिपोर्ट** COVID -19 से **विश्व में गरीबी एवं असमानता पर प्रभाव के नए अनुमान प्रस्तुत करती है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- रिपोर्ट से पता चलता है कि महामारी **के कारण दुनिया भर में** खत्म **हुईं नौकरियों** और **अभाव पहले से ही गरीब और कमजोर लोगों को परेशान कर रहे हैं** और **लाखों "नए गरीब"** खड़े करके वैश्विक निर्धनता की स्थिति को बदल रहे हैं।
- यह रिपोर्ट **उभरते हुए "हॉट स्पॉट"** पर नए सबूत प्रदान करती है, जहां **गरीब लोगों के जीवन** और आजीविका के लिए कई खतरे हैं।
- इन हॉट स्पॉट में से कई **उप-सहारा अफ्रीका** में हैं, एक ऐसा क्षेत्र जो कोविद-19 से नए-नए गरीब हुए लोगों में से एक तिहाई लोगों का घर है।
- महामारी **88 मिलियन से 115 मिलियन नए लोगों** को **अत्यधिक गरीबी** की ओर धकेल सकती है या **प्रति दिन $1.50 से कम पर गुजारा करने पर मजबूर सकती है**, जिसके परिणामस्वरूप **कुल 150 मिलियन ऐसे व्यक्ति होंगे।**
- दुनिया के कुछ **9.1% से 9.4% लोग 2020 में अत्यधिक गरीबी से प्रभावित** होंगे।

संबंधित जानकारी

विश्व बैंक की अन्य महत्वपूर्ण रिपोर्ट

1. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस
2. विश्व विकास रिपोर्ट
3. वैश्विक आर्थिक संभावना (GEP) रिपोर्ट
4. रेमिटेंस रिपोर्ट
5. ईज़ ऑफ़ लिविंग इंडेक्स
6. इंडिया डेवलेपमेंट रिपोर्ट
7. वैश्विक वित्तीय विकास रिपोर्ट
8. ऊर्जा दक्षता कार्यान्वयन तत्परता
9. मानव पूंजी सूचकांक (विश्व विकास रिपोर्ट के एक भाग के रूप में तैयार की जाती है)
10. सतत ऊर्जा के लिए विनियामक संकेतक (RISE)
11. रसद प्रदर्शन सूचकांक
12. रिपोर्ट: ए ग्लास हाफ फुल: दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय व्यापार का वादा
13. **गरीबी और साझा समृद्धि 2018: गरीबी का एक साथ मुकाबला करना**
14. मानव पूंजी सूचकांक (विश्व विकास रिपोर्ट के एक भाग के रूप में तैयार की जाती है)
15. **यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज इंडेक्स (विश्व बैंक + WHO)**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II - अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- विश्व बैंक

इंटरनेशनल बारकोड ऑफ लाइफ

ख़बरों में क्यों है?

- हाल ही **में पर्यावरण मंत्रालय, वन और जलवायु परिवर्तन** के अधीन **जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ZSI)** और **अंतर्राष्ट्रीय बारकोड ऑफ लाइफ (iBOL), एक कनाडाई गैर-लाभकारी संगठन के** बीच एक **समझौता ज्ञापन (MoU)** पर हस्ताक्षर हुए हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

समझौता ज्ञापन के बारे में

- **ZSI और iBOL DNA बारकोडिंग में और अधिक प्रयास करने के लिए एकसाथ आगे आए हैं।** **DNA बारकोडिंग** प्रजातियों को तेजी से और सटीकता के साथ पहचानने की एक विधि है, जिसमें किसी **मानक गुणसूत्र भागों** के एक **छोटे भाग का अनुक्रम तैयार** किया जाता है और उसकी **संदर्भ डेटाबेस** के **व्यक्तिगत अनुक्रमों के साथ तुलना** की जाती है।
- **iBOL कई देशों को मिलाकर बना एक अनुसंधान गठबंधन है** जो **वैश्विक संदर्भ डेटाबेस के विस्तार का समर्थ बनाने, सूचना मंचों का विकास करने,** और/अथवा **जैवविविधता को सूचीबद्ध, मूल्यांकित और व्याख्या करने में संदर्भ लाइब्रेरी का** इस्तेमाल करने के लिए **आवश्यक विश्लेषणात्मक प्रोटोकॉल** को समर्थ बनाने के लिए **मानव एवं वित्तीय संसाधन दोनों** प्रदान करने की प्रतिबद्धता दिखाते हैं।

- **यह समझौता ज्ञापन ZSI को वैश्विक स्तर के कार्यक्रम** जैसे **Bioscan और ग्रहीय जैव विविधता मिशन** में भाग लेने के लिए सक्षम बनाएगा।

संबंधित जानकारी

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के बारे में

- जूलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (ZSI), **पर्यावरण और वन मंत्रालय के अधीनस्थ एक संगठन** है जिसे **1916 में स्थापित किया गया था।**
- यह एक राष्ट्रीय **जंतु वितरण सर्वेक्षण** और **संसाधन अन्वेषण केंद्र** है जो देश में **असाधारण रूप से समृद्ध जैवविविधता** पर **ज्ञान की वृद्धि** करता है।
- इसका **मुख्यालय कोलकाता में है** और **देश के** विभिन्न **भौगोलिक स्थानों** में इसके **16 क्षेत्रीय केंद्र हैं।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - पर्यावरण

स्रोत- AIR

भारत का पहला उन्नत विनिर्माण केंद्र (AMHUB) तमिलनाडु में स्थापित होगा

ख़बरों में क्यों है?

- देश में अपनी तरह का पहला **उन्नत विनिर्माण केंद्र (AMHUB) विश्व आर्थिक मंच और तमिलनाडु में गाइडेंस द्वारा** संयुक्त रूप से स्थापित किया जाएगा।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

AMHUB क्या है?

- उन्नत विनिर्माण हब (Advanced Manufacturing Hub) या AMHUB **विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा डिजाइन किए गए 19 प्लेटफार्मों में** से **एक है।**
- तमिलनाडु की प्रमुख निवेश प्रोत्साहन एजेंसी जिसे **गाइडेंस** भी कहा जाता है, भी विश्व आर्थिक मंच के साथ हाथ मिलाएगी।
- यह मंच चौथी औद्योगिक क्रांति (4IR) द्वारा प्रस्तुत क्षेत्रीय अवसरों की पहचान करने और चुनौतियों का सामना करने के लिए क्षेत्रीय सफल कहानियों, सर्वश्रेष्ठ **कार्य-पद्धतियों** को साझा करके और **नए संबंधों को बनाकर संपूर्ण** क्षेत्रीय उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने पर **ध्यान केंद्रित** करेगी।
- WEF के अनुसार, **चौथी औद्योगिक क्रांति** को **लोगों और मशीनों के लिए पूरी तरह से नई क्षमताओं से** युक्त **साइबर-भौतिक प्रणालियों** के **आगमन के** रूप में वर्णित किया जा सकता है।

महत्व

- **यह केंद्र तमिलनाडु राज्य की सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और टेक्सटाइल** के क्षेत्रों में सहायता करेगा।
- यह राज्य में **चौथी औद्योगिक क्रांति द्वारा लाए गए क्षेत्रीय अवसरों की** पहचान करके **उत्पादन क्षेत्र** को भी **बढ़ावा देगा।**
- चौथी औद्योगिक क्रांति के अवसरों में **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड कंप्यूटिंग आदि शामिल हैं।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - उद्योग

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

साहित्य के क्षेत्र में 2020 नोबेल पुरस्कार

ख़बरों में क्यों है?

- **साहित्य के क्षेत्र में 2020 का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी कवि लूइसे ग्लुक को दिया गया है।**
- वह पिछले दशक में **नोबेल साहित्य पुरस्कार जीतने वाली चौथी महिला हैं** - जिसमें **ओल्गा टोकार्ज़ुक, स्वेतलाना एलेक्सीविच और एलिस मुनरो ने** इससे पहले नोबेल सम्मान हासिल किया था - और **वर्ष 1901 में इन पुरस्कारों की शुरुआत के बाद से** इसकी **16 वीं विजेता है।**

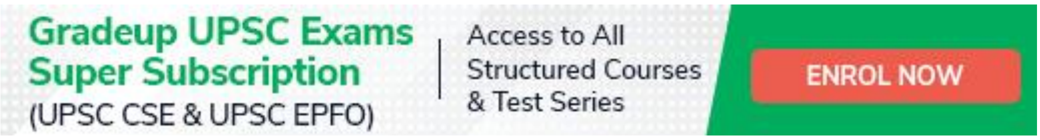

लुईस ग्लुक के बारे में

- ग्लुक को "**उनकी अचूक काव्य-कला के लिए** सम्मानित किया गया, जिसकी **सादगी खूबसूरती किसी व्यक्तिगत अस्तित्व को सार्वभौमिक** बनाती है।"
- वह **येल विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं**, ग्लुक ने सन् **1968 में 'फर्स्टबोर्न' शीर्षक से अपने संग्रह की शुरुआत की थी।**
- उन्हें **अमेरिकी समकालीन साहित्य में सबसे प्रमुख कवि** और **निबंधकार के** रूप में देखा जाता है।

अन्य उपलब्धि

- उन्होंने **1993** में अपने संग्रह **द वाइल्ड आइरिस के** लिए **पुलित्जर पुरस्कार** भी जीता था।
- उन्हें वर्ष **2014 में** उनके नवीनतम **संग्रह फेथफुल एंड वर्चुअस नाइट के** लिए **राष्ट्रीय पुस्तक पुरस्कार भी** मिला है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I - कला और संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस

ख़बर में क्यों है?

- अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस को 13 अक्टूबर 2020 को मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के बारे में

पृष्ठभूमि

- अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस की शुरुआत 1989 में संयुक्त राष्ट्र आमसभा के आहवान के बाद हुई थी, जिसका उद्देश्य जोखिम जागरुकता और आपदा न्यूनीकरण की वैश्विक संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए एक दिन को समर्पित करना है।

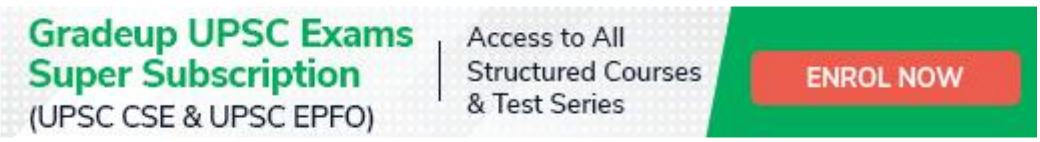

- प्रत्येक 13 अक्टूबर को होने वाला यह दिवस इस बात का समारोह मनाता है कि कैसे लोग और पूरी दुनिया में समुदाय आपदा के प्रति अनाश्रयता को घटा रहे हैं और पेश आने वाले जोखिमों को काबू में करने के महत्व के प्रति जागरुकता को बढ़ा रहे हैं।
- 2015 में सेंडेई, जापान में आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर तीसरे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस बात का ध्यान दिलाया कि आपदाएं सबसे ज्यादा स्थानीय स्तर को प्रभावित करती हैं जिनमें जनजीवन के नुकसान और बड़े सामाजिक और आर्थिक उथल-पुथल की संभावना होती है।
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर सेंडेई ढांचा अपने दृष्टिकोण में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के प्रति व्यक्ति केंद्रित और कार्योन्मुखी है और छोटे स्तर और बड़े स्तर की आपदाओं पर लागू होता है जिसकी वजह मानव जनित अथवा प्राकृतिक संकट साथ ही संबंधित पर्यावरणीय, तकनीकी और जैविक संकट और जोखिम हो सकते हैं।

विषय - सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- संयुक्त राष्ट्र

अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार, 2020

खबरों में क्यों है?

- **अर्थशास्त्र के क्षेत्र में 2020 नोबेल पुरस्कार "पॉल आर. मिलग्रोम और रॉबर्ट बी विल्सन** को "नीलामी सिद्धांत के सुधार के लिए और नए नीलामी प्रारूपों के आविष्कार" दिया गया।
- **रॉबर्ट विल्सन** ने दिखाया है कि बुद्धिमान बोलीदाता क्यों अपने **सर्वश्रेष्ठ अनुमानित सामान्य मूल्य की बोली से कम बोली लगाते हैं: ये विजेता अभिशाप - बहुत अधिक भुगतान करने और हारने का डर से चिंतित होते** हैं।
    - **इकोनॉमिक साइंसेज ने लॉरेट पॉल मिलग्रोम** को **नीलामियों के** एक **अधिक सामान्य सिद्धांत की रचना के लिए सम्मानित किया,** जो न **केवल सामान्य मूल्यों की अनुमति देता है** , बल्कि **निजी मूल्य को भी अनुमति देती है जो अलग-अलग बोलीदाताओं के लिए अलग-अलग होती है।**

'नीलामी सिद्धांत' के बारे में आपको क्या जानने की जरूरत है?

- **किसी नीलामी (या खरीद)** का **परिणाम** तीन कारकों पर निर्भर करता है :

a) नीलामी के नियम, या प्रारूप

b) सबसे ऊंची बोली

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

c) अनिश्चितता

- नीलामी सिद्धांत का उपयोग करके, **यह समझाना संभव है कि ये तीन कारक बोलीदाताओं के रणनीतिक व्यवहार को कैसे नियंत्रित** करते **हैं** और अंततः **नीलामी के परिणाम को नियंत्रित करते हैं।**
- यह सिद्धांत यह भी **दिखा सकता है कि अधिक से अधिक संभव मूल्य बनाने के लिए नीलामी** को **कैसे डिज़ाइन किया जाए।**
- जब दोनों **संबंधित वस्तुएं** एक ही समय में **नीलाम हो** जाती हैं तो दोनों कार्य महत्वपूर्ण **रूप से कठिन** हो जाते हैं ।
- **आर्थिक विज्ञान में इस साल के नोबेल विजेताओं ने नीलामी सिद्धांत को नए, पूर्व शर्त नीलामी प्रारूपों के निर्माण के माध्यम से अधिक प्रयोजनीय बनाया है।**

नोट:

- **अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति** में **आर्थिक विज्ञान में सवरिज़ रिक्सबैंक पुरस्कार 1969 और 2019** के बीच **84 नोबेल विजेताओं विजेताओं को 51 बार दिया जा चुका है।**
- 2019 में, सहकर्मी और विवाहित **जोड़े एस्तेर डुफ्लो और अभिजीत बनर्जी को वर्ष 2019 के अर्थशास्त्र के क्षेत्र में** नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- वे एक पुरस्कार साझा करने वाले **पांचवें जोड़े थे।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

खबरों में क्यों है?

- **केंद्रीय मंत्रिमंडल** ने **जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों** में **वित्त वर्ष 2023-24 तक पांच वर्षों** की अवधि के लिए **520 करोड़ रुपए के एक विशेष आर्थिक पैकेज** को अनुमति दी है।
- यह **मिशन** के तहत **केंद्र शासित प्रदेश की जरूरत** के मुताबिक **पर्याप्त धनराशि सुनिश्चित** करेगा और यह जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में समयबद्ध आधार पर **सभी केंद्र प्रायोजित लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं को सार्वभौमिक बनाने के** भारत सरकार के उद्देश्य के अनुरूप भी है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना के बारे में - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- यह एक **केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम** है जिसका उद्देश्य **देश भर में ग्रामीण गरीब परिवारों के** लिए **कई आजीविका के प्रचार के** माध्यम से **ग्रामीण गरीबी** को **समाप्त** करना **है।**
- **ग्रामीण गरीबी** को **दूर** करने के लिए जून 2011 में **DAY-NRLM** का **शुभारंभ गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों** में प्रतिमान बदलाव का प्रतीक है।
- DAY-**NRLM सभी ग्रामीण गरीब परिवारों** लगभग **10 करोड़ घरों तक पहुंचने का** प्रयास करता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **मिशन सामुदायिक पेशेवरों में स्वयं सहायता की भावना से सामुदायिक संस्थानों के साथ मिलकर काम करता है।**
- यह DAY-NRLM की अनोखी खासियत है जिसकी वजह से **यह पिछले गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों से अलग है।**
- इसे राष्ट्रीय, राज्य, जिला और ब्लॉक स्तरों पर समर्पित कार्यान्वयन सहायता इकाइयों के साथ **विशेष प्रयोजन साधनों** (स्वायत्त राज्य संस्थाओं) द्वारा **एक मिशन** मोड **में लागू किया गया है** जिसमें प्रत्येक **ग्रामीण गरीब परिवार** को **निरंतर और दीर्घकालिक मार्गदर्शन सहायता प्रदान** करने के लिए **पेशेवर मानव संसाधनों का उपयोग किया जाता है।**

पृष्ठभूमि

- **पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य** में DAY-NRLM परियोजना को *जम्मू-कश्मीर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (JKSRLM)" द्वारा "उम्मीद"* **कार्यक्रम के** रूप में **लागू** किया गया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

थैलेसीमिया बाल सेवा योजना

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में, **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** ने **वंचित थैलेसेमिक रोगियों** के लिए **"थैलेसीमिया बाल सेवा योजना"** के दूसरे चरण की शुरूआत की है।

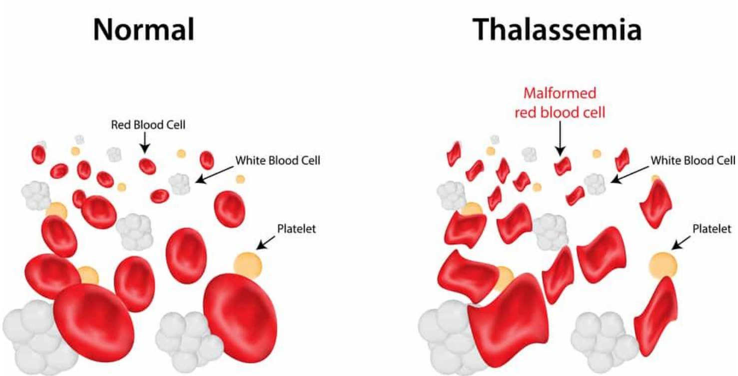

थैलेसीमिया बाल सेवा योजना के बारे में

- यह **कोल इंडिया CSR द्वारा वित्तपोषित हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन (HSCT), 2017** में शुरू किया गया कार्यक्रम है।
- इसका लक्ष्य **हीमोग्लोबिन रोगों जैसे थैलेसीमिया और सिकिल सेल रोग के मरीज़ों,** जिनके पास परिवार का कोई मिलता हुआ दाता है उनके लिए **एक बार में रोग मुक्त करने का अवसर** प्रदान करना है।
- इस **परियोजना से मुख्य रूप से कम वंचित** थैलेसीमिया रोगियों को **लाभ होगा** जिनके पास एक **मेल खाने वाले दाता है।**

संबंधित जानकारी

थैलेसीमिया रोग के बारे में

- **Thalassemias एनीमिया का एक समूह है** जो **हीमोग्लोबिन बनने में विरासत में मिले दोषों से आता है।**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- थैलेसीमिया **दुनिया भर** में **सबसे आम आनुवंशिक विकारों में से एक है, जो भूमध्यसागरीय क्षेत्र, भारतीय उपमहाद्वीप, दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिम अफ्रीका में अधिक बार फैलता है।**
- **अप्रभावी अस्थि मज्जा एरिथ्रोपोएसिस** और **अत्यधिक लाल रक्त कोशिका हेमोलिसिस** दोनों एनीमिया के कारण हैं।

थैलेसीमिया के प्रकार

थैलेसीमिया माइनर

- इसमें **गर्भाधान के दौरान हीमोग्लोबिन गुणसूत्र** विरासत में एक **माँ से** और **एक पिता** से मिलता है।
- **एक गुणसूत्र में थैलेसीमिया लक्षण वाले व्यक्ति को वाहक या थैलेसीमिया माइनर कहा जाता है।**
- थैलेसीमिया माइनर **कोई बीमारी नहीं है** और उन्हें **केवल मामूली एनीमिया होता है।**

थैलेसीमिया इंटरमीडिया

- ये ऐसे मरीज हैं जिनके **लक्षण मामूली से गंभीर तक होते हैं** ।

थैलेसीमिया मेजर

- यह **थैलेसीमिया का सबसे गंभीर रूप है** ।
- यह तब होता है जब एक **बच्चे को दो उत्परिवर्तित गुणसूत्र** अर्थात् प्रत्येक माता-पिता से एक गुणसूत्र **विरासत में मिलते हैं** ।
- **थैलेसीमिया मेजर वाले मरीजों के बच्चे जीवन** के **पहले वर्ष के** भीतर गंभीर एनीमिया के लक्षण दिखाते हैं।
- उन्हें जीवित रहने के लिए या **अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के** लिए **नियमित रूप से रक्त आधान की आवश्यकता होती है** और **उनमें आयरन की अधिकता और अन्य समस्याएं होने का खतरा अधिक होता है।**

हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (HSCT) के बारे में

- **थैलेसीमिया मेजर के** लिए **हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन (एचएससीटी)** का **परिणाम दाता के प्रकार के अलावा कई कारकों** पर निर्भर करता है।
- इसका **1950 के दशक में मनुष्यों में सबसे पहले पता चला था** और यह **चूहों के मॉडल में पर्यवेक्षणीय अध्ययन पर आधारित था।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान और प्रौद्योगिकी

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट 2020

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** ने **"ए लॉन्ग एंड डिफिकल्ट एसेंट "** शीर्षक से **विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट, 2020** को जारी किया है।

विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के बारे में

- यह **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा आयोजित** एक **सर्वेक्षण** है जो **एक वर्ष** में **दो बार** आमतौर पर **अप्रैल और अक्टूबर** के **महीनों** में प्रकाशित किया जाता है।
- यह निकट और मध्यम अवधि के दौरान **वैश्विक आर्थिक विकास का विश्लेषण एवं भविष्यवाणी करता** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- **रिपोर्ट के उद्देश्य सदस्य देशों** के **आर्थिक विकास का विश्लेषण करना और पूर्वानुमान प्रदान है** तथा जोखिमों और अनिश्चितताओं को रेखांकित करना है।

<u>रिपोर्ट के मुख्य बिंदु</u>

- **वर्ष 2020** के लिए **वैश्विक विकास -4.4% होने का अनुमान है** (यानी, उत्पादन में 4.4% का संकुचन)

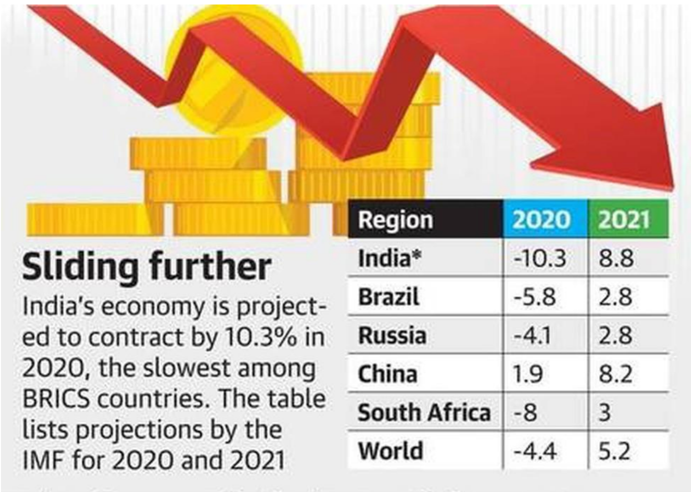

Region	2020	2021
India*	-10.3	8.8
Brazil	-5.8	2.8
Russia	-4.1	2.8
China	1.9	8.2
South Africa	-8	3
World	-4.4	5.2

*India's figures are for fiscal years. All figures in %

<u>भारत और रिपोर्ट</u>

- **भारतीय अर्थव्यवस्था के 2020 में -10.3% (यानी संकुचित)** की दर से बढ़ने की उम्मीद है**।**
- हालाँकि, **भारत को उम्मीद है कि** 2021 में **वापस 8.8% की वृद्धि के साथ -** जून अपडेट के सापेक्ष **2.8 प्रतिशत अंकों की वृद्धि होगी।**
- **भारत में उपभोक्ता मूल्य इस साल 4.9% और अगले वित्त वर्ष में 3.7%** बढ़ने की उम्मीद है**।**
- **चालू खाता शेष इस साल 0. 3% की वृद्धि से और अगले साल -0.9% से बढ़ने का अनुमान है।**

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बारे में

- **जुलाई 1944** में **ब्रेटन वुड्स में संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन** में इसकी **कल्पना की गई थी ।**
- **IMF का मुख्यालय वाशिंगटन, यूएस में है।**

कार्य

- **IMF की** एक **मुख्य जिम्मेदारी सदस्य देशों को भुगतान समस्याओं के वास्तविक या संभावित संतुलन का** अनुभव करने के **लिए ऋण प्रदान करना है।**
- **विकास बैंकों के** विपरीत, **IMF विशिष्ट परियोजनाओं के लिए उधार नहीं देता है** ।
- **SDR एक अंतर्राष्ट्रीय आरक्षित परिसंपत्ति है**, जिसे **1969 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपने सदस्य देशों के आधिकारिक कोष की पूर्ति के लिए बनाया था।**
- कई देशों के रिजर्व होल्डिंग्स में **सोना एक महत्वपूर्ण संपत्ति** है, और **IMF अभी भी सोने की दुनिया के सबसे बड़े आधिकारिक धारकों में से एक** है।

<u>रिपोर्ट</u>

a) विश्व आर्थिक दृष्टिकोण
b) वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

IP साक्षरता और जागरूकता के लिए KAPILA का कलाम कार्यक्रम

खबरों में क्यों है?

- हाल ही में **केंद्रीय शिक्षा मंत्री** ने पूर्व **राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 89** वीं जयंती के अवसर पर **बौद्धिक संपदा साक्षरता और जागरूकता अभियान के लिए 'KAPILA' कलाम कार्यक्रम** की शुरुआत की।
- **15 से 23 अक्टूबर के सप्ताह** को **'बौद्धिक संपदा साक्षरता सप्ताह' के** रूप में **मनाने** का भी निर्णय लिया गया है।

KAPILA 'कलाम कार्यक्रम के बारे में

- **'कपिला' कलाम कार्यक्रम** के तहत, **उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त कर रहे** छात्रों को के **अपने आविष्कार के पेटेंट के लिए आवेदन** की **सही प्रणाली के बारे में जानकारी** दी जाएगी और उन्हें अपने अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

- **पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 89 वीं जयंती** पर **दि इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC 2.0) की वार्षिक रिपोर्ट** भी पेश की गई।
- इस **अवसर पर IIC 3.0 वेबसाइट** भी **लॉन्च की गई।**

इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के बारे में

- **इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (सेंटर) कार्यक्रम वर्ष 2018 में शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल** के तहत शुरू किया गया था।

उद्देश्य

- **इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IICs) के नेटवर्क के गठन का उद्देश्य युवा छात्रों को नए विचारों वएं प्रक्रियाओं से अवगत कराकर उन्हें प्रोत्साहित, प्रेरित तथा तैयार करना है** जिसके परिणामस्वरूप **अपने प्रारंभिक वर्षों में नवीन गतिविधियों** को बढ़ावा मिलेगा।
- **इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन होने पर वैश्विक नवाचार में अगले 2-3 साल में अच्छी रैंक प्राप्त होगी।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - शिक्षा

स्रोत- PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

चमड़ा क्षेत्र कौशल परिषद ने SCALE इंडिया एंड्रॉयड ऐप को लॉन्च किया

खबरों में क्यों है?

- **चमड़ा क्षेत्र कौशल परिषद (LSSC)** ने हाल ही में **चमड़ा कर्मचारी के लिए कौशल प्रमाणन आकलन (SCALE) इंडिया एंड्रॉयड** एप्लिकेशन शुरू करने की घोषणा की है।

SCALE इंडिया एंड्रॉयड ऐप के बारे में

- **यह मंच** कौशल और रोज़गार पारिस्थितिकी तंत्र **के सभी हितधारकों** - उम्मीदवार / प्रशिक्षु, नियोक्ता, कर्मचारी, मूल्यांकनकर्ता, और प्रशिक्षक की सभी जरूरतों को एक स्थान पर पूरा करता है।
- यह **सेवाएं वेब और एंड्रॉइड एप्लिकेशन के** माध्यम से **सुलभ हैं** जो वस्तुतः किसी भी स्मार्ट डिवाइस, डेस्कटॉप / लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट या फैबलेट पर काम करती हैं।
- **ऐप्लीकेशन** प्रशिक्षण, मूल्यांकन और प्रमाणन सेवाओं में अंतिम गंतव्य गुणवत्ता आश्वासन प्रदान करेगा।
- यह **नियोक्ताओं** को अन्य हितधारकों के साथ सहजता से **जुड़ने में मदद** करेगा और चमड़ा उद्योग के लिए मानव पूंजी के लिए बाज़ार प्रदान करेगा।
- **SCALE** एक विशिष्ट योग्यता पैक पर उनके ज्ञान, कौशल और व्यवहार पर मूल्यांकन करने और प्रमाणित करने के लिए कौशल परिवेश में उम्मीदवारों की मदद करेगी ।
- **ऐप्लीकेशन कौशल अंतराल को भरने के लिए माइक्रो-लर्निंग मॉड्यूल** तक पहुँच को सक्षम बनाएगी जिन्हें पहचाना और पुनःमूल्यांकित किया जा सकता है और विशेष योग्यता पैक पर अध्ययन की समाप्ति पर प्रमाणित किया जा सकता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III - कौशल विकास

स्रोत- PIB

वैश्विक भुखमरी सूचकांक, 2020

समाचार में क्यों है?

- हाल में 15वें वैश्विक भुखमरी सूचकांक (जीएचआई) को वेल्थहंगरहिल्फ और कंसर्न वर्ल्डवाइड द्वारा जारी किया गया।
- जीएचआई को लगभग प्रत्येक वर्ष वेल्थहंगरहिल्फ (हाल के वर्षों में कंसर्न वर्ल्डवाइड के साथ साझेदारी में) द्वारा 2000 से लाया जा रहा है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

GHI Severity Scale				
≤ 9.9 low	10.0–19.9 moderate	20.0–34.9 serious	35.0–49.9 alarming	≥ 50.0 extremely alarming

देशों को रैंक कैसे किया जाता है?

- वैश्विक भुखमरी सूचकांक (जीएचआई) एक उपकरण है जिसके द्वारा समग्रता से वैश्विकस क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर भूख का मापन और उसपर निगाह रखी जाती है।
- जीएचआई के अंक चार घटक संसूचकों के मूल्यों पर आधारित हैं-
  a. **कुपोषण** (अपर्याप्त कैलोरी अंतर्ग्रहण के साथ जनसंख्या का प्रतिशत)
  b. **बाल निर्बलता** (पांच वर्ष के नीचे बच्चों का प्रतिशत जिनकी लंबाई के अनुसार वजन कम है, जो जबर्दस्त अल्प पोषण को परिलक्षित करता है)
  c. **बाल बौनापन** (पांच वर्ष के नीचे बच्चों का प्रतिशत जिनकी उम्र के अनुसार लंबाई कम है, जोकि चिर अल्प पोषण को परिलक्षित करता है)
  d. **बाल मृत्युदर** (पांच वर्ष से नीचे बच्चों का प्रतिशत, जो आंशिक रूप से अपर्याप्त पोषण और अस्वस्थ पर्यावरण के मारक मिश्रण को परिलक्षित करता है)
- चार संसूचकों पर आधारित, जीएचआई **100 प्वाइंट स्केल** पर भूख को निर्धारित करती है **जिसमें 0 सर्वश्रेष्ठ संभावित स्कोर है (कोई भुखमरी नहीं) और 100 सबसे खराब।**
- प्रत्येक देश के जीएचआई स्कोर को तीव्रता के अनुसार वर्गीकृत करते हैं, निम्न से काफी चिंताजनक।

मुख्य परिणाम

वैश्विक स्तर पर

- **2020 वैश्विक भुखमरी सूचकांक** के अनुसार, **विश्वव्यापी भुखमरी** सामान्य स्तर पर है।
- **सहारा के दक्षिण का अफ्रीका और दक्षिण एशिया** में सभी विश्व क्षेत्रों की अपेक्षा **सबसे ऊंचा भुखमरी और अल्प पोषण स्तर** है, जिनका **2020 जीएचआई स्कोर क्रमशः 27.8 और 26.0 है, दोनों ही गंभीर माने जाते हैं।**
- **2020 जीएचआई स्कोर** के अनुसार, **3 देशों** में गंभीर भुखमरी का स्तर है- **चाड, तिमोर-लेस्ते और मैडगास्कर।**
- **8 देशों** में भी भुखमरी की स्थित को **गंभीर** माना जा रहा है- बुरुंडी, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, कोमोरॉस, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सीरिया और यमन- यह **अनंतिम श्रेणीकरण पर आधारित है।**
- **विश्व द्वितीय सतत वैकासिक लक्ष्य को हासिल करने की ओर नहीं बढ़ रहा है- जिसे संक्षेप में शून्य भुखमरी कहते हैं- 2030 तक।**
- वर्तमान गति से, लगभग 37 देश अल्प भुखमरी के लक्ष्य को भी हासिल करने में कामयाब नहीं होंगी, जिसे जीएचआई तीव्रता स्केल द्वारा 2030 तक के लिए परिभाषित किया गया है।

भारत और वैश्विक भुखमरी सूचकांक

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **भारत** में विश्व में **पांच वर्ष से नीचे** सबसे ज्यादा **बाल निर्बलता** के मामले हैं, जोकि जबर्दस्त **अल्प पोषण की स्थिति को परिलक्षित** करता है।
- **सूचकांक में 107 देशों में भारत का स्थान 94 है**, जोकि अपने पड़ोसियों जैसे **बांग्लादेश (75) और पाकिस्तान (88)** से भी नीचे है।

Where India stands

The Global Hunger Index score is computed using four indicators —undernourishment, child wasting, child stunting and child mortality. A country's GHI score is classified by severity — low ( ), moderate ( ) and serious ( )

RANK	COUNTRY	2020 SCORE
1-17*	China	<5
64	Sri Lanka	16.3
73	Nepal	19.5
75	Bangladesh	20.4
78	Myanmar	20.9
88	Pakistan	24.6
94	**India**	**27.2**
99	Afghanistan	30.3

**17 countries have scores of less than 5 and are collectively ranked 1-17*

- **2019 में वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत का स्थान 102** था।
- रिपोर्ट ने **27.2 के स्कोर** के साथ **भारत को गंभीर श्रेणी** में रखा है।
- **भारत में बाल बौनापन दर 37.4%** थी।
- **बाल दुर्बलता दर 17.3%** थी।
- **भारत की अल्प पोषण दर 14% और बाल मृत्युदर 3.7%** थी।

Topic- GS Paper III- Important Index
Source- The Hindu

गरीबी उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस

समाचार में क्यों है?

- गरीबी उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस 2020 **17 अक्टूबर को मनाया** जा रहा है।

गरीबी उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस के बारे में

- **गरीबी उन्मूलन अंतरराष्ट्रीय दिवस** एक **अंतरराष्ट्रीय आचार** है जिसे प्रत्येक वर्ष **17 अक्टूबर** को पूरे विश्व में मनाया जाता है।
- इस वर्ष इस दिवस का शीर्षक **"एक्टिंग टूगेदर टू अचीव सोशल एंड इनवायरमेंटल जस्टिस फॉर आल" है।**
- अपने **संकल्प 72/233** में **आम सभा** ने **गरीबी उन्मूलन (2018-2027)** के लिए **तीसरे संयुक्त राष्ट्र दशक** को उद्घोषित किया। गरीबी में रहने वाले लोग कई **अंतरसंबंधित और आपसी सुदृढ़ अभावों** को महसूस करते हैं जोकि उन्हें **अपने अधिकारों को पाने से वंचित** करते हैं और **उनकी गरीबी को बनाए रखते हैं**, जिनमें शामिल हैं-
    - जोखिमपूर्ण कार्य स्थितियां
    - असुरक्षित आवास

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- ○ न्याय पर गैरबराबरी पूर्ण पहुँच
- ○ राजनीतिक शक्ति का अभाव
- ○ स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच

पृष्ठभूमि

- इस **घटना का पहला स्मरणोत्सव 1987 में पेरिस, फ्रांस** में मनाया गया था जब **100,000 ने इकठ्ठा** होकर गरीबी के शिकार लोगों का सम्मान किया था और **इंटरनेशनल मूवमेंट एटीडी फोर्थ वर्ल्ड** के संस्थापक **जोसेफ व्रेसिंस्की** की **शिला का अनावरण** किया था।
- **व्रेसिंस्की की मृत्यु** के **चार वर्षों** के बाद **1992 में, संयुक्त राष्ट्र** ने आधिकारिक रूप से **अक्टूबर 17** को **गरीबी उन्मूलन का अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया।**

संबंधित सूचना

गरीबी उन्मूलन के लिए सरकारी पहल

- **1991 में और बाद** में **अपनाई गई नीतियों** ने **उच्च आर्थिक वृद्धि दर हासिल** करने में सहायता प्रदान की जिसने **गरीबी हटाने में मदद की** है।
- **एक साथ कई कार्यक्रमों को शुरू किया गया** है, **जैसे रोजगार सृजन कार्यक्रम, आय समर्थन, रोजगार गारंटी (जैसे मनरेगा)** गरीबी उन्मूलन के लिए।
- **आवास, विद्युत जैसी उपयोगिताओं** को देने के लिए योजनाओं लागू की गई हैं जिससे **गरीब परिवारों** के **वित्तीय खर्च** के मामले में राहत मिल सके।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना और 2022 तक सभी के आवास योजना** जिससे **ग्रामीण और शहरी गरीबों** को आवास उपलब्ध कराया जाएगा एक उदाहरण है।

जनता के सशक्तिकरण के लिए योजनाएं

- **भारत सरकार की नवीनतम योजनाएं जैसे स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया** जनता के सशक्तिकरण के लिए हैं अर्थात **जनता को आत्मनिर्भर बनाना**, जिससे वे अपनी जीवनयापन हासिल कर सकें।

नोटः

- **सतत विकास लक्ष्य 1** सभी जगह सभी रूपों में **गरीबी उन्मूलन** से संबंधित है।

Topic- GS Paper III–Poverty
Source- United Nation

<u>मिशन शक्ति अभियान</u>

<u>समाचार में क्यों है?</u>

- हाल में **उत्तर प्रदेश सरकार** ने **6 महीने लंबे** महिला सशक्तिकरण अभियान '**मिशन शक्ति**' की शुरुआत राज्य में **महिलाओं के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए जागरुकता पैदा** करने के लिए की है।
- इस अभियान की शुरुआत बलरामपुर में देवीपाटन शक्ति पीठ से मुख्यमंत्री द्वारा की गई।

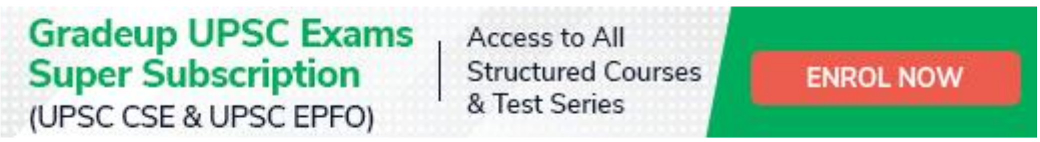

मिशन शक्ति अभियान के बारे में

- मिशन शक्ति के अंतर्गत, विभिन्न जागरुकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जो महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए विभिन्न योजनाओं से संबंधित होंगे।
- महिला नोडल अधिकारियों को सरकार ने सभी जिलों में नियुक्त किया है जिससे अभियान का क्रियान्वयन और निगरानी की जा सके।
- सभी प्रयास किये जाएंगे कि महिलाएं अपने घरों से बाहर निकलने में डर ना महसूस करें।
- महिला सशक्तिकरण जागरुकता पर विभिन्न प्रतियोगी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अभियान के दौरान आयोजित किया जाएगा।

Topic- GS Paper II– Women Empowerment
Source- AIR

वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट 2020

समाचार में क्यों है?

- **वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट 2020** के अनुसार, **कोविड-19 महामारी देखभाल की मांग करने वाले व्यवहार** के साथ संयुक्त होकर हाल के दिनों में **क्षय रोग के वैश्विक भार** को कम करने में हुई प्रगति को फिर से पीछे ले जाने की चेतावनी दे रहा है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- कई **उच्च क्षय रोग भार वाले देशों** से साक्ष्य जहां लोगों में **इस रोग की माहवारी संख्या** में **बड़ी गिरावट** हुई, वहां क्षय रोग की पहचान और 2020 के आंकड़े उपलब्ध हैं।
- **भारत** में कुल **दुनिया के 26% क्षय रोगी** हैं और जनवरी-जून 2020 के दौरान 2019 के समान काल की तुलना में अधिसूचना में 25% की गिरावट दर्ज की गई है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- **फरवरी 2020 में क्षय रोग अधिसूचना** में **जनवरी की तुलना में** वृद्धि हुई लेकिन **अप्रैल में इसमें तेजी से गिरावट आई** जिससे यह **जनवरी के आंकड़ों से 40% गिर** गया। बाद में यह फिर **से जून महीने में जनवरी के आंकड़ों की तुलना में 75% बढ़ गया।**
- भारत में **क्षय रोग की अधिसूचना में तेजी से गिरावट** नहीं आई है और **भारत में इंडोनेशिया, फिलीपींस और दक्षिण अफ्रीका** की तुलना में गिरावट के बाद तेजी से **स्वास्थ्य लाभ** ज्यादा हुआ है।
- **भारत** में, **2013 से 2019** के मध्य **नए क्षय रोगियों की पहचान की अधिसूचनाएं 74% बढ़कर 1.2 मिलियन से 2.2 मिलियन** हो गईं।

वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट के बारे में

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)** ने 1997 से **प्रत्येक वर्ष वैश्विक क्षय रोग रिपोर्ट** का प्रकाशन किया है।
- इस **रिपोर्ट का उद्देश्य क्षय रोग संक्रमण** की स्थिति के **नवीनतम और समग्र आकलन** को उपलब्ध कराना है।
- यह **रिपोर्ट मूल रूप** से **विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आंकड़ा संग्रहण** के वार्षिक चक्र में इकठ्ठा किये गए आंकड़ों पर आधारित है।

वैश्विक लक्ष्य

- **2014** और **2015** में, **विश्व स्वास्थ्य संगठन के सभी सदस्यों** और **संयुक्त राष्ट्र** ने **संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी)** और **विश्व स्वास्थ्य संगठन के एंड टीबी स्ट्रेटेजी** को अपनाया।
- **क्षय रोग को लक्ष्य 3 एसडीजी के लक्ष्य 3.3** में शामिल किया गया है जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक **एड्स, क्षय रोग, मलेरिया और नजरअंदाज किये गये उष्णकटिबंधीय रोगों के संक्रमण** का अंत करना है।
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन की एंड टीबी स्ट्रेटेजी** का उद्देश्य 2030 तक क्षय रोग से होने वाली मृत्युओं को **90% तक कम करना** और **क्षय रोग को 80% तक नीचे लाना** है। इसके लिए **2015 को आधार वर्ष** माना गया है।
- **2020 की खास बात क्षय रोग में 20% की गिरावट** है और **क्षय रोग से होने वाली मौतों में 35%** की गिरावट है।

भारत और क्षय रोग

- **भारत** 2025 तक देश से **क्षय रोग के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध** है जोकि **विश्व स्वास्थ्य संगठन** के वैश्विक लक्ष्य से **पांच वर्ष** पूर्व है (2030)।

भारत की पहलें

<u>राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम</u>

- **महत्वाकांक्षी लक्ष्य** से संरेखित करने के लिए कार्यक्रम को **संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी)** से बदलकर **राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी)** नामकरण किया गया है।

निक्षय पारितंत्र

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- यह **राष्ट्रीय क्षय रोग सूचना प्रणाली** है जो **रोगियों की सूचना के प्रबंधन और कार्यक्रम गतिविधि** और पूरे देश में प्रदर्शन की निगरानी के लिए **वन स्टाप हल** है।

निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई)

- इस योजना का उद्देश्य **क्षय रोगियों को पोषण के लिए वित्तीय समर्थन** प्रदान करना है।

टीबी हारेगा जीतेगा देश अभियान

- इसकी **शुरुआत सितंबर 2019** में की गई। इसका उद्देश्य **क्षय रोग के उन्मूलन के लिए उच्चस्तरीय प्रतिबद्धता** को दर्शाना है।

सक्षम परियोजना

- यह **टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज** की परियोजना है जोकि **डीआर-टीबी रोगियों को मनो-सामाजिक परामर्श** प्रदान कर रही है।

क्षय रोग के बारे में

- यह **बैक्टीरिया (माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकोलोसिस)** के द्वारा होता है जोकि अक्सर फेंफड़ों को प्रभावित करता है।

संप्रेषण

- यह वायु के द्वारा **एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति** में फैलता है।
- जब **क्षय रोगी खांसता, छींकता अथवा थूकता** है तो वह **क्षय रोग के कीटाणुओं को हवा** में फैला देता है।

लक्षण

- कभी कभी **थूक के साथ खांसी** और खून, सीने में दर्द, कमजोरी, वजन में गिरावट, बुखार और रात में पसीना आना।
- वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, **2020 में भारत में क्षय रोग अधिसूचना** में **25**% की गिरावट आई है।

Topic- GS Paper III– Health
Source- Indian Express

छठवां भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह

समाचार में क्यों है?

- **भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह** (IISF) 2020 का छठवां संस्करण **22 से 25 दिसंबर 2020** के बीच में वर्चुअल प्लेटफार्म पर सम्पन्न होगा।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह के बारे में

- पहला व दूसरा IISF **नई दिल्ली** में, तीसरा चेन्नई में, चौथा लखनऊ में, और **पांचवां** IISF **कोलकाता** में सम्पन्न हुआ था।
- यह एक वार्षिक समारोह है जिसका आयोजन **तकनीक से संबंधित मंत्रालयों और भारत सरकार के विभागों** और **विज्ञान भारती (विभा)** द्वारा किया जाता है।
- यह एक **समारोह है जो भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी तरक्की** को छात्रों, शिल्पकारों, किसानों, वैज्ञानिकों और टेक्नोक्रेटों के साथ मनाता है। ये भारत या उससे बाहर के हो सकते हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

(यद्यपि एक मिलाजुला विषय)

स्रोत- पीआईबी

एनीमिया मुक्त भारत सूचकांक

समाचार में क्यों है?

- हाल में देश के **29 राज्यों** के मध्य **हरियाणा राज्य** ने **एनीमिया मुक्त भारत (AMB) सूचकांक** में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है।

एनीमिया मुक्त भारत (AMB) सूचकांक की खास बातें

- **हरियाणा** ने 29 **राज्यों के मध्य** 46.7 **के AMB सूचकांक** के साथ **प्रथम स्थान** हासिल किया है।
- हरियाणा **देश के 11 राज्यों में से एक है जिसने 2020 से काफी पहले राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के लक्ष्यों को हासिल कर लिया है।**
- संस्थागत वितरण **93.7 प्रतिशत तक बढ़ गया है और यह राज्य में 24 घंटे वितरण सुविधाओं की वजह से संभव हो सका है।**

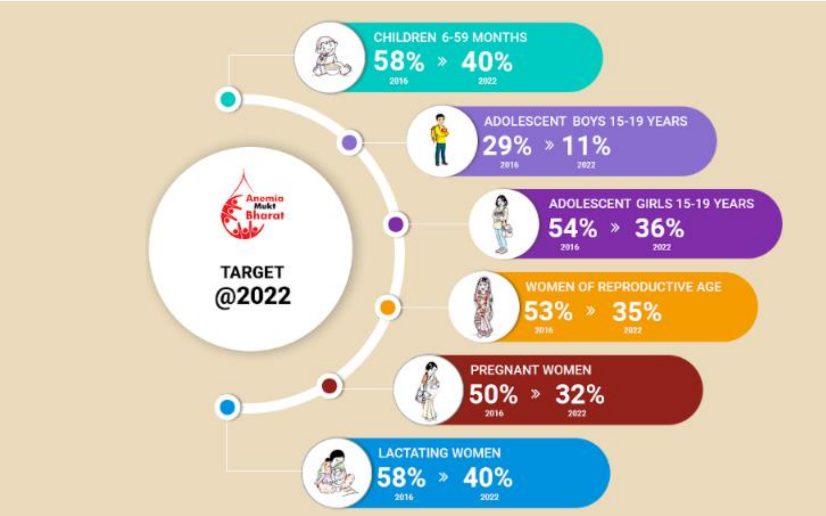

एनीमिया मुक्त भारत के बारे में

- यह **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और UNICEF** की एक पहल है।

उद्देश्य

- इसकी शुरुआत पूरे भारत में **रक्त अल्पता के मामलों को कम** करने के लिए की गई है।
- इसका उद्देश्य **6X6X6 रणनीति** के द्वारा **निवारक और रोग निवारक तंत्रों** को उपलब्ध कराना है जिसमें **छह लक्षित लाभकर्ता, छह हस्तक्षेप और छह संस्थागत तंत्र**, सभी हितधारकों के लिए रणनीति के क्रियान्वयन के लिए शामिल है।

लक्षित लाभकर्ता

- लक्षित लाभकर्ता हैं **बच्चे (6-59 महीने), बच्चे (5-9 वर्ष), किशोर लड़कियां और लड़के 10-19 वर्ष के, प्रजनन आयु वाली महिलाएं (15-49 वर्ष), गर्भवती महिलाएं** और **दूध पिलाने वाली मांएं।**

छह लक्षित हस्तक्षेप

1. प्रोफाइलेक्टिक आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण
2. कृमिहरण

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

3. तीव्र वर्षपर्यंत व्यवहार परिवर्तन संवाद अभियान (ठोस शरीर, स्मार्ट दिमाग) जिसमें नये जन्में बच्चों के गर्भनाल को देर से काटना सुनिश्चित करना शामिल है।
4. डिजिटल विधियों का प्रयोग करके रक्त अल्पता की जांच करना और प्वाइंट ऑफ केयर इलाज
5. सरकार वित्त पोषित स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आयरन और फोलिक एसिड फोर्टिफाइड भोजनों का आवश्यक प्रावधान
6. बीमारी के क्षेत्रों में रक्त अल्पता के गैर पोषणीय कारणों का समाधान करना जिसमें मलेरिया, हीमोग्लोबिनोपेथीज और फ्लूरोसिस पर विशेष जोर है।

रक्त अल्पता के बारे में

- रक्त अल्पता एक ऐसी अवस्था है जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या अथवा उनके ऑक्सीजन वहन करने की क्षमता शरीर के शारिरिक जरूरतों को पूरा करने में अक्षम रहती है, जो आयु, लिंग, ऊंचाई, सिगरेट पीने की आदत और गर्भ धारण के दौरान बदलती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य मामले

स्रोत- AIR

किसान सूर्योदय योजना

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **प्रधानमंत्री** ने **गुजरात में कुछ प्रमुख परियोजनाओं** के साथ **'किसान सूर्योदय योजना'** की घोषणा की।

किसान सूर्योदय योजना के बारे में

- यह **गुजरात के किसानों** के लिए एक पहल है जिससे उन्हें **सिंचाई के लिए दिन में बिजली की आपूर्ति उपलब्ध कराई जा सके।**
- इस योजना के अंतर्गत, **किसान 5 बजे सुबह से लेकर 9 बजे रात** तक **बिजली आपूर्ति का लाभ ले सकेंगे।**
- राज्य सरकार ने **2023** तक योजना के अंतर्गत **संप्रेषण अवसंरचना** की स्थापना के लिए **रु. 3500 करोड़ का बजट आवंटित** किया है।

- **दहोद, पाटन, महिसागर, पंचमहल, छोटा उदेपुर, खेड़ा, तापी, वालसाड, आनंद** और **गिर-सोमनाथ** को **2020-21 के लिए योजना** के अंतर्गत शामिल किया गया है।
- **बाकी बचे जिलों** को **2022-23** तक **चरणबद्ध तरीके से** शामिल किया जाएगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

भारत-ऑस्ट्रेलिया चक्रीय अर्थव्यवस्था हैकाथन (I-ACE)

समाचार में क्यों है?

- हाल में, **नीति आयोग** ने **भारत-ऑस्ट्रेलिया चक्रीय अर्थव्यवस्था हैकाथन (I-ACE)** की **शुरुआत** की है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया चक्रीय अर्थव्यवस्था हैकाथन (I-ACE)

- यह **AIM (अटल नवाचार अभियान)** और **ऑस्ट्रेलिया के कॉमनवेल्थ वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध संगठन (CSIRO)** की संयुक्त पहल है।
- **I-ACE के विचार** का जन्म **भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्रियों के बीच में वर्चुअल शिखर सम्मेलन** के दौरान हुआ था, जिसका उद्देश्य **भारत और ऑस्ट्रेलिया** में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के नवाचार तरीकों को खोजना था।
- यह दोनों देशों के **प्रखर बुद्धि के छात्रों, स्टार्टअप्स और मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्यमों** के द्वारा **नवाचार तकनीकी हलों** की पहचान और विकास पर जोर देगा।

हैकाथन की चार प्रमुख थीम निम्न हैं:

- पैकेजिंग में नवाचार जिससे पैकेजिंग अपशिष्ट को रोका जा सके
- अपशिष्ट को रोकने के लिए भोजन आपूर्ति चेनों में नवाचार
- प्लास्टिक अपशिष्ट घटाने के लिए अवसर पैदा करना
- महत्वपूर्ण ऊर्जा धातुओं और ई-अपशिष्ट का पुर्नचक्रण

संबंधित सूचना

अटल नवाचार अभियान के बारे में

- यह **भारत सरकार की फ्लैगशिप पहल** है जिससे देश में **नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को प्रोत्साहित** किया जाएगा।

उद्देश्य

- इसका **उद्देश्य नए कार्यक्रमों और नीतियों का विकास करना** है जिससे **अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों** में **नवाचार को बढ़ावा** दिया जा सके, साथ ही विभिन्न हितधारकों के लिए प्लेटफार्म और सहयोग अवसरों को उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही देश के नवाचार

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

पारिस्थितकीयतंत्र की देखभाल के लिए जागृति पैदा करना और एक छतरी संरचना का सृजन करना है।

AIM के अंतर्गत प्रमुख पहलें

- **अटल टिंकरिंग लैबः** भारत में सभी विद्यालयों में समस्या को सुलझाने वाली मानसिकता का निर्माण करना।
- **अटल इन्क्यूबेशन सेंटर्सः** विश्वस्तरीय स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देना और इन्क्यूबेटर मॉडल में एक नया आयाम जोड़ना।
- **मेंटर इंडिया कैंपेन:** अभियान की सभी पहलों को समर्थन देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, कार्पोरेटों और संस्थानों के साथ सहयोग में राष्ट्रीय मेंटर नेटवर्क का निर्माण करना।
- अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटरः देश के बिना सेवा/ कम सेवा वाले क्षेत्रों में समुदाय केंद्रित नवाचार और विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए जिनमें टियर 2 और टियर 3 शहर शामिल हैं।
- **अटल न्यू इंडिया चैलेंजः** उत्पाद नवाचारों को प्रोत्साहित करना और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों/ मंत्रालयों से सुमेलित करना।
- **अटल रिसर्च एंड इनोवेशन फॉर स्माल इंटरप्राइजेज (ARISE):** मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्यम उद्योग में नवाचार और शोध को प्रोत्साहित करना।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था

स्रोत- द हिंदू

थोक औषधियों और चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए PLI योजनाएं

ख़बरों में क्यों है?

- हाल में **रसायन और खाद मंत्रालय** ने **थोक औषधियों और चिकित्सा उपकरणों** के **घरेलू विनिर्माण** को प्रोत्साहित करने के लिए **उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजनाओं** में संशोधन किया है।

संशोधित दिशा-निर्देशों के बारे में और ज्यादा

- संशोधित दिशा-निर्देशों में, **न्यूनतम सीमा निवेश जरूरत** को **प्रतिबद्ध निवेश** से विस्थापित कर दिया गया है जिसके लिए **तकनीकी विकल्पों की उपलब्धता** को ध्यान में रखा गया है जोकि उत्पाद से उत्पाद में बदलती हैं।
- यह परिवर्तन **उत्पादकता पूंजी के सक्षम प्रयोग को बढ़ावा** देने के लिए किया गया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

अर्हता मानदंड में परिवर्तन

- **न्यूनतम बिक्री सीमा के अर्हता मानदंड** में परिवर्तन किया गया है जोकि **अनुमानित मांग, तकनीक की प्रवृत्ति** और **बाजार विकास** के अनुसार है जिससे योजना के अंतर्गत **प्रोत्साहन को हासिल** किया जा सके।

कार्यकाल

- इस **योजना का कार्यकाल** एक वर्ष **वित्त वर्ष 2021-22 में चुने हुए आवेदकों** के द्वारा किये जाने वाले **संभावित पूंजी खर्च** को ध्यान में रखते हुए बढ़ा दिया गया है।
- इसी के अनुसार, **प्रोत्साहन को प्राप्त करने के उद्देश्य** से बिक्री का **हिसाब 5 वर्ष के लिए** लिया जाएगा जोकि **वित्त वर्ष 2021-2022 के स्थान** पर **वित्त वर्ष 2022-2023** से आरंभ होगा।
- **PLI योजनाओं** को **कैबिनेट ने 20 मार्च, 2020 को स्वीकृति** दी थी, और **योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देशों** को 27 जुलाई, 2020 को **फार्मास्युटिकल्स विभाग** द्वारा जारी किया गया था।
- पूर्व में फार्मास्युटिकल्स विभाग **दो उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं** को लेकर आ चुकी हैः

a. भारत में महत्वपूर्ण प्रमुख **शुरुआती पदार्थों के घरेलू विनिर्माण, औषधि मध्यवर्ती** और **सक्रिय फार्मास्युटिकल घटकों** के **प्रोत्साहन के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना।**

b. चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना

- कैबिनेट की स्वीकृति के बाद, **योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश इस वर्ष फार्मास्युटिकल्स विभाग द्वारा जुलाई** में जारी किये गए थे।

नोटः

- वैश्विक रूप से, **भारतीय औषधि उद्योग मात्रा के संदर्भ में तीसरा सबसे बड़ा उद्योग** है और **भारत की आर्थिक वृद्धि** और **निर्यात प्राप्तियों में महत्वपूर्ण योगदान** देता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र- III- स्वास्थ्य क्षेत्र

स्रोत- PIB

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

gradeup

UPSC मासिक सामयिकी अक्तूबर २०२०

Prep Smart. Score Better. Go gradeup

www.gradeup.co